यजजस्ट्रेशन भैनुअर उत्तय प्रदेशविषम सूची

अध्माम 1

यजजस्ट्रीकयण अधधष्ठान

ननमभ 1–107

अध्माम 2

कामाारमी विननमभ

ननमभ 108–176

अध्माम 3

यजजस्ट्रीकताा अधधकारयमों के कताव्म औय प्रक्रिमा ननमभ 177–384

नरयशशष्ट

नरयशशष्ट–एक

यजजस्ट्रयों औय फहहमों के प्रारूऩ

नरयशशष्ट–दो

इण्डेक्सों के प्रारूऩ

नरयशशष्ट–तीन

ननमतकाशरक औय अन्म विियणणमों के प्रारूऩ

नरयशशष्ट–चाय

प्रदेश के विशबन्न जजरा यजजस्ट्रायों के शरमे स्ि्िीकृत स्ट्थामी अधिभ की याशशमाॉ

नरयशशष्ट–ऩाॉच

यजजस्ट्रीकयण पीस सायणी

नरयशशष्ट–छ्

उत्तय प्रदेश के यजजस्ट्रीकयण जजरे औय उऩजजरे

नरयशशष्ट–सात

उ०प्र० स्ट्टाम्ऩ एिॊ यजजस्ट्रीकयण, विबाग (सभूह ''क'' औय सभूह ''ख'') सेिा ननमभािरी, 1982

नरयशशष्ट–आठ

उत्तय प्रदेश उऩ यजजस्ट्राय सेिा ननमभािरी,

1983 ऩरयशशष्ट–नौ

उत्तय प्रदेश यजजस्ट्रीकयण विबाग (जजरा अधधष्ठान) शरवऩक िगा सेिा ननमभािरी, 1978

ऩरयशशष्ट–दस

उत्तय प्रदेश (पोटोस्ट्टेट प्रनतमों के साथ दस्ट्तािेजों का यजजस्ट्रीकयण) ननमभािरी, 1989

....

....

....

यजजस्ट्रेशन भैनुअर उत्तय प्रदेश

जजल्द दो,

अध्माम 1

यजजस्ट्रीकयण अधधष्ठान

जजरा यजजस्ट्राय

1. जजरा ननफन्धकों की ननमुजक्त - 1914 के अधधननमभ चाय द्वाया मथा सॊशोधधत 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 6 के अधीन जजरा यजजस्ट्राय के ऩद ऩय स्ट्थामी ननमुजततमाॉ स्ट्थानीम (माने याज्म) सयकाय द्वाया की जाती है औय उऩयजजस्ट्रायों की ननमुजतत की शजतत स्ट्थानीम (माने याज्म) सयकाय द्वाया यजजस्ट्रककयण भहाननयक्क को ्रत् मामोजजत की गई है।

2.कुभाम ॉ औय उतयाखण्ड के जजरा जज को छोड़कय अन्म सफ जजरा जज, फाॉदा, मभयजाऩुय, जौनऩुय औय ऩीरकबीत के सत्र एवॊ मसववर जज, नैनीतार, अल्भोड़ा, गढ़वार औय टेहयक गढ़वार, वऩथौयागढ़ औय चभोरक के करतटय यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के ्रतमोजन से ऩदेन जजरा यजजस्ट्राय है। अऩय जज ऩदेन जजरा यजजस्ट्राय नहकॊ है।

(टटप्ऩणी - मद्मवऩ मह ननमभ सॊशोधधत नहकॊ हुआ है ऩयन्तु व्मवहारयक रूऩ से ननष्प्रतबावी हो गमा है तमोंकक शासनादेश सॊख्मा 5188/दो (2) टदनाॊक 23.08.1975 तथा त्सम्फजन्धत आटद अन्म आदेशों द्वाया ्रत् मेक जजरे के अऩय जजराधधकायक (ववत्त एवॊ याजस्ट्व) को ऩदेन जजरा यजजस्ट्राय ननमुतत ककमा गमा है।)

3. जजरा यजजस्ट्राय की अस्ट्थाई अनुऩजस्ट्थनत - जफ जजरा यजजस्ट्राय भुख्मारम से अनुऩजस्ट्थत हो औय स्ट्थानाऩन्न ननमुजतत न हुई हो तो ऐसा अनुऩजस्ट्थनत भें साभान्मत् अऩय जजरा जज मटद हो, मा वरयष्ठ न्मानमक अधधकायक जजरा यजजस्ट्राय का कामय कयेगा, ऩयन्तु अधधननमभ को धाया 11 भें वर्णयत

नरयजस्थनतमों भें जजरा यजजस्ट्राय भुख्मारम के उन-यजजस्ट्राय मा जजरे के अन्म ककसी कभयचायक को ननमुतत कय सकता है, जो अधधननमभ की धाया 68 औय 72 भें वर्णयत कामाां के अनतरयतत जजरा यजजस्ट्राय के सफ कतयव्मों का ननवयहन कयेगा। [टटप्नणी- ननमभ 2 भें हुमे नरयवतयनों के परस्वरूऩ मह ननमभ बी ननष्प्रतबावी हो गमा है।] **4-25.**ननमभ 4 से 24 तक यजजस्ट्रककयण कामायरमों के ननयक्षकों की सेवा ननमभावरक है, जो उतय प्रतदेश स्टाम्न एवॉ यजजस्ट्रककयण ववबाग (सभ ह „क" औय सभ ह „ख") सेवा ननमभावरक, 1962 द्वाया प्रतनतस्थावनत कय दक गई है। मह ननमभावरक नरयमशष्ट सात नय है। **25-29.**ववरोवनत।

बाग - ख

यजजस्ट्रेशन अधधननमभ, 1908 (1908 को सोरहवाॉ) के अधीन फनामे गमे ननमभ) **30. दौया-** जफ तक यजजस्ट्रककयण भहाननयक्षक द्वाया अन्मथा आदेश न टदमा जामे, मेक ननयक्षक अऩने ऺेत्र के प्रत्मेक उन-यजजस्ट्राय कामायरम का वषय भें कभ से कभ दो फाय औय प्रत्मेक जजरा यजजस्ट्राय कामायरम का एक फाय ननयक्षण कयेगा, उसको हय भाह भें कभ से कभ आठ कामायरमों का ननयक्षण कयना चाटहमे औय वषय भें 230 टदन का दौया कयना चाटहमे। ननमभत् जन के भहकने को छोड़कय, ननयक्षक को एक भहकने 20 टदन दौया नय यहना चाटहमे। जन के भटहने भें उनको मा उनभें से ककसी को यजजस्ट्रककयण भहाननयक्षक के आदेश के अनुसाय अऩने-अऩने भुख्मारम नय ठहय कय अऩने कामायरम का कामय मा कोई अन्म कामय, जो उसको सौंना जामे, कयने की मा अऩने ऺेत्र से फाहय उन जजरों भें जहाॉ दकवानी न्मामारम उस भहकने भें खुरे यहते हैं ननयक्षण कयने को कहा जा सकता है।

नोट- जजन कामायरमों का वषय भें दो फाय ननयक्षण ककमा जाना अनेक्षित है उनका ननयक्षण एक फाय वषय के न वायधय भें औय एक फाय उतयाधय भें इस प्रतकाय ककमा जाना चाटहमे कक ऐसा ननयक्षण जो उसके न वयवती ननयक्षण के तीन भाह के अन्दय ककमा जामे वह इस ननमभ के प्रतमोजन से द सया ननयक्षण न भाना जामे।

स्नष्टीकयण- ववशेष नरयजस्थनतमों भें ककमा जाने वारा असाधायण ननयक्षण उतत सीभावधध का मरहाज ककमे बफना ककमा जा सकता है, इस ननमभ के अनुनारन के मरमे ऐसा असाधायण ननयक्षण ननयक्षणों भें नहक धगना जामेगा।

31. त्र ि ननयी ं **ण-** भहाननयकक
सभम-सभम ऩय ननयक कों के ं े त्रों की
सीभाओॊ भें
ऩरयवतयन कय सकते हैं ऩयन्तु मह ऩरयवतयन इस ्रतकाय ककमा जाना चाटहमे कक ्रत्
मे
क ननयक ण
ऩय मथासम्बव टदमे जाने काभ का सभान बाय ऩड़े।
भहाननयकक ननयक कों के भुख्मारम ननधायरयत मा ऩरयवनतयत कय सकता है औय
ननयककों का एक ं े त्र से द सये को स्थानान्तयण कय सकता है। सभान्मत् ्रत् मेक ननयक क
एक ं े त्र भें चाय वषय से कभ मा ऩाॉच वषय से अधधक अवधध के नहकों ठहयना चाटहमे मद्मवऩ
जो ननयकक सेवाननवृत होने वारे हों उन ऩय मह ननमभ कठोयता से राग नहकों ककमा जाना
चाटहमे।
32. ननयी ंण का दौया - भहाननयक क सभम-सभम ऩय ्रत् मेक ननयक क के दौये के
साभान्म टदशा ननदेश तथा उसके द्वाया ववमबन्न जजरों भें जाने का क्रभ ननधायरयत कय सकता
है, मेक ननयकक साभान्मत् ्रत् मेक जजरा यजजस्ट्राय को कभ से कभ 15 टदन ऩहरे उसके
जजरे भें ऩहुॉचने की सम्बाववत तायकख औय उन कामायरमों के ननयकण के कामयक्रभ की स चना
देगा जजनका उसे ननयक ण कयना है औय जजरा यजजस्ट्राय से ऐसे भाभरों के मरमे ववशेष
ननदेश भाॉगेगा जजन ऩय ववशेष रूऩ से ध्मान टदमा जाना आऩेक्षऺत है।
33. दौया दैननजन्दनी- ्रत् मेक ननयकक
ऩरयमशष्ट तीन के ्रत ारूऩ सॊख्मा 26 (जजसकी
जजल्द फन्द फहक औय अरग ऩचें भहाननयक
क के कामायरम से टदमे जामेंगे) इस दैननजन्दनी भें ्रत
नतटदन की गई मात्राओॊ औय ककमे गमे काभ का सॊक्षऺप्त वववयण मरखा जामेगा। ्रत् मेक
ननदेशानुसाय अरग से रयऩोटय बेजी जानी है। दैननजन्दनी भें ननयकक द्वाया टदन
्रतनतटदन ककमे गमे काभ का सॊक्षऺप्त व सहक वववयण मरखा जाना चाटहमे।
34. अधधष्ठान- ्रत् मेक ननयकक को सयकायक खचे ऩय एक चऩयासी अनुभन्म

होगा ऩयन्तु टेन्ट मा दौये का अन्म साभान अनुभन्म न होगा।

35. ननयीं कों के अदाशरमों को दजण्डत कयना- ननयकं को उनको दजण्डत कयने की शजतत यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क को है, उनकों कोई दण्ड टदमे जाने के ऩहरे मसववर-सववयसेज (तरासीकपकेशन कन्रोर एण्ड अऩीर) ननमभावरक के ननमभ 55 भें ननधायरयत ्रतकक्रमा का ऩारन ककमा जाना चाटहमे।

36. मेक ननयकंक को भहाननयकं क के कामायरम से आवश्मक रेखन साभग्री, ्रतारूऩ व सेवा डाक टटकट उऩरब्ध कयामे जावेंगे।

37. मात्रा बत्ता- ननयकंक औय उनके अदयरक वव्तीम हस्ट्तऩुजस्ट्तका की जजल्द तीन भें टदमे गमे ननमभों के अनुसाय मात्रा ब्ता ऩाने के मरमे अधधकृत होंगे, हय भहकने भें ननयकं क द्वाया स्ट्वमॊ अऩना औय अऩने चऩयासी का मात्रा ब्ता बफर ्रतनतहस्ट्तां रयत कयने के मरए भहाननयकंक को बेजा जामेगा।

नतहस्ट्तां यण के फाद बफर ननयकंक को रौटा टदमे जामेंगे ताकक वह उनको अऩने ें त्र के ककसी भुख्म कोषागाय से बुना सके।

38. ननयीं कों के कताव्म- जजरा यजजस्ट्राय द्वाया ननमभ 32 के अनुसाय टदमे गमे ववशेष ननदेंशों को ध्मान भें यखते हुमे, ननयकं क का कतयव्म अऩने ें त्र के सफ उऩ-यजजस्ट्राय कामायरमों का स क्ष्भ ऩयकं ण कयना तथा उस ऩय ववस्ट्तृत आख्मा देना है। उसका दानम्व केवर ननयकं ण कयना औय आख्मा देना है। ्रतचमरत कामयशैरक मा कामयववबाजन भें ऩरयवतयन कयने का आदेश कयना उसके अधधकाय ें त्र भें नहकॊ है। ऐसे आदेश, मटद आवश्मक हुमे तो उसकी आख्मा ऩय जजरा यजजस्ट्राय द्वाया मा भहाननयकं क द्वाया टदमे जामेंगे, ऩयन्तु उतत ननदेश से वह भैनुअर भें अ ोककत ववधध मा ्रतकक्रमा के उन ्रतकीणय भाभरों भें जजनके ववषम भें सॊदेह हो, मा जो उनकी याम भें सहक ढॊग से सभझे नहकॊ जा यहे हैं, सभझने के दानम्व से भुतत नहकॊ होता।

39.ननयकं कों को सफ कामायरमों भें ननमभों का सहक अनुऩारन कयाने का ्रतम्न कयना चाटहमे। अऩनी ननयकं ण आख्माओॊ भें उसके द्वाया ऐसे सुझाव नहकॊ टदमे जाने चाटहमे जजनभें ननमभों का ऩरयवतयन ्रतबाववत हो, ऐसे सुझाव वह अऩनी वावषयक रयऩोटय भें शामभर कय सकता है। ननयकंण के दौयान ककसी गरती मा अननममभतता अ ोककत कयने ऩय ननयकंक को ्रत् मेक दशा भें मह बी अ ोककत कयना चाटहमे कक उस ्रतश्न ऩय उऩयजजस्ट्राय का तमा स्ट्ऩष्टककयण है।

40. ननयीं कों का भागा दशान- ननयकंकों को ननयकं ण कयने भें भागयदशयन मा सहामता देने औय ककन-ककन बफन्दुओॊ ऩय उसको ऩयकंण कयना चाटहमे मह फताने के मरमे ऩरयमशष्ट सात भें ्रतश्नों की एक स ची फनाई गई है, ऩयन्तु मह स्ट्ऩष्ट रूऩ से सभझा

जाना चाटहमे कक मह ्रतश्नावरक सम्ऩ णय नहकों है। ननयकं ण भें उन फातों का बी ऩयकं ण ककमा जा सकता है औय ककमा जाना चाटहमे जजनको उस स ची भें शामभर नहकों ककमा गमा है। ऩयन्तु जजन ऩय जाॉच कयना आवश्मक ्रततीत हो। [अनुवादक की टटप्ऩणी- ऩरयमशष्ट सात की स ची अव्मवहारयक होने से अनुटदत नहकों की गई है।]

41. आख्मा का स्ट्िरूऩ- आख्मा को उतत स ची भें टदमे गमे ्रतश्नों के उ्तय के रूऩ भें मरखा जाना चाटहमे। ्रत्
मेक ्रतश्न के उ्तय भें केवर ्रतश्न का क्रभाॊक मरखा जमेगा। जजन ्रतश्नों के सम्फन्ध भें कामायरम का काभ बफल्कुर ननमभऩ वयक ककमा जाना जामा जामे, माने जजसका उ्तय केवर „हाॉ‟ मा „ना‟ भें हक हो सकता है ऐसे ्रतश्नों का न तो क्रभाॊक मरखा जाना चाटहमे औय न उ्तय, ऩयन्तु जहाॉ कोई अननममभतता ऩाई जावे मा जजनके सम्फन्ध भें ननयकंक कोई सुझाव देना मा ऩयाभशय देना आवश्मक सभझे ्रतश्न का क्रभाॊक तथा ऩ या उ्तय अॊककत ककमा जाना चाटहमे। ननयकं ण आख्मा के ्रत्
मेक खण्ड के अन्त भें ननयकं क को ऐसी टटप्ऩर्णमाॊ बी अॊककत कयनी चाटहमे जो कामय की व्माऩक जस्ट्थनत मा अन्म ककसी बफन्दु ऩय जो उन ्रतश्नों के उ्तयों के अन्तगयत शामभर नहकों ककमे जा सकते।

42. ननयीं ण का अशबरेख औय आख्मा का बेजा जाना- ककसी कामायरम का ननयकं ण सभाप्त होने के तुयन्त फाद ननयकं क एक साभान्म ननयकंण ऩुजस्ट्तका भें उस ननयकं ण का सॊक्षप्त वववयण औय कामायरम भें हो यहे काभ की सभम-ननष्ठता औय सहक ढॊग से ककमे जाने के सम्फन्ध भें जो याम कामभ की हो अॊककत कयेगा, इस नोट भें ववस्ट्तृत वववयण टदमे जाने की आवश्मकता नहकों है औय साभान्मत् उसभें 6 ऩजततमों से अधधक नहकों होनी चाटहमे,
ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 27 भें ववस्ट्तृत ननयकं ण आख्मा मरखी जानी चाटहमे औय ननयकंण के सभम हक कामायरम भें उस ऩय हस्ट्तां य होने चाटहमे। इस आख्मा की एक सम्ऩ णय नकर ननयकं ण की तायकख से एक सप्ताह के अन्दय डाक द्वाया उस जजरे के जजरा यजजस्ट्राय को बेजी जानी चाटहमे। आख्मा के ्रताप्त होने ऩय यजजस्ट्राय उन सफ बफन्दुओॊ ऩय जजन ऩय उसके आदेशों की आवश्मकता है, कामयवाहक कयेगा, जहाॉ आवश्मकता हो, जजरा सम्फजन्धत कभयचायक का स्ट्ऩष्टककयण भाॉगेगा औय आख्मा की एक नकर उस ऩय ककमे गमे आदेशों सटहत सम्फजन्धत उऩयजजस्ट्राय को बेजेगा जो बावी भागय दशनयन के मरए उसके कामायरम भें यखी जामेगी। रयऩोटय की एक नकर उसके द्वाया उस ऩय की गई कामयवाहक तथा ऐसे सुझाव, जो वह देना उधचत सभझे, के साथ जजरा यजजस्ट्राय द्वाया भहाननयकंक को बेजी जामेगी।

43.ननयकं कों को उ्तय ्रतदेश भें स्ट्टाम्ऩों के ननयकं ण एवॊ ऩमयवें ण ननमभावरक के ननमभ 13 औय 15 का सावधानी से अनुऩारन कयना चाटहमे जो स्ट्टाम्ऩ

भैनुअर के ऩरयमशष्ट जी-जी भें ्रतकामशत है।

इजण्डमन स्ट्राम्ऩ अधधननमभ की धाया 2(9) (फी) के ्रतावधानों के अधीन यजजस्ट्रककयण ननयकं

कों को उस अधधननमभ की धाया 40 व 42 के ्रतमोजन से करेतटय ननमुतत ककमा गमा है। उस अधधननमभ की धाया 33 के ्रतमोजन से उन्हें सावयजननक कामायरम का ्रतबायक व्मजतत बी भाना गमा है।

44. वियाभ औय मात्रा- ककसी स्ट्थान ऩय वियाभ केवर उतनी हक अवधध तक होना चाटहमे जो केवर वहाॉ ऩय का काभ ऩ या कयने के मरए आवश्मक हो, उसे अकायण वस्ट्तारयत नहकॊ ककमा जाना चाटहमे, एक कामायरम से द सये की मात्रा मथासम्बव जल्दक की जानी चाटहमे औय मटद भागय भें कोई वियाभ आवश्मक हो तो उसका ऩ या विवयण दैनन्दनी भें टदमा जाना चाटहमे। अरफ्ता ननयकं

कगण इतवायक औय अन्म याजऩबत्रत (याजस्ट्व) छुटिमों का न कक दकवानी न्मामारमों की छुटिमों का उऩबोग कय सकते हैं।

45. मेक ननयकं क ्रत नत वषय ऩहरक पयवयक से ऩहरे अऩने ंे त्र भें यजजस्ट्रककयण कामायरमों की वऩछरे कैरेन्डय वषय की दशा व ्रतगनत के सम्फन्ध भें एक रयऩोटय भहाननयकं क को ्रतस्ट्तुत कयेगा।

45-77.ननमभ 46 से 77 उऩ-यजजस्ट्राय तक उऩ-यजजस्ट्राय सेवा ननमभावरक, 1942 दक गई है जो अफ उ्तय ्रतदेश उऩ-यजजस्ट्राय सेवा ननमभावरक, 1983 द्वाया ्रतनतस्ट्थावऩत हो गई है जो ऩरयमशष्ट आठ ऩय है।

छुट्टी, स्ट्थानान्तयण औय दण्ड

78. उऩ-यजजस्ट्राय की अऩने स्ट्थान से अनुऩजस्ट्थनत- कोई उऩ-यजजस्ट्राय बफना छुिी के अऩने स्ट्थान से फाहय नहकॊ जामेगा। मटद याजऩबत्रत छुटिमों भें अऩना स्ट्थान छोड़ना चाहता है तो उसको जजरा यजजस्ट्राय की अनुभनत ्रताप्त कयनी चाटहमे।

79. आकजस्ट्भक छुट्टी- जजरा यजजस्ट्राय ्रत्

मेक अधधकायक को एक कैरेन्डय वषय भें

अनुऩजस्ट्थनत को छुिी देने के मरए अधधकृत है जो 14 टदन से अधधक न हो। अनुऩजस्ट्थनत की अवधध के फीच भें जो छुटिमाॉ मा ककसी ्रतकाय का अन्म कामय टदवस ऩड़े उन्हें उतत 14 टदन की अधधकतभ सीभा भें शामभर ककमा जामेगा।

[टटप्ऩणी- उऩ-यजजस्ट्रायों को आकजस्ट्भक छुिी उन्हकॊ ्रतावधानों के अधीन अनुभन्म है जो अन्म याज्म कभयचारयमों को है इसमरए भागयदशयन उन्हकॊ ननमभों से रेना उधचत होगा-अनुवादक] **80. अजजात ि अन्म छुहट्टमाॉ-** छुटिमों के भाभरे भें उऩ-यजजस्ट्राय स्ट्थानीम (माने याज्म) सयकाय द्वाया पाइनैजन्समर हैन्डफुक जजल्द दो की पन्डाभैन्टर ननमभावरक के ननमभ 66 के अधीन फनामे गमे ननमभों के ननमभ 35 द्वाया ननमॊबत्रत होंगे। अनत-्वरयत आवश्मकता होने

ऩय जजरा यजजस्ट्राय उऩ-यजजस्ट्राय को छुिी की स्ट्वीकृनत की ्रत्माशा कामय से अवभुतत कय सकता है मटद उऩ-यजजस्ट्राय उस छुिी के मरए अधधकृत है।

81. उऩ-यजजस्ट्रायों की अस्ट्थामी ननमुजक्त- जफ उऩ-यजजस्ट्राय छुिी भें अनुऩजस्ट्थत हो मा अस्ट्थामी रूऩ से अनुऩजस्ट्थत हो तो-

(i) ऩदेन उऩ-यजजस्ट्रायों के भाभरे भें उस अधधकायक के साभान कतयव्मों का ननवयहन कयने वारा अधधकायक यजजस्ट्रककयण सम्फन्धी कामय को बी कयेगा।

(ii) ववबागीम उऩ-यजजस्ट्रायों के भाभरे भें जजरा यजजस्ट्राय उसके कतयव्मों का ननवयहन कयने के मरमे।

(क) ऩरयववाधी उऩ-यजजस्ट्राय को; मा

(ख) मटद कामायरम तहसीर भुख्मारम ऩय हो तो तहसीरदाय को मा तहसीर के अन्म ्रतबायक अधधकायक को,

(ग) ककसी अन्म व्मजतत को जजसे वह अहय सभझे ननमुतत कयेगा।

82. अस्ट्थामी ननमुजक्तमों की विियणी- ऩ वयगाभी ननमभ के अनुसाय की गई सफ अस्ट्थामी ननमुजततमों को एक वववयणी अधधननमभ की धाया 13 के अनुसाय ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 5 भें ्रतनतवषय भहाननयकक को बेजी जामेगी।

83. स्ट्थानान्तयण- उऩ-यजजस्ट्राय को एक स्ट्थान से द सये स्ट्थान को अन्तरयत कयने का अधधकाय भहाननयकक को ्रताप्त है, जजरा यजजस्ट्राय बी अऩने जजरे भें एक कामायरम से द सये कामायरम को उऩ-यजजस्ट्रायों का स्ट्थानान्तयण कय सकता है, ऩयन्तु मटद उऩ-यजजस्ट्राय ने एक स्ट्थान ऩय दो वषाां का सभम ऩ या न ककमा हो मा ककसी उऩ-यजजस्ट्राय को ककसी स्ट्थान ऩय ननजश्चत अवधध तक ननमुतत यखने का भहाननयकक का आदेश हो तो ऐसा स्ट्थानान्तयण भहाननयकक की ऩ वय-अनुभनत के बफना नहकॊ ककमा जामेगा। एक जजरे से द सये जजरे को स्ट्थानान्तयण चाहने का आवेदन उऩ-यजजस्ट्राय द्वाया जजरा यजजस्ट्राय के भाध्मभ से बेजा जामेगा औय मटद जजरा यजजस्ट्राय उसको सभथयन देना न चाहे तो वह उस आवेदन को योक सकता है।

नोट- ककसी जजरे भें 5 वषय का सेवाकार बफताने के फाद उऩ-यजजस्ट्राय का स्ट्थानान्तयण साभान्मत् कय टदमा जामेगा, इसमरमे थोड़े हक सभम भें दो स्ट्थानान्तयणों की सम्बावना से फचने के मरए जजस उऩ-यजजस्ट्राय ने जजरे भें 5 वषय बफता मरमे हों मा रगबग ऩ ये होने वारे हो उसका जजरे के अन्दय स्ट्थानान्तयण मथासम्बव नहकॊ ककमा जाना चाटहमे।

84.जाॉच की अवधध भें यजजस्ट्राय उऩ-यजजस्ट्राय को ननरजम्फत कय सकता है। भहाननयकक उसके ववरूद्ध अमबमोजन की अनुभनत दे सकता है।

[मसववर सववयसेज, (तरामसकपकेशन कन्रोर एण्ड अऩीर) ननमभावरक की वतयभान व्मवस्ट्थाओॊ के अनुसाय अफ जजरा ननफन्धक उऩ यजजस्ट्राय को ननरजम्फत

कय सकने के मरए अधधकृत नहकों है तमोंकक वतयभान ननमभों के अनुसाय उनको मह शजतत ्रतनतननटहत नहकों की गई है। अनुवादक]

85. उन्न-यजजस्ट्रायों की जभानत- जभानत देनी होगी।

मेक ववबागीम उन्न-यजजस्ट्राय को 200 रून्नमे की

न्नयन्तु अस्थामी ्रतफन्ध भें बी ऐसे यजजस्ट्रककयण मरवन्नकों से बी 200 रून्नमा की जभानत रक जामेगी जजन्हें यजजस्ट्राय उन्न-यजजस्ट्राय के न्नद न्नय स्थानान्नन्न ननमुजतत के मोग्म सभझे। ऐसे भाभरों भें जजरा यजजस्ट्राय स्ववववेकानुसाय मह जभानत ्रतनतभाह के वेतन भें से 10 ्रतनतशत कटौती कय ककश्तों भें जभानत टदमे जाने की अनुभनत दे सकता है। जफ तक जभानत की न्न यक यामश जभा न हो जामे तफ तक पाइनेजन्शमर हैन्डफुक जजल्द न्नॉच के बाग एक भें ननधायरयत ्रतकक्रमा का अनुसयण ककमा जामेगा।

न्नयन्तु ककसी यजजस्ट्रककयण कामायरम की न्नरयजस्थनतमों मा स्थानीम दशाओों को ध्मान भें यखते हुए भहाननयक

क जभानत की यामश को घटा मा फढ़ा सकता है। **86.**मात्रा ब्ता जो उन्न-यजजस्ट्राय श्रेणीफद्ध वेतन न्नाते हैं वे पाइनेजन्समर हैन्डफुक की जजल्द तीन के अनुसाय मात्रा ब्ता न्नाने के मरए अधधकृत होंगे।

प्रकीणा

87.ववबागीम एवों सावयजननक अधधकायक जजनका उल्ेख न्नरयमशष्ट छ् भें टदमा गमा है उसभें वर्णयत ववमबन्न जजरों भें उन्न-यजजस्ट्राय ननमुतत ककमे गमे हैं। ननमभ 46 से 68 (अफ उन्न-यजजस्ट्राय सेवा ननमभावरक) के अनुसाय जजनकी ननमुजतत होती है उनको ववबागीम उन्न-यजजस्ट्राय कहा जाता है, अन्म ववबागों के अधधकायक जो अन्नने ववबागीम काभ के साथ यजजस्ट्रककयण ववबाग का काभ बी कयते हैं उन्हें न्नदेन उन्न-यजजस्ट्राय कहा जाता है।

88.जफ कोई कामायरम तहसीर भुख्मारम न्नय जस्थत हो औय वहाॉ न्नय होने वारक वावषयक आम 500 रुन्नमा से अधधक न हो तो साभान्मत् वहाॉ का तहसीरदाय न्नदेन उन्न-यजजस्ट्राय होगा।

89. न्नदेन उन्न-यजजस्ट्रायों का ि्ेतन- तहसीरदायों मा अन्म न्नदेन उन्न-यजजस्ट्रायों का जो यजजस्ट्रककयण कामायरम का स्थामी रून्न से ्रत बा

90.जफ कोई न्नदेन उन्न-यजजस्ट्राय छुि्ी रेकय अनुन्नजस्थत यहता है उसके स्थानान्नन्न जो व्मजतत कामय कयता है वह उतत ब्ते को न्नाने का अधधकायक होगा।

91.जफ न्नदेन उन्न-यजजस्ट्राय अन्नना भुख्मारम छोड़कय अन्नने ्े त्र भें कामय कयता है औय यजजस्ट्रककयण का कामय नामफ तहसीरदाय मा अन्म कभयचायक जो तहसीर के साभान्म कामय का ्रतबायक होता है न्नय आ न्नड़ता है औय मह अनुन्नजस्थनत सात टदन से अधधक नहकों होती तो स्थानान्नन्न व्मजतत कोई ब्ता नहकों न्नामेगा औय न्नदेन उन्न-यजजस्ट्राय हक उस अवधध भें टदमे गमे कामय के सहक औय सभमफद्ध ढोंग से ककमे जाने के मरमे जजम्भेदाय होगा। न्नयन्तु जफ अनुन्नजस्थनत सात टदन से अधधक हो

तो स्थानान्नन्न व्मजतत को उस अवधध का सभानुऩानतक ब्ता मभरेगा जजतने सभम उसने काभ ककमा हो।

92.कामाकायी बत्ता- जफ तहसीरदाय मा अन्म कोई याज्म कभयचायक ककसी ववबागीम उऩयजजस्ट्राय के ऩद ऩय अऩने ऩद के पाभय के साथ-साथ स्थानान्नन्न रूऩ से ननमुजतत ककमा जामे तो उसका वेतन व ब्ते पण्डाभेन्टर ननमभ 49 मा उसके अधीन जायक शासनादेशों के अनुसाय ननधायरयत ककमा जाएगा। मटद पण्डाभेन्टर ननमभ 49 औय शासन के आदेश के अनुसाय औऩचायरयक ननमुजतत का औधच्म न ्रततीत हो औय याज्म कभयचायक को ववबागीम उऩ-यजजस्ट्राय के ऩद का ्रतबावी फनामा जाता है तो उसको उस अनतरयतत कामय के मरमे 10 रुऩमा ्रतनतभाह का ववशेष वेतन टदमा जामेगा। जफ उऩ-यजजस्ट्राय की अनुऩजस्थनत एक सप्ताह से अधधक न हो, औय ककसी अन्म याज्म कभयचायक को उसके अऩने काभ के साथ-साथ उऩ यजजस्ट्राय के ऩद का साभान्म काभ सौंऩा जामे तो ऐसे कभयचायक को वऩडमस वेतन मा ब्ता नहकों टदमा जामेगा।

93.ककसी ववबागीम उऩ-यजजस्ट्राय की भृमु मा ्मागऩत्र के कायण हुई रयजतत भें तहसीरदाय को उसके अऩने काभ के साथ-साथ उऩ-यजजस्ट्राय के ऩद ऩय स्थानान्नन्न रूऩ से ननमुतत ककमा जा सकता है।

यजजस्ट्रीकयण शरवऩक

94-97.ननमभ 94 से 97 तक यजजस्ट्रककयण मरवऩकों की ननमुजतत आटद के ननमभ हैं जजनके स्थान ऩय अफ उ्तय ्रतदेश यजजस्ट्रककयण ववबाग (जजरा अधधष्ठान) मरवऩक वगय सेवा ननमभावरक, 1978 ्रतनतस्थावऩत कय दक गई है, ननमभावरक ऩरयमशष्ट नौ ऩय है।

98. शरवऩकों ऩय ननमन्त्रण यखा जाना- यजजस्ट्रककताय अधधकारयमों को अऩने मरवऩकों ऩय सतकयताऩ णय ननमन्त्रण यखना चाटहमे, औय उनकों जनता के साथ सम्ऩकय भें आने का उतना हक अवसय टदमा जाना चाटहमे, जो अऩरयहामय हो, साभान्मत् रेखऩत्र मा धन रेना, ऩृष्ठाकनों का मरखना, औय रेखऩत्रों की वाऩसी का काभ यजजस्ट्रककताय अधधकायक को अऩने हक हाथों भें यखना चाटहमे : मटद इनभें से ककसी काभ को मरवऩकों को सौंऩा जाना आवश्मक हो तो मरवऩकों द्वाया वह काभ यजजस्ट्रककताय अधधकायक की उऩजस्थनत तथा उसके ननदेश व देखबार भें ककमा जाना चाटहमे। 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 31 मा 38 के अनुसाय ननष्ऩादन कतायओं के ऩयकंण के मरमे, मा ननजी आवासों ऩय जाने का मरवऩकों को कभीशन टदमा जाना, अनतआवश्मक ऩरयजस्थनतमों को छोड़कय वजजयत है, ऐसे भाभरों की स चना जजरा यजजस्ट्राय को दक जानी चाटहमे।

99. शरवऩकों की प्रोन्ननत ि अिननत- ककसी रयजतत को बयने के मरमे यजजस्ट्रककयण जजरे से सुऩात्र मरवऩकों का सफसे ऩटहरे ववचाय ककमा जाना चाटहमे औय जफ अधधष्ठान भें कटौती होने के कायण ककसी मरवऩक को हटामा जाना हो तो साभान्मत् यजजस्ट्रककयण जजरे के कननष्ठ मरवऩक को अवभुतत ककमा जाना चाटहमे

औय हटामे गमे मरवऩक को उसके स्थान ऩय यखा जामे, ककसी सुमोग्म व्मजतत के कटौती भें ्रतबाववत होने की दशा भें भहाननयक क को इस

100. शरवऩकों क ननमुजक्त काभ के आधाय ऩय- यजजस्ट्रककयण मरवऩकों का उऩमोग केवर उस कामय के मरमे ककमा जाना चाटहमे जजसके मरमे उन्हें वेतन टदमा जाता है न कक उनसे
अन्म ववबागों का कामय कयामा जामे। यजजस्ट्रककयण मरवऩका◌ े◌े◌े
◌ों को ऐसे रेखऩत्रों के फनाने मा
मरखने की ऩ यक वजयना है जजनके यजजस्ट्रककयण भें उनका मोगदान होने की सम्बावना हो औय उनके द्वाया अऩने ऩद के कामय के अनतरयतत अन्म कोई ऩद कामय मा नौकयक स्ट्वीकाय कयने की बी ऩ यक भनाहक है जफ तक कक वे भहाननयक क की ऩ वय अनुभनत ्रताप्त न कय रें।

101. अैतननक एप्रेजन्टसों क ननमुजक्त- ववशेष भाभरों भें जजरा यजजस्ट्राय मा भहाननयक क की मरर्खत ऩ वय अनुभनत ्रताप्त कय की गई ननमुजततमों को छोड़कय यजजस्ट्रककयण कामायरमों भें अवैतननक एऱ्तेजन्टसों का ननमुतत ककमा जाना बफल्कुर वजजयत है औय मह अनुभनत ककसी बी सभम सभाप्त की जा सकती है, इसके साथ-साथ मह बी स्ट्ऩष्ट रूऩ से सभझ मरमा जाना चाटहमे कक च ◌ोंकक मह ननमुजतत केवर उऩ-यजजस्ट्राय की सुववधा के मरमे की जाती है इसमरमे ऐसी ननमुजतत को ववबाग भें ननमुजतत ऩाने का आधाय नहकों भाना जा सकता। **102.**
शरवऩकों की सेि◌ा ऩुजस्ट्तकामें औय चरयत्र ऩॊजजमा- शासन से वेतन ्रताप्त कयने वारे ्रत्मेक मरवऩक की मसववर सववयस येगुरेशन द्वाया ननधायरयत ्रतारूऩ भें एक सेवा ऩुजस्ट्तका फनाई जावेगी। उच्चाधधकारयमों द्वाया चरयत्र औय स्ट्वबाव सम्फन्धी टटप्ऩणी भैनुवर ऑप गवनयभेन्ट आकपस के ऩैयाग्राप 355 भें ननधायरयत ्रतारूऩ भें फनामी गई चरयत्र ऩॊजी भें दजय की जावेगी। ननयक
णकताय अधधकायक जो ववचाय व्मतत कयना चाहे वे कामायरम की ननयक ण ऩुजस्ट्तका भें मरमे जाने चाटहमे।

103. स्ट्थानाऩन्न ननमुजक्तमाॉ- जफ कोई यजजस्ट्रककयण मरवऩक ककसी अन्म ववबाग भें स्ट्थानाऩन्न रूऩ से ननमुतत होता है तो उसका वेतन व ब्ते उस ववबाग द्वाया वहन ककमे जावेंगे औय उनका कोई बी बाग यजजस्ट्रककयण ववबाग द्वाया देम नहकों होगा ऩयन्तु उसके
स्ट्थान ऩय यजजस्ट्रककयण ववबाग भें स्ट्थानाऩन्न रूऩ से ननमुतत व्मजतत का वेतन व ब्ते यजजस्ट्रककयण ववबाग द्वाया वहन ककमे जावेंगे।

104.ववरोवऩत।

105.स्ट्थानान्तरयत ककमे जाने ऩय यजजस्ट्रककयण मरवऩक को मात्रा ब्ता टदमा जाना चाटहमे।

106.ननमभ 79 द्वाया ननधायरयत सीभाओॊ के अन्दय उऩ-यजजस्ट्राय अऩने

अधीनस्ट्थ मरवन्नकों को आकजस्ट्भक छुि‍ि‍ी स्ट्वीकृत कय सकता है न्नयन्तु उनको ककसी मरवन्नक को छुि‍ि‍ी स्ट्वीकृत कयने मा न कयने के तथ्म की स चना अववरम्फ जजरा यजजस्ट्राय को देनी चाटहमे। ्रत्मेक उन्न-यजजस्ट्राय कामायरम भें फनामी जाने वारक हस्ट्तमरर्खत छुि‍ि‍ी न्नॊजी भें मे सफ छुटिमों दजय की जावेगी।

107. दण्ड- अधीनस्ट्थ कभयचायक, भैनुअर ऑप गवनयभेण्ट आडयस के न्नैयाग्राप 368 से 377 तक भें टदमे गमे दण्ड टदमे जाने से सम्फजन्धत ननमभों से ननमॊबत्रत होते हैं।

अध्माम 2

कामाारमी विननमभ

108. कामाारमी ि‍ेतन लफर- जजरों के यजजस्ट्राय तहसीरदायों औय अन्म न्नदेन उन्न-यजजस्ट्रायों औय ववबागीम उन्न-यजजस्ट्रायों के ननमत वेतनों का रेखा ववबाग द्वाया त्सभम ननधायरयत ्रतारून्न भें बफर फनावेंगे। एक अन्म अरग बफर द्वाया मरवन्नक वगीम तथा न्नरयचायक वगय के वेतन व ब्ते (मटद हो) भहारेखाकाय के स्ट्थामी आदेशों के न्नरयमशष्ट „ए‟ भें टदमे गमे ऋण के अनुसाय आहरयत ककमे जावेंगे जफ ककसी यजजस्ट्रककयण जजरे भें दो मा अधधक याजस्ट्व जजरे शामभर हो तो ्रत् मेक याजस्ट्व जजरे का अरग बफर फनामा जामेगा।

109. मेक जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें न्नरयमशष्ट तीन के ्रतारून्न सॊख्मा 32 भें एक अधधष्ठान आदेश न्नुजस्ट्तका यखी जावेगी। उसभें उसके अधीनस्ट्थ यजजस्ट्रककयण ववबाग के ्रत्

मेक कभयचायक की छुि‍ि‍ी, ्रतोन्ननत,

मावतयन इ्माटद के ववषम भें उसके द्वाया ककमे गमे

आदेशों का अजन्तभ न्नरयणाभ दजय ककमा जामेगा। भुख्म यजजस्ट्रककयण मरवन्नक अधधष्ठान के

वेतन बफरों का भीरान अधधष्ठान आदेश न्नुजस्ट्तका की ्रत

ववमशजष्टमों से सदैव कयेगा औय

अधधष्ठान के बफरों को स्ट्वीकृत कयने वारा जजरा यजजस्ट्राय कबी-कबी कुछ भदों का मभरान अधधष्ठान आदेश न्नुजस्ट्तका से कयेगा।

110. मे बफर ्रत् मेक सम्फजन्धत याजस्ट्व जजरे के कोषागाय के कोषाधधकायक को ्रतस्ट्तुत ककमे मा बेजे जावेंगे जजनका बुगतान भुख्मारम न्नय जस्ट्थत कामायरमों को नकदक के रून्न भें औय तहसीर के भुख्मारम न्नय जस्ट्थत कामायरमों के मरमे उन्नकोषागाय की कैश आडय जायक कय

टदमा जामेगा। तहसीर भुख्मारम से अन्मत्र जस्ट्थत कामायरमों के उन्न-यजजस्ट्राय औय उनके अधधष्ठान का वेतन जजरा यजजस्ट्राय द्वाया धनादेश द्वाया बेजा जामेगा औय धनादेश कभीशन की वषय की आकजस्ट्भकता व्मम के खाते भें डारेगा। उस धनयामश के ववधचत्र कभयचारयमों भें ववतरयत ककमे जाने न्नय उसकी ्रतववजष्ट एजतवटेन्स योर भें की जावेगी जो ्रत् मेक कामायरम भें यखा जामेगा जहाॉ-जहाॉ न्नय अदा की गई धनयामश 20 रुन्नमा से अधधक हो तो उसकी ्रताजप्त के हस्ट्ताांय न्नय

यसीदक टटकट रगामा जाना आवश्मक है।

111.जफ कोई जजरा यजजस्ट्राय ककसी ऐसे कामायरम के उऩ-यजजस्ट्राय जहाॊ कोषागाय मा उऩकोषागाय नहकॊ है तो वह उसके साथ उऩ-यजजस्ट्राय द्वाया उस भहकने की आम को कोषागाय मा उऩकोषागाय को धनादेश द्वाया बेजने भें जो व्मम ककमा हो वह बी बेजेगा। उऩ-यजजस्ट्राय द्वाया व्मम ककमा गमा धनादेश का कभीशन औय जजरा यजजस्ट्राय द्वाया उऩयजजस्ट्राय को बेजे गमे धनादेश का कभीशन उस वषय के आकजस्भक व्मम अनुदान भें डारा जामेगा।

112. उऩ-यजजस्ट्रायों की सेिा ऩुजस्तका- स्थामी अधधष्ठान भें भौमरक रूऩ से ननमुतत ्रत्मेक उऩ यजजस्ट्राय के मरमे जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें मसववर सववयस येगुरेशन द्वाया ननधायरयत ्रतारूऩ भें एक सेवा ऩुजस्तका यखी जामेगी।

113. चरयत्र ऩॊजजका- भहाननयकं

क के कामायरम भें ्रत् मेक ववबागीम उऩ-यजजस्ट्राय की एक चरयत्र ऩॊजी यखी जामेगी औय भैनुवर आप गवनयभेन्ट आडयस के ऩैयाग्राप 355 से 357तक के ननदेश आवश्मक ऩरयवतयनों सटहत, उन ऩय राग होंगे। नीचे टदमे गमे ्रतारूऩ के खाना 2 भें ्रत् मेक वषय अ्रैर के ्रतायम्ब भें ्े त्रीम ननयकं क अऩने ्े त्र के ्रत् मेक उऩ-यजजस्ट्राय के वऩछरे वषय के कामय औय आचयण के सम्फन्ध भें जजरा यजजस्ट्राय के भाध्मभ से एक गोऩनीम रयऩोटय बेजेगा। इस रयऩोटय भें ननयकं

क मटद वह शुद्ध अन्तकयण से ऐसा कय सके, तो इस

आशम का एक ्रतभाणक बी अ्ॊककत कय दे कक उसके सॊऻान भें कोई ऐसी फात नहकॊ आई जजससे उऩ-यजजस्ट्राय के ऩदकम ननष्ठा ऩय कोई सॊदेह ऩैदा हो, मटद ककसी उऩ-यजजस्ट्राय के

सम्फन्ध भें ऐसा ्रतभाणक टदमा जाना सम्बव न हो तो ननयकं

क इस तथ्म को अऩनी रयऩोटय

भें भुख्म रूऩ से उजागय कयेगा। मह ्रतववजष्ट स्ऩष्ट् ऩ णय होनी चाटहमे औय जहाॊ तक सम्बव हो उतत ्रतभाणक न टदमे जाने के कायणों का बी उल्रेख ककमा जामे।

इस गोऩनीम रयऩोटय के ्रताप्त होने ऩय जजरा यजजस्ट्राय उस ्रतारूऩ भें खाना 3 भें स्ऩमॊ अऩनी टटप्ऩणी अ्ॊककत कय उसे ऩटहरक भई से ऩटहरे भहाननयकंक को बेजेगा जो ्रतारूऩ के खाना 4 भें स्ऩमॊ अऩनी टटप्ऩणी (मटद हो) अ्ॊककत कयेगा। ककसी उऩ यजजस्ट्राय के फाये भें भहाननयकंक द्वाया दक गई गोऩनीम टटप्ऩणी दजय कयने के मरमे कोई ववशेष ऩॊजी नहकॊ यखी जावेगी।

ककसी उऩ-यजजस्ट्राय के एक जजरे से द सये जजरे को स्थानान्तरयत होने की दशा भें दोनों ्े त्रों के ननयकं क अऩनी-अऩनी रयऩोटय सम्फजन्धत जजरा यजजस्ट्रायों को बेजेंगे जो उन ऩय

अऩनी टटप्ऩणी दजय कयने के फाद उसे भहाननयकं

क के नास बेजेंगे, ऐसे भाभरों भें

भहाननयकंक अननी टटप्नणी उस जजरे के ्रतारून के खाना 4 भें अोकंकत कयेंगे जजस जजरे को उन यजजस्ट्राय स्थानान्तरयत हुआ है।

जफ भहाननयकंक अननी टटप्नणी (मटद हो) वावषयक रयनोटय भें अोकंकत कयरे तो उनको भ ररून भें उन-यजजस्ट्राय की व्मजततगत नत्रावरक भें पाइर कय टदमा जामेगा जो भहाननयकं क के कामायरम भें यखी जामेगी, चरयत्र नोजी की ऐसी ्रतववजष्ट की, जो ्रतोन्नत भें फाधक हो सकती है, स चना सम्फजन्धत उन यजजस्ट्राय को दक जानी चाटहमे। मटद ननष्ठा ्रतभाण नत्र केवर सन्देह के आधाय नय योका गमा है तो उसकी स चना उन-यजजस्ट्राय को नहकों दक जावेगी नयन्तु भहाननयकंक द्वाया उस जजरे के जजरा यजजस्ट्राय को, जहाॉ वह उन-यजजस्ट्राय ननमुतत है, गोननीम ढॊग से उस उन-यजजस्ट्राय नय नजय यखने को कहा जामेगा। इसके ववनयकत मटद ्रतभाणनत्र योके जाने के कायण रगबग सुननजश्चत हो कक उन-यजजस्ट्राय ननष्ठाहकन है तफ उतत तथ्म की स चना उसे दक जावेगी, मेक भाभरे भें मह ननणयम भहाननयकंक द्वाया मरमा जामेगा कक ककस ्रतववजष्ट को उन-यजजस्ट्राय को स चना दक जावेगी औय ककस रून भें-

प्रारून

श्री......................., उन-यजजस्ट्राय................ जजरा .... के कामा, आचयण ि

वषय	त्रीम ननयकंक की टटप्नणी	जजरा यजजस्ट्राय की टटप्नणी	यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क की टटप्नणी
1	2	3	4

(उतत ननमभ भें, मा अन्म ननमभों भें ननयकं क के स्थान नय सहामक भहाननयकंक नढ़ा जामे-अनुवादक)

114. मात्रा बत्ता- जजरा यजजस्ट्राय जफ दौया कयें तो वे अनना मात्रा ब्ता मसववर एकाउन्टस बाड़े के अनुच्छेद 824 ए के अनुसाय उस रेखा शीषयक से आहरयत कयेंगे जजससे उनका वेतन आहरयत होता है न कक यजजस्ट्रककयण ववबाग से।

आकजस्भक व्मम

जजरा यजजस्ट्राय

115. स्थामी अधिभ- अनने कामायरम तथा अनने अधीनस्थ कामायरमों के आकजस्भक व्मम की ्रतनतन नतय के मरमे जजरा यजजस्ट्राय को नरयमशष्ट चाय भें अोकंकत यामशमों का स्थामी अधग्रभ उनरब्ध है :

116. भहारेखाकाय को िावषाक स्ट्िीकायोजक्त-

मेक वव्तीम वषय के अन्त भें औय जफ-

जफ जजरा यजजस्ट्राय के ननदधायक भें नरयवतयन हो, तफ जजरा यजजस्ट्राय उस अधग्रभ की एक स्ट्वीकायोजतत भहारेखाकाय को बेजेगा।

117. स्ट्थामी अधिभ की प्रनतनूनता कैसे की जामे- स्ट्थामी अधग्रभ कोषागाय भें जभा नहकों ककमा जामेगा नयन्तु सभम-सभम नय जफ आवश्मकता हो एक मा अधधक बफर ्रतस्ट्तुत कय उसकी ्रतनतनन नतय की जावेगी बफर मा बफरों की नुजष्ट के मरमे वाउचन बी ्रतस्ट्तुत ककमे जावेंगे। **118. आकजस्ट्भक व्मम-** आकजस्ट्भक व्मम को ननम्नमरर्खत वगों भें फाॉटा जाता है-

(2) अननजश्चत आकजस्ट्भक व्मम (नान-कान्रेतट कजन्टनजेन्सी)।

119. सुननजचचत आकजस्ट्भक व्मम- सुननजश्चत आकजस्ट्भक व्मम उस अनुदान को कहते है जो ्रत् मेक जज

भहाननयर्क क शासन द्वाया इस भद के मरमे स्ट्वीकृत अनुदान को ववमबन्न यजजस्ट्रायों भें ववतरयत कयेगा।

120. व्मम की भदें- सुननजश्चत आकजस्ट्भक व्मम भें ननम्नमरर्खत भदों नय व्मम शामभर होगा।

(1) सयकायक डाक सेवा औय तायों नय व्मम,
(2) पनीचय की खयकद औय भयम्भत,
(3) ग्रीष्भ तथा शीत ऋतुओं सम्फन्धी व्मम,
(4) साभान्म रेखन साभग्री,
(5) रेखन साभग्री का रे जाने का व्मम,
(6) फस्ट्तों का कनड़ ा औय जजल्दफन्दक व्मम,
(7) अन्म ्रतकीणय छोटे भोटे खचय,
(8) नरयचायकों का वेतन,

121. धन कैसे आहरयत क्रकमा जामे- सुननजश्चत आकजस्ट्भक व्मम की भहारेखाकाय द्वाया ननधायरयत ्रतारूनों नय कोषागाय से आहरयत ककमा जामेगा। उनभें ्रत् मेक छने शीषयक के साभने व्मम की न यक यामश अ ोंककत कयने के अनतरयतत कोई सफ-वाउचय मा व्मम का ववयण बफर भें नहकों टदमा जामेगा, मटद कोई ऐसा व्मम कयना नड़ा जामे जजसकी शीषयक भें दक गई ककसी भद भें नहकों डारा जा सकता है तो शीषयकों भें ं ं ं ो हाथ से उस ववशेष व्मम का ्रतकाय अ ोंककत ककमा जाना चाटहए। आहयक-ववतयक अधधकायक को ध्मान देना चाटहमे कक उसके यजजस्ट्य भें वनछरे बफर तक की न यक व सहक-सहक यामश को बफर भें ्रतदमशयत ककमा गमा है अन्मथा इस फात का ा ान हुमे बफना मह ननधायरयत सीभा का उल्रोंघन कय सकता है।

122. कुछ भाभरों भें ि ाउचयों का यखा जाना- ववतयक अधधकारयमों का दानम्व है कक वे व्मम के सफ अध्मावधधक सफ-वाउचयों को सुयक्षक्षत यखे औय आवश्मकता होने नय उन्हें ्रतस्ट्तुत कयें। केवर उन वाउचयो को छोड़कय जजनको भहारेखाकाय के नरयनत्र सोंख्मा 144 टदनाोंक 20अूतैर, 1889 के अनुसाय नष्ट ककमा जा

सकता है।

123. िषा का अजन्तभ लफर- ्रतनतवषय भाचय 31 को मा उसके तुयन्त न्नहरे उस टदन तक के सफ व्मम को आहरयत ककमा जाना चाटहमे। उस तायकख के फाद कोषागाय से आहरयत ककमा गमा धन अगरे वषय के रेखा अनुदान भें डारा जामेगा औय मह वव्तीम व्मवस्था को उस मोजना के ववन्नयकत है कक ककसी वव्तीम वषय भें ककमा गमा व्मम, व्मम हो जाने के फाद, अगरे वषय के अनुदान भें से ननकारा जामे।

124. अननजचचत आकजस्भक व्मम- अननजश्चत आकजस्भक व्मम वे व्मम हैं जजनको भहाननयकं क की न्न वय स्वीकृनत के बफना व्मम नहकों ककमा जा सकता।

125. व्मम की भदें- अननजश्चत आकजस्भक व्मम भें ननम्नमरर्खत व्मम शामभर होंगे-

(1) न्नुस्तकें औय अन्म ्रतकाशनों की खयकद।

(2) भकान ककयामा।

(3) पनीचय।

126. धन कैसे आहरयत क्रकमा जामे- अननजश्चत आकजस्भक व्मम को भहारेखाकाय द्वाया ननधायरयत सौंक्षप्त बफर के ्रत ारून्न के भाध्मभ से कोषागाय से ननकारा जामेगा औय उस स्वीकृनत आदेश का क्रभाौंक व तायकख अौंककत की जानी चाटहमे।

127. आकजस्भक व्मम न्नौंजजका-

मेक ्रतकाय से आकजस्भक व्मम के मरए अरग-अरग न्नौंजजकामें फनाई जावेंगी अथायत् एक ननजश्चत आकजस्भक व्मम के मरए औय द सयक अननजश्चत आकजस्भक व्मम के मरए। मे न्नौंजजमाॉ भहारेखाकाय द्वाया ननधायरयत ्रतारून्नों भें फनाई जावेंगी इन न्नौंजजमों मसववर एकाउन््स बाड़े के अध्माम छ् भें ननदेमशत ववधध से ्रत नतजष्टमाॉ की जावेंगी।

128. आकजस्भक व्मम की त्रैभाशसक रयन्नोटा- उतत दोनों भदों ्रत् मेक तीन भाह भें हुए व्मम की स चना जजरा यजजस्ट्राय न्नरयमशष्ट तीन के ्रतभहाननयकंक को देगा।

उन्न-यजजस्ट्राय

ारून्न सौंख्मा 4 भें हय बत्रभास भें

129. विबागीम उन्न-यजजस्ट्रायों का आकजस्भक व्मम- उन्न-यजजस्ट्रायों का आकजस्भक व्मम जजसभें ग्रीष्भ औय शीतकारकन व्मम बी शामभर है शासन द्वाया वहन ककमा जामेगा।

130. न्नदेन उन्न-यजजस्ट्रायों का आकजस्भक व्मम- न्नदेन उन्न-यजजस्ट्रायों को उनके कामायरमों न्नय होने वारा व्मम ्रतनतमरवन्नक एक रून्नमा ्रतनतभाह की दय से टदमा जामेगा। मह व्मम बी जजरा यजजस्ट्राय के ननजश्चत अनुदान भें डारा जामेगा।

छुहट्टमाॊ औय कामाारम का सभम

131. छुहट्टमााॉ- जजरा यजजस्ट्रायों तथा उऩ-यजजस्ट्रायों के कामायरमों भें उ्तय ्रतदेश याजस्व ऩरयषद द्वाया ननधायरयत छुटिमााॉ तथा जजरे के करतटय द्वाया ननधायरयत स्थानीम छुटिमााॉ भनाई जावेगी। ऩयन्तु जजरा यजजस्ट्राय मा उऩ-यजजस्ट्राय को मह ववकल्ऩ उऩरब्ध होगा कक वह अऩना कामायरम ककसी छुि्ी के टदन खुरा यखें।

132. कामाारम का सभम- उऩ-यजजस्ट्राय का कामायरम ्रतनतटदन कभ से कभ छ् घन्टे के मरमे खुरा यहेगा केवर इतवाय औय छुटिमों को छोड़कय औय साभान्मत् दस फजे खुर जाना चाटहमे। मटद इस सभम भें कोई ऩरयवतयन कयना आवश्मक हो उसकी मरर्खत स चना जजरा यजजस्ट्राय की स्वीकृनत के फाद बवन के भुख्म बाग भें जहााॉ यजजस्ट्रककयण कामायरम जस्थत हो ककसी भुख्म स्थान ऩय रगा टदमा जामेगा। इस नोटटस भें रेख ऩत्रों के ्रतनतटदन स्वीकाय कयने औय वाऩस कयने के सभम का उल्रेख होगा।

ननमत काशरक रयऩोटा औय वि्रयणणमाॊ साप्ताहहक

134. उऩ-यजजस्ट्राय द्िया जजरा यजजस्ट्राय को बेजी जाने ि्ारी साप्ताहहक रयऩोटा- मेक उऩ-यजजस्ट्राय अऩने जजरे के जजरा यजजस्ट्राय को ननमभ 325 द्वाया ननधायरयत अवधध माने ्रतस्तुनतकयण की तायकख के फाद तीन टदन तक अननस्तारयत मा वाऩस न ककमे गमे रेखऩत्रों व नकर आवेदनों की साप्ताटहक रयऩोटय बेजेगा।

135. साप्ताहहक रयऩोटा का प्रारूऩ- मह रयऩोटय ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा एक भें फनाई जावेगी। इस रयऩोटय को जजस सप्ताह से वह सम्फजन्धत हो, उसके तुयन्त फाद वारे सोभवाय को ननजश्चत रूऩ से बेज टदमा जाना चाटहमे। ऐसा सभझा जाता है कक मह ्रतारूऩ अनेक ्रतकाय की वववयर्णमों के मरए ऩमायप्त होगी, जफ अमबरेख को हुई ककसी ं नत मा अननष्ट की स चना देनी हो मा रेखऩत्रों की वाऩसी भें हुमे ववरम्फ मा नकर आवेदनों के ननस्तायण भें ववरम्फ का ननशेष स्ऩष्टककयण देना हो तो इसके मरमे उतत ्रतारूऩ ्रतमोग न ककमा जामे फजल्क अरक से हस्तमरर्खत रयऩोटय बेजी जामे।

136. रयऩोटा का ऩयीं ण- जजरा यजजस्ट्राय कामायरम भें रयऩोटय के ्रताप्त होने ऩय उसका सावधानी से ऩयकं ण ककमा जाना चाटहमे औय जहााॉ आवश्मक हो जजरा यजजस्ट्राय द्वाया उधचत ननदेश टदमे जाने चाटहमे।

भशसक

137.उऩ यजजस्ट्राय द्वाया जजरा यजजस्ट्राय को भामसक रयऩोटय ्रत् मेक उऩ यजजस्ट्राय ्रत् मेक भाह की 5 तायकख तक ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 2 भें गत भहकने भें उसके कामायरम भें हुए कामय की वववयणी बेजेगा।

138. भाशसक वि्रयणी वित्तीम भाह के शरए फनाई जानी चाहहमे- भामसक वववयणी को करैन्डय भाह के मरए नहकॊ फजल्क रेखा भाह के मरए फनामा जामे

तमोंकक मह ननतान्त आवश्मक है कक ववमबन्न रेखा शीषयकों को ववववरयर्णमों भें टदखामी गमी यामशमाॊ कोषागाय के रेखे से मभरे। भाह बय भें ककमे गमे काभ का ववववयण बी उसी ववववरयणी भें टदमा जाना चाटहमे जजससे ्रताप्त हुई आम को उसभें टदखामा गमा है। उऩ-यजजस्ट्राय को उऩ कोषागाय के रेखे की भाहवायक फन्दक की तायकख ा ात कय रेनी चाटहमे औय उस टदन तक की सायक ्रताजप्तमाॊ याजकोष भें जभा कय देनी चाटहमे। जजन अधधकारयमों को तहसीर भुख्मारम से अन्मत्र तैनात ककमा गमा है औय जो अऩनी ्रताजप्तमाॊ भाहवायक जभा कयते हैं उनके भाभरे भें ऐसा हो सकता है कक साये भाह की ्रताजप्तमाॊ चार भाह के रेखे भें शामभर ककमे जाने के सभम तक जभा न की जा सके। टदसम्फय के भहकने ऐसा ककसी दशा भें नहकॊ होना चाटहमे औय मथोधचत सावधानी फयतने ऩय अन्म भहकनों भें बी कबी हक होना चाटहमे। ऩयन्तु ऐसा हो जाने की दशा भें, यजजस्ट्रककयण ववबाग तथा कोषागाय के आॊकड़ों भें अन्तय से फचने के मरए उस भहकने भें यजजस्ट्रककयण की सॊख्मा औय आम औय व्मम के आॊकड़ों को चार भाह के रेखे भें शामभर नहकॊ ककमा जाना चाटहमे औय टटप्ऩणी वारे खाने भें स्ट्ऩष्टककयण अोककत ककमा जाना चाटहमे अगरे भहकने के आकड़ों भें ्रतश्नगत् कामायरम के दो भहकने के आकड़े जोड़े जाने चाटहमे औय ्रत्

मेक भाह के आॊकड़ों को अरग-अरग इस ्रतकाय दशायमा जाना चाटहमे।

------ए-----नवम्फय 1994-

139. जजरा यजजस्ट्राय के कामाारम भें उऩ-यजजस्ट्राय की वि ि रयणणमाॊ का ऩयी ं ण- जफ जजरा यजजस्ट्राय को उऩ-यजजस्ट्रायों से उतत कधथत ववववरयर्णमाॊ ्रत ाप्त हो

मेक याजस्ट्व जजरे की आम व व्मम की एकजाई ववववरयणी तैमाय कय सम्फजन्धत भुख्मारम कोषागाय को स्मावऩत कयने के मरमे बेजेगा। याजस्ट्व जजरे के ववबागीम आॊकड़े कोषागाय के रेखे के आम-व्मम के अनुरूऩ होने चाटहमे। कोषागाय द्वाया स्माऩन ककमे जाने के फाद जजरा यजजस्ट्राय ्रत् मेक कामायरम को उस कामायरम के आम-व्मम के आॊकड़ों को स्मावऩत कयने का ्रतभाणक बेजेगा। इस ्रतभाणक भें मे आॊकड़े शब्दों औय अोको, दोनों भें मरखे जावेंगे औय उस भाह के चारानों के साथ न्थी ककमे जावेंगे।

उऩ-यजजस्ट्रायों द्वाया उतत ववववरयणी का सभम से बेजा जाना सुननजश्चत कयने के मरमे जजरा यजजस्ट्राय आवश्मक कदभ उठावेगा।

त्रैभाशसक

140. जजरा यजजस्ट्रायों की त्रैभाशसम वि ि रयणी-

मेक जजरा यजजस्ट्राय अऩने जजरे की

ननम्नमरर्खत त्रैभामसक ववववरयर्णमाॊ भहाननयकक को बेजेगा।

जजरा ववववरयणी क्रभाॊक-1-इसभें बत्रभास भें हुमे काभ का ववववयण होगा।

जजरा ववववरयणी क्रभाॊक-2-आम-व्मम अनुदान औय व्मम।

इन ववववरयर्णमों को याजकीम भुद्रणारम द्वाया उऩरब्ध ककमे गमे छऩे ्रतारूऩों ऩय फनामा जामेगा औय उनको इस ्रतकाय बेजा जाना चाटहमे कक वे भहाननयकं क के क

141. जजरा वि ि रयणी ि भाॊक 1- मह ववववरयणी उसी ्रतारूऩ भें होगी माने

ऩरयमशशष्ट तीन का ्रतारूऩ सॊख्मा 2, जैसा उन्न यजजस्ट्रायों के मरमे ननधायरयत है। जजरा यजजस्ट्राय उस बत्रभास भें अऩने कामायरम भें हुमे काभ को बी शामभर कयेगा। उसके फाद वह जजनके ्रत् मेक उन्न यजजस्ट्राय कामायरम को आॊकड़े उसभें दजय कयेगा, जजसभें कामायरम के आॊकड़े अरग-अरग टदखावे जावेंगे, इस फात की सावधानी यखी जानी चाटहमे कक इस वववरयणी भें ववमबन्न कामायरमों का क्रभ एक हक यहना चाटहमे तमोंकक इस क्रभ भें फदराव हो जाने के कायण भहाननयक क के कामायरम भें ्रतदेश बय की वववरयणी फनाने भें असुववधा होती है। मह ननदेश न केवर इस वववरयणी के सम्फन्ध भें राग है फजल्क सफ वववरयर्णमों ऩय राग है, ववमबन्न कामायरमों को उसी क्रभ भें मरखा जाना चाटहमे जैसे ऩरयमशशष्ट छ् भें टदखामा गमा है जजसे टहज्जों का बी अनुसयण ककमा जाना चाटहमे। अन्त भें सफ खानों का मोग कय ्रत श्रगत ब अरग मोग टदमा जाना चाटहमे जजससे भहारेखाकाय के कामायरम से ्रताप्त वववयण से तुरना कयने भें सुववधा हो।

142. जजरा वि िरयणी सॊख्मा 2- मह वववरयणी ननमभ 128 के अनुसाय बेजी जाती है औय इसे ऩरयमशशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 4 भें अ ॊग्रेजी भें फनामा जामेगा। इस ववषम भें सतकयता फयतने की आवश्मकता है कक व्मम के ्रत् मेक भद भें उस भद के मरमे आवश्मक व्ममक अनुदान की तुरना भें व्मम की ्रतगनत ठीक है, मेक भाह भें ्रत् मेक ्रतकाय के व्मम का अनुक्रमभक मोग बी ननकारा जाना चाटहमे जजसभें वषय के आयम्ब से वऩछरे फीते भाह के आर्खय तक सभस्त् व्मम शामभर हो।

ि ावषाक

143. उन्न यजजस्ट्रायों द् ि ाया जजरा यजजस्ट्रायों को ि ावषाक वि िरयणी- मेक वषय के अन्त भें ्रत् मेक उन्न यजजस्ट्राय वषय के अन्त के तुयन्त फाद जजतनी जल्दक हो सके ऩरयमशशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 6 भें एक वववयणी फनामेंगे औय उसे 10 जनवयक से ऩहरे जजरा यजजस्ट्राय को बेजेगा।

144. जजरा यजजस्ट्राय की ि ावषाक वि िरयणी-इसी ्रत काय ्रत् मेक जजरा यजजस्ट्राय ऩरयमशशष्ट तीन के ्रत ारूऩ सॊख्मा 6 भें अऩने जजरे की सजम्भमरत वववरयणी फनामेगा औय उसको भहाननयकक को ऩटहरक पयवयक तक बेज देगा। इसके साथ ननमभ 153 भें ननदेमशत अऩने जजरे के कक्रमाकराऩों का मसोहावरोकन बी बेजेगा, जजरा यजजस्ट्राय वावषयक वववरयणी भें टदमे गमे आॊकड़ों को भामसक वववरयर्णमों भें टदमे गमे आॊकड़ों से मभरान कय रेना चाटहमे कक वावषयक वववरयणी भें टदमे गमे आॊकड़े, भाहवायक वववरयर्णमों भें टदमे गमे आॊकड़ों से न णयतमा मभरते हैं। इस ववषम भें सतकयता फयते जाने से आवश्मक ववरम्फ कष्ट औय ऩत्र व्मवहाय हो जामेगा।

145. जजरा यजजस्ट्राय द् ि ाया प्रकीणा ि ावषाक वि िरयणी- उऩयोतत के

अनतरयतत ननम्नमरर्खत ्रतकीणय वववयण बी बेजे जावेंगे।

(i) अधधष्ठान का ववस्त्तृत वववयण।

(ii) 55 वषय से अधधक आमु के कभयचारयमों का वववयण।

(iii) जजरा यजजस्ट्राय तथा ननयकं क द्वाया ककमे गमे ननयकं की सॊख्मा का वववयण।

(iv) आम-व्ममक अनुभान।

146. अधधष्ठान का विस्त्तृत वि्ियण- मेक जजरा यजजस्ट्राय ्रत नतवषय अ्रैर भें बेजे जाने वारे त्रैभामसक वववरयणी के साथ उसके द्वाया भहारेखाकाय को मसववर एकाउन्ट कोड के अनुच्छेद 62 के अधीन बेजे गमे वववयण की नकर भहाननयकं क को बेजेगा।

147. 55 ि्षा से अधधक आमु के कभाचारयमों का वि्ियण- इस वावषयक वववरयणी भें उन सफ उन्न यजजस्ट्रायों की स ची दक जावेगी जो 55 वषय की आमु न्न यक कय चुके हो मा आने वारे वषय भें न्न यक कयेंगे, मह वववरयणी न्नरयमशष्ट तीन के ्रतारून्न सॊख्मा 12 भें फनाई जावेगी। इस स ची भें ्रत वव व्मजततगत ब्ते का उसका न्नयकंण ककमा जामे। जजस उन्न-यजजस्ट्राय ने 55वषय की आमु ्रताप्त कय रक हो उसको साभान्मत् सेवा ननवृत कय देना चाटहमे औय जफ तक असॊटदग्ध सावयजननक टहत भें न हो औय उसकी शायकरयक सभथयता भें कोई सन्देह न हो, उसको सेवा भें नहकों यखा जाना चाटहमे।

मसववर सववयस येगुरेशन के अनुच्छेद 459 के अधीन उसके सेवा भें फने यहने देने मा सेवाननवृत ककमे जाने की स्ट्वीकृत शासन द्वाया की जावेगी।

60 वषय की आमु न्न यक होने न्नय ककसी अधधकायक को याज्म सयकायक की स्ट्वीकृत के बफना सेवा भें नहकों यखा जा सकता।

148.इस स ची के ्रताप्त होने न्नय यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क भहारेखाकाय से मसववर सववयस येगुरेशन के अनुच्छेद 463 के अधीन ्रताप्त उन उन्न यजजस्ट्रायों की स ची, जो अगरे वषय भें 55 वषय की आमु मा उस अवधध को, जजसके मरमे उन्हें ववस्त्तायण टदमा गमा था। न्न यक कयेंगे अन्ननी सस््ॊतुनतमों के साथ शासन के न्नास आदेशाथय बेजेगा। मसववर सववयस येगुरेशन के अनुच्छेद 459 (डी) के ्रत काश भें यजजस्ट्रककयण मरवन्नकों के भाभरों का ननस्त्तायण जजरा यजजस्ट्राय द्वाया ककमा जामेगा। उतत वववयण केवर न्नृष्ठाोकन द्वाया न कक अरग न्नत्र के साथ भहाननयकंक ववरम्फतभ 31 अतट फय तक बेज टदमा जाना चाटहमे।

149. सयकायी सम्न्नजत्त (बूशभ तथा बिनों की सम्न्नजत्त के छोड़कय) की साभिी न्नॊजजका- (1) भ ल्मवान सयकायक भार व अन्म सयकायक साभग्री की वववरयणी-्रत् मेक फनाई जामेगी। उतत शासनादेश के न्नरयमशष्ट भें टदमे गमे ननमभ 1 से 12 तक भें इस साभग्री न्नॊजजका के यख यखाव के फाये भें ववस्त्तृत ननदेश टदमे गमे हैं।

(2) उतत ननमभों के ननमभ 10 के अनुसाय जजरा यजजस्ट्राय अऩने कामायरम की साभग्री का वावषयक स्माऩन ककसी याजऩबत्रत अधधकायक से कयावेगा जो वस्ट्तुओॊ का ऩॊजजका के ्रतववजष्टमों से स्माऩन कयेगा औय साभग्री ऩॊजजका भें ऐसा ककमे जाने का एक ्रत भाणक अ◌ोककत कयेगा औय ननमभ 11 के अनुसाय उऩ-यजजस्ट्राय को बी तदनुसाय अऩने कामायरम की साभग्री का स्माऩन वव्तीम वषय 15 अ्रैर तक बेज देना चाटहमे।

(3) उऩ–यजजस्ट्राय कामायरम का ननयक्ष ण कयते सभम जजरा यजजस्ट्राय को स्ट्वमॊ साभग्री ऩॊजजका का ऩयक्ष ण कयना चाटहए औय कुछ भ ल्मवान वस्ट्तुओॊ को स्ट्वमॊ देख रेना चाटहए औय इस ववषम ऩय जजन भाभरों भें ववशेष ध्मान देने की आवश्मकता ्रततीत हो उनको भहाननयक्ष क के भाध्मभ से शासन के सॊऻान भें रामा जामे। अऩने ननयक्ष

ण के दौयान यजजस्ट्रककयण ननयक्ष कों को उऩ–यजजस्ट्राय कामायरमों की साभग्री ऩॊजजका के ्रतनत ववशेष ध्मान देना चाटहए, उसको देख रेना चाटहमे कक सफ नई खयकदक गई वस्ट्तुऐॊ ऩॊजजका भें चढ़ा दक गई है औय उसका वावषयक ऩयक्षण व स्माऩन ककमा गमा है।

150. बूसम्ऩजत्त के अन्तयण के रेखऩत्रों का यजजस्ट्रीकयण- अचर सम्ऩज्त के सफ ऐसे रेखऩत्रों की जजनभें सयकायक कभयचायक ऩ काय हो स चना सम्फजन्धत जजरा यजजस्ट्राय द्वाया उस ववबाग के ववबागाध्मक्ष भण्डरामुतत, जजराधधकायक मा जजरा एवॊ सेशन जज को जजसके अधीन वह कभयचायक ननमुतत हो को दक जावेगी।

151. ननयी◌ंणों का वि◌ियण- ननयक्ष णों के ववववयणों की वववयणी का ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 11 भें फनाई जावेगी। मह ्रतनतवषय ऩहरक पयवयक तक वावषयक अ◌ोक-सारयणी के साथ जजरा यजजस्ट्राय द्वाया बेजी जमेगी। इसभें ्रत्मेक भद भें वाॊनछत स चना ्रत् मेक कामायरम

के मरमे अरग-अरग दक जामेगी ऩयन्तु ननयक्ष

णों के ऩरयणाभ को इसभें अ◌ोककत नहकॊ ककमा

जाना चाटहमे जजसको ननमभ 385 के अनुसाय ्रतेवषत ककमा जाना चाटहमे।

152. आम-व्ममक अनुभान- मेक जजरा यजजस्ट्राय ्रतनतवषय 15 अगस्ट्त तक ्रत् मेक

याजस्ट्व जजरे के मरमे अरग-अरग ऩरयमशष्ट तीन के ्रत

◌ारूऩ सॊख्मा 14 भें आम-व्ममक

अनुभान तैमाय कय भहाननयक्ष क को बेजेगा। सफ भद्दऩ णय अन्तयों को उसके मरमे ननधायरयत

खातों भें सॊ◌ं◌ेऩ भें सभझामा जाना चाटहमे। अनुभान स्ट्थावऩत कयने के मरमे मसववर एकाउन्◌्स

कोड के अध्माम 10 भें टदमे गमे ननदेशों का अनुसयण ककमा जाना चाटहमे।

153. जजरा यजजस्ट्राय की िावषाक रयन्ोटा- ववबाग के ्रत शासन के ववषम भें जजरा
यजजस्ट्राय ्रतनत वषय भहाननयकं क की रयन्ोटय ्रतस्त्ुत कयेगा। इस रयन्ोटय भें वावषयक ववववरयणी भें
टदमे गमे आॉकड़ों के भह्व को फताते हुमे फीते वषय के कक्रमाकरान् का एक सॊक्षिप्त वणयन
टदमा जाना चाटहमे औय आॉकड़ों मा ननयकं
णों द्वाया जो कुछ उधचत सभझा जामे उस न्य बी
टटप्न्णी की जानी चाटहम्, उदाहयणाथय यजजस्ट्रककयण की ववमबन्न भदों भें यजजस्ट्रककयणों की सॊख्मा भें ववशेष वृवद्ध मा कभी का स्ट्नष्टककयण ककमा जाना चाटहमे। यजजस्ट्रककयण ्रतारून् की जनव्रतमता तथा इसके ्रत
नतसम्भान के ्रतबाववत कयने वारे कायणों न्य टटप्न्णी दक जानी चाटहमे। ऐसे तथ्म जजनसे मह ननष्कषय ननकारे जाने का आधाय ्रत तीत हो कक ऐजच्छक यजजस्ट्रककयण अधधक जनव्रतम हो यहे हैं मा नहकॊ उसभें शामभर ककमे जाने चाटहमे। मटद जजरा यजजस्ट्राय की याम हो कक यजजस्ट्रककयण की ्रतकक्रमा अधधक जनव्रतम नहकॊ हो यहक है ऐसे उन्चाय सुझामे जाने चाटहमे जो आवश्मक हो, वसीमतों के जभा कयने, भुख्तायनाभों के ्रतभाणीकयण, कभीशन जायक ककमा जाना यजजस्ट्रककयण से इन्कायक अमबमोजन, नकर भुआमने मा तराश के आवेदन इ्माटद इस ्रत काय के ्रत कीणय ववषमों न्य बी टटप्न्णर्माॊ कयना उधचत होगा। यजजस्ट्रककयण से इन्कायक के कायणों का स क्ष्भ ववववेचन ककमा जाना चाटहमे औय यजजस्ट्रेशन अधधननमभ वे अधीन ककमे गमे अमबमोजनों तथा न्मामारमों द्वाया यजजस्ट्रककृत रेखन्त्रों को अस्ट्वीकामय घोवषत ककमे गमे भाभरों का ववस्त्ृत ववववेचन ककमा जाना चाटहए। कभयचायमों के कामय औय उनकी अहयताओॊ का बी ववश्रेषण होना चाटहमे। इस रयन्ोटय को फनाने के मरमे शासन द्वाया भैनुअर आप गवनयभेन्ट आडयस के न्ैयाग्राप 414 से 427 तक भें टदमे गमे ननदेशों का न्ारन ककमा जाना चाटहमे।

154. प्रस्त्ुनत की तायीख- वावषयक रयन्ोटय भहाननयकं क को ववरम्फत न्टहरक पयवयक तक ्रत नतवषय बेजी जानी चाटहमे। इसकी ्रताजप्त के ववरम्फ को शासन को बेजे जाने वारक ्रतदेशीम रयन्ोटय भें दजय ककमा जामेगा।

भोहयें

155. भोहय न्य का रेख औय उसका सॊयण- धाया 15 के अनुसाय ्रत् मेक जजरा यजजस्ट्राय औय उन् यजजस्ट्राय को एक भोहय दक गई है। जजस न्य उसके कामायरम का अधधकृत
न्द नाभ टहन्दक भें खुदा है। मह भोहय सदा यजजस्ट्रककयण अधधकायक के व्मजततगत सॊयण भें यखी जावेगी औय ननम्नमरर्खत का ्रतबायककयण कयने के मरमे काभ भें राई

जावेगी।

(1) धाया 33 के खण्ड (क) के अधीन ्रतबायककृत सफ भुख्तायनाभे।

(2) धाया 33 के अधीन साक्ष आवेदन,

मों को सम्भान जायक कयने के सफ

(3) धाया 57 के अधीन यजजस्ट्रायों, फटहमों औय इन्डेकसों भें की नतजष्टमों को दक जाने वारक सफ नकरें,

(4) धाया 60 के अधीन यजजस्ट्रककयण का अ◌ोककत ्रतभाणक।

(5) धाया 64, 65, 66 औय 67 के अधीन बेजे जाने वारे सफ ा◌ा◌ानन व नकरें।

(6) धाया 71 औय 76 के अधीन दक जाने वारक यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमे जाने के कायणों की सफ नकरें।

(7) जजरा यजजस्ट्राय द्वाया धाया 72 मा 75 के अधीन रेखनत्रों का यजजस्ट्रककयण ननदेमशत कयने वारे आदेशों की सफ नकरें।

(8) धाया 75 के अधीन जजरा यजजस्ट्राय द्वाया जायक ककमे गमे सफ सम्भन।

(9) ननमभ 327 के अधीन टदमे गमे सफ तराश ्रतभाणनत्र।

156. भोहयों का नीकयण- जफ कोई भोहय काभ के मो◌े◌ेग्म न यह जामे औय उसके स्थान नय नई ्रताप्त हो जामे तो नुयानी को जजरे के जजरा यजजस्ट्राय की उनजस्थनत भें नष्ट कय टदमा जामेगा। जो कामायरम स्थामी रूनन से फन्द कय टदमे गमे हों, उनकी भोहयें बी इसी ववधध से नष्ट की जामेगी, सफ नई भोहयें चाहे व नव-सृजजत कामायरमों के मरए हो, मा उन नुयानी भोहयों के स्थान नय, जो काभ मोग्म नहकॊ यह गई हैं, दक जावें, भहाननयक क कामायरम से आवेदन ककमे जाने नय दक जावेगी, इस फात की सावधानी फयती जानी चाटहमे कक भोहय का छाना साप औय नठनीम हो औय इसमरए एक नैड औय अच्छी स्माहक का ्रतमोग ककमा जाना सुननजश्चत ककमा जाना चाटहमे।

कोयी फहहमें औय प्रारूनन

157. जजरा यजजस्ट्राय के भाॊगनत्र- ्रतनत वषय नहरक नवम्फय तक जजरा यजजस्ट्राय अनने तथा अनने अधीनस्थ कामायरमों की अगरे कैरेन्डय वषय की आवश्मकता के मरए कोयक फटहमों औय ्रतारूननों का भाॊग नत्र बेजेगा।

158. भाॊग नत्र का प्रारूनन- भाॊग नत्र भें शीषयक नरयमशष्ट तीन के ्रतारूनन सॊख्मा 13 के अनुसाय होंगे जजसके खाना 2 भें ववबाग के मरए स्वीकृत ्रतारूननों की छनी स ची उनरब्ध है। **159. अनुनूयक भाॉग नत्र-** केवर अ्मावश्मक औय ववशेष नरयजस्थनतमों को छोड़कय अनुन यक भाॊग नत्र बेजना अनुभत न होगा औय ऐसी दशा भें उन ववशेष नरयजस्थनतमों का न या खुरासा ककमा जाना चाटहमे। जफ ऐसे अनुन यक भाॊग नत्र का बेजा जाना आवश्मक हो जामे तो भाॊग नत्र को ननधायरयत ्रत ारूनन भ

160. भाॊग नत्रों का सभम नय बेजा जाना- फटहमों औय ्रतारूननों की सभमफद्ध

्रतनतऩ नतय सुननजश्चत कयने के मरए भाॊग ऩत्र इस कामायरम को ननधायरयत तायकख से ऩहरे ननममभत रूऩ
से बेजे जाने चाटहमे ताकक उनका ऩयकं
ण ककमे जाने के फाद भुद्रणारम को भाचय के आखीय
तक उन्हें छाऩकय बेजने के मरऐ ऩमायप्त सभम मभर जावे। इस ननमभ का सतकयता ऩ वयक ऩारन ककमा जाना चाटहमे औय इसके ्रतनत ध्मान न टदमे जाने से मभतव्ममता के साथ काभ कयने की भुद्रणारम की सायक व्मवस्थामें नछन्न मबन्न हो जावेगी।

161. यजजस्ट्टय फहहमों की प्रनतनूनता- सफ-यजजस्ट्टय, फटहमों औय ्रतारूऩ याजकीम भुद्रणारम इराहाफाद द्वाया टदमे जावेंगे जो उनकी देख-बार, औय उऩ-यजजस्ट्रायों को उनकी खानगी ननम्नमरर्खत ननमभों के अनुसाय कयेगा।

162. यजजस्ट्टयों, यसीदों औय पाइर फहहमों का वितयण- एक से आठ सॊख्मा तक की
फटहमाॊ जजरे के जजरा यजजस्ट्राय की सॊयं
ता भें यखी जावेगी औय ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ
सॊख्मा 25 ऩय टदमे गमे आवेदन ऩय केवर उऩ यजजस्ट्रायों को उनकी आवश्मकतानुसाय दक जावेगी, उऩ-यजजस्ट्रायों को आवेदन कापी सभम ऩहरे बेज देना चाटहमे जजससे उनकी वास्तववक आवश्मकता होने तक उनको बेजने के मरए ऩमायप्त सभम मभर जावे, इन फटहमों मा यजजस्ट्टयों की आवश्मकता से अधधक कोयक जजल्दें ककसी बी दशा भें उनके वास्तववक उऩमोग होने के ऩहरे अधधक सभम तक उऩ-यजजस्ट्राय कामायरम भें नहकॊ यखे यहने टदमा जाना चाटहए।

इन यजजस्ट्टयों औय फटहमों को उऩ-यजजस्ट्रायों को टदमे जाने के ऩहरे जजरा यजजस्ट्राय अधधननमभ सोरह वषय 1908 की धाया 16(2) के अनुसाय फहक मा यजजस्ट्टय के भुख्म ऩृष्ठ ऩय ्रत् मेक के ऩृष्ठों की सॊख्मा को ्रतभार्णत कयेगा।

163. अन्म फहहमों औय प्रारूऩों का वितयण- ऩ वयवती ननमभ भें वर्णयत यजजस्ट्टयों औय फटहमों को छोड़कय सफ अन्म फटहमें औय ्रतारूऩ जजरा यजजस्ट्राय द्वाया याजकीम भुद्रणारम से ्रताप्त होने के तुयन्त फाद उऩ-यजजस्ट्रायों भें ववतरयत कय टदमे जाने चाटहमे, इस फात का ध्मान यखा जाना चाटहमे कक ्रतनतवषय आवश्मकता से अधधक ्रतारूऩ न टदमे जावें। इस उद्देश्म से उऩ
यजजस्ट्रायों से ्रताप्त भाॊग ऩत्रों का जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें सावधानी ऩ वयक ऩयकं
ककमा जामे।

164. मेक ्रतकाय के बफकाऊ ्रतारूऩों (ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 28, 30 औय 31
का आऩात कामायरम तथा अऩने अधीनस्थ ्रत्
मेक कामायरम के मरमे जजरा यजजस्ट्राय एक

स्ट्थामी अधग्रभ सॊख्मा ननधायरयत कयेगा। मह स्ट्थामी अधग्रभ, जजसे „भानक‟ कहा जामेगा। उऩ-यजजस्ट्राय कामायरमों के उनके तीन भहकने की आवश्मकता औय जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम के मरमे ऩ ये जजरे की एक वषय की आवश्मकता ऩय आधारयत होगा। ्रत् मेक उऩ-यजजस्ट्राय बफकाऊ ्रतारूऩों के मरए आवेदन इस ्रतकाय बेजेगा कक वतयभान ्रतऩत्रों के सभाप्त होने के ऩहरे नई आऩ नतय उसके ऩास ऩहुॊचने के मरए ऩमायप्त सभम यहे। ्रतऩत्रों की आऩ नतय के आवेदन के साथ वे कोषागायक चारान बी सॊरग्न ककमे जाने चाहमे जजनके द्वाया बफके हुमे ्रतऩत्रों का भ ल्म कोषागाय भें जभा ककमा गमा है, इसी ्रतकाय जफ जजरा यजजस्ट्राय के ऩास ्रतऩत्रों की भात्रा सभाप्त होने को हो तो वह ्रतारूऩ सॊख्मा मभसर 131 ए (याजकीम भुद्रणारम उ्तय ्रतदेश के मरए बफकाऊ ्रतारूऩों की ं नतऩ नतय आदेश) भें याजकीम भुद्रणारम को भाॊग ऩत्र बेजेगा औय उसके साथ चारानों की नकरों को बी बेजेगा जजनके द्वाया उसके जजरे के उऩ-यजजस्ट्रायों ने बफकाऊ ्रतारूऩों का भ ल्म कोषागाय भें जाभ ककमा हो, उस ं नतऩ नतय आदेश भें अॊककत यामशमों का भुद्रणारम भें उन चारानों से मभरान ककमा जामेगा औय मटद उसे सहक ऩामा गमा तो उसी भ ल्म के अनुसाय ्रतारूऩ जजरा यजजस्ट्राय को बेज टदमे जावेंगे। बफकाऊ ्रतारूऩों के ं नतऩ नतय आदेश भें अन्म ककसी ्रतकाय के ्रतारूऩों की भाॊग शामभर नहकॊ की जावेगी। ्रतनत वषय जनवयक, अ्तैर, जुराई व अतट फय की दस तायकख के ऩहरे ्रत् मेक ज स्माऩन के मरए जजरा यजजस्ट्राय को बेजेगा,

मेक व्तीम वषय के अजन्तभ टदन जजरा

यजजस्ट्राय अऩने कामायरम के बफकाऊ ्रतारूऩों की धगनती कयेगा औय अधीं व

165. स्ट्ीकृत प्रारूऩों के अनतरयक्त अन्म प्रारूऩों का प्रमोग िजजात- बफना भहाननयक क की ऩ वय अनुभनत ्रताप्त ककमे स्ट्वीकृत ्रतारूऩों के स्ट्थान ऩय अन्म ्रतारूऩों का ्रतमोग नहकॊ ककमा जामेगा, औय ककसी बी कायण से फटहमाॊ औय ्रतारूऩ ननजी भुद्रणारमी भें नहकॊ छाऩे जावेंगे। **अऩने विबाग भें प्रमोग क्रकमे जाने िारे प्रारूऩ-** रेखा तथा अन्म ववबागों भें ्रतमोग ककमे जाने वारे ्रतारूऩ सम्फजन्धत ववबाग के आदेशानुसाय भाॊगे जावेंगे।

166. प्रारूऩों की साभिी ऩॊजजका-

मेक कामायरम भें ऩरयमशष्ट एप के ्रतारूऩ सॊख्मा 49 भें एप ्रतारूऩों की साभग्री ऩॊजजका फनाई जावेगी।

कामारमी

ऩत्र व्मिहाय

167. जजरा यजजस्ट्राय औय उऩ-यजजस्ट्राय के फीच ऩत्र-व्मिहाय- जजरा यजजस्ट्राय औय उऩ-यजजस्ट्राय के फीच का ऩत्र व्मवहाय साभान्मत् देशी बाषा की ्रतकक्रमा के अनुसाय ककमा जामे उऩ-यजजस्ट्राय अॊग्रेजी जानने वारा मा म योऩीम

अधधकायक हो तो अ◌ॊग्रजी न्नत्र व्मवहाय ककमे जाने भें कोई आऩजत्त नहकॊ है, म

168. उऩ-यजजस्ट्रायों से प्राप्त होने ि◌ारे सॊदबो का जजरा यजजस्ट्राय दृ◌ि◌ाया ननस्ट्तायण- जहाॉ तक सम्बव हो उऩ-यजजस्ट्रायों से ◌्रताप्त सॊदबो का ननस्ट्तायण जजरा यजजस्ट्राय द्वाया ककमा जाना चाटहमे औय जफ तक भहाननयक व उन बफन्दुओॊ से सम्फजन्धत होते हैं जजनका ऩहरे हक ननणयम ककमा जा चुका है औय उनको जजरा यजजस्ट्राय द्वाया हक ननस्ट्तारयत कय टदमा जाना चाटहमे था, ऩयन्तु जफ कोई कान नी मा ◌्रतकक्रमा सम्फन्धी ऐसा ◌्रतश्न उठामा जाम जजसका ऩहरे ननणयम नहकॊ हुआ हो मा जफ कोई ◌्रतश्न व्माऩक भह्व यखता हो तो उसे जजरा यजजस्ट्राय द्वाया आसानी भें मरमे गमे न्नत्र के भाध्मभ के आदेशाथय सन्दमबयत ककमा जाना चाटहमे जजसभें भाभरे का स्ट्ऩष्ट ववश्रेषण तथा जजरा यजजस्ट्राय की याम व्मतत की जानी चाटहमे।

169. जजरा यजजस्ट्रायों औय भहाननयी◌ं क के फीच न्नत्र व्मिहाय- जजरा यजजस्ट्रायों औय भहाननयक क के फीच सयकायक न्नत्र व्मवहाय अ◌ॊग्रेजी भें होगा औय इस ववषम ऩय जजरा यजजस्ट्रायों को भैनुअर आप गवनयभेंट आडय के ववबाग तीन के ऩैयाग्राप 391 से 411 तक को टदमे गमे साभान्म ननमभों से भागय दशयन रेना होगा। जजरा यजजस्ट्राय ध्मान यखेंगे कक भहाननयक क के कामायरम से ◌्रताप्त सॊदबाां का उ्तय देने भें उसके कामायरम मा उऩ-यजजस्ट्राय के कामायरम भें अनावश्मक ववरम्फ न हो।

सॊमुक्त उऩ यजजस्ट्राय

170. सॊमुक्त कामाारम- मे ननमभ केवर ऐसे उऩ यजजस्ट्राय के भाभरे से सम्फजन्धत है जजसका कामायरम भुख्म उऩ-यजजस्ट्राय के कामायरम से द यक ऩय जस्ट्थत हो। उन भाभरों भें जहाॉ सॊमुतत उऩ-यजजस्ट्राय उसी कामायरम भें काभ कयता हो जहाॉ ऩय भुख्म उऩ-यजजस्ट्राय काभ कयता है उनके मरमे ककसी ववशेष ◌्रतकक्रमा की आवश्मकता नहकॊ है औय ऐसे कामायरमों भें यजजस्ट्रायों, फटहमों औय वववरयर्णमों का एक हक सैट भुख्म औय सॊमुतत उऩ-यजजस्ट्राय के मरए यखा जामेगा।

171. अधधकाय ◌ं◌े त्र- ववमबन्न स्ट्थानों ऩय जस्ट्थत सॊमुतत उऩ-यजजस्ट्रायों के भाभरे भें एक हक उऩ-जजरे भें एक मा अधधक कामायरम होंगे औय उस उऩ जजरे भें ननमुतत सफ सॊमुतत उऩ-यजजस्ट्रायों का सभावती ◌ं◌े त्राधधकाय होगा। ककसी ऩंकाय को मह ववकल्ऩ उऩरब्ध होगा कक वह उस जजरे के ककसी बी कामायरम भें अऩने रेखन्नत्रों का यजजस्ट्रीकयण कयामे।

172. यजजस्ट्टय- अधधननमभ तथा ननमभों द्वाया ननधायरयत ववमबन्न ◌्रत काय के यजजस्ट्टय भुख्म औय सॊमुतत कमायरम दोनो भें यखे जावेंगे। जैसे हक सॊमुतत कामायरम की कोई जजल्द ऩ यक बय जामे उसे तुयन्त भुख्म कामायरम को बेज टदमा जामेगा। जहाॉ वह तफ तक यखी जमेगी जफ तक उसे जजरे के केन्द्रकम अमबरेखाकाय को नहकॊ बेज टदमा जाता। सॊमुतत कामायरमों भें पाइर फहक एक भें केवर धाया 19 के अधीन ◌्रतस्ट्तुत ववदेशी बाषाओॊ के रेखन्नत्रों की नकरें औय अनुवाद औय धाया 21 (4) के

अधीन ्रतस्त्तुत नतशे औय येखाधचत्रों को यखा जमेगा, अधधननमभ की धाया 64 से 67 तक औय धाया 89 से ्रतावधानों को अधीन ्रतस्त्तुत होने वारे अन्म सफ रेखन्नत्र व नकरे भुख्म कामायरम की पाइर फहक एक भें यखे जावेंगे।

173.एक सौचाय तक ननधायरयत इन्डेतस भुख्म औय सौमुतत कामायरम भें अरग-अरग यखे जावेंगे। ्रत् मेक भाह की ऩटहरक तायकख को ्रत् मेक सौमुतत उऩ-यजजस्ट्राय फीते भटहने भें इन्डेतस सौख्मा एक, दो, तीन व चाय भें की गई ्रतववजष्टमों की नकर फनाकय भुख्म उऩ-यजजस्ट्राय को बेजेगा। इन नकरों के मभरने ऩय भुख्म उऩ-यजजस्ट्राय उन्हें अऩने कामायरम की इन्डेतस ऩचों के साथ वणायक्रभानुसाय यख देगा।

वषय की साभजप्त ऩय सौमुतत कामायरम के इन्डेतसों की जजल्दफन्दक कय दक जावेगी औय ननमभ 190 के ्रतावधानों के अधीन उन्हें कामायरम भें यखा जामेगा।

174. नकर औय तराश के आेदन- सौमुतत कामायरमों के ननमभ 172 के अनुसाय केवर चार फटहमें औय इन्डेतस उऩरब्ध होते हैं, चार यजजस्ट्रयों की ्रतववजष्टमों की नकर मा तराश का आवेदन ्रताप्त होने ऩय सौमुतत उऩ-यजजस्ट्राय तराश की अनुभनत मा नकर देने की स्त्वीकृनत, जैसी बी जस्त्थनत हो, मटद तराश का ककमा जाना मा नकर का टदमा जाना अधधननमभ मा त्सम्फजन्धत फने ननमभों के अधीन अनुभन्म हो, दे देगा। ऩयन्तु मटद जजन यजजस्ट्रयों की तराश की जानी है मा जजसभें से नकर दक जानी है वे भुख्म कामायरम को बेज टदमे गमे हैं तो आवेदन मा तो भुख्म कामायरम को अग्रसारयत कय टदमा जामेगा मा भुख्म कामायरम भें ्रतस्त्तुत कयने के मरए आवेदक को वाऩस जैसा वह चाहे, कय टदमा जामेगा औय ऐसी दशा भें भुख्म कामायरम द्वाया बफना ककसी नमे आवेदन के तराश की अनुभनत मा नकर की स्त्वीकृनत दे दक जामेगी, मटद आवेदक चाहे तो नकर उसको सौमुतत उऩ-यजजस्ट्राय के भाध्मभ से बेजी जा सकती है। न्मामारमों द्वाया फाय ककपारत के ्रतभाणकों के सफ आवेदन भुख्म उऩ-यजजस्ट्राय को बेजे जामेंगे जो आवश्मकता होने ऩय ्रतभाणक जायक कयने के ऩहरे सौमुतत उऩ-यजजस्ट्राय से आख्मा भाॉग सकता है।

175. पीस- सौमुतत कामायरमों द्वाया अजजयत पीस सुववधाजनक अवसयों ऩय सीधे याज्म कोषागाय भें जभा की जामेगी।

176. आख्मामें औय वि्रियणणमाॉ- भामसक तथा अन्म ववववयर्णमाॉ भुख्म औय सौमुतत कामायरमों के मरए अरग-अरग फनाई जावेगी।

अध्माम 3

यजजस्ट्रीकताा अधधकारयमों के कताव्म औय प्रक्रिमा

177. अन्म से्ामोजन- ववबागीम उऩ-यजजस्ट्रायों द्वाया भहाननयकं कों की ऩ वय स्त्वीकृनत के बफना यजजस्ट्रककयण ववबाग के अऩने कतयव्मों के अनतरयतत कोई ऩद, सेवामोजन मा कामय ग्रहण कयना वजजयत है।

उनको ऐसे रेखऩत्रों के रेखन मा ्रतारूऩण कयने की, जजनको उनके द्वाया यजजस्ट्रककयण ककमा जाना हो, सख्त भनाहक है।

अशबरेख का सॊय

ण ंनत से फचाना औय विनष्टीकयण

178. प्रत्मेक जजरे का अशबरेखागाय- मेक जजरे के मरए जजरा यजजस्ट्राय का कामायरम केन्द्रकम अमबरेखागाय होगा औय उसके अऩने कामायरम तथा अधीनस्ट्थ कामायरमों के ऐसे यजजस्ट्रय जजन्हें शाश्वतकार तक सुयक्षऺत यखा जाना हो, इस अमबरेखागाय को सभम-सभम ऩय बेजे जावेंगे।

179. यजजस्ट्यों, फहहमों इत्माहद का सूचीऩत्र-

मेक यजजस्ट्रककयण कामायरम भें ऩरयमशष्ट

एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 20 भें एक स चीऩत्र फनामा जामेगा। इसको दो बागों भें फाॊटा जामेगा। बाग 1 भें उस अमबरेख को शामभर ककमा जामेगा जजन्हें केन्द्रकम अमबरेखागाय भें शाश्वतकार तक यखा जाना है औय बाग दो भें उस अमबरेख को शामभर ककमा जामेगा जजसे ननमभ 199 भें उजल्र्खत अवधधमों की सभाजप्त ऩय नष्ट ककमा जाना है। कामायरम के ऩीठासीन अधधकायक से ्रत् मेक ऩरयवतयन ऩय, ऩदबाय सम्हारने वारा अधधकायक कामायरम के यजजस्ट्रय फटहमों आटद का मभरान स चीऩत्र से कयेगा औय तफ उस ऩय ्रतभार्णत कयेगा कक उन्हें सहक ऩामा।

180. शाचितकार तक यखा जाने िारा अशबरेख- एतद्ऩश्चात् ननम्नमरर्खत अमबरेख को जजरे के केन्द्रकम अमबरेखागाय भें जो, वह इस सभम है, मा जो बववष्म भें ननमभ 181औय 182 के अनुसाय जभा ककमे जाने शाश्वतकार तक के मरमे ं नत यटहत यखा जामेगा। (1) 1812 के येगुरेशन फीस के अधीन रेखऩत्रों औय इन्डेतसों के सफ

यजजस्ट्रय, रेखऩत्रों औय यजजस्ट्रयों की ्रतभार्णत नकरें औय ्रतस्ट्तुत

ककमे गमे भ र भुख्तायनाभें।

(2) काजजमों के अमबरेख

(3) 1864 के अधधननमभ सोरह, 1866 के अधधननमभ फीस, 1871 के अधधननमभ आठ औय 1908 के अधधननमभ सोरह द्वाया ननदेमशत सफ यजजस्ट्रय फटहमें, उनके इन्डेतस औय ्रतस्ट्तुत ककमे गमे अनुवाद

व नकरें औय ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभों के साय-सॊंेऩ की फटहमे, औय वह पाइर फहक जजसभें वे भुख्तायनाभें यखे गमे हैं जजनके आधाय ऩय रेखऩत्र यजजस्ट्रककयण के मरए ्रतस्ट्तुत ककमे गमे हों।

(4) 1908 के अधधननमभ 16 द्वाया ननदेमशत सफ यजजस्ट्रय फटहमे औय इन्डेतस औय अधीनस्ट्थ कामायरमों से ्रताप्त अमबरेख तथा पाइन

फटहमे।

(5) ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभों का यजजस्ट्य।

(6) ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभे जजनके आधाय ऩय रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण ककमा गमा।

(7) स चीऩत्र।

(8) ववनष्ट ककमे गमे अमबरेख की स ची।

(9) ननयकं ण

ऩुजस्ट्तका।

181. अशबरेख का केत्रीम अशबरेखागाय को बेजा जाना- मेक कैरेन्डय वषय के ्रतायम्ब भें ननम्नमरर्खत भें से वे जजल्दें औय इन्डेतस जो ऩ ये बय चुके हों औय जजसभें की अजन्तभ ्रतववजष्ट 12 वषय से अधधक ऩुयानी हो गई हो, जजरे के केन्द्रकम अमबरेखागाय को बेज टदमे जावेंगे-

(1) 1908 के अधधननमभ 16 द्वाया ननदेमशत यजजस्ट्य फहक एक से चाय औय यजजस्ट्य फहक छ्

(2) पाइर फटहमाॊ

(3) उन भुख्तायनाभें खास की पाइर-फटहमाॊ जजनके आधाय ऩय रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण हुआ हो,

(4) इन्डेतस I, II, III, औय IV ऩयन्तु इन्डेतस तफ तक नहकों बेजें जावेंगे जफ तक वे फटहमाॊ न बेजी जावे जजनसे वे सम्फजन्धत हैं।

182.भुख्मारम के फाहय के वे कामायरम जहाॊ उऩ-यजजस्ट्राय कामायरम सुयक्षत बवन भें जस्ट्थत न हो, वहाॊ का अमबरेख जजरा यजजस्ट्राय की स्ट्वीकृनत से कभ अवधध भें बेजा जा सकता है औय अगय ककसी भाभरे भें ऐसा ककमा जाना उधचत सभझा जावे तो फटहमों के ऩ या मरखे जाने ऩय बी बेजा जा सकता है।

183. अशबरेख क्रकस प्रकाय बेजा जामे- केन्द्रकम अमबरेखागाय को बेजा जाने वारे सफ अमबरेख के साथ ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 20 भें दो ्रतनतमों भें एक फीजक बी बेजा जामेगा। सावधानी ऩ वयक स्मावऩत ककमे जाने के फाद फीजक की ्रत नत ऩय अमबरेख की स्ट्वीकायोजतत अॊककत कय उसे अववरम्फ उस कामायरम को बेज टदमा जामेगा जहाॊ से अमबरेख ्रताप्त हुआ हो। बेजने वारे अधधकायक का मह दानम्व होगा कक बेजे जाने के ऩहरे अमबरेख को अच्छी तयह से फाॊध टदमा गमा है औय मात्रा के दौयान उसके खोने मा ं नतग्रस्ट्त होने से

फचाने के मरमे साये आवश्मक उऩाम ककमे गमे हैं। मटद आवश्मक हो अमबरेख के बेजे जाने की ववधध के सम्फन्ध भें जजरा यजजस्ट्राय से ऩटहरे हक टदशा ननदेश रे मरमे जावे।

184. जजरा यजजस्ट्राय कामाारम भें अशबरेखों की सुया का प्रफन्ध- जहाॊ ऩय सम्बव हो जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें अमबरेखागाय के मरमे एक ववशेष कभया उऩरब्ध कयामा जामेगा जजसभें यैक मा ्रतेस रगे होंगे मा भजफ त रोहे की चादयों की आरभायमाॊ होगी जजनको भजफ त तारों से फन्द ककमा जामेगा जजरा यजजस्ट्राय को

स्ट्रीकृनत से केन्द्रकम अमबरेखागाय का ्रतबाय भुख्मारम के उऩ यजजस्ट्राय को सौंऩा जा सकता है।

185. िसीमतनाभों इत्माहद की सुयां के शरमे अजननयोधक फक्स-

मेक जजरे के जजरा यजजस्ट्राय को एक अजग्नयोधक फतस टदमा गमा है। 1908 के अधधननमभ 16 की ्रतवृज्त्त के ऩटहरे के अधधननमभों के ्रतावधानों के अधीन भोहयफन्द मरपापों भें यखे वसीमतनाभें औय द्तक ग्रहण अधधकाय ऩत्र औय धाया 43 के अधीन जो भोहयफन्द मरपापों भें यखे वसीमतनाभों जभा ककमे गमे हों मा जभा कयने के मरमे ्रतस्त्तुत ककमे जावे औय 1871 के अधधननमभ आठ मा 1908 के अधधननमभ सोहर की धाया 45 के अधीन खोरे गमे हो मा खोरे जावे सफ इस फतस भें यखे जावेंगे। इस फतस की चाबी जजरा यजजस्ट्राय के व्मजततगत सॊयं

ण भें यहेगी औय केवर वह हक उसको खोर सकेगा। इस चाबी की द सयक ्रतनत ककसी सुयक्षत स्त्थान ऩय यखी जावेगी। इस फतस को ऐसी जगह ऩय यखा जाना चाटहमे कक नभी का उस ऩय असय न हो औय इसे वषय भें दो फाय माने जनवयक औय जुराई भें मह सुननजश्चत कयने के उद्देश्म से खोरा जामेगा कक इसभें यखी वस्त्तुमें सहक हैं औय अच्छी दशा भें है (इन वस्त्तुओं को, मटद हो, तो धगना बी जामेगा) औय तारा सहक ढॊग से काभ कय यहा है। इस तथ्म को जजरा यजजस्ट्राय द्वाया ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 3 भें ्रतभार्णत ककमा जामेगा।

186. उऩ-यजजस्ट्रायों के कामारमों भें अशबरेख की सुयां के प्रफन्ध- उऩ-यजजस्ट्राय के कामायरमों को रोहे की चादय की आरभारयमाॉ मा अन्म ऩात्र उऩरब्ध कयामे जावेंगे। जहाॉ तक सम्बव हो आरभारयमाॉ इ्माटद को उसी कभये भें यखा जामे जजसभें यजजस्ट्रककताय अधधकायक स्त्वमॊ फैठता है औय सावयजननक कामय कयता है औय इन्हें स्त्वमॊ उस अधधकायक द्वाया मा उसकी उऩजस्त्थनत भें खोरा व फन्द ककमा जावेगा। जफ आरभारयमाॉ फन्द हो तो चामबमाॉ वह स्त्वमॊ अऩने ऩास यखेगा। उऩ यजजस्ट्राय को टदमे गमे तारों की चाबी की द सयक ्रत नत जजरे के यजजस्ट्राय के कामायरम भें यखी जावेगी जा ्रत्मेक ऩय उस कामायरम के नाभ की ऩ्िी रगामेगा जजस कामायरम से वे सम्फजन्धत हो औय उनको अऩने रोहे के फतस भें यखेगा।

187. यजजस्ट्रीकयण कामारम भें रूऩमा मा अन्म ननजी सम्ऩजत्त यखे जाने ऩय ननषेध- ककसी बी दशा भें यजजस्ट्रककयण कामायरम भें रूऩमा मा अन्म ननजी सम्ऩज्त्त नहकॊ यखी जावेगी।

188.ननम्नमरर्खत ्रतकीणय अमबरेख को ननम्नमरर्खत ढॊग से वगीकृत औय व्मवजस्त्थत ककमा जावेगा।

(1) यजजस्ट्रककयण के मरमे रेखऩत्र ्रतस्त्तुत कयने वारे भुख्तायों द्वाया ऩेश ककमे गमे धाया 33 के अधीन ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभें, मटद रेखऩत्र भुख्तायनाभा खास के साथ ्रतस्त्तुत ककमा जाता है जो भुख्तायनाभा कामायरम भें यख मरमा जावेगा औय उस ऩय

ननम्नमरर्खत नृष्ठाॊकन अॊककत कय उसे पाइर-फहक भें धचऩका टदमा

जामेगा।

क्रभौक .... वषय ……………................

फहक सॊख्मा .... जजल्द .... के रेखनत्र सॊख्मा …......... वषय .... के साथ ्रतस्त्तुतटदनौक भोहय कामायरम

उनन यजजस्ट्राय

मटद रेखनत्र भुख्तायनाभा अवाभ के साथ ्रत स्त्तुत ककमा जामे तो भुख्तायनाभे नय ननमभानुसाय नृष्ठौकन अ◌ौककत कय उसे ्रतस्त्तुत क को वानस कय टदमा जामेगा।

फहक सॊख्मा .... की जजल्द .... के रेखनत्र सॊख्मा...... वषय .... के साथ ्रतस्त्तुत

टदनौक भोहय कामायरम हस्त्ता◌ंय

उनयजजस्ट्राय

(2) न्मामारमों के डडकक्रमों की नकरों को जो स्त्नेमसकपक रयरकप अधधननमभ की धाया 39 के अधीन ्रत ◌ाप्त हो जजनके द्वाया यजजस्ट्रककृत रेखनत्रों को ननयस्त्त ककमा गमा हो, वावषयक गड्डमों भें यखा जामेगा।

(3) ्रतकीणय कागजात जो अल्नकारकन उनमोग के हैं जैसे ननष्नादन कतायओॊ मा साक्षमों को सम्भन कयने के आवेदन कभीशन जायक ककमे जाने के आवेदन, कमभश्नयों की आख्मामें उनय यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमे जाने के कायणों की नकरों के आवेदन को वगीकृत कय वावषयक गड्डमों भें यखा जावेगा।

189. अशबरेख की सुयं ◌ा नूणा देखबार-

मेक उन यजजस्ट्राय साये यजजस्ट्रककयण अमबरेख जजसभें वननछरे वषों से जभा ककमा हुआ अमबरेख बी शामभर है जो उसके कामायरम भें यखा है मा जो उसके कामायरम को अन्तरयत ककमा गमा हो, की सुया कयने तथा उन्हें ◌ं नतभुतत यखने के मरमे उ्तयदामी है।

190. कामाारम से अशबरेख का हटामा जाना- जजरा यजजस्ट्राय की मरर्खत स्ट्वीकृनत के मसवाम यजजस्ट्रककयण कभयचारयमों द्वाया ककसी यजजस्ट्रय, इन्डेतस, फहक मा अन्म अमबरेख (फहक आठ व यसीद फहक को छोड़कय जफ यजजस्ट्रककयण की कामयवाई ककसी ननजी ननवास स्त्थान नय हो) अनने कामायरम से ककसी बी ्रत मोजन से हटामे जाना न णयतमा वजजयत है। जजस यजजस्ट्रककयण अमबरेख को ्रतमोग भें न रामा जा यहा हो उनको उनके मरमे ननधायरयत नात्र भें

यखा जाना चाटहमे औय ककसी बी दशा भें कभयचायक द्वाया अऩने ननवास ऩय नहकॊ रे जामा जाना चाटहमे।

191. अशबरेख का ऩयी ं ण- नभी, दकभक रगने इ्माटद ऐसे कायणों से अमबरेख को होने वारक ं नत से फचाने के मरमे आरभायमों, ्रतेसों इ्माटद भें यखी वस्ट्तुओॊ का सप्ताह भें एक फाय ऩ या ऩयकंण ककमा जाना चाटहमे।

192. अशबरेख को हुई ं नत- अमबरेख को हुई ं नत, चाहे वह ककसी बी कायण से हुई हो, के हय भाभरे की ववशेष जॉच की जावेगी औय जजरा यजजस्ट्राय ्रत बायक अधधकायक के उ्तयदानम्व की सीभा तथा औय जहाॉ तक सम्बव हो ं नत की दुरूस्ट्ती के मरमे तथा बववष्म भें ंनत से फचने के मरमे उठामे जाने वारे कदभों के सम्फन्ध भें आदेश ऩारयत कयेगा।

193. जफ दीभक मा क्रकताफी कीड़े हदखाई दे तो क्मा-क्मा सा िधानी फयतनी चाहहमे- जफ ककसी कामायरम भें दकभकों का ्रतादुबायव हो गमा हो औय उनको योकने के अन्म उऩाम असपर हो गमे हों तो आरभायमों मा अन्म ऩात्रों को नछछरक तश्तरयमों ऩय जजनभें सयसों का तेर बया हो इस ्रतकाय टटका टदमा जाना चाटहमे कक वे फीच भें टटके हो जैसे एक फाय तश्तरयमों भें तेर बय टदमे जाने ऩय उसको फहुत सभम तक दोफाया बयना आवश्मक न होगा। मह ववधध काफी सन्तोषजनक मसद्ध हुई है।

194. दकभकों मा अन्म कीड़ों के हभरे से ऩुस्ट्तकों इ्माटद को फचाने के सम्फन्ध भें ककमे गमे ्रतमोगों से मह ाात होता है कक ऩयतरायोइड आप भयकयक (कोयोमसन सवमरभेट) के एक बाग का ऩानी के 144 बाग भें मभरा कय फनामा गमा साधायण घोर अन्म ककसी घोर की तुरना भें ्रतबावशारक ऩामा गमा जफकक मह अन्म दवाओॊ से अधधक सस्ट्ता है। (शासनादेश सॊख्मा 14/475-टदनाॊक 29 अ्तैर 1883-जजसे शासनादेश सॊख्मा 1587 टदनाॊक भई 1893द्वाया ्रतसारयत ककमा गमा था।)

195. रादाि ा रेखऩत्रों की सुया- धाया 42 मा 43 के अधीन जभा ककमे गमे रेखऩत्रों को छोड़कय जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें जो रेखऩत्र वाऩस नहकॊ मरमे जाते मा जो यजजस्ट्रककृत ककमे जाने मा यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमे जाने के फाद डाक द्वाया बेजे जाने ऩय वाऩस आ गमे हो यजजस्ट्रककयण की तायकख मा इन्कायक मा डाक से वाऩसी की तायकख, जैसी बी जस्ट्थनत हो के एक भहकने की सभाजप्त के फाद रादावा रेखऩत्रों के यजजस्ट्टय (ऩरयमशष्ट तीन का ्रत ारूऩ सॊख्मा 33) भें चढ़ा टदमे जाने चाटहमे औय सुया के उद्देश्म से कामायरम के अजग्नयोधक फतस भें यख टदमे जाने चाटहमे। ्रत् मेक कामायरम के रादावा रेखऩत्रों की एक स ची (ऩरयमशष्ट तीन के ्रत ारूऩ सॊख्मा 34 भें) सावयजननक स चना के मरमे फाहय रगा दक जावेगी।

नोट- मटद भहकने का अजन्तभ टदन कामायरम फन्द हो तो रेखनत्र को अगरे टदन जजस टदन कामायरम खुरे चढ़ामा जाना चाटहमे।

(2) रादावा रेखनत्रों के यजजस्टय भें चढ़ामा गमा रेखनत्र त्तश्चात् वानस नहकों ककमा जामेगा जफ तक उसको नाने के मरए नामभत व्मजतत यजजस्ट्रककयण पीस की सारयणी (नरयमशष्ट नाॉच) के अनुच्छेद ग्मायह भें ननधायरयत दय से पीस अदा न कय दे।

196. (1) उन-यजजस्ट्राय के कामायरम भें जो रेखनत्र, उसके यजजस्ट्रककृत होने के फाद मा डाक द्वाया बेजे जाने नय बफना नहुॊचामे वानस आ गमा हो मा जजसका यजजस्ट्रककयण इन्काय ककमा गमा हो, वानस न मरमा गमा हो उसको यजजस्ट्रककयण मा डाक से वानसी मा यजजस्ट्रककयण से इन्कायक की तायकख के एक भहकने की सभाजप्त के फाद रादावा रेखनत्रों के यजजस्टय (नरयमशष्ट तीन का ्रतारून सॊख्मा 33) भें चढ़ा टदमा जामेगा। ्रत्

मेक कामायरम भें रादावा रेखनत्रों की स ची सावयजननक स चना के मरए ्रतदमशयत की जामेगी।

नोट- अगय भहकने का अजन्तभ टदन छुि्ी हो औय कामायरम फन्द हो तो रेखनत्र उस अगरे टदन चढ़ामा जामेगा जफ कामायरम खुरे।

(2) जो रेखनत्र रादावा रेखनत्रों के यजजस्टय भें चढ़ा टदमा गमा हों उसको त्तश्चात् तफ तक रौटामा नहकों जामेगा जफ तक कक उस व्मजतत द्वाया, जजसने उसे यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रत

स्तुत ककमा हो मा जजसकी उसने इसको वानस नाने के मरए नामभत ककमा है। यजजस्ट्रककयण पीस की सारयणी (नरयमशष्ट नाॉच) के अनुच्छेद ग्मायह भें ननधायरयत दय नय पीस अदा न की जावे।

(3) मटद रेखनत्र उसके यजजस्ट्रककयण, इन्कायक मा डाक वानसी (जैसी बी जस्थनत हो) की तायकख के तीन भाह के अन्दय वानस न मरमा जावे तो उस तायकख से तीन भाह की सभाजप्त के फाद उसे जजरे के जजरा यजजस्ट्राय को उसके अजग्नयोधक फतस भें सुयक्षत यखे जाने के मरए इस ्रतकाय बेजा जामेगा कक वह वहाॊ अगरे सोभवाय को नहुॊच जावे, ऐसे रेखनत्रों को नाने नय जजरा यजजस्ट्राय उन्हें अनने कामायरम के रादावा रेखनत्रों के यजजस्टय (नरयमशष्ट तीन का ्रतारून सॊख्मा 33) भें चढ़ामेगा औय उनको केवर यजजस्ट्रककयण पीस की सारयणी (नरयमशष्ट नाॉच) के अनुच्छेद ग्मायह भें ननधायरयत पीस की अदामगी नय हक वानस कयेगा मह पीस तथा रेखनत्र की वानसी मटद चाहा जामे तो उन-यजजस्ट्राय के भाध्मभ से हो सकती है।

(4) मेक उन-यजजस्ट्राय ्रतनत सप्ताह नरयमशष्ट तीन के ्रतारून सॊख्मा 35 भें ननधायरयत ्रतारून भें रादावा रेखनत्रों की साप्ताटहक आख्मा बेजेगा। मह आख्मा सदा उस सप्ताह जजससे आख्मा सम्फजन्धत हो, के तुयन्त फाद भें आने वारे सोभवाय को बेजी जामेगी।

197. जजरा यजजस्ट्राय के रोहे फक्स भें यखे रेखनत्रों की सूची- उन-यजजस्ट्रायों द्वाया जजरा यजजस्ट्राय के अजग्नयोधक फतस भें सुयक्षत रून से यखे जाने वारे सफ रादावा

रेखऩत्रों के साथ दो ्रतनतमों भें ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 15 भें एक फीजक बेजा जामेगा स क्षभ ऩयकंण के फाद स्ट्वीकायोजतत अ्ोककत कय फीजक की एक ्रतनत अववरम्फ उस कामायरम को बेज दक जामेगी जहाॊ से वह ्रताप्त हुआ था।

198.जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें उन सफ रेखऩत्रों को एक स ची फनाई जामेगी जो अजग्नयोध फतस भें जभा ककमे गमे है। मह एक छोटक ऩुजस्ट्तका के रूऩ भें होगी जजसको बी
उसी फतस भें यखा जामेगा। इस स ची भें ककसी एक तायकख को फतस के अन्दय यखी वस्ट्तुओॊ की स ची अरग (1) भोहयफन्द वसीमतनाभे (2) खुरे वसीमतनाभे (3) रादावा रेखऩत्र औय (4) अन्म कोई भूमु ऩ वय ्रतबावी रेखऩत्र, वगों से फनाई जामेगी। भोहयफन्द व खुरक वसीमतों की स ची भें केवर क्रभाॊक औय जभा ककमे जाने मा खोरने की तायकख औय वहक ऩाॊच का सॊदबय टदमा जाना चाटहमे। अन्म रेखऩत्रों की स ची भें क्रभाॊक जभा कयने की तायकख, जभाकताय का नाभ, रेखऩत्र का ्रतकाय औय वाऩसी मा ववनष्टककयण की तायकख दजय की जानी चाटहमे। सभम-
सभम ऩय जफ आवश्मकता हो ऩुजस्ट्तका भें नमे ऩृष्ठ जोड़े जाने चाटहमे औय वे सफ रेखऩत्र जो
वाऩस न हुए हों मा उधचत अधधकयण द्वाया नष्ट न ककमे गमे हो, नमे क्रभाॊक से ऩुन् स चीफद्ध ककमे जाने चाटहमे औय इस आशम की एक टटप्ऩणी वऩछरक ्रतववजष्टमों के साभने कय दक जानी चाटहए।

अशबरेख का विनष्टीकयण

199.ननम्नमरर्खत अमबरेख को ्रत्
मेक के मरमे नीचे ननधायरयत सभमावधध के सभाजप्त
के फाद नष्ट ककमा जा सकता है। मह सभमावधध अमबरेख की तायकख के फाद आने वारक जनवयक की ऩहरक तायकख से आगर्णत की जानी चाटहमे ऩयन्तु जजरा यजजस्ट्राय, स्ट्वववेकानुसाय ककसी बी अमबरेख का सभमावधध के फाद मा दवाभ के मरऐ यखे जाने का आदेश दे सकता है, मटद मह उन रेखऩत्रों/कागजों के बववष्म के मरए उऩमोगी होना सभझता हो।

अमबरेख के ्रतकाय	जीवन्त यखने की अवधध
साभान्म ऩत्राचाय, जजसे जजरा यजजस्ट्राय नष्ट ककमे जाने मोग्म सभझे	एक वषय
रेखऩत्रों की रादा नकरें	ऐ
रेखऩत्रों के यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमे जाने के कायणों के नकरों के आवेदन	ऐ

अन्म आवेदन, ्रताथयना-ऩत्र, अऩीरें मा अल्ऩजीवी अन्म कागजात जजनके मरमे अन्म कोई ्रतावधान न हो	ऐ
वाऩस न हुमे रेखऩत्रों की साप्ताटहक रयऩोटय	ऐ
दावा रेखऩत्रों के फीजक	ऐ
यजजस्ट्राय को सभम-सभम ऩय उऩ-यजजस्ट्रायों से ्रताप्त नतशों की नकरें	ऐ
उऩ-यजजस्ट्रायों द्वाया बेजे गमे यजजस्ट्यों व रूऩऩत्रों के भाॊग-ऩत्र	ऐ
ाप्त हुमे औय बेजे गमे रेखऩत्रों के ाॊाऩनों की यसीदे	ऐ
स्टाम्ऩ अधधननमभ के अधीन जब्त ककमे गमे रेखऩत्रों से सम्फजन्धत योफकाय आटद	दो वषय
धाया 89 (अधधननमभ सोरह 1908) के अधीन दकवानी, याजस्व न्मामारमों द्वाया बेजे गमे आदेशों, भाण-ऩत्रों को अग्रसरयत कयने के योफकाय	ऐ
बाय स्ट्तता की तराश से सम्फजन्धत योफकाय व रयऩोटय	ऐ
ननष्ऩादनकतायओं औय साक्षमों को तरफ कयने मा कभीशन जायक कयने सम्फजन्धत आवेदन	ऐ
भीरक के फाद ्रताप्त सम्भन	ऐ
सावयजननक अधधकारयमों द्वाया यजजस्ट्यों की तराश मा नकरों के मरए टदम गमे ्रतभाणक	ऐ
कामायरम के बवनों मा पनीचय सम्फन्धी कागजात	तीन वषय

कभीशन जायक ककमे जाने से सम्फजन्धत कागजात औय कमभश्चयों की रय	ऐ
जजरा यजजस्ट्राय औय उऩ-यजजस्ट्रायों के कामायरमों से सभम-सभम ऩय बेजे गमे नतशों की नकरें	ऐ
डाक फहक व डाक यवानगी यजजस्ट्रय	ऐ
1908 के अधधननमभ सोरह के अधीन धाया 72की कामयवाहक	ऐ
यजजस्ट्रककयण मरवऩकों सम्फन्धी आदेश, मटद उनकी भ र ्रतनतमॉ जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें भौज द हों	ऐ
यजजस्ट्रककृत रेखऩत्रों के ननयस्ट्त ककमे जाने के दकवानी न्मामारमों के आदेशों की नकरें	ऐ
आऩजत्त ऩत्र	ऐ
खारक रूऩऩत्रों का स्ट्ाक यजजस्ट्रय	ऐ
सयकायक टटकटों का यजजस्ट्रय	ऐ
अस्ट्थाई अधधष्ठान की ननमुजतत मा स्ट्थानान्तयण सम्फन्धी कागज	ऐ
माग-ऩत्र मा सेवा सभाजप्त सम्फन्धी कागज	सेवा सभाजप्त के तीन वषय फाद
याज्म कभयचारयमों को दजण्डत कयने सम्फन्धी कागज	जफ अजन्तभ आदेश कामायजन्वत ककमा गम हो औय चरयत्र ऩॊजी भें ्रतववष्ट हो जाने के त वषय फाद
डाक से बेजे गमे रेखऩत्रों का यजजस्ट्रय	तीन वषय
फजट सम्फन्धी ऩत्राचाय	ऩॉच वषय
आकजस्ट्भक व्मम औय मात्रा ब्ता के बफर	ऐ

दावा रेखन्नत्रों का यजजस्ट्रय	ऐ
घय नय जाने मा कभीशन जायक कयने की फहक 7	ऐ
कोषागाय भें योकड़ बेजने के चारान व दा रे	छ् वषय
फजट	दस वषय
वावषयक रयन्नोटें	फायह वषय
स्ट्थानान्तयण सम्फन्धी कागजात	ऐ
स्ट्माहा औय जब्त ककमे रेखन्नत्रों को न यक बयक जजल्दें	ऐ
1908 के अधधननमभ सोरह के धाया 41, 63, 73 मा 74 के अधीन मरमे गमे फमान मा शनथ फमान औय धाया 41 के अधीन ननष्न्नादनकताय के वमस्ट्क होने के ्रत भाण भें ्रतस्ट्तुत धचकक्सक का ्रतभाणन्नत्र	ऐ
भुआमना रयन्नोटें	ऐ
बफक्री वारे रून्ननत्रों का यजजस्ट्रय	ऐ
फीजक, जजनके साथ 12 वषय से अधधक न्नुयाना अमबरेख केन्द्रकम अमबरेखागाय को बेजा गमा	ऐ
आदेश न्नुजस्ट्तका	ऐ
अ◌ोग ठे ननशानों की फहक 8	ऐ
अधधष्ठान के वेतन बफर	(क) नैंतीस वषय मटद बफर 1-4-1932 से न्नहरे हों। (ख) 1-4-1932 के फाद के 5 वषय जफ सेवा न्नुजस्ट्तका का स्मान्नन पाइनैजन्शमर है। 15फुक जजल्द ।। के सफ-मसडडमयक ननमभ 137के अनुसाय हो गमा हो तो इन्हें वेतन बफर के साथ नष्ट ककमा जामे।

स्थाई अधधष्ठान की ननमुजतत औय ्रतोन्ननत से सम्फजन्धत कागजात	नैंतीस वषय
सयकायक साभान की स ची	न्ााॉच वषय फाद जफ नुनयकक्षत स ची फन जा औय जजरा यजजस्ट्राय द्वाया स्मावनत कय दक जामे।
वेतन बुगतान यजजस्ट्य	न्ााॉच वषय

200. प्रत्मेक ि्षा हदसम्फय भाह के प्रायजम्बक हदनों भें जजरा यजजस्ट्राय औय उन- यजजस्ट्रायों के कामायरमों भें अगरक नहरक जनवयक को, उस अमबरेख व कागजात की, जो उतत ननमभ के अधीन नष्ट ककमे जाने मोग्म है, एक स ची तैमाय की जामेगी। मह स ची जजरा, यजजस्ट्राय के न्ास आदेशाथय बेजी जामेगी औय स्ट्वीकृती हो जाने नय उसभें वर्णयत अमबरेख व कागजात नष्ट कय टदमे जामेंगे औय तफ स ची नय एक ्रतभाणक अ ोककत ककमा जामेगा कक वे सफ अमबरेख व कागजात वास्त्तव भें नष्ट कय टदमे गमे हैं। मह स ची तफ दधाभ के मरए यखी जावेगी। मह स्ट्न्ष्ट सभझ मरमा जाना आवश्मक है कक जजरा यजजस्ट्राय की न वय अनुभनत के बफना, कोई यजजस्ट्ाय, अमबरेख मा कागज नष्ट नहकों ककमा जामेगा।

201. रादाि ा रेखन्त्रों का विनष्टीकयण- ्रतनतवषय अतट फय के ्रतायम्ब भें ्रत् मेक जज

ककसी ्रतभुख स्ट्थान न्य टाॉग टदमा जाना चाटहमे औय उस न्य मह चेतावनी होनी चाटहमे कक मटद उनको वान्स न्ाने के मरए अधधकृत व्मजतत एक भाह के अन्दय उन्जस्ट्थत होकय औय उस न्य देम दण्ड की यामश का बुगतान कय रेखन्त्र रेने नहकों आवेंगे तो उन्हें नष्ट कय टदमा जामेगा। इसके साथ-साथ स ची के उद्धयण उन कामायरमों को बी बेजे जाने चाटहमे जहााॉ न्य रेखन्त्र का यजजस्ट्रककयण हुआ था ताकक वह बी इसी ्रतकाय उसे अन्ने कामायरम भें ्रतदमशयत कयें। एक भहकने की सभाजप्त न्य उस व्मजतत को जो रादावा रेखन्त्र को न्ाने का अधधकायक है को सम्फोधधत „सववयभ न्ड़े" न्त्र द्वाया स धचत ककमा जाना चाटहमे औय मटद न्त्र बेजे जाने के एक भाह के अन्दय रेखन्त्र वान्स नहकों मरमा जाता तो उसे जजरा यजजस्ट्राय द्वाया मा उसकी उन्जस्ट्थनत भें नष्ट कय टदमा जामे औय ववनजष्ट की तायकख सम्फजन्धत उन-यजजस्ट्राय को स धचत की जानी चाटहमे ताकक उस फहक भें जजसभें उसकी नकर की गई है उस ्रतववजष्ट के साभने इस तथ्म को दजय कय दे। मटद रेखन्त्र ऐसा है जजसके यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमा गमा था तो इस तथ्म की ्रतववजष्ट कय दक जामेगी जजस न्य इन्कायक का आदेश मरखा गमा है।

बाषामें

202.अधधननमभ की धाया 19 के सम्फन्ध भें मह घोवषत ककमा जाता है कक याज्म भें साभान्मतमा ्रतमुतत बाषा देवनागयक मरवन भें टहन्दक सभझी जावेगी, ककन्तु

यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्त्ुत होने वारे रेखन्नत्र ककसी बी बाषा भें मरमे जा सकते है। मटद रेखन्नत्र देवनागयक मरवन्न भें मरर्खत टहन्दक से अन्मथा ककसी बाषा भें मरखा है औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस बाषा को नहकॊ सभझता हो, तो रेखन्नत्र के साथ उस बाषा भें उसकी एक सहक नकर औय देवनागयक मरवन्न भें मरर्खत टहन्दक बाषा भें सहक अनुवाद की एक ्रतनत उसके साथ सॊरग्न की जानी होगी (भहाननयर्क

क की अधधस चना सॊख्मा 1123/चाय-344, टदनाॊक 31-7-1981 द्वाया मथा सॊशोधधत)।

203. जफ विदेशी बाषा भें शरखा रेखन्नत्र यजजस्ट्रीकयण के शरमे प्रस्त्ुत क्रकमा जामे तो यजजस्ट्रीकताा अधधकायी द्ि्ाया की जाने ि्ारी कामा्ि्ाही- जफ यजजस्ट्रककयण के मरए ्रतस्त्ुत कोई रेखन्नत्र ऐसी बाषा भें मरखा हो जजसे यजजस्ट्रककताय अधधकायक नहकॊ सभझता है औय जो उस जजरे भें साभान्मता ्रतमुतत नहकॊ होती, तो धाया 19 द्वाया ननदेमशत नकर औय अनुवाद का मभरान ककसी ऐसे व्मजतत द्वाया ककमा जामेगा जो रेखन्नत्र औय अनुवाद दोनों की बाषाओॊ से न्नरयधचत हो औय उसके द्वाया भ र न्नाठ यजजस्ट्रकताय अधधकायक की उन्नजस्त्थनत भें ननष्न्नादनकताय को न्नढ़ कय सुनामा जमेगा। वह अधधकायक तफ उस व्मजतत को शन्नथ टदरवामेगा औय इस आशम का उसका फमान रेखाॊककत कयेगा कक नकर औय अनुवाद दोनों सहक है, औय कक ननष्न्नादनकताय रेखन्नत्र के ववषम को सभझता है औय उसका ननष्न्नादन स्त्वीकाय कयता है। मह फमान अनुवाद की ्रतनत न्नय मरखा जामेगा औय उस न्नय सशन्नथ फमान देने वारे व्मजतत औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया हस्त्ता्ंय ककमा जामेगा (भहाननयर्कक की अधधस चना 1123/चाय-344, टदनाॊक 30-7-1981 द्वाया मथा सॊशोधधत)

पीस औय जुभाने

204. पीस की सारयणी- शासन द्वाया अधधननमभ की धाया 78 के अधीन ननधायरयत पीस न्नरयमशष्ट न्नाॊच भें दक गई है। ्रत् मेक यजजस्ट्रककयण कामायरम भें पीस की सारयणी की अ्ॊग्रेजी तथा जजरे की ्रतचमरत देशी बाषा भें छन्नी ्रतनत ककसी ्रतभुख स्त्थान न्नय छान्नी जामेगी।

205. पीस का जभा क्रकमा जाना- रेखन्नत्रों के यजजस्ट्रककयण की पीस ्रतस्त्ुनतकयण न्नय देम होती है, न्नयन्तु मह ध्मान यहे कक जफ तक रेखन्नत्र औयन्नचारयक रून्न से यजजस्ट्रककयण के मरमे ग्रहण नहकॊ कय मरमा जामे तफ तक पीस नहकॊ रक जानी चाटहमे। इस ्रतकाय जो बी पीस वस र की जामे उसे याज-कोष भें जभा ककमा जाना चाटहमे चाहे रेखन्नत्र यजजस्ट्रककयण के मरए स्त्वीकाय ककमा गमा हो मा नहकॊ। पीस सारयणी के अनुच्छेद सात के ्रताववधा के अधीन जो मात्रा ब्ता वस रा गमा हो उसको यजजस्ट्रककताय अधधकायक मा कमभश्नय सीधे रे सकता है।

206.यजजस्ट्रककयण ववबाग की सफ ्रतशीषयकों भें जभा की जमेगी।

ाजप्तमाॊ कोषागाय के टहसाफ भें ननम्नमरर्खत

(क) रेखन्नत्रों के यजजस्ट्रककयण की पीस

(ख) यजजस्ट्रककृत रेखन्नत्रों की नकरों के मरमे पीस

(ग) ्रतकीणय

(1) भुख्तायनाभों के ्रतभाणीकयण की पीस

(2) भोहयफन्द मरपापों भें फन्द वसीमतनाभों को जभा कयने, ननकारने मा खुरवाने की पीस

(3) अनुवाद पाइर कयने की पीस

(4) जुभायने

(5) कभीशन जायक कयने की पीस

(6) यजजस्ट्रककयण के मरमे घय न्नय जाने की पीस

(7) फटहमों औय इन्डेतसों के भुआमने की पीस

(8) फटहमों भें मा उनके इन्डेतसों, भें की ्रतववजष्टमों के तराश की पीस

(9) जजरा यजजस्ट्राय द्वाया यजजस्ट्रककयण कयने की अनतरयतत पीस

(10) अन्म ्रतकीणय ्रताजप्तमाॊ

207. यजजस्ट्रीकयण ्रारून्न सॊख्मा 28, 30 औय 31, न्नरयशशष्ट तीन का विि्म भूल्म कोषागाय भें रेखा शीषाक छ्प्नन- भुद्रण एवॊ रेखन साभग्री-स्ट्ाक ्रत ारून्न अन्म ्रत ारून्न भें कोषागाय ्रतारून्न सॊख्मा 209 भें अरग चारान द्वाया जभा ककमा जामेगा जजसभें अन्म कोई भद शाभभर नहकॊ की जामेगी, न कक 030 यजजस्ट्रककयण पीस शीषयक भें जजसभें अन्नना यजजस्ट्रककयण सम्फन्धी ्रताजप्तमाॊ जभा की जाती है औय उसके मरए न्नरयमशष्ट तीन का ्रतारून्न सॊख्मा 19 जो यजजस्ट्रककयण सम्फन्धी ्रताजप्तमों को जभा कयने के मरमे ्रतमोग ककमा जाता है, काभ भें नहकॊ रामा जामेगा। कोषागाय ्रतारून्न सॊख्मा 201 भें चारान तीन ्रतनतमों भें तैमाय कय कोषागाय भें ्रतस्ट्तुत ककमा जामेगा जजनकी न्नटहरक ्रतनत कोषागाय स्ट्वमॊ यख रेगा, द सयक जजरा यजजस्ट्राय को ननमभ 164 के अनुसाय बफकके हुमे ्रतारून्नों की ्रतनतन्न नतय के आवेदन के साथ बेजा जामेगा औय तीसयक यजजस्ट्रककताय अधधकायक के कामायरम के अमबरेख भें यखी जामेगी। ननमभ 138 औय 140 के अनुसाय फनामी जाने वारक भामसक व त्रैभामसक ववववरयर्णमों भें ्रतारून्नों की बफकक्री से होने वारक आम अरग से यजजस्ट्रककयण पीस की आम के नीचे टदमा जमेगा।

208.उस स्ट्थान न्नय जहाॊ यजजस्ट्रककयण कामायरम जस्ट्थत है मटद कोषागाय मा उन्न-कोषागाय बी जस्ट्थत हो तो यजजस्ट्रककयण कामायरम भें हुई आम को ्रतनतटदन ऐसे सभम तक

कोषागाय/उन्नकोषागाय भें जभा कय टदमा जमेगा ताकक वह उस टदन के टहसाफ भें शाभभर हो जामे। कोषागाय/उन्नकोषागाय का टहसाफ फन्द हो जाने के फाद ्रताप्त हुई कुर आम को अगरे टदन उस सभम तक की आम के साथ, जो कोषागाय/उन्नकोषागाय का

टहसाफ फन्द होने से ऩहरे ्रताप्त हुई हो, जभा ककमा जामेगा, महक क्रभ चरता यहेगा। जफ छुि्ी होने के कायण ककसी टदन

कोषागाय/उऩकोषागाय फन्द हो तो उस टदन ्रत

ाप्त आम को अगरे टदन जफ

कोषागाय/उऩकोषागाय खुरे जभा ककमा जामे। जजस टदन की आम उस टदन उस टदन कोषागाय भें जभा की जा सके तो स्ट्माहा भें उस ्रतववजष्ट के साभने/„कोषागाय फन्द‟ मरख टदमा जाना चाटहमे। कोषागाय/उऩकोषागाय को बेजे जानी वारक यामशमों के साथ ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ 19 भें दो ्रतनतमों भें एक चाराऩ बी बेजा जाना चाटहमे।

209.जफ उस स्ट्थान ऩय जहाॉ यजजस्ट्रीकयण कामायरम जस्ट्थत है कोई कोषागाय मा उऩकोषागाय न हो तो यजजस्ट्रीकयण कामायरम भें ्रताप्त होने वारक आम सीधे याजस्ट्व जजरे के जजसभें यजजस्ट्रीकयण कामायरम जस्ट्थत हो, के सभीऩतभ कोषागाय मा उऩकोषागाय को ्रतकीम धनादेश द्वाया भहकने भें एक फाय मा अन्मथा जैसा आदेश जजरा यजजस्ट्राय दे, इस ्रतकाय बेजा जामेगा कक वह उसी भहकने के टहसाफ भें शामभर हो जामे औय ऐसा कयने भें ननम्नमरर्खत ्रतकक्रमा अऩनाई जानी चाटहमे-

I- ऐसे कामायरमों के उऩ-यजजस्ट्रायों को ्रतनतऩणय सटहत ऩुस्ट्तक रूऩ भें

फॉध साभान्म धनादेश जैसे सफ डाकघयों भें उऩरब्ध होता है, जजरा मोग ककमा जामेगा।

II- इन ्रतारूऩों भें से एक ऩय उऩ-यजजस्ट्राय धनादेश तैमाय कय उस ऩय सभीऩस्ट्थ डाकघय का नाभ अॊककत कयेगा तथा अन्म वववयण अॊककत कयेगा औ

ऩय वह उस रेखा शीषयक का उल्रेख बी कयेगा जजस खाते भें वह रूऩमा जभा होना है जैसा ननमभ 206 औय 207 भें ननदेमशत है ताकक इसका

मटद ्रतारूऩ की बफक्री का धन बी बेजा गमा हो तो कोषागाय ्रतारूऩ सॊख्मा 209

की यसीद के साथ जजरे के जजरा यजजस्ट्राय के ऩास जभा ककमे गमे

धनादेश ्रत ाप्त होने ऩय कोषागाय अधधकायक धनादेश ऩय हस्ट्ताऺय कय तायकख डारेगा औय क ऩन को काट रेने के फाद धनादेश को डाकघय को रौटा देगा। कोषागाय अधधकायक की स्ट्वीकायोजतत सभमान्तय से डाकघय द्वाया उऩ

नकद बेजी गई यामश का फीजक मा चाराऩ, (ऩरयमश

ारूऩ सॊख्मा 19 औय अगय ववक्रम ्रत ारूऩों व

का स्ट्थान रेगा।

210.इसमरमे उऩ-यजजस्ट्राय को कोषागाय मा उऩकोषागाय की भाहवायक टहसाफ

फन्दक की तायकख भार भ कय रेनी चाटहमे औय उसके न्ास जभा सफ ्रताजप्तमों को इस ्रतकाय बेज देना चाटहमे कक उनको उसी भहकने के टहसाफ भें शाभभर ककमा जा सके। धनादेश न्य हुमे व्मम के मरमे कोई कटौती नहकॊ की जानी चाटहमे जो उसको उसके भामसक वेतन के साथ ननमभ 111के ्रतधधकायक के अनुसाय अदा ककमा जामेगा।

211.न्रयमशष्ट एक के ्रतारून सॊख्मा 13 भें स्ट्माहा ्रत् मेक यजजस्ट्रककयण कामायरम भें फनामा जामेगा इस न्ुस्ट्तक भें ्रतववजष्टमाॊ ्रतनतटदन की जावेगी।

212.यसीद फहक न्रयमशष्ट एक के ्रतारून सॊख्मा 8 भें होगी। ्रत् मेक जजल्द भें रयतत स्ट्थानों सटहत छने 100 ्रतारून होंगे, औय ्रत् मेक ्रतारून तीन बागों भें ववबाजजत होगा।

1. मे यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्ट्तुत रेखन्त्र की न्टहचान का ब्मौया औय वस र की गई पीस के स्ट्वीकायोजतत होगी, पीस ्रताप्त होने न्य इसको बयकय काटकय ्रतस्ट्तुतकताय को दे टदमा जामेगा।
2. भें रेखन्त्र का सॊक्षिप्त वववयण तथा उसके यजजस्ट्रककयण के मरमे ग्रहण कय मरमे जाने की स्ट्वीकायोजतत होगी। महक धाया 52 भें वर्णयत यसीद है इसको बयकय अरग कयके रेखन्त्र भें ्रतस्ट्तुतकताय को पीस की यसीद के साथ हक दे टदमा जामेगा।
3. नतन्णय होगा जो फहक भें रगा होगा।

[टटप्न्णी- मह बी ा ात नहकॊ हो सका कक इस ननमभ का सॊशोधन हुआ है मा नहकॊ न्यन्तु जो यसीदें अफ ्रतचमरत है उनके स्ट्वरून भें कुछ न्रयवतयन हो गमा है। यसीदों का तीन बागों भें ववबाजजत ्रतारून अफ नमे ्रतारून द्वाया ्रतनतस्ट्थावन्त कय टदमा गमा है। नमे ्रतारून भें ्रतनतन्णय तो फहक भें रगा यहता है न्यन्तु फाकी दो बागों को अरग से ्रतनतन्णय के ऊन्य जोड़ा गमा है। ननमभ 212 भें जो बाग (1) औय (2) कहे गमे हैं वे हक इस ्रतकाय जोड़े गमे हैं जफ बाग (2) भें ्रतववजष्ट की जाती है तो उसके नीचे काफयन रगामा जाता है जजससे उस न्य की गई ्रतववजष्टमों का छान्ा ्रतनतन्णय न्य आ जाता। बाग (1) औय (2) ्रतस्ट्तुतकताय को दे टदमे जाते है जजसके बाग (2) रेखन्त्र की वान्सी के सभम कामायरम भें रे मरमा जाता है औय उसे ्रतनतन्णय से धचन्का टदमा जाता है।]

213.यजजस्ट्रककताय अधधकायक ध्मान भें यखेंगे कक यसीदें उसी क्रभ भें जायक की जाती हैं जजस क्रभ भें रेखन्त्र यजजस्ट्रककयण के मरमे ग्रहण ककमे जाते हैं औय कक सफ ननधायरयत वववयण न् ये बये गमे हैं, सम्न्जत्त के वणयन भें मह मरखा जाना चाटहमे कक सम्न्जत्त अचर है मा चर। फन्धकों के भाभरे भें मह मरखा जाना चाटहमे कक फन्धक फाकब्जा मा बफना कब्जा है औय अन्त भें ननष्न्ादन कजय के नाभ मरमे जाने वारे स्ट्थान न्य ननष्न्ादन कजय का नाभ मरखा जाना चाटहमे न कक, जैसा कबी-कबी गरती से

ककमा जाता है रेखनत्र रेखक का नाभ।

214.यसीद वहक की ्रत् मेक जजल्द, जजसके अनुसाय 100 ्रत ारूनन होते हैं जजन नय क्रभानुसाय 1 से 100 तक क्रभाॊक छना यहता है को ्रतनतवषय क्रभानुसाय क्रभाॊक टदमा जामेगा जो ्रत्

मेक कैरेण्डय वषय के साथ शुरू औय फन्द होगा औय नमे कैरेण्डय वषय के ्रतायम्ब भें नमा क्रभाॊक टदमा जामेगा। नयन्तु नमे वषय के ्रतायम्ब भें तफ तक नई फहक का ्रतमोग नहकॊ ककमा जामेगा। जफ तक कक वनछरे वषय से ्रतमोग होती चरक आ यहक यसीद फहक न यक बय नहकॊ जाती जजस यसीद फहक भें दो वषाां से सम्फजन्धत ्रतववजष्टमाॊ हो उनको दोहया क्रभाॊक टदमा जामेगा जैसे 1899 का 300/1900 का 1 रेखनत्र उस व्मजतत को वानस ककमा जामेगा जो धाया 32 के अनुसाय दक गई यसीद ्रतस्ततुत कय वानसी चाहे मा जो ननमभ 322 के अनुसाय उसकी वानसी डाक से चाहे नयन्तु वह व्मजतत मा तो स्वमॊ ्रत स्ततुतकताय होना चाटहमे मा अधधननमभ की धाया 61 (2) के अधीन ्रतस्ततुतकताय द्वाया नामभत ककमा गमा हो। इन दोनों जस्थनतमों भें नाभाॊकन यसीद के नृष्ठ बाग नय होना चाटहमे स्वमॊ उनयोतत वर्णयत व्मजततमों की यसीद ्रत स्ततुत कयने नय रेखनत्र वानस देने नय यसीद के नृष्ठ बाग भें उसके मरमे ननधायरयत स्थान नय उसका हस्ता ं

य व तायकख टदमा जाना चाटहमे औय उस यसीद को तुयन्त फहक भें उसके ्रतनतनणय नय धचनका टदमा जाना चाटहए।

215. यसीद का खो जाना- जजस व्मजतत को यसीद दक गई थी वह मटद जजरा यजजस्ट्राय मा उन-यजजस्ट्राय को सॊतुष्ट कय सके कक उसने यसीद को खो टदमा मा इधय उधय यख टदमा है तो उसकी वानसी की मरर्खत स्वीकायोजतत ्रताप्त कय रेखनत्र उसको वानस ककमा जा सकता है। मटद वानसी कयने वारा अधधकायक उससे स्वमॊ नरयधचत नहकॊ है तो यसीद के ्रतनतनणय नय उसका ननशान अ ॊग ठा मरमा जामेगा जफ तक कक वह इतना ्रतनतजष्ठत व्मजतत न हो कक मह सावधानी आवश्मक ्रततीत हो। ककसी दशा भें रेखनत्र उसको यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्ततुत कयने वारे व्मजतत, उसके ्रतनतननधध मा भुख्ताय मा धाया 61 के अधीन वानस नाने के मरमे मरर्खत रूनन भें अधधकृत व्मजतत से अन्मथा ककसी को नहकॊ टदमा जाना चाटहमे।

216. कभीशन पीस- जफ एक हक स्थान नय एक हक नं काय द्वाया एक हक सभम भें

उनके रेखनत्रों का यजजस्ट्रककयण कयामा जामे तो एक हक कभीशन पीस औय एक हक मात्रा

ब्ता मरमा जामेगा। नयन्तु मटद अरग-अरग ननष्नादनकतायओं के मरमे नत्रों का यजजस्ट्रककयण

कयने के मरए एक मात्रा की जामे तो ्रत्

मेक व्मजतत मा व्मजतमॊ से जो एक मा अधधक

रेखऩत्रोों का यजजस्ट्रीकयण कयामे अरग-अरग कभीशन पीस मरमा जाना चाटहए। ऩयन्तु मात्रा ब्ता एक हक मरमा जामेगा। जजसे ववमबन्न ऩंकायों भें फाॉट टदमा जामेगा। उदाहयणाथय मटद उऩ-यजजस्ट्राय ग्राभ याभनुय भें „अ‟ का एक रेखऩत्र „ख‟ के दो रेखऩत्र औय ग औय घ के दो रेखऩत्रों का यजजस्ट्रीकयण कयने के मरमे जामे वह „अ‟ से एक „ख‟ से एक औय ग औय घ से एक कभीशन पीस रेगा औय ्रत् मेक से मात्रा ब्ता का नतहाई रेगा।

217. नकरों मा तराशी के शरए पीस- रेखऩत्रों को यजजस्ट्यों भें नकर कयने के मरए ्रतबामयपीस पीस की सारयणी (ऩरयमशष्ट ऩाॉच) के अनुच्छेद दो भें जनता को दक जाने वारक अमबरेखों की नकरों के मरए ्रतबामयपीस अनुच्छेद दस भें, औय तराश औय भुआमभों के मरए अनुच्छेद छ् भें दक गई है।

218. नकर की पीस का आगणन कैसे हो- नकर की पीस का आगणन कयने के मरए ऩाॉच अ ोको को औय ऩाॉच मा उससे कभ रघु हस्ट्ता ंयों के एक सभ ह को एक शब्द भाना जामेगा।

219. यजजस्ट्यों भें की प्रविजष्टमों का भुआमना औय नकर- 1908 के अधधननमभ सोरह से ऩहरे से चरे आ यहे यजजस्ट्यों भें की ्रतनतजष्टमों का भुआमना कयने की अनुभनत तथा उनकी नकरे जजरा यजजस्ट्राय द्वाया उन्हकों दयों ऩय दक जामेगी जैसे वतयभान अधधननमभ के यजजस्ट्यों के मरए ननधायरयत है।

220. पीस की ाऩसी- रेखऩत्र का यजजस्ट्रीकयण इन्काय ककमे जाने मा ककसी अन्म कायण से ऩ या न होने ऩय जो पीस वस र कय रक गई हो वाऩस की जा सकती है, केवर कभीशन, ऩरयचायकों की सेवा तथा मात्रा ब्ता को छोड़कय, तमोंकक इनको अजजयत कय मरमा गमा है। जफ भुआमना मा तराश न ककमा गमा हो तो वह पीस वाऩस की जा सकती है ऩयन्तु उस दशा भें नहकों जफ भुआमना मा तराश आॊमशक रूऩ से कय मरमा गमा हो। यजजस्ट्रीककताय अधधकायक द्वाया यजजस्ट्रीकयण पीस के रूऩ भें कोई यामश जो उस ऩय ननमभत् ्रतबामय पीस से अधधक हो जजरा यजजस्ट्राय के वववेक के अनुसाय वाऩस की जा सकती है, अगय वाऩसी की भाॉग तीस टदन के अन्दय की जाम औय जजरा यजजस्ट्राय सन्तुष्ट हो जामे कक अधधक धन मरमा गमा है।

पीस की वाऩसी का मरखखत आवेदन जजरा यजजस्ट्राय को टदमा जामेगा जो उस ऩय उधचत आदेश कयेगा। जजरा यजजस्ट्राय मह देखने के मरए जजम्भेदाय है कक वाऩस की गई पीस की ऩ यक यामश की यसीद ्रताप्त कय अमबमरखखत की गई।

221. पीस औय जुभाने की भापी- धाया 25 मा धाया 34 के अधीन अदा ककमे गमे जुभायने की भापी का मरखखत आवेदन जजरा यजजस्ट्राय को ककमा जामेगा जो उसे धाया 70 के
अधीन अऩनी टटप्ऩणी के साथ भहाननयक
 क को अग्रसारयत कयेगा औय मटद आवश्मक हो तो
रेखाकाय द्वाया ननधायरयत ्रतारूऩ भें वाऩसी का बफर फनाकय बी बेजेगा। इस ्रतकाय स्ट्वीकृत वाऩमसमों को जजरा यजजस्ट्राय द्वाया आहरयत कय उसे ऩाने के मरए

अधधकृत व्मजतत औऩचारयक यसीद रेकय बुगतान ककमा जामेगा।

यजजस्ट्टय

222. यजजस्ट्टय- ्रत् मेक जजरा यजजस्ट्राय औय उऩ-यजजस्ट्राय के कामायरम भें ननम्नमरर्खत यजजस्ट्टय यखे जामेंगे।

फहक सॊख्मा एक फहक चाय

अनतरयतत फहक सॊख्मा एक

अनतरयतत फहक चाय

पाइर फहक एक फहक छ्

फहक दो फहक सात

फहक तीन फहक आठ

इनके अनतरयतत ्रत् मेक जजरा यजजस्ट्राय एक अन्म यजजस्ट्टय बी यखेगा जजसे फहक सॊख्मा

ऩाॊच कहा जामेगा।

223.मे फटहमे छऩे ्रतारूऩों की होगी जजनभें एतद्ऩश्चात् वर्णयत शीषयक होंगे जजनको

सुववधाजनक आकाय की जजल्दों भें फाॊधा जामेगा औय जजन ऩय क्रभानुसाय ऩृष्ट

अॊककत होंगे

औय ्रत् मेक जजल्द के ऩृष्ठों की सॊख्मा उसके भुख्म ऩृष्ठ ऩय ्रतभार्णत की जामेगी। इन फटहमों

का क्रभानुसाय क्रभ सॊख्मा दक जामेगी (जो ्रत्

मेक फहक के मरए अरग क्रभ सॊख्मा होगी) औय

मह क्रभ सॊख्मा वषय के अन्त भें फन्द नहकॊ होगी फजल्क शाश्वत कार तक चरती यहेगी।

ककसी

जजल्द को ऩाने के फाद यजजस्ट्रककताय अधधकायक उसका ऩयकं

ण, मह सुननजश्चत कयने के मरए

कयेगा कक उसभें उतने ऩृष्ठ भौज द है जजतने ्रतभार्णत ककमे गमे है औय उन ऩय क्रभानुसाय ऩृष्ठ अॊककत ककमे गमे हैं। अऩने इस ऩयकंण के ऩरयणाभ को वह भुख्म ऩृष्ठ ऩय अॊककत कयेगा।

224. ऩयीॊ ण का प्रभाणक- जफ कोई जजल्द ऩ यक बय जामे औय ्रत् मेक कैरेण्डय वषय के अन्त भें (चाहे उस सभम तक जजल्द जहाॊ तक बी मरखी गई हो) यजजस्ट्रककताय अधधकायक जजल्द की मा वषय की, जैसी बी जस्ट्थनत हो, आर्वयक ्रतववजष्ट के फाद ्रतभार्णत कयेगा कक चार कैरेण्डय वषय भें जजल्द भें ककतनी ्रतववजष्टमाॊ हुई औय उन ऩृष्ठों की सॊख्मा जजन ऩय वे मरखी

गई। वह उन ्रतववजष्टमों का ऩयकं

ण बी कयेगा औय अऩने ्रतभाणक भें उन गरनतमों मा दोषों

का जो उसके मभरे, औय ्रतभाणक भें अ◌ोककत ऩृष्ठों भें ककसी ऩय ब र से ्रतववजष्ट न ककमे जाने के तथ्मों का उलेृख कयेगा। मटद ककसी जजल्द भें ककसी कैरेण्डय वषय भें कोई ्रतववजष्ट नहकों की गई है तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस जजल्द भें इस आशम का ्रतभाणक अ◌ोककत कयेगा। **225. ि◌भॊाक ि◌षाि◌◌ाय होंगे-** धाया 53 भें ननदेमशत ्रत् मेक भें ्रतववजष्टमों के क्रभॊाक ्रत् मेक

226. एक ही यजजस्ट्टय की सभिती जजल्दें- मटद ककसी कामायरम भें यजजस्ट्रककृत होने वारे रेखऩत्रों की सॊख्मा इतनी अधधक हो कक उनको ननधायरयत यजजस्ट्टय भें ्रतनतटदन मरखने भें कटठनाई होती हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक जजरा यजजस्ट्राय की ऩ वय अनुभनत ऩय ककसी यजजस्ट्टय फहक की दो मा अधधक सभवती जजल्दें काभ भें रा सकता है जजनभें सभ सॊख्मा वारे रेखऩत्रों को एक जजल्द भें औय ववषभ सॊख्मा वारों को द सयक भें मरखा जामेगा।

227. रेखऩत्रों भें उजलूणखत अ◌ोकों औय शब्दों के सम्फन्ध भें प्रभाणक- रेखऩत्रों भें ्रतमोग ककमे गमे अ◌ोकों भें गरती होने मा उनभें ऩरयवतयन ककमे जाने की सम्बावना से फचने के मरमे जफ रेखऩत्र के अन्दय ्रतमुतत अ◌ोको को शब्दों भें बी न मरखा गमा हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक रेखऩत्र की ऩीठ ऩय ननम्नमरर्खत रूऩ भें एक ्रतभाणक दजय कयेगा जजसके अ◌ोकों का नहकों फजल्क शब्दों का ्रतमोग ककमा जामेगा-

„्रतभार्णत ककमा जाता है कक दसवीॊ ऩॊजतत भें ऩाॉच बफस्ट्वा औय ऩन्द्रहवीॊ ऩॊजतत भें एक हजाय रूऩमा अ◌ोकों भें मरखा गमा है। रेखऩत्र भें काभ भें रामे गमे सफ अ◌ोक चारे वे साभान्म हो मा यकभ हो जजनको शब्दों भें बी नहकों मरखा गमा हो उनकों ्रतभाणक भें शामभर ककमा जाना चाटहमे। मटद रेखऩत्र भें उनकों शब्दों भें बी मरखा गमा हो तो ्रतभाणक की आवश्मकता नहक है।"

नोट- मह ननमभ खेतों के खसया क्रभॊाकों तथा भकानों के भोहय्मा सॊख्माओॊ ऩय राग नहकों है।

फही एक

228. फही एक- फहक सॊख्मा एक यजजस्ट्रेशन अधधननमभ भें मथा ऩरयबाषामें अचर सम्ऩजत्त से सम्फजन्धत भूमु ऩ वय ्रत बावी रेखऩत्रों का यजजस्ट्टय है। धाया 17 औय 18 के अधीन अचर सम्ऩजत्त से सम्फजन्धत सफ रेखऩत्र जो वसीमत न हो, इस फहक भें ्रतववष्ट ककमे जामेगें, मह सावयजननक भुआमने के मरए उऩरब्ध है औय ननधायरयत पीस अदा कयने ऩय इसभें की ्रतववजष्टमों की नकर ककसी बी आवेदनकताय को दक जा सकती है। इसके शीषयक ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा एक भें ननधायरयत ककमे गमे हैं। **229. त्रीम खण्ड-** धाया 21 द्वाया ननदेमशत ◌ः◌ः

त्रीम खण्डों के वणयन भें गाॉव का नाभ,

ऩयगना, तहसीर व याजस्व जजरा। जजसभें भकान मा ब खण्ड जस्थत हो शामभर होंगे, जहाॉ सम्ऩजत्त निीदाय मा बामाचाय गाॉवों भें जस्थत वहाॉ थाके मा निी का नाभ बी जोड़ा जामेगा।

इन्डेतस सॊख्मा दो फनने भें सुववधा देने के मरमे यजजस्ट्रककताय अधधकारयमों के ◌ँ◌े त्राधधकाय भें जस्थत सम्ऩजत्त की ◌्रतववजष्ट कारक स्ट्माहक से औय अन्म की रार स्ट्माहक से की जानी चाटहमे।

230. ऩहहरे हुमे यजजस्ट्रीकयण का सन्दबा- जफ फहक सॊख्मा एक, तीन औय चाय भें ककसी ऐसे रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण हो जजससे फहक सॊख्मा एक, तीन औय चाय भें ऩटहरे यजजस्ट्रककृत हुमे रेखऩत्र ऩय ◌्रतबाव ऩड़ता हो तो वऩछरे रेखऩत्र की ◌्रतववजष्ट भें फाद भें यजजस्ट्रककृत हुमे रेखऩत्र की फहक जजल्द औय ऩृष्ठों की सॊख्मा का एक नोट अ◌ॊककत ककमा जामे। इस नोट ऩय वतयभान सभम के यजजस्ट्रककताय अधधकायक का हस्त्ता◌ंय होगा। मटद वह जजल्द जजसभें वऩछरा रेखऩत्र मरखा गमा था कामायरम भें भौज द हो तो नोट तुयन्त मरख टदमा जामेगा। जफ वऩछरक जजल्द जजरे के केन्द्रकम अमबरेखागाय भें हो मा अन्म जजरे भें हो तो इस ननमभ के अनुऩारन

का अनुयोधऩत्र तुयन्त केन्द्रकम अमबरेखागाय के ◌्रत

बायक अधधकायक मा इस जजरे के जजरा

यजजस्ट्राय को जहाॉ वऩछरे रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण हुआ था बेजा जामेगा जजस रेखऩत्र भें वऩछरे रेखऩत्र का सन्दबय टदमा गमा हो उसकी नकर ऩय इस ननमभ के अनुऩारन का नोट अ◌ॊककत ककमा जामेगा तमोंकक इसके अबाव भें मह सुननजश्चत कयना सयर नहकॊ होगा कक ननमभ का ऩारन ककमा गमा है।

231. अचर सम्ऩजत्त- साधायणत् इस अधधननमभ के ◌्रतमोजन से मह ननजश्चत कयने भें ककमा अचर सम्ऩजत्त है औय तमा नहकॊ अधधक कटठनाई नहकॊ होनी चाटहमे ऩयन्तु कबी-कबी इस बफन्दु ऩय सन्देह उ्ऩन्न है इसमरमे यजजस्ट्रककताय अधधकारयमों के भागय दशयन के मरमे ननम्नमरर्खत ननणयम ककमा जाता है।

232. न्मामारम के आदेश मा डडिी के अधीन से अन्मथा खड़ी इभायती रकड़ी का अन्तयण मा फन्धक- कदाधचत अचर सम्ऩजत्त की कई मबन्न-मबन्न ऩरयबाषामें होने औय यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 2 की शब्दावरक से याज्म के ववमबन्न ◌ँ◌े त्रों भें न्मामारमों की डडक्री मा आदेश से अन्मथा खड़ी इभायती रकड़ी की डडक्री मा फन्धक के रेखऩत्रों के यजजस्ट्रककयण भें काभ भें राई जाने वारक ◌्रतकक्रमा भें एकरूऩता की कभी है। इस ◌्रतश्न ऩय याज्म तथा केन्द्रकम सयकाय ने ववचाय ककमा है औय इसके भागयदशयक मसद्धान्त बायत सयकाय गृह ववबाग के ऩत्र सॊख्मा 49/1814 टदनाॊक 31 अतट फय 1884 भें इस ◌्रतकाय टदमे गमे हैं। ,,,,ककसी सम्ऩजत्त के केवर बौनतक स्वरूऩ को हक ध्मान भें यखते हुमे चर मा अचर सम्ऩजत्त की व्मावहारयक ऩरयबाषा ननधायरयत कयना कटठन होगा, ऐसा ◌्रत तीत होता है कक सम्ऩजत्त रेन-देन के सौदे के सभम तमा सभझी जाती थी औय उसका रेनदेन ककस

उद्देश्म से हो यहा है मह तथ्म बी ववचाये जाने आवश्मक होंगे, औय इसमरमे यजजस्ट्रेशन अधधननमभ 1877 के ननभायताओॊ ने वृ्ोॊ के भुकाफरे भें, „खड़ी इभायती रकड़ी" शब्दों का ्रतमोग कय महक कयना चाहा होगा। कुछ वृॊ जजनका उऩमोग केवर इभायती रकड़ी के मरमे होता है इभायती
रकड़ी के वृॊ कहे जाते हैं, ऩयन्तु शामद अधधकतय वृॊ दोनों उऩमोगों अथायत् इभायती रकड़ी के तथा अन्म उऩमोग भें रामे जा सकते हैं। इस ्रतकाय मटद सहक अथय भें सभझ जामे तो च ौकक ्रत् मेक वृॊ सम्बाव्मत इभायती रकड़ी होता औय कोई वृॊ वास्तव भें इभायती रकड़ी नहकॊ होता इसमरमे मह ननश्चम कयने के मरमे कक ककसी ववशेष रेन-देन के मरमे ककसी वृॊको इभायती रकड़ी भाना जाना चाटहमे मा नहकॊ इसका ननणयम इस फात ऩय आधारयत होगा कक उसे उस रेन देन भें तमा भाना गमा है औय उसका तमा उऩमोग टदमा जाना है। उदाहयणाथय मटद वृॊ इस उद्देश्म से फेचे जाते हैं कक उनको काट कय हटा मरमा जामेगा तो मह ववक्रम यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के ्रतमोजन से खड़ी, इभायती रकड़ी का होगा। इसके ववऩयकत मटद ऩेड़ इस उद्देश्म से फेचे जाते हैं कक जैसा कक भद्रास सयकाय द्वाया सन्दमबयत भाभरों भें कहा गमा है कक उनको स्थामी रूऩ से खड़ा यहने टदमा जामेगा औय उनके परों द्वाया मा अन्मथा उनका उऩमोग ककमा जामेगा। तो अधधननमभ के ककसी ्रतावधान के अधीन उसे खड़ी इभायती रकड़ी का ववक्रम नहकॊ भाना जा सकता औय मह अचर सम्ऩजत्त का ववक्रम होगा। इन कायणों से यजजस्ट्रेशन अधधननमभ तथा कोड आप मसववर ्रतोसीजय के ्रतमोजनों से अचर सम्ऩजत्त की ऩरयबाषाओॊ का अन्तय उससे कहक कभ है जजतना अनेक अधधकयणों ने कहा है ऩयन्तु इन कटठनाइमों को द य कयने तथा दानों ऩरयबाषाओॊ भें साभन्जस्म राने के मरमे ववधध भें सॊशोधन कयने के ्रतश्न ऩय ववचाय ककमा जामेगा। इस फीच मह स्ऩष्ट ्रततीत होता है कक मटद दकवानी न्मामारमों द्वाया बेजे गमे ्रतभाणऩत्रों का यजजस्ट्रककयण आवश्मक हो तो उनको फहक एक भें यजजस्ट्रककृत ककमा जाना चाटहमे (1879 का अधधननमभ फायह देखें) ्रतश्न केवर मह है कक मटद यजजस्ट्रककताय अधधकायक की याम हो कक न्मामारम के ्रतभाणऩत्र भें वर्णयत सम्ऩजत्त यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के अथय भें अचर सम्ऩजत्त नहकॊ है तो तमा वह ्रतभाणऩत्र की गरती से बेजा गमा भानकय उसका यजजस्ट्रककयण न कये। बायत सयकाय का ववचाय है कक इस ्रतश्न ऩय सहक यास्ता मह होगा कक मह दकवानी न्मामारम के वववके ऩय छोड़ टदमा जामे कक वह स्वमॊ ननणयम कये कक ककन भाभरों भें ्रतभाणऩत्र को यजजस्ट्रककयण के मरए बेजा जामे। यजजस्ट्रककताय अधधकायक इस ्रतश्न ऩय ववचाय कय ननणयम ककमे बफना ्रत् मेक ऐसे बेजे गमे ्रत भाणऩत्र को इजन्डमन यजजस्ट्रेशन अधधननमभ 1877 (1879 के अधधननमभ फायह द्वाया मथा सॊशोधधत) की धाया 89के ्रतावधानों के अनुसाय फहक एक भें यजजस्ट्रककृत कय रे।

233.जफ ऐसे रेखऩत्र यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रत स्तुत ककमे जामे तो यजजस्ट्रककताय

अधधकायक को खड़े वृ

ों की ननजी बफक्री के भाभरे भें उऩयोतत मसद्धान्तों को हक
्रत् मेक भाभरे
भें मह ननश्चम कयने के मरए राग कयना चाटहमे कक वृ◌ों को अचर सम्ऩजत्त भाना जामे
औय ऐसी दशा भें रेखऩत्र फहक सॊख्मा एक भें दजय ककमा जामे मा उन्हें चर सम्ऩजत्त
भाना
जामे औय उस दशा भें उसे फहक सॊख्मा चाय भें दजय ककमा जामे। यजजस्ट्रेशन
अधधननमभ की
ऩरयबाषा के ्रतकाश भें उधचत मह होगा कक जो वृ साभान्मत् इभायती रकड़ी के मरमे
काभ
भें रामे जाते हैं उनको चर सम्ऩजत्त भाना जामे जफ तक कक रेखऩत्र की शतों के अनुसाय
मह स्ट्ऩष्ट न हो जामे कक खयकदाय का इयादा उनको खड़े यखने औय उनकी उऩज का
उऩबोग कयने का है, इसके ववऩयकत जो वृ साभान्मत् इभायती रकड़ी के मरमे काभ भें
नहक रामे जाते उनको अचर सम्ऩजत्त भानते हुए रेखऩत्र की फहक भें सॊख्मा एक भें दजय
ककमा जाना चाटहए जफ तक कक रेखऩत्र की शतों भें मह ्रतकट न हो कक उनको
काट मरमा जाना है। **234.** 100 रूऩमा से कभ भ ल्म के अचर सम्ऩजत्त के ववक्रम,
ववननमभ मा फन्धक के रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण रान्सपय आप ्रताऩटी
अधधननमभ, 1982 के धाया 54959 (1901 के अधधननमभ छ् द्वाया मथा सॊशोधधत) औय
धाया 118 के अधीन आवश्मक है। धाया 54 तथा सॊशोधधत धाया 59 का ्रतबाव वास्ट्तव भें
यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 17 औय 18 द्वाया मा अचर सम्ऩजत्त के ववक्रम, मा
फन्धक के रेखऩत्रों के अननवामयत् मा स्ट्वैजच्छक यजजस्ट्रककयण के अन्तय को जफ
सम्ऩजत्त का भ ल्म 100 रूऩमा से कभ हो, मभटा देना है। यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के
अधीन उनका यजजस्ट्रककयण अननवामय नहकॊ है। इसमरमे वगीकयण के ्रतमोजन से
उनको अननवामय भाना जाना चाटहमे।

[टटप्ऩणी- च ॊकक 1976 के अधधननमभ 57 द्वाया उ्तय ्रतदेश भें 100 रूऩमे से
कभ भ ल्म के रेखऩत्रों की धाया 17 भें शामभर कय टदमा गमा है इसमरए उतत ननमभ का
अफ कोई औधच्म फाकी नहकॊ यहा।]

235.जजन कामायरमों भें छऩे मा मरथोग्राकपत ्रतयजजस्ट्रककयण के मरए
्रतस्ट्तुत ककमे जाते हों वहाॊ भहाननयक
ारूऩों ऩय फनामे गमे रेखऩत्र क की स्ट्वीकृनत से फहक सॊख्मा एक
की ववशेष जजल्द जजसे अनतरयतत फहक सॊख्मा एक कहा जामेगा। जो पाइर फहक के
रूऩ भें होगी जजसभें क्रभानुसाय सॊख्माककत „फद्ध" होंगे काभ भें राई जा सकती है। ्रत्
मेक ऐसे रेखऩत्र की नकर उसी छऩे ्रतारूऩ भें के रयतत स्ट्थानों
को बय कय औय उस ऩय ऩृष्ठाॊकनों की नकर कय फनाई जामेगी औय कामायरम भें भ र
ऩय मरखे गमे ऩृष्ठाॊकनों की नकर, ऐसे तैमाय की गई नकर के अजन्तभ ऩृष्ठ के ऩीछे मा

अरग कागज नय की जामेगी। इस ्रतकाय तैमाय की गई नकर का ्रत्मेक नचाय अनतरयतत फहक के अरग „फि" नय धचननका टदमा जामेगा्
यजजस्ट्रककताय अधधकायक अनने हस्ता्ं
य औय हस्ता्ंय कयने की तायकख औय कामायरम की भोहय
धचननकामे गमे बाग नय इस ्रतकाय अोककत कयेगा कक हस्ता्ंय औय भोहय का छानना अोशत् उस „फि" नय हो जजस नय नचाय धचननकामा गमा है औय अोशत् धचननकामे गमे नचे नय हो। अनतरयतत फहक भें धचननकामे जाने वारे रेखनत्रों नय क्रभाोक उसी क्रभ भें डारा जामेगा जो फहक सोख्मा एक की ्रतववजष्टमों नय डारा जाता है। च ोकक अनतरयतत फहक सोख्मा एक, फहक सोख्मा एक का बाग है इसमरए अनतरयतत फहक भें धचननकामे नचे को दो नृष्ठ भान कय उसका नृष्ठ क्रभाोक नचे के ऊनयक फाहयक कोने नय रार स्टमाहक से अोककत ककमा जामेगा, जैसा फहक सोख्मा एक भें होता है, ऐसे रेखनत्र से सम्फजन्धत धाया 60 के ्रतभाणक भें अनतरयतत फहक के ्रत् मेक नचे
नय डारक
गई नृष्ठों की सोख्मा मरखी जामेगी न कक उस „फि" का क्रभाोक जजन नय वे धचननकामे गमे हों। जफ कोई रेखनत्र अनतरयतत फहक भें धचननकामा जाता है तो भुख्म जजल्द के अगरे नमे नृष्ठ के मसये नय रार स्टमाहक से अनतरयतत फहक भें ्रतववष्ट रेखनत्र का क्रभाोक तथा वह नृष्ठ जजस नय मह ्रतववजष्ट की गई है औय अनतरयतत फहक की जजल्द व नृष्ठों की सोख्मा अोककत की जामेगी। मटद अनतरयतत फहक भें एक साथ ्रतववष्ट कयने के मरमे रेखनत्रों की सोख्मा इतनी अधधक हो कक नृष्ठ के ऊनयक मसये नय उनकी ्रतववजष्ट के मरमे स्थान न हो तो न या नृष्ठ इस उनमोग भें रामा जा सकता है। अनतरयतत फहक भें ्रतववष्ट ककमे गमे छने मा मरथोग्राकपत रेखनत्रों नय फहक सोख्मा एक की जजल्द सोख्मा औय नृष्ठ सोख्मा, जजस नय उस रेखनत्र के सम्फन्ध भें ्रतववजष्ट की गई हो औय उसके नीचे येखा खीींचकय उस अनतरयतत फहक की जजल्द व नृष्ठ सोख्मा जजसभें वह नकर धचननकाई गई हो रगबग इस ्रतकाय मरखी जामेगी।
फहक एक जजल्द 300 के नृष्ठ 123/अनतरयतत फहक एक जजल्द 287 के नृष्ठ 7-12नय क्रभाोक 1235 नय टदनाोक 12-7-1984 को यजजस्ट्रककयण ककमा गमा।

उननयजजस

इसी ्रत काय उन रेखनत्रों के इन्डेतसों भें बी दोनों फटहमों की जजल्द व नृष्ठ सोख्मा अोककत की जामेगी।

छने फि (नभ ना सोरग्न) के ्रतारून भें ननम्नमरखखत ब्मौया टदमा जामेगा।

I. स्टाम्नों का भ ल्म-नोट-इस खाने को भुख्म फहक एक के द सये खाने भें मरखे जाने वारे ब्मौयों को मरखने के मरए बी ्रतमोग ककमा जामेगा।

II. ववजष्ट का क्रभाॊक, सौदे का ्रतकाय औय भ ल्म तथा वस र क गई यजजस्ट्रककयण पीस जुभायना इ्माटद।

प्रारून का नभूना

जजल्दफन्दक के मरए जगह	स्ट्राम्नों का भ ल्म-नोट-इस खाने को भुख्म फहक एक के उन्न-शीषयक 4 के नहरे खाने भें मरखे जाने वारे ब्मौयों को मरखने के मरए ्रतमोग ककमा जाना चाटहमे	ववजष्ट का क्रभाॊक, सौदे का ्रत काय व भ ल्म औय यजजस्ट्रककयण पीस अन्म पीस मा जुभायने के रून भें वस र की गई यामश

नोट- (1) छन्ना मा मरथोग्राकपत रेखन्नत्र, चाहे उसके साथ नतशा मा येखाधचत्र हो मा नहकॊ, मटद कई न्नचों का हो, जजनको एक साथ जोड़कय न्नुजस्त्तका के रून भें ्रतस्त्तुत ककमा गमा हो, उसके ्रत् मे के एक „फि‟ न्नय धचन्नकामे जावे।

(2) छन्ने मा मरथोग्राकपत रेखन्नत्रों के साथ ्रतस्त्तुत नतशों व येखाधचत्रों को अरग कयके पाइर फहक एक भें धचन्नकामा जाना आवश्मक नहकॊ है। उनको बी रेखन्नत्र की नकर के साथ अनतरयतत फहक एक के „फि‟ न्नय धचन्नकामा जाना चाटहमे (भहाननयक क की अधधस चना सॊख्मा 11123 टदनाॊक 30-7-1981 द्वाया मथा सॊशाधधत।)

236. पाइर फही सॊख्मा एक- मह पाइर यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 61 से 67तक औय धाया 89 के अधीन अन्म कामायरमों से ्रताप्त नकरों, ा ान्ननों, तथा हस्त्तमरर्खत मा टॊककत रेखन्नत्रों के साथ धाया 21 (3) के अधीन ्रतस्त्तुत नतशों मा येखाधचत्रों औय धाया 19 के अधीन ववदेशी भाभरों भें मरखे गमे रेखनों की नकरों व अनुवादों को पाइर कयने (धचन्नकाने) के मरमे होती है। जहाॊ तक धाया 19 औय 62 के अधीन ्रतस्त्तुत ववदेशी बाषाओॊ के रेखन्नत्रों औय अनुवादों मा नतशों मा येखाधचत्रों का सम्फन्ध है, उन न्नय उस रेखन्नत्र का क्रभाॊक औय यजजस्ट्रककयण की तायकख औय उस फहक औय जजल्द की सॊख्मा, जहाॊ वह ्रतववजष्ट मभर सकती है, मरख देना न्नमायप्त होगा ककन्तु इस फहक भें धचन्नकामे जाने वारे अन्म सफ ा ान्ननों औय नकरों को ननमभ 237 भें फताई गई ववधध से क्रभाॊक अ ाककत ककमे जामेंगे औय उनके आवश्मक वववयण इन्डेतस एक औय दो भें टदमे जामेंगे। इसभें धचन्नकामे जाने वारे सफ रेखन्नत्रों की उनकी ्रताजप्त के तुयन्त फाद हक धचन्नका टदमा जाना चाटहमे, अन्मथा उनके खो जाने मा ंनतग्रस्त्त हो जाने का बम यहता है। मह माद यहे कक पाइर फहक एक बी फहक एक का एक अ ाग है। इसको अरग जजल्द के रून भें इसमरमे यखा जाता है कक मटद इसभें धचन्नकामे जाने वारे कागजों को भुख्म जजल्द भें धचन्नकामा जामे तो उससे जजल्द के न्नृष्ठों के क्रभाॊक औय उसकी जजल्द फन्दक भें व्मवधान हो जामेगा।

237. पाइर फही सॊख्मा एक भें पाइर क्रकमा कागजों का सॊख्माथन-

यजजस्ट्रय फहक सॊख्मा एक की पाइर फहक भें धचकामे गमे नकर व ा ानननों को उनकी ्रताजप्त की तायकख के अनुसाय भुख्म फहक की क्रमभक सॊख्मा के अनुसाय क्रभाॊक टदमा जामेगा। उदाहयणाथय क्रभ सॊख्मा 475 नय फहक सॊख्मा एक भें ्रतववजष्ट ककमे रेखनत्र के फाद ्रताप्त नकर पाइर फहक भें धचनकाई जावेगी औय उसको 458 क्रभाॊक टदमा जामेगा ककन्तु द सयक नकर ्रताप्त होने के नटहरे एक रेखनत्र फहक सॊख्मा एक भें ्रतववष्ट ककमा जामे तो उसको क्रभाॊक 459 टदमा जामेगा। पाइर फहक सॊख्मा एक भें धचनकाई गई नकरों का क्रभाॊक उसके मसये नय ्रतभुख स्थान नय मरखा जामेगा औय पाइर फहक की जजल्द व नृष्ठों की सॊख्मा व रेखनत्र का क्रभाॊक फहक सॊख्मा एक के उस नृष्ठ के शीषय नय रार स्माहक से मरखा जामेगा जजसभें अगरक ्रतववजष्ट होनी है।

पाइर फहक, फहक सॊख्मा एक की केवर एक अनतरयतत जजल्द है औय उस नय नृष्ठों का क्रभाॊकन उसी ्रतकाय ककमा जाना चाटहमे जैसे फहक सॊख्मा एक भें ककमा जाता है अथायत् एक

नचे को दो नृष्ठ भानते हुमे क्रमभक सॊख्मा फड़े अंजाना चाटहमे।

यों भें शीषय के फाहयक ककनाये नय मरखा

पाइर फहक भें ्रतववजष्ट ्रत् मेक नकर व ा ानन नय यजजस्ट्रय फहक सॊख्मा एक की जजल्द व नृष्ठ सॊख्मा औय वह क्रमभक सॊख्मा जजसभें नकर मा ा ानन की ्रतववष्ट ककमा गमा हो औय येखा के नीचे पाइर फहक की जजल्द सॊख्मा व नृष्ठ सॊख्मा ्रतभुख रूनन से दजय की जानी चाटहमे जैसे- (फहक एक जजल्द 10 के/पाइर फहक एक जजल्द 11 के) (नृष्ठ 20/512-60-61) भें क्रभाॊक 500 इसी ्रतकाय दोनों यजजस्ट्रयों की जजल्द व नृष्ठ सॊख्मा इन्डेतस भें बी मरखी जानी चाटहमे। **238. फही सॊख्मा तीन औय चाय का सम्नूयक पाइर फहहमाॊ-** कबी-कबी फहक सॊख्मा तीन औय चाय भें यजजस्ट्रककृत होने वारे रेखनत्रों के साथ ववदेशी बाषाओॊ के रेखनत्रों के धाया 62 के अधीन अनुवाद व नकरे ्रतस्तुत होती है। मटद मे अनुवाद औय नकरे थोड़ी सॊख्मा भें हो तो उनको उसी यजजस्ट्रय फहक भें धचनका टदमा जाना चाटहमे जजससे सम्फजन्धत हो ककन्तु मटद उनकी सॊख्मा अधधक हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक अनने वववेक से फहक सॊख्मा तीन औय चाय, जैसी बी आवश्मकता हो, की सम्न यक पाइर फहक खोज सकता है।

फही सॊख्मा दो

239. फही सॊख्मा दो- फहक सॊख्मा दो रेखनत्रों के यजजस्ट्रककयण से इन्काय कयने के कायणों का अमबरेख न कयने के मरमे होती है। मह सावयजननक भुआमने के मरमे उनरब्ध है औय इसभें की नकर ्रत् मेक आवेदनकताय को दक जा सकती है, मटद आवेदनकताय उस रेखनत्र जजसके यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमा गमा है, का ननष्नादनकताय मा दावेदाय हो तो नकर बफना नकर पीस मरमे दक जावेगी नयन्तु नकर स्थावनत होनी चाटहमे। इस फहक भें रेखनत्र का ववस्ताय भें नकर ककमा जाना, जैसा कबी-कबी गरती से ककमा जाता है, अनावश्मक औय त्रुटटन णय है, ककन्तु इन्कायक के

कायण अधधक ववस्त्तारयत न होते हुए इतने सम्न्न णय होने चाटहमे कक अन्तीरक ्रत ाधधकयण मा ननयकंणकताय अधधकायक उनकी ननमायप्तता का ननयकं ण कय सके। ननयन्तु उनभें उस सा ं का ववस्त्तृत वववयण नहकों मरखा जाना चाटहमे जो यजजस्त्रककताय अधधकायक द्वाया उस सम्फन्ध भें मरमा गमा हो, ऐसे सा ं को अरग कागज नय अमबमरर्खत कय उसे कामायरम भें यख टदमा जाना चाटहमे। जफ ककसी रेखनत्र, जजसका यजजस्त्रककयण नहरे इन्काय ककमा गमा हो, धाया 72 मा 75 के अधीन जजरा यजजस्त्राय मा धाया 77 के अधीन दकवानी न्मामारम के आदेश से फाद भें यजजस्त्रककयण ककमा जामे तो इन्कायक के भ र आदेश की ्रतववजष्ट भें इस आशम की एक टटप्नणी मरख दक जानी चाटहमे। जफ यजजस्त्रककताय अधधकायक केवर ं े त्राधधकाय न होने के कायण रेखनत्र का यजजस्त्रककयण कयने से इन्काय कये तो वह रेखनत्र मा फहक भें इन्कायक का आदेश अ ोककत ककमे बफना ननमभ 287 भें फताई गई ववधध से रेखनत्र को ्रतस्त्तुतकताय को वानस कय देगा।

240. जजरा यजजस्त्राय द्ााया स्त्ववववेकीम यजजस्त्रीकयण- जजरा यजजस्त्राय द्वाया धाया 23ए के अधीन नुनययजजस्त्रककयण ककमा जाता है। धाया 30 के खण्ड (ए) द्वाया जजरे के जजरा यजजस्त्राय को मह स्त्ववववेकीम शजतत दक गई है कक वह अनने अधीनस्त्थ द्वाया यजजस्त्रककृत ककमे जा सकने वारे ककसी रेखनत्र को ग्रहण कय उसका यजजस्त्रककयण कय सकता है इस ्रतदत्त स्त्ववववेकीम शजतत का उनमोग जजरा यजजस्त्राय द्वाया जनता की सुववधा को ध्मान भें यखते हुमे ककमा जाना चाटहमे। ककसी रेखनत्र का यजजस्त्रककयण इन्काय कयने के परस्त्वरून नंकायों औय साक्षमों की फड़ी सॊख्मा को कापी फड़ी भात्रा भें नकद रूनमा रेकय ईयाक उन-कामायरम को मात्रा कयने के मरए फाध्म होना नड़ सकता है। जफ रेखनत्र वसीमत मा दतक ग्रहण अधधकाय नत्र हो, मा ऐसे सौदे से सम्फजन्धत हो जजसभें उन-यजजस्त्राय, जजसके अधधकाय ं े त्र भें रेखनत्र आता का कोई वव्तीम टहत शामभर हो, मा रेखनत्र अ ोंग्रेजी बाषा भें मरखा गमा हो औय जजस उन-यजजस्त्राय के अधधकाय ं े त्र भें रेखनत्र आता हो उस बाषा को न जानता हो, तो जजरा यजजस्त्राय को बफना नुष्ट कायणों के रेखनत्र को यजजस्त्रककयण के मरऐ ग्रहण कयने से इन्काय नहकों कयना चाटहमे। मटद जजरा यजजस्त्राय, इस ननष्कषय नय नहोंचे कक धाय 30 के अधीन उसके सभ ्रतस्त्तुत रेखनत्र का यजजस्त्रककयण उन-यजजस्त्राय के कामायरम भें होना चाटहमे तो उसे रेखनत्र की फहक सॊख्मा दो भें मा रेखनत्र नय इन्कायक का आदेश मरखे बफना, ्रतस्त्तुतकताय व्मजतत को वानस कय देना चाटहमे।

241. यजजस्त्रीकताा अधधकायी का रेखनत्र की विधधभान्मता से कोई सयोकाय नहीीं-यजजस्त्रककताय अधधकारयमों को ध्मान यखना चाटहमे कक उनके नास यजजस्त्रककयण के मरए रामे गमे रेखनत्रों की ववधधभान्मता से उनका कोई सयोकाय नहकों है औय उनके द्वाया ककसी रेखनत्र का यजजस्त्रककयण ननम्नमरर्खत ्रतकाय के

ककन्हकों कायणों से इन्काय ककमा जाना गरत होगा। (1) ननष्नादक ककसी ऐसी सम्नज्त का रेन देन कय यहा है जो उसकी नहकों है।(2) कक रेखनत्र से ककसी तीसये नं के , जो रेखनत्र भें नं काय नहकों हैं, टहतों का हनन हो यहा है (3) कक सौदा धोखाधड़ी का है मा सावयजननक नीनत के ववरूद्ध है (4) कक ननष्नादनकताय रेखनत्र की कुछ शतों से सहभत नहकों है। (5) कक ननष्नादनकताय रेखनत्र की अन्तवयस्त्तु से नरयधचत हक है। (6) कक ननष्नादनकताय ने घोवषत ककमा कक उसको धोखा देकय ननष्नादन कयवामा गमा है। (7) कक ननष्नादनकताय अन्धा है औय धगनती नहकों कय सकता। मे, मा इस ्रतकाय के अन्म भाभरे आवश्मकता नड़ने नय सं भ न्मामारमों द्वाया ननर्णयत ककमे जामेंगे, औय यजजस्ट्रककताय को, इस हैमसमत से, उनके फाये भें कुछ नहकों कयना है। मटद रेखनत्र का ्रतस्त्तुनतकयण सहक ढोंग से संभ व्मजतत द्वाया, उधचत कामायरम भें, ववधध द्वाया ननधायरयत सभमावधध के अन्दय ककमा जामे औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक सन्तुष्ट हो जामे कक कधथत ननष्नादनकताय वहक व्मजतत जो होने का वह दावा कयता है औय मटद ऐसा व्मजतत ननष्नादन स्त्वीकाय कये तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक बफना उसके सम्बाववत नरयणाभों का मरहाज ककमे, उसका यजजस्ट्रककयण कयने के मरए फाध्म है ककन्तु ऊनय क्रभाोंक (1) से (7) तक के ्रतकाय की आननज्तमों को जो उसके ाान भें राई जामे धाया 58 के अधीन मरखे जाने वारे नृष्ठाोंकन भें यजजस्ट्रककाताय अधधकायक द्वाया मरख दक जानी चाटहमे।

242. प्रनतपर नाने से इन्काय- मटद कोई व्मजतत यजजस्ट्रककयण के मरए ्रतस्त्तुत रेखनत्र का ननष्नादन स्त्वीकाय कये नयन्तु उसभें व्मतत ्रतनतपर का नाना न णयत् मा अोशत् स्त्वीकाय कये तो इस इन्कायक के कायण यजजस्ट्रककयण इन्काय नहकों ककमा जामेगा ककन्तु धाया 58 के अधीन मरखे जाने वारे नृष्ठाोंकन भें इस अस्त्वीकृनत को दजय कय टदमा जामेगा।

243. यजजस्ट्रीकयण कयाने के प्रनत अननच्छा- मटद ककसी रेखनत्र को यजजस्ट्रककयण के मरए ्रतस्त्तुत कयने के फाद उसका ननष्नादनकताय उनजस्त्थत न हो औय रेखनत्र का ्रतस्त्तुतकताय यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के अध्माम सात के अनुसाय उसे तरफ कयने की कामयवाई नहकों कयता तो मटद रेखनत्र वानस भाोंगा जामे तो उसे वानस ककमा जा सकता है। ऐसे भाभरों भें धाया 34 भें ननधायरयत चाय भाह की सभमावधध सभाप्त होने के फाद यजजस्ट्रककयण से इन्कायक का आदेश ककमा जाना चाटहमे औय रेखनत्र को सुयंयजजस्ट्राय के नास बेज टदमा जाना चाटहमे।

ा के मरए ननमभ 196 के अधीन जजरा

244.मटद ननष्नादनकताय उननजस्त्थ हो औय ननष्नादन स्त्वीकाय कये औय उसकी नटहचान स्त्थावनत हो जामे तो यजजस्ट्रककयण न या कय टदमा जाना चाटहमे,

चाहे इस जस्ट्थनत के फाद कोई एक मा दोनों नं काय रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण न कयाना चाहे। मटद ननष्ऩादन स्ट्वीकाय कयने
के फाद ननष्ऩादनकताय नृष्ठाॊकन ऩय हस्ट्ताऺ
य कयने से इन्काय कये तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक
धाया 58 के ननदेश के अनुसाय इस इन्कायक को नृष्ठाॊकन भें अॊककत कय दे।

245.मटद ननष्ऩादन स्ट्वीकाय ककमे जाने औय नं
कायों की ऩटहचान स्ट्थावऩत हो जाने के
फाद ्रतस्ट्तुतकताय (ननष्ऩादनकताय की ्रतकक्रमा के फावज द) आगे कामयवाहक कयने मा नृष्ठाॊकन ऩय हस्ट्ताऺय कयने से इन्काय कये तो रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण कपय बी न या ककमा जाना चाटहमे औय रेखनत्र ऩय उसके हस्ट्ताऺय कयने से इन्कायक के तथ्म को नृष्ठाॊकन भें दजय ककमा जाना चाटहमे। मटद उसके फाद रेखनत्र वाऩस न मरमा जामे तो ननमभ 196 के अनुसाय उसे तीन भहकने तक यखने के फाद जजरा यजजस्ट्राय को बेज टदमा जाना चाटहमे।

246.केवर ्रतनतपर ्रताजप्त की इन्कायक का भाभरा ननमभ 242 भें ववचाया गमा है। मटद रेखनत्र उस व्मजतत जजसने उसे ्रतस्ट्तुत ककमा हो, मा जजसे उसने उसे वाऩस रेने के मरऐ अधधकृत ककमा हो, (धाया 61) द्वाया वाऩस न मरमा जामे तो उसे तीन भहकने तक ननमभ 196के अधीन यखा जामे औय तफ जजरा यजजस्ट्राय को बेज टदमा जामे।

247. ऐसी गरनतमों को दूय कयना जजनको सुधाया जा सकता है- इन्कायक कयने का आदेश न यक सावधानी औय सोच ववचाय कय ककमा जाना चाटहमे औय मटद यजजस्ट्रककयण भें उ्ऩन्न होने वारक फाधा केवर अनऔऩचारयक हो मा उसके सुधाया जाना सम्बव हो तो
नंकायों को उन दोषों को द य कयने का अवसय अवश्म हक टदमा जाना चाटहमे। ऐसे भाभरों भें यजजस्ट्रककयण केवर स्ट्थधगत ककमा जामेगा औय जफ तक रेखनत्र कारावधधत न हो जामे तफ तक इन्कायक का अजन्तभ आदेश नहकॊ ककमा जामेगा।

248. आॊशशक इन्कायी- यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 35 के अधीन जफ रेखनत्र के कुछ नं कायों के मरए यजजस्ट्रककयण स्ट्वीकाय ककमा जामे औय अन्म के मरमे इन्काय ककमा जामे तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक रेखनत्र ऩय इस ्रतारूऩ भें नृष्ठाॊकन कयेगा।

„„„अफ"" औय „सद" के ्रतनत यजजस्ट्रककयण इन्काय ककमा गमा""

इस आॊमशक इन्कायक के कायणों को वह अऩनी फहक सॊख्मा दो भें दजय कयेगा ऩयन्तु अन्म सफ ्रतकाय से वह रेखनत्र के यजजस्ट्रककयण को साभान्म ्रतकक्रमा अऩनामेगा इस यजजस्ट्टय भें ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 2 भें ननदेमशत शीषयक होंगे।

ऩयन्तु जफ ककसी रेखनत्र का ननष्ऩादनकताय भय गमा हो, तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक तफ तक रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण नहकॊ कयेगा जफ तक उसके

सवयववधधक ्रतनतननधध (स्ट्वमों मा भुख्ताय द्वाया जैसा यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 34 भें ननदेमशत है) उऩजस्ट्थत होकय ननष्ऩादन स्ट्वीकाय न कय रे। ऐसे भाभरों भे यजजस्ट्रककताय अधधकायक दावेदायों से इस आशम का शऩथऩत्र बी रेगा कक उनके अनतरयतत भृतक व्मजतत का अन्म कोई ववधधक ्रतनतननधध नहकों है औय मटद शऩथऩत्र ्रतस्ट्तुत न ककमा जामे तो यजजस्ट्रककयण इन्काय कय देगा।

249. जानफूझकय उऩजस्ट्थत होने से इन्काय कयना मा उऩजस्ट्थनत भें गपरत ननष्ऩादन के अस्ट्ि◌ीकयण के सभान है- करक्ता उच्च न्मामारम ने 1877 के अधधननमभ तीन के अधीन याधा ककशन फनाभ चुन्नीरार द्त (आई0एर0आय0 ऩाॊच, करक्ता 445) मे ननणयम टदमा है कक ककसी रेखऩत्र के ननष्ऩादन का स्ट्वीकाय कयने से इन्काय कयना मटद यजजस्ट्रककताय अधधकायक की उऩजस्ट्थनत भें न बी ककमा जामे तो बी वह यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के ्रतमोजन से ननष्ऩादन अस्ट्वीकाय कयना है औय इसी ्रतकाय जानफ झ कय, आदेमशका की ताभीरक के फावज द, यजजस्ट्रककताय अधधकायक के सभ ननष्ऩादन स्ट्वीकाय कयने के मरऐ उऩजस्ट्थत होने से इन्काय कयना मा गपरत कयना ननष्ऩादन अस्ट्वीकाय कयना है चाहे वह इन्कायक व्मजततगत रूऩ से न की गई है औय जफ ऐसी इन्कायक मा गपरत की जाती है तो रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण कयामे जाने के ्रतमोजन से उसका उऩचाय यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 73 मा 77 के अधीन हक हो सकता है।

फही सॊख्मा तीन

250. फही सॊख्मा तीन- फहक सॊख्मा तीन वह यजजस्ट्टय है जजसभें धाया 41 के अधीन यजजस्ट्रककयण के मरए स्ट्वीकाय ककमे गमे वसीमतनाभें औय द्तक ग्रहण अधधकाय ऩत्रों को नकर ककमा जाता है औय उन वसीमतनाभों को बी जजनको धाया 45 औय 46 के अधीन मरखा जाता है। इसभें ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 3 भें ननदेमशत शीषयक होंगे। मह फहक
सावयजननक भुआमने के मरए उऩरब्ध नहकों है औय न इसके इन्डेतस ककन्तु इसभें की ्रतववजष्टमों की नकर ननधायरयत पीस अदा ककमे जाने ऩय, उन व्मजततमों को दक जा सकती है जजन्होंने उनसे सम्फजन्धत रेखऩत्रों का ननष्ऩादन ककमा हो मा उसके भुख्ताय को औय ननष्ऩादनकताय की भृमु के फाद (ऩहरे नहकों) इसके मरमे आवेदन कयने वारे ककसी व्मजतत को, आवश्मकता होने ऩय तराश यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया की जामेगी। मटद इस फहक भें ्रतववजष्ट वसीमत द्वाया ककसी ऐसे उऩजजरे भें जस्ट्थत अचर सम्ऩजत्त ्रतबाववत होती हो जो उस उऩ-जजरे से मबन्न हो जहाॊ ्रतववजष्ट की गई है तो ऐसी वसीमत की नकर मा ा◌ानन उस जजरे मा उऩजजरे के यजजस्ट्रककताय अधधकायक को नहकों बेजी जामेगी, (भहाननयक
क को अधधस चना सॊख्मा 11123/चाय-344 टदनाॊक 30.07.1981 द्वाया मथा सॊशोधधत)।

251.जफ वसीमतकताय स्ट्वमों अऩनी वसीमत ्रतस्ट्तुत कये तो फहक सॊख्मा तीन के शीषयक के खाना तीन भें कोई ्रतववजष्ट नहकों की जानी होती। उसकी ऩहचान कयने

वारे साक्षमों का ब्मौया नृष्ठाॊकन भें टदमा गमा होता है। खाना 5 भें ्रतववजष्टमाॉ तो केवर उन भाभरों भें की जानी होती है जफ जजरा यजजस्ट्राय के सभ धाया 45 की कामयवाहक की जाती है मा जफ वसीमत इ्माटद ककसी उन्-यजजस्ट्राय के साभने वसीमतकताय की भृमु के फाद उसक दावेदाय द्वाया यजजस्ट्रककयण के मरए ्रतस्ट्तुत की जाती है।

252.इस फहक सॊख्मा तीन भें जजरा यजजस्ट्राय न केवर उन वसीमत आटद की नकर कयेगा जजनका वह स्ट्वमॊ यजजस्ट्रककयण कयता है वयन् उन वसीमत की बी कयेगा जजनको धाया 45 औय 46 के ्रत ावधानों के अधीन खोरा जाता है (भहाननयर्क क की अधधस चना सॊख्मा 11123/चाय-344 टदनाॊक 30-7-1981 द्वाया मथासॊशोधधत।)

253. िसीमतनाभे औय दत्तक िहण अधधकाय नत्र- गरनतमों से फचने के मरमे मह स्ट्नष्ट ककमा जाता है कक भृमोनयान्त सम्नजत्त का ववन्मास कयने वारा ्रत् मेक रेखनत्र वसीमत है औय उसका यजजस्ट्रककयण ककमे जाने नय उसे फहक सॊख्मा तीन भें ्रतववजष्ट ककमा जाना चाटहमे। इसके अनतरयतत जजस रेखनत्र भें एक नुत्र को द्तक ग्रहण कयने मा द्तक देने की घोषणा बय की जाती है तो वह द्तक ग्रहण अधधकाय का रेखनत्र नहकॊ है औय ऐसे रेखनत्रों को तफ तक फहक सॊख्मा तीन भें ्रतववष्ट नहकॊ ककमा जाना चाटहमे जफ तक उसभें सम्नजत्त का भयणोनयान्त ववन्मास बी न ककमा गमा हो उसकी वसीमत की उतत नरयबाषा भें शामभर कयता है द्तक ग्रहण रेखनत्र जैसे साभान्मतमा व्मवहाय भें रामे जाते है चाय ्रतकाय के हो सकते हैं।

(1) ऐसा रेखनत्र जजसभें केवर द्तक ग्रहण ककमे जाने के तथ्म की घोषणा की जाती है।

(2) ऐसा रेखनत्र जजसभें द्तक ग्रहण ककमे जाने के तथ्म की घोषणा की जाती है औय द्तक नुत्र के नं भें द्तक ग्रहण कयने वारे व्मजतत

(3) ऐसा रेखनत्र जजसभें द्तक ग्रहण कयने के तथ्म की घोषणा की जाती है औय द्तक ग्रहण कयने वारे की सम्नजत्त की उसकी भृमु के

(4) ककसी ववधवा द्वाया ककसी द्तक ग्रहण अधधकाय नत्र के अनुसयण

थभ वगय के रेखनत्र यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 18 के खण्ड (एक) द्वाया आच्छाटदत होते हैं औय उनका यजजस्ट्रककयण ऐजच्छक है (अनुवादक की टटप्नणी- यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 17 (3) भें उ्तय ्रतदेश के अधधननमभ 57 वषय 1976 द्वाया ककमे गमे सॊशोधन के नरस्ट्वरून 1-1-1977 से अफ ऐसे रेखनत्रों का यजजस्ट्रककयण अननवामय है) नयन्तु उनका मटद यजजस्ट्रककयण वाॊनछत हो तो उनको बाग चाय भें ननधायरयत सभमावधध के अन्दय ्रतस्ट्तुत ककमा जाना चाटहमे औय उनको फहक चाय भें ्रतववजष्ट ककमा जाना चाटहमे।

द सये वगय के रेखनत्रों को दाननत्रों के सभान हक यजजस्ट्यों भें दजय ककमा जाना चाटहमे। उनको बाग चाय द्वाया ननधायरयत सभमावधध के अन्दय की यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्ट्तुत ककमा जाना चाटहमे नयन्तु उन नय अधग्रभ कामयवाहक अरग-अरग

ढोंग से होगी मटद ्रत

बाववत सम्नज्त्त अचर हो मा चर हो।

(क) मटद अन्तरयत सम्नज्त्त मा उसका कोई बाग अचर हो तो रेखनत्र होगा औय उसको फहक सॊख्मा एक भें ्रतयजजस्ट्रककयण है। ववजष्ट ककमा जामेगा। इसका

(ख) जफ अन्तरयत की गई सायक सम्नज्त्त चर हो तो रेखनत्र धाया 18 के खण्ड (डी) के अन्तगयत आमेगा। इसकी ्रतववजष्ट फहक सॊख्मा चाय भें की जामेगी औय इसका यजजस्ट्रककयण ऐजच्छक है जफ तक कक सम्नज्त्त अन्तयण रेखनत्र द्वाया हक न ककमा गमा हो जजस दशा भें उसका यजजस्ट्रककयण रान्सपय आप ्रतानटी अधधननमभ की धाया 132(2) के अधीन अननवामय होगा।

तीसये वगय के रेखनत्रों को हय द्दजष्टकोण से वसीमतनाभा भाना जाना औय उन नय तदनुसाय कामयवाहक की जानी चाटहमे। उनका यजजस्ट्रककयण धाया 18 के खण्ड (ई) के अधीन एजच्छक है औय उनको ककसी सभम बी (धाया 27) यजजस्ट्रककयण के मरए ्रतस्त्तुत ककमा जा सकता है औय उनकी ्रतववजष्ट फहक सॊख्मा तीन भें की जानी चाटहमे।

चौथे वगय के रेखनत्र को सफ द्दजष्टकोण से ्रतथभ वगय के रेखनत्रों के सभान हक भाना जाना चाटहमे औय उन नय तदनुसाय कामयवाहक की जानी चाटहमे नयन्तु नुत्र को द्तक स्त्वरूनन ग्रहण कयने के अधधकाय नत्र तथा उस अधधकाय नत्र के अनुसयण भें ननष्नाटदत द्तक ग्रहण रेखनत्र के अन्तय को ध्मान भें यखना आवश्मक है। द्तक ग्रहण अधधकाय नत्र का यजजस्ट्रककयण अननवामय है जफ कक द्तक ग्रहण रेखनत्र का स्त्वैजच्छक, (अनुवादक की टटप्नणी- उनयोतत ्रतथभ वगय के रेखनत्रों के सम्फन्ध भें उजल्रखखत 1976 के सॊशोधन से अफ द्तक ग्रहण रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण अननवामय हो गमा है।) नहरे ्रतकाय के रेखनत्र का फहक तीन भें ्रतववजष्ट ककमा जाना चाटहमे औय द सये ्रतकाय को फहक सॊख्मा चाय भें, साभान्मता द्तक ग्रहण रेखनत्र भें द्तक ग्राहक वनता की तयप से द्तक नुत्र के बयण नोषण तथा उसके ववाह आटद को व्मम की व्मवस्त्था की शतें मरखी जाती हैं। इन शतों को ववधध द्वाया द्तक ग्राहक वनता नय थोने गमे दानम्वों का आरेखन बय भाना जाना चाटहमे जो बफना स्त्नष्ट उल्रेख के बी उसको आफद्ध कयती है इसमरमे उन रेखनत्रों को जजनभें ऐसी शतें अ्ॊककत होती है। 1872के अधधननमभ नौ की धाया 2 के अधीन इकयायनाभा फहक भाना जाना चाटहमे।

फही सॊख्मा चाय

254. फही सॊख्मा चाय- (1) फहक सॊख्मा चाय ्रतकीणय यजजस्त्टय है जजसभें धाया 13 के खण्ड (डी) औय (एप) के अधीन यजजस्ट्रककृत सफ रेखनत्रों की जो अचर सम्भनज्त्त से सम्फजन्धत न हो, नकर की जाती है, मह सावयजननक भुआमने के मरमे उनरब्ध नहकों है औय न इसके इन्डेतस औय इसभें की ्रत ववजष्टमों की नकरें ननधायरयत पीस अदा ककमे जाने नय केवर ननष्नादनकताय मा दावेदाय नकायों को मा

ऐसे व्मजततमों के भुख्तायों मा ्रतनतननधधमों को दक जामेगी। आवश्मकता होने ऩय तराश यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया की जामेगी। इस यजजस्टय के ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा चाय भें ननदेमशत शीषयक होंगे।

(2) जजन कामायरमों भें, जहाॉ इस फहक भें सम्फजन्धत छने हुमे मा मरथोग्राकपत रेखऩत्र ्रत

स्ट्तुत होते हों, वहाॉ ऩय भहाननयक

क की स्ट्वीकृनत के फाद फहक सॊख्मा चाय की एक ववशेष

जजल्द जजसे अनतरयतत फहक सॊख्मा चाय कहा जामेगा, खोरक जा सकती है जो पाइर फहक के सभान होगी औय जजसके फि क्रभानुसाय सॊख्माॊककत होंगे। अनतरयतत फहक सॊख्मा चाय भें धचऩकामे जाने वारे छने मा मरथोग्राकपत ्रतारूऩों को धचऩकाने भें ननमभ 235 भें ननदेमशत ्रतकक्रमा का ्रतमोग ककमा जामेगा, छने फि के ्रतारूऩ नभ ना सॊरग्न भें ननम्नमरर्खत ब्मौया बया जामेगा।

(I) स्ट्टाम्न का भ ल्म

(II) सौदे का ्रतकाय व भ ल्म

(III) ्रतववजष्ट का क्रभाॊक औय यजजस्ट्रककयण पीस मा अन्म पीस मा जुभायना जो वस रा गमा हो।

स्ट्टाम्न का भ ल्म	सौदे का ्रत काय औय भ ल्म (मटद हो)	ववजष्ट का क्रभाॊक यजजस्ट्रककयण औय अन्म पीस व जुभायना की यामश जो वस रक गई हो

(3) फहक सॊख्मा चाय, अनतरयतत की सॊख्मा चाय मा त्सम्फन्धी इन्डेतसों, जजनभें ककसी वतप मा वतप के ककसी रेखऩत्र से सम्फजन्धत कोई स चना हो, की नकरे मशमा सेत्रर फोडय मा सुन्नी सेत्रर फोडय के अध्मं मा सधचव द्वाया वास्ट्तववक सावयजननक उऩमोग के मरमे भाॉगे जाने ऩय बफना ककसी पीस के दक जामेगी। (भहाननयक क की अधधस चना सॊख्मा 11123/चाय टदनाॊक 30-7-1981 द्वाया मथा सॊशोधधत)

255. चर सम्ऩजत्त का दान- महाॉ ऩय मह फता टदमा जाना आवश्मक है कक चर सम्ऩज्त्त के दान के रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण रान्सपय आप ्रत ानटी अधधननमभ चाय वषय 1882 की धाया 123 के खण्ड 2 के अधीन अननवामय कय टदमा गमा है मटद जफ सम्ऩज्त्त ऩटहरे हक दानग्रटहता को न दे दक गई हो यजजस्ट्रककयण अधधननमभ की धाया 18 (डी) के अनुसाय ऐसे रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण ऐजच्छक है औय उनका यजजस्ट्रककयण फहक सॊख्मा चाय भें होगा।

फही सॊख्मा ऩाॉच

256. फही सॊख्मा ऩाॉच- फहक सॊख्मा ऩाॉच यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के बाग नौ भें उजल्र्खत भोहयफन्द वसीमतों के जभा कयने मा ननकारे जाने से सम्फजन्धत कामयवाई के अमबरेखन कयने का यजजस्टय है, जफ धाया 46 के अनुसाय ककसी न्मामारम के आदेश ऩय कोई वसीमत हटाई जाती है तो उससे सम्फजन्धत ्रतववजष्ट ऩय इस तथ्म को रार स्ट्माहक से अॊककत

ककमा जामेगा औय इस ्रतववजष्ट को जजरा यजजस्ट्राय के हस्ता्ं
य से ्रतभाणीकृत ककमा जामेगा।
इसभे ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 5 भें ननधायरयत शीषयक होंगे।

257.सफ वसीमत जभा कयने वारों को स धचत कय टदमा जाना चाटहमे कक उनकी भृमु के फाद शासन द्वाया उनकी भृमु की तायकख जानने मा उनके उ्तयाधधकारयमों से सम्ऩकय कयने के मरऐ कोई कामयवाहक नहकॊ की जामेगी। यजजस्ट्रेशन अधधननमभ, 1908 की धाया 42 के ्रतावधानों के अधीन वसीमतों को सुया के मरए जभा कयने वारे ्रत् मेक व्मजतत को ननम्नमरर्खत स चना की एक नकर दे दक जानी चाटहमे।

िसीमत जभाकताओं को सूचना

यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 42 के अधीन जभा ककमे गमे वसीमत नाभे अजग्नयोधक फतश भें शाश्वत कार तक यखे जाते हैं, जफ तक कक धाया 44 के अधीन वसीमतकताय द्वाया उसे वाऩस नहकॊ रे मरमा जाता था धाया 46 के अधीन न्मामारम को नहकॊ बेज टदमे जाते

ऩयन्तु जभाकताय को स धचत ककमा जाता है उसकी भृमु की स चना ऩाने मा उसके उ्तयाधधकारयमों से सम्ऩकय कयने की कोई कामयवाई नहकॊ की जा सकती, जफ तक अधधननमभ की धाया 45 मा 46 के अधीन आवेदन न ककमा जामे, भोहयफन्द मरपापे को बफना खोरे जभा यखा जमेगा। वसीमतकताय का मह कतयव्म है कक वह ऐसे आवश्मक कदभ जैसा वह उधचत सभझे, उठामे कक वसीमत के होने औय उसके सुया ऩ वयक यखे जाने के स्थान का उन रोगो को ाान हो जो उससे रूधच यखते हो।

फही सॊख्मा छ्

258. फही सॊख्मा छ्- फहक सॊख्मा छ् धाया 33 के खण्ड (ऐ) के अधीन ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभों का सायाॊश दजय कयने का यजजस्टय है। धाया 33 के अधीन ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभे की ऩ यक नकर ककमे जाना आवश्मक नहकॊ है औय उसकी अन्तवयस्तु का एक सॊक्ष प्त ाान ऩमायप्त है ऩयन्तु भुख्तायनाभे का ्रतभुख अंश, जजसके अनुसाय भुख्ताय को रेखऩत्र ्रतस्तुत कयने औय यजजस्ट्रककयण की ्रतकक्रमा को ऩ या कयने का अधधकाय टदमा गमा हो फहक सॊख्मा का खाना 4 भें नकर ककमा जाना चाटहमे। भुख्तायनाभा खास के भाभरे भें जजस कामायरम भे रेखऩत्र ्रतस्तुत ककमा जाना हो औय ्रतबाववत सम्ऩज्त्त का सॊक्षप्त वववयण बी उस सायाॊश मरखा जाना चाटहमे। ऩटहचान कयने वारे साक्ष्मों के ब्मौये अजन्तभ खाने भें नकर ककमे जाने चाटहमे ऩयन्तु जफ भुख्तायनाभें का यजजस्ट्रककयण बी हो तो उसको अन्म ककसी रेखऩत्र की तयह, फहक सॊख्मा चाय ऩ यक नकद फनाई जानी चाटहमे।

259.गरनतमाॊ न हो, इसमरमे स्ऩष्ट ककमा जाता है कक यजजस्ट्रककताय अधधकायक केवर उन भुख्तायनाभों का धाया 33 के अधीन ्रतभाणीकयण कयने के मरए सभ है जजसभें ककसी रेखऩत्र की यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्तुत कयने का

अधधकाय टदमा गमा हो औय मह एक भात्र ्रतकाय का भुख्तायनाभा है जजसकी ्रतववजष्ट फहक सॊख्मा छ् भें की जानी चाटहमे। धाया 33 भें उजल्र्खत अऩवादों को छोड़कय इस ्रत काय के भुख्तायनाभें का ननष्ऩादन उऩ-यजजस्ट्राय के साभने ककमा जाना चाटहमे। उऩ यजजस्ट्राय द्वाया मरखे गमे ऩृष्ठाॊकन भें इस तथ्म को दजय ककमा जाना चाटहए औय सायाॊश भें मह अवश्म मरखा जाना चाटहए कक रेखऩत्र भुख्तायनाभे द्वाया रेखऩत्र का यजजस्ट्रीकयण कयाने का अधधकाय टदमा गमा है। जैसा कक ऊऩय फतामा गमा है। भुख्तायनाभे का ककसी अन्म रेखऩत्र की तयहा यजजस्ट्रककयण बी ककमा जा सकता है। ऩयन्तु रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण कया ऩाने के मरमे वह तफ तक ववधधभान्म न होगा जफ तक उसे धाया 33 के अधीन ्रतभाणीकृत न ककमा गमा हो। अतएव अफ भुख्तायनाभा ककसी ऐसे व्मजतत द्वाया ्रतस्त्तुत ककमा जामे जो सम्बवत् यजजस्ट्रककयण का अन्तय न जानता हो तो औय भुख्तायनाभा ऐसा न हो जजसे यजजस्ट्रककताय अधधकायक ्रतभाणीकृत कय सकता हो तो वह उस रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण फहक सॊख्मा चाय भें कयेगा ऩयन्तु मटद भुख्तायनाभें द्वाया टदमे गमे अधधकायों भें रेखऩत्र यजजस्ट्रककयण के मरए ्रत स्त्तुत कयने का अधधकाय बी शामभर है तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस व्मजतत को यजजस्ट्रककयण औय ्रतभाणीकयण का अन्तय सभझामेगा औय रेखऩत्र के सम्फन्ध भें ्रत स्त्तुतकताय का वास्त्तववक भन्तव्म ाात कयेगा। मटद ननष्ऩादनकताय भुख्म व्मजतत चाहे तो रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण व ्रतभाणीकयण दोनों ककमा जाना ककसी ्रतकाय वजजयत नहकॊ है ऩयन्तु ऐसी दशा भें मे दोनों कक्रमामें अरग-अरग भानी जामेगी औय ्रत् मेक के मरमे अरग पीस रक जामेगी। इस फहक भें ऩरयमशष्ट एक के सॊख्मा 6के सभान शीषयक होंगे।

फही सॊख्मा सात

260. फही सॊख्मा सात- फहक सॊख्मा सात धाया 31, 33 औय 38 के अधीन यजजस्ट्रककयण के मरमे ककसी के ननवास स्त्थान ऩय जाने मा उसके मरमे कभीशन जायक ककमे जाने को अमबमरर्खत कयने का यजजस्त्टय है। इसभें वे शीषयक होंगे जो ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 7भें टदमे गमे हैं। „मात्रा की द यक‟ के खाने भें कामायरम से उस स्त्थान की द यक अॊककत की जानी चाटहमे जहाॉ ऩहुॊचा गमा हो।

फही सॊख्मा आठ

261. फही सॊख्मा आठ- फहक सॊख्मा आठ अॊग ठा ननशानी का यजजस्त्टय है इसके ऩरयमशष्ट एक के, ्रतारूऩ सॊख्मा 8 भें ननदेमशत शीषयक होंगे। मटद कोई ननशान अॊग ठा ककसी ऐसे रेखऩत्र का हो जजसका यजजस्ट्रककयण ककसी अन्म कामायरम भें हुआ हो तो इस तथ्म को फहक सॊख्मा आठ भें दजय कय टदमा जाना चाटहमे।

यजजस्ट्रय फहहमों का प्रभाणीकयण

262. यजजस्ट्रय फहहमों भें की प्रविजष्टमों का प्रभाणीकयण- जहाॊ तक सम्बव हो फहक सॊख्मा एक तीन औय चाय भें की ्रतववजष्टमाॊ, भ र रेखन्नत्र की सहक ्रतनतरेख होना चाटहमे, ककन्तु अन्तरेखनों, रयतत स्थानो, मभटामे मा कटे पटे शब्दों को उसी ्रतकाय नकर नहकॊ ककमा जाना चाटहमे, फजल्क जैसा अधधननमभ की धाया 20 भें ननदेमशत है उनको अन्त भें नोट कय टदमा जाना चाटहमे। यजजस्ट्रककताय अधधकायक को देखते यहना चाटहमे कक रेखन्नत्र की ्रतववजष्ट उसी फहक भें की जा यहक है जजसभें वह वास्तव भें होनी चाटहमे, कक उसको फहक क्रभ सॊख्मा की गई है जो धाया 53 के ननदेशानुसाय क्रमभक सॊख्माकन फनामे यखने के मरमे उसे टदमा जाना चाटहमे

था औय कक यजजस्ट्रककयण के ्रत

भाणक भें फहक, जजल्द व न्रृष्ठ सहक-सहक मरखे गमे हैं।

(भहाननयकं क की अधधस चना सॊख्मा 11123/चाय टदनाॊक 30-7-1981 द्वाया मथा सॊशोधधत।)

263. नकरों का न्नयीं ण औय गरनतमों का प्रभाणीकयण- मेक रेखन्नत्र की नकर का

भुकाफरा भ र से नकरकताय से अन्म ककसी व्मजतत द्वाया ककमा जामेगा औय नकरकताय तथा

भुकाफराकताय दोनों उस नकर न्नय नकरकताय औय भुकाफराकताय मरखकय उस न्नय हस्ता ं

कयेंगे, त्नश्चात यजजस्ट्रककताय अधधकायक नकर भें हुई सफ गरनतमों का ्रतभाणीकयण कयेगा

औय मटद आवश्मकता हो तो धाया 20 के अनुसाय उनका वोट फनामेगा। वह ्रत् मे

क न्रृष्ठ के

अन्त भें औय नकर के अन्त भें अन्नने रघु हस्ता ंय कयेगा औय अन्नने न्न ये हस्ता ंयों औय सयकायक न्नदनाभ से उस नकर को सहक नकर होना ्रतभार्णत कयेगा, जजन कामायरमों भें कोई

मरवन्नक न हो वहाॊ न्नय ननमभ 349 भें दक गई ्रत

कक्रमा का अनुसयण कयना चाटहमे।

(भहाननयकं क की अधधस चना सॊख्मा 11123/चाय टदनाॊक 30-7-1981 द्वाया मथा सॊशोधधत।)

264. शभटामा जाना ि जजात- स्माहक बये, चाक मा अन्म ककसी साधन से ककसी बी यजजस्ट्रय फहक भें कोई शब्द मभटामा नहकॊ जाना चाटहमे। यजजस्ट्रय फटहमों भें सफ अन्तरेखनों औय शुवद्धमों को रार स्माहक से ककमा जाना चाटहमे। गरनतमों को शुवद्ध कयने के मरमे गरत मरखे गमे शब्दों के आय-न्नाय येखा खीॊचकय औय कनय उनको सहक ढॊग से मरखकय ककमा जाना

चाटहमे। (भहाननयर्क क की अधधस चना सॊख्मा 11123/चाय टदनाॊक 30-7-1981 द्वाया मथा सॊशोधधत)

इन्डेक्स

265. इन्डेक्स छने प्रारूऩों ऩय फनामे जाि े- धाया 54 के अनुसाय ्रत् मेक यजजस्ट्रककयण कामायरम भें यखे जाने वारे चार इन्डेतस उन नमे ्रत ारूऩों ऩय फनामे जाने चाटहमे जजन्हें भहाननयर्क क को बेजे गमे भाॊग ऩत्रों के अनुसाय याजकीम भुद्रणारम उऩरब्ध कयामेगा। यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया वणयभारा के ववमबन्न अॊयों को इन ऩचों के शीषय ऩय मरखा जाना चाटहमे। वषय के अन्त भें वे सफ ऩचे जजन ऩय ्रतववजष्टमाॊ की गई हो वणयन अनुसाय जजल्द के रूऩ भें फाध्म ककमे जाने चाटहमे।

266. इन्डेक्स सॊख्मा I- इन्डेतस सॊख्मा I वह है जजसभें धाया 55 के ननदेशानुसाय फहक सॊख्मा भें यजजस्ट्रककृत रेखऩत्रों मा पाइर फहक भें ्रतववष्ट ा ाऩनों के ननष्ऩादनकताय तथा उनके अधीन दावेदाय, सफ व्मजततमों के नाभ, व ऩते दजय ककमे जामेगे। इस इन्डेतस भें न केवर उन व्मजततमों के नाभ औय ऩते दजय ककमे जामेंगे जो रेखऩत्रों से सम्फजन्धत हों, फजल्क उनके बी दजय ककमे जामेंगे जो अन्म यजजस्ट्रककयण कामायरमों से ्रताप्त नकरों मा ा ाऩनों से सम्फजन्धत हैं, जजन्हें धाया 64, 65, 66 व 67 के अधीन पाइर ककमा जाता है औय उन रोगों के बी जो उन आदेशों की नकरों से सम्फजन्धत है जजनके द्वाया रैन्ड इम््रत वभेन्ट अधधननमभ मा एधग्रकल्चरयष्ट रोन्स अधधननमभ के अधीन याजस्व अधधकारयमों द्वाया ऋण टदमा जाता है औय दकवानी न्मामारमों द्वाया मसववर ्रतोसीजय कोड 1908 की अनुस ची 1 के आडय इतकीस के ननमभ 94 के अन्तगयत मा यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 89 के अधीन याजस्व अधधकारयमों द्वाया टदमे गमे ्रतभाणऩत्रों से सम्फजन्धत है। इसके शीषयक ऩरयमशष्ट दो के ्रतारूऩ सॊख्मा एक के अनुसाय होंगे।

267. इन्डेक्स सॊख्मा II- इन्डेतस सॊख्मा II वह इन्डेतस है जजसभें धाया 55 के अनुसाय
फहक सॊख्मा एक भें यजजस्ट्रककृत ्रत्
मेक रेखऩत्र मा पाइर ककमे ा ाऩन भें धाया 21 भें वर्णयत
ब्मौयों को मरखा जाता है। साभान्मत् ्रतववजष्टमाॊ उस नगय मा ्रतभुख गाॊव के नाभ से जहाॊ सम्ऩजत्त जस्ट्थत हो, की जानी चाटहमे औय नगयों के भाभरों भें भोहल्रे का नाभ औय गाॊवों के भाभरे मे ऩुयखों का नाभ खाना 4 भें मरखा जाना चाटहमे।

ऩयन्तु उन उऩ-जजरों भें जजनके े त्र भें ऐसे नगय हो जजनभें म्म ननमसऩैमरटकज अधधननमभ 1916 राग है, उन नगयों भें जस्ट्थत सम्ऩजत्त की ्रतववजष्टमों भोहल्रों के नाभ से की जानी चाटहमे। धाया 64 मा 65 भें वर्णयत ्रतकाय के रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण कयने ऩय उऩ-यजजस्ट्राय इस इन्डेतस भें केवर उसी सम्ऩजत्त की ्रतववजष्ट कयेगा जो उसके उऩ-जजरे भें जस्ट्थत हो, धाया 65, 66 मा 67 के अधीन रेखऩत्र की नकर ्रताप्त होने ऩय जजरा यजजस्ट्राय केवर उस सम्ऩजत्त की ्रतववजष्ट

कयेगा जो उसके जजरे भें जस्थ्त हो। धाया 64, 65, 66 मा 67के अधीन ािानन मा धाया 89 के अधीन आदेश नकर मा ्रतभाणन्त्र न्ाने न्य उन्-यजजस्ट्राय सम्फजन्धत सम्न्जत्त का ब्मौया इस इन्डेतस भें दजय कयेगा, न्यन्तु मटद एक हक जजरे मा उन्जजरे भें एक से अधधक नगयों मा गावों भें सम्न्जत्त जस्थ्त हो तो ्रत् मेक ऐसे स्थ्ान को अरग से उसके ्रतायजम्बक अय के आधाय न्य ्रतववष्ट ककमा जामेगा। इसभें वे शीषयक होंगे जो न्रयमशष्ट दो के ्रतारून् सॊख्मा 2 भें फतामे गमे हैं।

268. इन्डेक्स सॊख्मा III.- इन्डेतस सॊख्मा III वह इन्डेतस है जजसभें धाया 55 के अनुसाय फहक सॊख्मा तीन भें यजजस्ट्रककृत वसीमत मा द्तक ग्रहण अधधकाय न्त्रों के सफ ननष्न्ादन कतायओॊ के नाभ औय न्ते, उनके अन्तगयत ननमुततकताय मा अन्म व्मजततमों के नाभ औय वसीमतकताय मा अधधकाय दाता की भृमु के फाद (न्टहरे नहकॊ) उन सफ व्मजततमों के नाभ जो उनके अधीन दावेदाय होते हो ्रतववष्ट ककमे जामेंगे। इसभें वे शीषयक होंगे जो न्रयमशष्ट दो के ्रतारून् सॊख्मा 3 भें टदमे गमे हैं।

नोट- ककसी वसीमत मा द्तक ग्रहण अधधकाय न्त्र के दावेदायों के नाभ तफ हक इन्डेतस सॊख्मा 3 भें चढ़ामे जाने चाटहमे। जफ वसीमतकताय मा अधधकाय दाता की उस सभम भृमु हो चुकी हो जफ वसीमत मा द्तक ग्रहण अधधकाय न्त्र का यजजस्ट्रककयण ककमा गमा हो मा यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 45 के अधीन वसीमत की अन्तधीनवयस्तु फहक सॊख्मा 3 भें नकर की जावे।

269. इन्डेक्स सॊख्मा IV-इन्डेतस सॊख्मा IV वह इन्डेतस है जजसभें धाया 55 के अनुसाय फहक सॊख्मा चाय भें नकर ककमे गमे मा अनतरयतत फहक सॊख्मा चाय भें पाइर ककमे गमे ्रत् मेक रेखन्त्र के सफ ननष्न्ादनकतायओॊ औय दावेदायों के नाभ ्रतववष्ट ककमे जाते हैं। इसभें वे शीषयक होंगे जो न्रयमशष्ट दो के ्रतारून् सॊख्मा 4 भें फतामे गमे हैं।

270. इन्डेक्स कैसे फनामे जािे- इन्डेतसों भें ्रतववजष्टमाॉ उसी टदन मा बफरम्फतभ उसके द सये टदन की जानी चाटहमे जजस टदन त्सम्फजन्धत रेखन्त्र की नकर की जाती है मा पाइर टदमा जाता है। जो व्मजतत रेखन्त्र का इन्डेतस फनाता है वह सहक यजजस्ट्रय भें ्रतववष्ट की गई
रेखन्त्र को नकर, ननमभ 235 के अनुसाय अनतरयतत फहक सॊख्मा एक भें मा ननमभ 254 के अनुसाय अनतरयतत फहक सॊख्मा चाय भें पाइर ककमे गमे रेखन्त्र औय ननमभ 237 के साथ न्टठत ननमभ 236 के अनुसाय पाइर फहक एक भें पाइर की गई नकर मा ािानन के ऊन्यक मसये न्य जैसी बी जस्थ्नत हो रार स्माहक से „इन्डेतस ककमा‟ मरखकय अन्ने हस्ताय फनामेगा। इन्डेतस साभान्मत् उद य भें कुभाम ो भण्डर भें टहन्दक भें फनामे जावेंगे खानों के शीषयक अोग्रेजी औय उद य भें तथा कुभाम ो भण्डर के मरमे अोग्रेजी टहन्दक भें छान्े गमे हैं ताकक जजरा यजजस्ट्राय मा अोग्रेजी जानने वारे उन्-यजजस्ट्राय जो अोग्रेजी भें काभ कयने की भता यखते हैं (ननमभ 252) अोग्रेजी भें मरखे गमे रेखन्त्रों के इन्डेतस अोग्रेजी भें फना सके अोग्रेजी अयों के न्चो को जजल्द फन्दक के सभम टहन्दक मा उद य के सभक अ य के साथ यख दकमा जाना

चाटहमे। **271. ऩहहरे अय-** बायतवामसमों के नाभ की ्रतववजष्ट उनके नाभ के ऩटहरे अय के अनुसाय की जानी चाटहमे न कक उनके ऩद उऩाधध मा जानत के ऩटहरे अ य के अनुसाय, म योऩ वामसमों के नाभ की ्रतववजष्ट उनके कुर नाभ के ्रतथभ अय के अनुसाय की जानी चाटहमे।

272. भासी बायतीम ईसाई- ऐसे बायतीम ईसाईमों के भाभरे भें जजने व्मजततगत नाभ

औय कुर नाभ दोनो होते उनके नाभों का इन्डेतस उसी ्रत

काय ककमा जाना चाटहमे जैसे

म योवऩम नाभों का ककमा जाता है, जजन बायतीम ईसाईमों के कुरनाभ नहकॊ होते औय जो अऩने नाभ के साथ अऩने वऩता मा गाॉव का नाभ जोड़ते हैं उनके नाभों का इन्डेतस उसी ्रतकाय ककमा जाना चाटहमे जैसे साधायण बायतीम नाभों का ककमा जाता है।

273. कम्ऩनी फैंक आहद- कम्ऩननमों, फैंको के सम्फन्ध भें ्रतववजष्ट सॊस्था के नाभ के ऩटहरे अय के अनुसाय की जानी चाटहमे (आटटयकर को छोड़कय) उदाहयण-रैन्ड भोनेज फैंक की „र" भें फैंक ऑप अऩय इजन्डमा की „फ" भें औय इराहाफाद फैंक की „इ" भें की जानी चाटहमे।

274. सयकाय- जजन रेखऩत्रों से सयकाय का सम्फन्ध हो उनभें अॊग्रेजी भें इन्डेतस जी अय भें, जो „गवनयभेन्ट शब्द का ऩटहरा अय है, औय टहन्दक भें „स" अय भें औय उद य भें „मसन" अय भें ककमा जाना चाटहमे जो „सयकाय" शब्द का ऩटहरा अय है। ऩटहरे खाने भें उस अधधकायक का ऩदनाभ बी टदमा जाना चाटहमे जो उस भाभरे भें सयकाय का ्रतनतननधध्व कयता हो।

275. लफिी के प्रभाणऩत्र इत्माहद- न्मामारमों द्वाया जायक ककमे गमे ्रत भाणऩत्रों के भाभरे भें ननर्णयत ऋणी औय नीराभी खयकदाय के नाभ उनके नाभ के ्रतथभ अय के अनुसाय दजय ककमे जाने चाटहमे औय न्मामारम मा अधधकायक जजसने ्रतभाणऩत्र जायक ककमा गमा हो उसकी ्रतववजष्ट अॊग्रेजी भें जी अय भें औय टहन्दक औय उद य भें क्रभश् „स" औय „मसन" भें की जानी चाटहमे औय जायक कयने वारे अधधकायक का ऩदनाभ बी दजय ककमा जाना चाटहमे।

276. जभानती फॉड- जभानती फॉडों के भाभरे भें उस व्मजतत का नाभ बी इन्डेतस भें दजय ककमा जाना चाटहमे जजसकी जभानत दक गई हो औय रेखऩत्र के ननष्ऩादनकताय तथा जजनके हक भें वह मरखा गमा हो, उनके नाभ बी दजय होने चाटहमे।

277. भुख्ताय मा प्रनतननधध- जफ कोई रेखऩत्र भुख्ताय मा ्रतनतननधध द्वाया ननष्ऩाटदत ककमा गमा हो तो ्रत् मेक भुख्म व्मजतत ्रत् मेक भुख्ताय मा ्रत नतननधध तथा ्रत् मेक उस व्मजतत, जो उसभें दावेदाय हो, का नाभ इन्डेतस भें मरखा जाना चाटहमे।

उदाहयण- इराहाफाद फैंक की तयप से उसके ्रतफन्धक „क" द्वाया ननष्ऩाटदत फॉड का इन्डेतस अय „इ" भें भुख्म व्मजतत के मरमे, औय फैंक की तयप से उसके ्रत

नतननधध की हैमसमत से ननष्ऩादन कयने वारे व्मजतत के नाभ के ऩहरे अ य „क‟ भें बी ककमा जाना चाटहमे।

अवमस्क्कों की तयप से उनके अमबबावक द्वाया ननष्ऩाटदत रेखऩत्रों के इन्डेतस भें अवमस्क व अमबबावक दोनों के नाभ का इन्डेतस ककमा जाना चाटहमे।

मटद ककसी व्मजतत का, जजसके सम्फन्ध भें ककसी रेखऩत्र का इन्डेतस ककमा जाना है कोई उऩनाभ बी हो तो उसके इन्डेतस भें उसके असरक नाभ तथा उऩनाभ दोनों को शामभर ककमा जाना चाटहमे, इसी ्रतकाय मटद कोई नगय मा गाॉव रेखऩत्र भें दो अरग-अरग नाभों से वर्णयत है तो उसका इन्डेतस दोनों नाभाॊ भें अरग-अरग ककमा जाना चाटहमे।

278. पाइर फही एक भें प्रविष्ट रेखऩत्र- पाइर फहक एक भें ्रतववष्ट ्रत् मेक रेखऩत्र का इन्डेतस रार स्म्माहक से मरखा जामेगा जजससे कक मह स्ऩ्त् स्ऩ्ष्ट हो जामे कक रेखऩत्र जजरा यजजस्ट्राय मा उऩ-यजजस्ट्राय के कामायरम भें केवर पाइर ककमा गमा है।

279. आदेश पाइर- मह आडय पाइर एक सुयाृ्भक पाइर है जजसभें वे सफ आदेश पाइर ककमे जाने चाटहमे जो भहाननयकक मा जजरा यजजस्ट्राय से ्रताप्त होते है। इस ्रतकाय के आदेशों को उनकी ्रताजप्त के तुयन्त फाद पाइर भें धचऩका टदमा जाना चाटहमे औय उनको खुरे हुमे इधय-उधय नहकॊ यहने टदमा जाना चाटहमे। इस आदेश पाइर के दो बाग होंगे। (1) भहाननयकक के ऩरयऩत्र औय साभान्म आदेश औय (2) जजरा यजजस्ट्राय द्वाया ऩारयत साभान्म मा व्माऩक स्थमी ्रतकृनत के आदेश, अल्ऩकारकन मा ववशेष आदेशों को वावषयक गड्डमों भें यखा जामेगा औय उनको अध्माम ऩाॉच के अधीन ननमभयत ननमभों के अनुसाय नष्ट कय टदमा जामेगा। शुवद्ध ऩत्रों को इस पाइर भें नहकॊ यखा जामेगा फजल्क उनका भैनुअर भें यखा जामेगा। ्रत्मेक वषय भें पाइर ककमे गमे ऩत्रों की एक स ची फनाई जामेगी जजसभें पाइर ककमे गमे ्रत्मेक आदेश सॊक्षिप्त वणयन होगा जजसे आदेश पाइर भें धचऩका टदमा जामेगा। इसी स ची को वषय के अन्त भें हक नहकॊ फनामा जाना चाटहमे फजल्क् ज्मों-ज्मों आदेशों को पाइर ककमा जामे स ची भें उनका साय मरख टदमा जाना चाटहमे।

280. शभनट फही- ्रत् मेक उऩ-यजजस्ट्राय ऩरयमशष्ट एक के ्रताऱऩ सॊख्मा 14 भें ननधायरयत ्रताऱऩ भें एक मभनट फहक यखेगा। इस फहक का उद्देश्म भुख्मत् रेखऩत्रों के साभान्म ग्रहण कयने तथा यजजस्ट्रककयण के मरमे स्वीकाय ककमे जाने की कक्रमा भें उ्ऩन्न हुमे व्मवधानों का रेखा-जोखा यखना है। उदाहयणाथय-

(1) जफ ककसी रेखऩत्र को स्टाम्ऩ अधधननमभ के अधीन जब्त ककमा जाता है।

(2) जफ रेखऩत्र इसमरमे वाऩस ककमा जाता है कक उसे सहक कामायरम भें ्रतस्तुत ककमा जामे।

(3) जफ रेखऩत्र शुवद्धकयण मा सॊशोधन के मरमे वाऩस ककमा जाता है।

(4) जफ न्नकायों की उन्नजस्र्थनत की ्रतती्ंा भें रेखन्नत्र को स्र्थधगत ककमा जाता है, इसी फहक भें तराश भुआमने मा नकर के आवेदनों को

स्ट्वीकाय न ककमे जाने के कायणों को बी मरखा जाना चाटहमे मटद नकर तराश मा भुआमनों के भाभरे भें नकर, तराश मा भुआमने के यजजस्ट्य के टटप्न्नणी के खाने भें इस ववषम का न्न या ब्मोया न दे टदमा गमा हो।

281.मभननट फहक भें ्रतववजष्टमाॉ उन्न-यजजस्ट्राय द्वाया अन्नने रेख द्वाया की जानी चाटहमे औय ्रत् मेक कक्रमा न्नय हस्ता्ं य औय तायकख डारा जाना चाटहमे, जफ एक हक भाभरे भें एक से अधधक अवसयों न्नय ्रतववजष्टमाॊ की जावे को फाद भें की जाने वारक ्रतववजष्ट के क्रभाॊक न्नटहरक ्रतववजष्ट के खाना 2 भें मरखा जाना चाटहमे।

282. जफ यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्ट्तुत ककसी रेखन्नत्र की उन्न-यजजस्ट्राय द्वाया वृवद्ध कायण, सॊशोधन मा अन्म ककसी कायण से वान्नस ककमा जाता है तो उन्नयजजस्ट्राय न्नरयमशजष्ट एक के ्रतारून्न सॊख्मा 16 के अनुसाय फनी आन्नज्त्त न्नची न्नय उन कायणों का सॊक्षिप्त वववयण मरखकय ्रतस्ट्तुतकताय को देगा। जफ फाद भें रेखन्नत्र यजजस्ट्रककयण के मरमे स्ट्वीकाय ककमा जामे तो उन्न-यजजस्ट्राय उस न्नची को ननयकजभा यखेगा।

ण कबी अधधकारयमों के अवरोकन के मरमे कामायरम भें

283.यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमा जाना यजजस्ट्रककयण ्रतकक्रमा का स्ट्थगन नहकॊ है वह उसका सभान्नन है औय उस दशा भें फहक सॊख्मा दो भें अमबरेखन ककमा जाता है न कक मभननट फहक भें अन्म ऐसी बी कोई न्नरयजस्र्थनत जजसभें रेखन्नत्र के ्रत स्ट्तुत होने तथा उसके यजजस्ट्रककयण के मरमे स्ट्वीकाय ककमे जाने भें कोई व्मवधान हो, चाहे व ककतना हक ् र्णक हो। मभनट फुक भें अरग ्रतववजष्ट का ववषम होगा जजसभें मह मरखा जामेगा कक व्मवधान ककस कायण से हुआ औय मटद आवश्मक हो तो एक अन्म ्रतववजष्ट बी की जावेगी जजसभें फाधा के द य ककमे जाने तथा यजजस्ट्रककयण ्रतकक्रमा न्न यक ककमे जाने का उल्रेख होगा। जजन भाभरों भें

्रतकक्रमा स्ट्थधगत ककमे जाने की ्रतववजष्ट के फाद ककसी टदन इन्कायक दजय की जानी हो तो स्ट्थगन की न्नहरक ्रतववजष्ट के खाना 2 से फहक सॊख्मा दो भें की गई ्रतववजष्ट का सॊदबय टदमा जाना चाटहमे इस ्रतकाय ककसी ननष्न्नादनकताय की अनुन्नजस्र्थनत एक साधायण भाभरे भें ननम्न ्रतकाय की एक ्रतववजष्ट सफसे न्नटहरे की जानी चाटहमे।

फैनाभा टदनाॊक न्नहरक पयवयक 1898 जजसके भहार याभनुय का दो आना टहस्ट्सा 'अ' ने 'फ' के हाथ फेचा है आज 10 पयवयक 1998 को फ द्वाया ्रतस्ट्तुत

ककमा गमा। „अ‟ उऩजस्थत नहकॊ है। यजजस्ट्रककयण स्थधगत ककमा गमा औय आदेमशका जायक की गई।

ऩश्चात मटद ननष्ऩादनकताय उऩजस्थत होता है तो एक द सयक ्रतववजष्ट इस ्रतकाय होगी। ऊऩय क्रभाॊक-ऩय उजल्र्खत रेखऩत्र भें „अ‟ उऩजस्थत हुआ औय यजजस्ट्रककयण की काययवाई ऩ यक की गई। इसी भाभरे भें मटद आदेमशका ननष्ऩ्रतबावी यहक हो तो उस दशा भें द सयक ्रतववजष्ट की आवश्मकता नहकॊ होगी फजल्क फहक सॊख्मा दों भें इन्कायक की ्रतववजष्ट होगी जजसभें मभनट फहक की ऩटहरक ्रतववजष्ट का सन्दबय होगा औय फहक सॊख्मा दो की ्रतववजष्ट का मभनट फुक की ऩटहरक ्रतववजष्ट के खाना 2 भें उल्रेख ककमा जामेगा।

इसी ्रतकाय नकर भुआमने तराश के आवेदनों ऩय काययवाई न ककमे जाने के कायणों को बी सॊ ॊऩ भें मरखा जाना चाटहमे औय मटद आऩज्त द य कय दक जामे औय आवेदन स्वीकाय कय मरमा जामे तो इस ववषम की एक द सयक ्रतववजष्ट की जामे। खाना 2 को बये जाने का भहत्व, जजससे कक एक हक रेखऩत्र से सम्फजन्धत सबी ्रतववजष्टमों को एक द सये से जोड़ा जा सके फहुधा ठीक से नहकॊ सभझा जाता। इस ्रतकाय सॊदबय देने का उद्देश्म मह है कक इस फहक भें एक रेखऩत्र के सम्फन्ध भें की गई ्रतववजष्टमों से उसकी काययवाई का ऩता चरामा जा सके, ननम्नमरर्खत उदाहयणों से मह स्ऩष्ट हो जामेगा कक तमा जाना है।

वावषय क क्रभाॊक	सॊदबय का क्रभाॊक औय रेखऩत्र का क्रभाॊक (मटद हो)	काययवाई का वववयण
1.	...	„अ द्वाया „फ‟ के हक भें ककमा गमा फन्धक-ऩत्र जजसभें याभऩुय सहाम की 100 फीघा ब मभ फन्धक की गई है टदनाॊक 5-1-1908जब कय करेतटय के ऩास 12-2-1908 को बेजा गमा।
2.	रयतत	जरारऩुय जस्थत भकान का फैनाभा टदनाॊक 12.2.1908 जो „ऩ‟ „ह‟ के हक भें मरमा है आज टदनाॊक 20.02.1908 ्रतस्तुतकताय को वाऩस ककमा गमा है वह उसे काननुय कामायरा भें ्रतस्तवत
		कयें जो उसके मरमे सं भ कामायरम है।

3.	1	भौजा गुतनी के 2 आना टहस्ट्से का फन्धक-ऩत्र जो „अ" ने „स" के ह भें मरखा हे जजसके मभटामे गमे शब्दों को ्रतभाणीकृत नह ककमा गमा हैं धाया 20 के मरमे ्रतस्ट्तुतकताय को 15-3-1918 वाऩस ककमा।
4.	1 फहक एक जजल्द 191 का क्रभाॊक	क्रभाॊक 1 ऩय उजल्र्खत रेखऩत्र करेतटय द्वाया ्रतभार्णत ककमे ज के फाद वाऩस ्रताप्त हुआ जजसका याशीकयण आज टदनाॊ 18.04.1908 को ऩ या ककमा गमा।
5.	8	„न" द्वाया „ऩ" के हक भें ग्राभ ऊऩय काटे भकान का फैनाभ आज 20 1908 को „ऩ" द्वाया ्रतस्ट्तुत ककमा गमा। „न" उऩजस्ट्थत नह हुआ। „न" को उऩजस्ट्थत तक के मरमे यजजस्ट्रककयण स्ट्थध ककमा गमा।
6.	...	„य" द्वाया रेखऩत्र सॊख्मा 101 फहक प्प्् जजल्द 100 की नकर आवेदन अस्ट्वीकाय ककमा गमा तमोंकक मह वसीमत है अ वसीमतकताय जीववत है।
7.	3 फहक I जजल्द 23क्रभाॊक 190	क्रभाॊक 3 ऩय उजल्र्खत रेखऩत्र धाया 20 के अनुऩारन के फाद ऩेश हु औय टदनाॊक 20-5-1908 को उसका यजजस्ट्रककयण ककमा गमा।
8.	5 फहक I जजल्द 25 का क्रभाॊक 314	क्रभाॊक 5 ऩय उजल्र्खत रेखऩत्र भें „न" उऩजस्ट्थत हुआ औय उ ननष्ऩादन स्ट्वीकाय ककमा औय यजजस्ट्रककयण आज 28-5-1908 ककमा गमा। आटद आटद।

प्रक्रिमा

िहण कयने से ऩहरे

284. ऐसे रेखऩत्रों का यजजस्ट्रीकयण जजसभें उऩ-यजजस्ट्राय का कोई हहत हो मा जजससे िह सम्फजन्धत हो- उऩ-यजजस्ट्रायों द्वाया ऐसे रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण ककमा जाना। जजससे वे व्मजततगत रूऩ से सम्फजन्धत हो, मा जजसभें उनका टहत ननटहत हो, वजजयत है, ऐसे रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण जजरा यजजस्ट्राय द्वाया यजजस्ट्रककयण पीस सायणी के अनुच्छेद चाय भें ननधायरयत अनतरयतत पीस मरमे बफना ककमा जा सकता है।

285. रेखनत्र का ऩयीं ण- जफ कोई रेखऩत्र यजजस्ट्रककयण के मरमे ऩेश हो तो जजन बफन्दुओं ऩय यजजस्ट्रककताय अधधकायक का ध्मान केजन्द्रत ककमा जाना होता है उनका साय मह है-

(1) तमा रेखनत्र यजजस्ट्रककयण उसके ि्े त्राधधकाय भें है?

(2) तमा रेखनत्र कारवाधधत तो नहकॊ है?

(3) तमा रेखनत्र धाया 19, 20 औय 21 के अधीन उ्नन्न हो सकने वारक आनज्तमों से भुतत है?

(4) तमा रेखनत्र नमायप्त रूऩ से स्ट्ाजम्नत है?

(5) तमा रेखनत्र सं भ व्मजतत द्वाया नेश ककमा गमा है?

(6) तमा रेखनत्र का ननष्ऩादन उसी व्मजतत द्वाया ककमा गमा है जजसके द्वाया ननष्ऩादन ककमा जाना अमब्रतेत है?

286. त्राधधकाय का नयीं ण- जफ कोई रेखनत्र ककसी यजजस्ट्रककयण कामायरम भें ्रतस्ट्तुत ककमा जामे तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक उसकी जाॉच मह जानने के मरमे कयेगा कक तमा उसे उस रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण कयने का अधधकाय है औय इस ववषम नय उसे यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के बाग नाॉच व आठ का अध्ममन कयना चाटहमे, त्राधधकाय के द्दजष्टकोण से रेखनत्रों को चाय वगों भें वगीकृत ककमा जा सकता है -

(1) धाया 17 के खण्ड (ए) से (डी) तक तथा धाया 18 के खण्ड (ए) से (सी) तक भें वर्णयत अचर सम्नज्त से सम्फजन्धत रेखनत्र।

(2) वसीमतनाभे औद द्तक ग्रहण अधधकाय नत्र।

(3) न्मामारम की डडकक्रमों औय आदेशों की नकरें।

(4) अन्म सफ रेखनत्र।

थभ वगय के रेखनत्रों को उस यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया यजजस्ट्रककयण के मरमे ग्रहण ककमा जा सकता है जजसके जजरे मा उननजजरे भें त्सम्फजन्धत सम्नज्त को कोई बाग जस्ट्थत हो। द सये वगय के रेखनत्रों का यजजस्ट्रककयण ककसी बी कामायरम भें ककमा जा सकता है। डडक्री मा आदेश की नकर का यजजस्ट्रककयण उस उन यजजस्ट्राय के कामायरम भें ककमा जा सकता है जजसके उन-जजरे भें वह डडक्री मा आदेश नारयत ककमा गमा हो मा मटद उससे अचर सम्नज्त ्रतबाववत न होती हो तो याज्म सयकाय के अधीन ककसी बी उन-यजजस्ट्राय के कामायरम भें, जहाॉ आदेश मा डडक्री के अधीन सफ दावेदाय उस नकर का यजजस्ट्रककयण कयना चाहे हो सकता है, चौथे वगय का रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण मा तो उस उन-यजजस्ट्राय के कामायरम भें ककमा जा सकता है जहाॉ उसका ननष्ऩादन हुआ हो मा मटद ननष्ऩादनकताय मा दावेदाय चाहे तो याज्म सयकाय के अधीन ककसी अन्म उन-यजजस्ट्राय के कामायरम भें ककमा जा सकता है।

287. जफ यजजस्ट्रीकताा अधधकायी का ि्े त्राधधकाय न हो तो प्रकक्रमा- मटद यजजस्ट्रककताय अधधकायक को मह ाात हो कक ्रतस्ट्तुत रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण उसके ि्े त्राधधकाय भें नहकॊ है

तो वह रेखनत्र नय मह नृष्ठोोकन कय „सं

भ कामायरम भें ्रतस्त्ुत ककमे जाने के मरमे वानस„

उसे ्रतस्त्ुतकताय को वानस कय देगा औय उसे स धचत कयेगा कक उसका यजजस्ट्रककयण ककस कामायरम भें कयामा जा सकता है। इस घटना की ्रतववजष्ट उसी सभभ मभनट फहक भें बी की जानी चाटहमे। (ननमभ 280)

288. सभमाि धध का नयीं ण- मटद यजजस्ट्रककताय अधधकायक सन्तुष्ट हो जामे कक रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण उसके ्ं त्राधधकाय भें है तो तफ उसको मह जानने के मरए उसका नयक ण कयना चाटहमे कक रेखनत्र यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के बाग नोंच भें ननधायरयत सभमावधध के अन्दय ्रतस्त्ुत ककमा गमा है। धाया 26 उन रेखनत्रों से सम्फजन्धत है जजनका ननष्नादन याज्म के फाहय हुआ हो जजन नय नीचे अरग से ववचाय ककमा जामेगा। अन्म सफ ्रतकाय क रेखनत्रों के फाये भें, कुछ अनवादों को छोड़कय ववधधक ्रताववधान मह है। [धाया 23, 23-ए औय धाया 34की उनधाया (1)] कक रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण के मरए ्रत स्त्ुत ककमा जाना तथा ननष्नादनकतायओं का उनजस्त्थत होना दोनो कक्रमामें ननष्नादन की तायकख से चाय भाह के अन्दय हो जानी चाटहमे। मह बी ्रताववधान है कक दण्ड आयोवनत कयने नय चाय भाह की अगरक अवधध बी स्त्वीकृत की जा सकती है।

(1) जफ ककसी ्वयत आवश्मकता मा अनरयहामय आकजस्त्भकता के कायण रेखनत्र नहरे चाय भाह के अन्दय ्रतस्त्ुत नहकों ककमा जा सके, (धाया 25)

(2) जफ रेखनत्र के ्रतस्त्ुत हो जाने के फाद ननष्नादनकताय ककसी ्वयत आवश्मकता मा अनरयहामय आकजस्त्भकता के कायण ननष्नादन स्त्वीकाय कयने के मरए उनजस्त्थत न हो सके मा उनजस्त्थनत होने के मरए फाध्म न ककमा जा सके (धाया 34 का नयन्तुक)।

289. असत्मावनत कटे पटे इत्माहद के विषमक भें नयीं ण- जफ रेखनत्र ननधायरयत सभमावधध के अन्दय ्रतस्त्ुत ककमा गमा हो तो यजजस्ट्रककता अधधकायक को देखना चाटहमे कक उसभें यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 20 भें वर्णयत ्रतकाय कोई अन्तरेखन, रयतत स्त्थान, मभटामे शब्द, मा कटे-पटे तो नहकों है जजसका स्मानन न ककमा गमा हो, औय अचर सम्नज्त से सम्फजन्धत रेखनत्रों भें सम्नज्त का वणयन इतना नमायप्त है कक उसे नटहचाना जा सके। मटद वह ककसी बी बफन्दु नय सन्तुष्ट नहकों है औय मटद कभी को तुयन्त न या नहकों ककमा जा सकता हो तो उस रेखनत्र नय मह शब्द मरखकय धाया 20 मा जैसी बी जस्त्थनत हो, के अनुनारन के मरए वानस उसे ्रतस्त्ुतकताय को वानस कय देना चाटहमे ताकक वह दोनों को द य कय सके। इस घटना की ्रत

ववजष्ट मभनट फहक भें की जानी चाटहमे (ननमभ 280) ववदेशी रेखनत्रों को तफ

तक ग्रहण नहकों ककमा जाना चाटहए जफ तक कक उनके साथ धाया 19 द्वाया ननदेमशत नकर तथा अनुवाद बी ्रतस्तुत न हो, औय न 21 (4) भें वर्णयत ्रतकाय के रेखनत्रों को ग्रहण ककमा जाना चाटहमे जफ तक उनके साथ नकरे मा येखाधचत्रों की नकरें ्रतस्तुत न की जामें।

290.जफ यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्तुत ककसी रेखनत्र के अन्तरेखन हो मा शुवद्धकयण ककमा गमा हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक रेखनत्र के ननष्नादकों से उननय रघु मा न ये हस्ता ंयों से उनका स्मानन कयामेगा। मटद नं कायों भें से कोई मा सफ मरख नढ़ नहकों सकते तो उन-यजजस्ट्राय उनकी अन्तरेखन मा शुवद्धकयण को नढ़कय सुनामेगा औय ऐसा कयने का ्रतभाणक नृष्ठाोकन भें अोककत कयेगा औय मह बी मरखेगा कक नंकायों ने उनसे सहभनत व्मतत की।

291. स्टाम्न सम्फन्धी नयी ं

ण- जफ कोई रेखनत्र ककसी यजजस्ट्रककयण कामायरम भें ्रत स्तुत ककमा जामे तो यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 52 ननदेमशत नृष्ठाोकन ननमभ 384 के खण्ड ,,क,, भें टदमे गमे ्रतारून भें मरखकय उस नय यजजस्ट्रककताय अधधकायक औय रेखनत्र के ्रतस्तुतकताय द्वाया हस्ता ं य ककमे जामेंगे केवर उन भाभरों को छोड़कय जजनका ननमभ 284से 289 तक तथा ननमभ 302 भें उल्रेख ककमा गमा है। उतत नृष्ठाोकन मरखने के फाद यजजस्ट्रककताय अधधकायक का नहरा कतयव्म मह है कक वह रेखनत्र का नयकंण मह सुननजश्चत कयने के मरए कये कक रेखनत्र मथाववधध स्टाजम्नत है मा स्टाम्न शुल्क से भुतत है। जफ ऐसे नयकंण से मह ाात हो कक रेखनत्र मथाववधध स्टाजम्नत नहकों है तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस नय ननधायरयत पीस वस र कयेगा औय त्नश्चात धाया 58 औय 59 द्वाया ननदेमशत नृष्ठाोकन मरखेगा नयन्तु धाया 60 के अनुसाय यजजस्ट्रककयण कयने से नहरे यजजस्ट्रककयण कामायरम भें अधग्रभ कामयवाहक योक दक जामेगी औय रेखनत्र को तुयन्त जब्त कय 1899 के अधधननमभ दो की धाया 38 के खण्ड (2) के अनुसाय जजरे के करेतटय को बेज टदमा जामेगा। जफ करेतटय द्वाया उस नय स्टाम्न अधधननमभ की धाया 40 (ए) मा 42 जैसी बी जस्थनत हो, भें ननदेमशत ्रतभाणक अोककत कय टदमा जामे तफ कामयवाहक कपय ्रत ायम्ब कय न यक की जामेगी। स्टाम्न अधधननमभ के अधीन जब्त ककमे गमे रेखनत्रों को करेतटय के नास जजरा यजजस्ट्राय के भाध्मभ से बेजा जामे। ्रत् मेक उननयजजस्ट्राय उसके द्वाया जब्त ककमे गमे रेखनत्रों का एक यजजस्टय नरयमशष्ट एक के ्रतारून् 15 भें यखेगा।

नोट-(क) ककसी ऐसे रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण कयने नय, जजस नय स्टाम्न शुल्क की जो यामश अदा की गई हो वह उस यामश से, जो वास्तव भें उस नय ्रतबामय थी, इस कायण से कभ हो कक ककसी नहरे यजजस्ट्रककृत रेखनत्र नय स्टाम्न शुल्क अदा ककमा जा चुका था तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक फहक एक मा चाय के शीषयक भें ,,स्टाम्न का भ ल्म,, सम्फन्धी खाने भें नहरे ननष्नाटदत ववरेख नय अदा ककमे गमे स्टाम्न शुल्क की यामश को अोककत कयेगा।

नोट- (ख) जफ रेखनत्र उन-यजजस्ट्राय द्वाया जब्त ककमा गमा हो, तो स्ट्राम्न अधधननमभ के ्रतावधानों भें जजरा यजजस्ट्राय को मह अधधकाय नहकों है कक वह उसको मथाववधध स्ट्राजम्नत
घोवषत कय उसको करेतटय को न बेजे। अरफत्ता उसनय अननी याम से करेतटय को अवगत कयाने भें कोई आनजत्त नहकों है। (शासनादेश सॊख्मा 1074/छ्-225/1909 टदनाॊक 11.11.1909)

नोट- (ग) बायत के गजट भें टदनाॊक 4.1.1913 भें ्रतकामशत अधधस चना सॊख्मा 683एप-टदनाॊक 28.12.1912 के अनुसाय 1912 के अधधननमभ 2 के अधीन नॊजीकृत सहकायक समभनत द्वाया मा की तयप से ननष्नाटदत रेखनत्रों मा समभनत के धन्धे से सम्फजन्धत समभनत के सदस्म मा कभयचायक द्वाया ननष्नाटदत रेखनत्रों नय स्ट्राम्न शुल्क भाप ककमा गमा है।

[टटप्नणी-इस अधधस चना भें अफ अनेक नरयवतयन हो चुके हैं।]

292. प्रस्तुतीकयण का स्थान- साभान्मत् यजजस्ट्रककयण के मरमे रेखनत्र यजजस्ट्रककयण कामायरम भें ्रतस्तुत ककमा जाना चाटहमे ककन्तु धाया 31 के अधीन ववशेष कायण टदखामे जाने नय यजजस्ट्रककताय अधधकायक ककसी व्मजतत के, जो रेखनत्र ्रतस्तुत कयना चाहे, के ननवास स्थान नय जाकय उस रेखनत्र को यजजस्ट्रककयण के मरए ग्रहण कय सकता है। इस सुववधा का मह अथय नहकों रगामा जाना चाटहमे कक यजजस्ट्रककताय अधधकायक अनने ननवास स्थान नय रेखनत्रों को यजजस्ट्रककयण के मरए ग्रहण कय सकता है।

293. आिेदनों नय कोटा पीस स्ट्राम्न- धाया 31 औय 38 के अधीन कभीशन जायक कयने मा धाया 31, 33 मा 38 के अधीन यजजस्ट्रककताय की ककसी ननवास स्थान मा जेर नय चाहने मा धाया 36 के अधीन सभन जायक कयने मरखखत आवेदनों नय कोई कोटय पीस देम नहकों है। यजजस्ट्रककताय अधधकायक की ननजी आवास नय उनजस्थनत चाहने का आवेदन आवेदक के भुख्ताय सम्फन्धी मा सेवक द्वाया ्रतस्तुत की जा सकती है मा डाक से बेजा जा सकता है ककन्तु ऐसे भाभरों भें रेखनत्र उसी व्मजतत द्वाया ्रतस्तुत ककमा जाना चाटहमे जो अनने ननवास स्थान यजजस्ट्रककयण के मरए रेखनत्र ्रतस्तुत कयना चाहता है।

294. धाया 25 और 34- ्वरयत आवश्मकता मा अनरयहामय आकजस्भकता की नरयजस्थनतमों भें ्रतस्तुनतकयण के मरए 4 भाह का ववरम्फ औय उनजस्थनत के मरए बी उसी अवधध का ववरम्फ स्वीकामय है औय मे दोनों अवधधमाॊ एक हक रेखनत्र के सम्फन्ध भें भोज य की जा सकती है, मटद कोई ्वरयत आवश्मकता मा अनरयहामय आकजस्भकता नैदा हो जामे जजससे रेखनत्र का ्रतस्तुत ककमा जाना औय ननष्नादनकतायओं का उनजस्थत होना सम्बव न हो सके, (धाया 25 औय 34) मे दोनों अवधधमों बफरकुर अरग-अरग है औय अरग ्रत
मोजनों के मरए औय यजजस्ट्रककयण ्रतकक्रमा को अरग-अरग अवस्थाओं भें भोज य की जाती है। इन दोनों ्रतावधानों का अन्तय फहुत भहत्न णय है औय मटद उसे ध्मान

भें यखा जामे तो ननम्नमरर्खत अनुदेश आसानी से सभझे जा सकते हैं।

295.ननष्नादनकताय के ननष्नादन की तायकख से चाय भाह के अन्दय उऩजस्थत न होने ऩय ्रतकक्रमा-

(1) जफ रेखऩत्र यजजस्ट्रककयण के मरए उऩ-यजजस्ट्राय के सभऺ धाया 23 के अधीन ननधायरयत माने उसके ननष्नादन के चाय भाह के अन्दय ्रतस्तुत ककमा गमा हो औय ननष्नादनकताय उस अवधध भें ननष्नादन स्वीकाय कयने के मरए उऩजस्थत नहकों होता है, औय भाभरा ननमभ 249 द्वाया आच्छाटदत नहकों होता हो, तो उस अवधध के सभाप्त होने के तुयन्त फाद रेखऩत्र के यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमे जाने का औऩचारयक आदेश ऩारयत ककमा जामेगा, जजन्होंने कक मटद ऩंकाय चाहे तो आदेश की तायकख से 30 टदन के अन्दय धाया 72के अधीन जजरा यजजस्ट्राय के सभऺ अऩीर कय सके।

ऩयन्तु मटद चाय भहकने की अवधध सभाप्त होने ऩय ननष्नादनकताय की उऩजस्थनत कयवाने के
मरमे धाया 36 की कामयवाहक अबी रजम्फत हो
औय ननष्नादनकताय उऩजस्थत न हुआ हो तो
इन्कायक का औऩचारयक आदेश ककमे बफना भाभरा जजरा यजजस्ट्राय को सन्दमबयत ककमा जामे, ऩयन्तु मटद सभन ववधधवत ताभीर हो चुका हो औय ननष्नादनकताय उऩजस्थत होने से इन्काय कये मा, भें गपरत कये, तो चाय भाह की अवधध की सभाजप्त की ्रतती◌ं ◌ा ककमे बफना ननमभ 249 के अनुसाय इन्कायक का औऩचारयक आदेश कय टदमा जामेगा।

(2) उऩ-ननमभ (1) के अधीन सौंदमबयत भाभरे भें जजरा यजजस्ट्राय अवधध फढ़ामे जाने मा उऩयजजस्ट्राय को रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण कयने का ननदेश देने का आदेश तफ तक ऩारयत नहकों कयेगा जफ तक मह ्रतदमशयत न ककमा जामे कक ननष्नादनकताय की अनुऩजस्थनत ्वरयत आवश्मकता मा अऩरयहामय आकजस्भकता के कायण हुई।

296.धाया 25 के अधीन जुभायना अदा ककमे जाने के फाद बी रेखऩत्र के ननष्नादन की तायकख से 8 भाह के अन्दय बी ननष्नादनकताय के उऩजस्थनत न होने ऩय ्रतकक्रमा-

(1) मटद ककसी रेखऩत्र को ्रतस्तुत कयने की अवधध धाया 25 के अधीन फढ़ाई गई हो औय ननष्नादनकताय ननष्नादन की तायकख से आठ भाह के अन्दय उऩजस्थत नहकों होना है औय भाभरा ननमभ 249 द्वाया आच्छाटदत नहकों होता हो, तो उस अवधध की सभाजप्त के तुयन्त फाद उऩ-यजजस्ट्राय इन्कायक का औऩचारयक आदेश अ◌ोककत कय देगा ताकक मटद ऩंकाय चाहे तो उस आदेश के तीस टदन के अन्दय धाया 72 के अधीन जजरा यजजस्ट्राय के सभऺ अऩीर कय रे।

ऩयन्तु मटद ननष्ऩादनकताय की उऩजस्थ्नत कयवाने के मरए कामयवाहक आठ भाह की सभाजप्त ऩय अमबरजम्फत हो औय ननष्ऩादनकताय उऩजस्थ्त न हुआ हो तो भाभरा बफना इन्कायक का औऩचारयक आदेश अ◌ोककत ककमे जजरा यजजस्ट्राय को सौंदमबयत ककमा जामेगा। ऩयन्तु जफ सभन ववधधवत ताभीर हो गमा हो औय ननष्ऩादनकताय उऩजस्थ्त होने से इनकाय कये, मा भें गपरत कये तो ननमभ 249 के अधीन आठ भाह की सभाजप्त ऩय इन्कायक का औऩचारयक आदेश अ◌ोककत ककमा जामेगा।

(2) उऩ-ननमभ (1) के अधीन सौंदमबयत भाभरे भें जजरा यजजस्ट्राय सभमावधध फढ़ामे मा उऩ-यजजस्ट्राय को रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण कयने का आदेश तफ तक नहकों देगा जफ तक मह ्रतदमशयत न कय टदमा जामे कक ननष्ऩादनकताय के अनुऩजस्थ्नत का कायण ्वरयत आवश्मकता मा अऩरयहामय आकजस्भकता थी।

297. धाया 26-उऩयोतत ननदेमशकामें धाया 26 के अधीन ्रतस्त्तुत रेखऩत्रों ऩय बी राग होती है अन्तय केवर मह है कक उन भाभरों भें ऩटहरे चाय भाह तथा फढ़ामे गमे आठ भाह की अवधध की गणना उसके ननष्ऩादन की तायकख से न कय उसके याज्मों भें ्रताप्त होने की तायकख से की जामेगी। मे रेखऩत्र उनकी याज्मों भें ्रताजप्त के फाद से आठ भहकने से अधधक अवधध के मरमे ककसी बी दशा भें रजम्फत नहकों यखे जा सकते ऐसे रेखऩत्रों के भाभरे भें जजनका कुछ व्मजततमों द्वाया ननष्ऩादन याज्मों के अन्दय औय कुछ द्वाया फाहय ककमा गमा हो को ्रतस्त्तुतकताय अऩनी इच्छानुसाय रेखऩत्र को धाया 26 के स्थ्थान ऩय धाया 23, 24 मा 25 के अधीन ्रतस्त्तुत कयने के ववकल्ऩ का उऩमोग कय सकता है औय मटद वह ऐसा कयता है तो ऐसे रेखऩत्रों के सम्फन्ध भें उन धायाओं से सम्फजन्धत ऊऩय टदमे गमे ननदेश राग होंगे। धाया 23मा 24 के अधीन ्रतस्त्तुत रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण उनके ननष्ऩादन के आठ भाह के फाद धाया 25 के अधीन ्रतस्त्तुत रेखऩत्रों का उनके ननष्ऩादन के 12 भाह के फाद औय धाया 26 के अधीन ्रत स्त्तुत ककमे गमे रेखऩत्रों का उनके याज्मों भें ्रत ◌ाप्त होने के आठ भाह फाद यजजस्ट्रककयण इन्काय कय टदमा जाना चाटहए।

298.उऩयोतत ननदेश (ननमभ 295, 296 औय 297) इस शतय से ्रतनतफजन्धत है कक मटद उऩ-यजजस्ट्राय को ववश्वास हो कक ननष्ऩादनकताय की अनुऩजस्थ्नत जानफ झकय मा गपरत के कायण है तो वह भाभरे को जजरा यजजस्ट्राय को सौंदमबयत ककमे बफना तुयन्त इन्कायक अ◌ोककत कय सकता है औय ऐसी दशा भें मह इन्कायक ननमभ 249 के अनुसाय ननष्ऩादन अस्त्वीकाय ककमे जाने के आधाय ऩय होगी।

299.रेखऩत्र को ्रतस्त्तुत कयने मा ननष्ऩादन स्त्वीकाय कयने के मरमे अधधननमभ द्वाया ननधायरयत मा जजरा यजजस्ट्राय द्वाया ववस्त्तारयत सभमावधध मटद ऐसे टदन सभाप्त होवें जजस टदन यजजस्ट्रककयण कामायरम फन्द हो तो जनयर तराजेज अधधननमभ (1897 का दसवाॉ) की धाया 10 के अनुसाय मटद ्रतस्त्तुनतकयण मा स्त्वीकायण ऩश्चात कामायरम खुरने के ऩटहरे टदन ककमा जामे तो उसे सभमावधध के अन्दय ककमा भाना जामेगा।

300. यजजस्ट्रीकयण के शरए रेखन्नत्र प्रस्ट्तुत कयने के शरए अधधकृत व्मजक्त- मटद रेखन्नत्र के ऊन्नय मरर्खत कोई आन्नज्त्तमााँ न हो तो रेखन्नत्र को अजन्तभ रूऩ से ग्रहण कयने के न्नटहरे यजजस्ट्रककताय अधधकायक को स्ट्वमॊ की सन्तुष्ट कय रेना चाटहए कक उसको ्रतस्ट्तुत कयने
वारा व्मजतत वास्ट्तव भें उसे ्रत
स्ट्तुत कयने का ववधधक अधधकाय यखता है। रेखन्नत्र को
यजजस्ट्रककयण के मरमे ननम्नमरर्खत व्मजतत ्रतस्ट्तुत कय सकते हैं-

(क) वसीमत के भाभरे भें वसीमतकताय औय उसकी भृमु के फाद वह व्मजतत जो उसके अनुसाय कताय हो, अन्मथा दावेदाय हो।

(ख) दतक ग्रहण अधधकाय-न्नत्र के भाभरे भें अधधकायदाता औय उसकी भृमु के फाद अधधकाय न्नाने वारा मा दतक न्नुत्र।

(ग) डडक्री मा आदेश की नकर के भाभरे भें, डडक्री मा आदेश भें दावेदाय व्मजतत।

(घ) अन्म ककसी भाभरे भें रेखन्नत्र का ननष्न्नादनकताय का दावेदाय।

(ङ) उन्नयोतत भें से ककसी का ्रतनतननध मा एसाइन।

(च) उन्नयोतत भें से ककसी का भुख्ताय।

नोट- जफ यजजस्ट्रेशन अधधननमभ मा उसके अधीन फनामे गमे ककसी उन्न ननमभ के अनुसाय ककसी रेखन्नत्र के ननष्न्नादनकताय मा दावेदाय को उस रेखन्नत्र के सम्फन्ध भें कोई कामयवाई कयने का अधधकाय ्रताप्त हो मा अ्रतेक्षक्षत हो औय रेखन्नत्र का ननष्न्नादन नगयन्नामरका मा जजरा फोडय की तयप से ककमा गमा हो मा नगयन्नामरका मा जजरा फोडय रेखन्नत्र भें दावेदाय हो तो उतत अधधननमभ भें मा उसके अधीन फनामे गमे ननमभों भें कुछ बी अन्मथा होने के फावज द वह कामयवाई (1) नगयन्नामरका के भाभरे भें न्नामरका के अध्म , अधधशासी अधधकायक मा सधचव मा न्नामरका द्वाया उस ्रतमोजन के मरमे अधधकृत ककसी व्मजतत द्वाया औय जजरा फोडय के भाभरे भें फोडय के अध्म मा इस ्रतमोजन के मरमे उन्नननमभों द्वाया अधधकृत ककसी अन्म अधधकायक द्वाया की जा सकती है।

301. प्रनतननधध, एसाइन मा भुख्ताय द्ािाया प्रस्ट्तुनतकयण- रेखन्नत्र जजसका ननष्न्नादन भुख्म व्मजतत द्वाया ककमा गमा हो, मटद ्रतनतननधध मा एसाइन द्वाया ्रतस्ट्तुत ककमा जाता है तो ्रतस्ट्तुतकताय को अन्ननी ्रताजस्ट्थनत (स्ट्टेटस) के फाये भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक को सन्तुष्ट कयना होगा। मटद भुख्ताय द्वाया ककमा जामे तो उसको यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 33 के अनुसाय ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभा न्नेश कयना होगा न्नयन्तु भुख्म व्मजतत द्वाया इस ्रतमोजन के मरमे टदमे गमे अधधकाय के अनुसयण भें भुख्ताय द्वाया ननधायरयत रेखन्नत्रों द्वाया भुख्म व्मजतत द्वाया ननष्न्नाटदत औय ्रत स्ट्तुनतकयण के मरमे अधधकृत भुख्ताय द्वाया ्रत स्ट्तुत रेखन्नत्रों को अन्तय सभझने भें सभझदायक से काभ मरमा जाना चाटहए। यजजस्ट्रककताय अधधकायक का मह कतयव्म नहकॊ है कक वह स्ट्वमॊ को इस फात के मरमे सन्तुष्ट कयें

कक जफ भुख्ताय स्ट्वमॊ हक रेखनन्त्र का ननष्ऩादन कयता है तो भुख्ताय ननष्ऩादन कयने के मरमे अधधकृत है मा नहकॊ, माने उस सम्ऩजत्त का रेन-देन कयने का अधधकृत है मा नहकॊ जो रेखनन्त्र की ववषम वस्तु है। यजजस्ट्रककताय अधधकायक इस अधधकाय की ऩुजष्ट का कोई अमबरेखन नहकॊ कयता। उसका कतयव्म तो केवर इतने तक हक सीमभत है कक रेखनन्त्र का ननष्ऩादन वास्तव भें उसी व्मजतत द्वाया ककमा गमा है जजसके द्वाया उसका ननष्ऩादन अमब्रतेत है। इसकी तीन अवस्थामें हो सकती हैं-

(1) जफ रेखनन्त्र का असर ननष्ऩादनकताय मा दावेदाय उऩजस्थत हो।

(2) जफ ऐसे व्मजतत का ्रतनततननधध मा एसाइन उऩजस्थत हो।

(3) जफ उऩयोतत भें से ककसी का भुख्ताय उऩजस्थत हो।

ऩहरक अवस्था भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक को केवर मह जानना है कक उसके सभ्उऩजस्थत व्मजतत ननष्ऩादन स्ट्वीकाय कयता है मा नहकॊ औय उसकी ऩहचान सहक है। उसको इस फात से कोई सयोकाय नहकॊ है कक रेखनन्त्र ऩय हस्ता्ंय कयने के मरमे ननष्ऩादनकताय की हैमसमत तमा थी। द सयक अवस्था वारे भाभरे भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक को ्रत ततननधध मा एसाइन के उस रूऩ भें उऩजस्थत होने तथा ननष्ऩादन स्ट्वीकाय कयने की हैमसमत के सम्फन्ध भें स्ट्वमॊ को सन्तुष्ट कयना होता है। तीसयक अवस्था के भाभरे भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक को केवर मह देखना होता है कक उऩजस्थत भुख्ताय को धाया 33 भें ननधायरयत ववधध से उऩजस्थत होने औय ननष्ऩादन स्ट्वीकाय कय भुख्म व्मजतत अथायत रेखनन्त्र का ननष्ऩादनकताय मा उसके अधीन दावेदाय मा ्रतनततननधध मा एसाइन को आफद्ध कयने के मरमे ववधधवत अधधकृत ककमा गमा है। मटद भुख्तायनाभा ऐसी बाषा भें हो जजसे यजजस्ट्रककताय अधधकायक न सभझता हो औय जो उस जजरे भें साभान्मतमा ्रतमोग नहकॊ होती तो वह रेखनन्त्र के साथ उसका अनुवाद बी ्रतस्तुत कयामेगा।

302. अनाधधकृत व्मजक्त द्ायया प्रस्तुनतकयण- मटद यजजस्ट्रककताय अधधकायक को ात हो कक रेखनन्त्र को ्रत स्तुत कयने वारा व्मजतत उसको ्रत स्तुत कय सकने के मरमे कान नन अधधकृत नहकॊ है उसको रेखनन्त्र मह ऩृष्ठाॊकन कयना चाटहमे श्री.............................. ने ्रतस्तुत ककमा जो उसको ्रतस्तुत कयने के मरमे कान न अधधकृत नहकॊ है। इस घटना की ्रतववजष्ट उसी सभम मभनट फहक भें बी की जानी चाटहमे। यजजस्ट्रेशन अधधननमभ 1908 भें 1917 के अधधननमभ 15 से ककमे गमे सॊशोधन से जोड़ी गई धाया 23 ए, यजजस्ट्रककताय अधधकायक को अनाधधकृत व्मजतत से ्रतस्तुनतकयण ग्रहण कयने का अधधकाय नहकॊ देती, वह धाया केवर ऩटहरे की गई गरनतमों को सुधायने के मरमे फनाई गई है।

303. सयकायी कभाचायी उऩजस्थनत से भुक्त- सयकायक अधधकायक मा अधधननमभ की धाया 88 की उऩधाया (1) भें वर्णयत ककसी व्मजतत को उसके द्वाया अऩने ऩद के अधधकाय से ननष्ऩाटदत मा उसके हक भें ननष्ऩाटदत ककसी रेखनन्त्र के यजजस्ट्रककयण की ्रतकक्रमा के सम्फन्ध भें ककसी यजजस्ट्रककयण कामायरम भें व्मजततगत रूऩ से मा भुख्ताय के भाध्मभ से उऩजस्थत होना मा धाया 58 के

ननदेशानुसाय हस्ता्ं य कयना आवश्मक नहकों होगा। मटद ऐसा कोई व्मजतत मा व्मजततगण ककसी रेखन्नत्र को यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रतस्तुत कयने के अधधकायक हो तो वे उस रेखन्नत्र को वाहक द्वाया मा डाक से यजजस्ट्रककताय अधधकायक के न्नास बेज सकते हैं ,,,,उसके द्वाया मा उसके हक भें ननष्न्नाटदत,,,, वातम उन अधधकारयमों मा अन्म व्मजततमों के जो,
रेखन्नत्र ्रतस्तुत कयने के मरमे अधधकृत हो, उनके न्न वय न्नदाधधकारयमों द्वाया ननष्न्नाटदत रेखन्नत्रों के मरमे बी राग होंगे।

िहण कयने के फाद की प्रक्रिमा

304. यजजस्ट्रीकयण के शरमे िहण कयने औय उन्नजस्थत व्मजक्तमों की न्नहहचान की प्रक्रिमा- जफ कोई रेखन्नत्र यजजस्ट्रककयण के मरमे ग्रहण ककमा जामे तो उस न्नय ननधायरयत पीस वस र की जावे औय स्माहे भें आवश्मक ्रतववजष्ट की जावे। तफ यसीद का ्रतनतन्नणय तैमाय ककमा जामे औय रेखन्नत्र तथा पीस की यसीद ्रतस्तुतकताय को दक जावे। उसके फाद बफना अनावश्मक ववरम्फ के यजजस्ट्रककताय अधधकायक मह न्न छेगा कक रेखन्नत्र का ननष्न्नादन कधथत ननष्न्नादनकताय ने ककमा है औय अन्नने साभने ननष्न्नादन स्ट्वीकाय कयने के मरमे उन्नजस्थत व्मजतत की न्नटहचान के सम्फन्ध भें स्ट्वमॊ को सन्तुष्ट कयेगा। उसको इस फात के मरमे बी स्ट्वमॊ को सन्तुष्ट कय रेना चाटहमे कक जजस व्मजतत ने ननष्न्नादन स्ट्वीकाय ककमा है उसने रेखन्नत्र को न्नढ़ कय रेखन्नत्र की अन्तवयस्तु को सभझ मरमा है औय मटद वह व्मजतत अन्नढ़ हो मा रेखन्नत्र को न्नढ़ने मा सभझने की ्ं भता नहकों यखता हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक उसे रेखन्नत्र के ्रतकाय औय
उसकी अन्तयवस्तु को सभझा देगा। मटद ्रत
स्तुतकताय स्ट्वमॊ हक ननष्न्नादनकताय हो मा उसका ्रत
नतननधध एसाईन मा भुख्ताय हो औय मटद ऐसा ननष्न्नादनकताय, ्रतनतननधध, एसाइन मा भुख्ताय उन्नजस्थत हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक उससे तुयन्त हक उतत न्न छ-ताछ कयेगा।

मटद यजजस्ट्रककताय अधधकायक ननष्न्नादनकतायओॊ से स्ट्वमॊ न्नरयधचत न हो तो वह उनसे उनकी न्नटहचान ्रतभार्णत कयने वारे व्मजतत ्रतस्तुत कयने को कहेगा, ऐसे व्मजतत मटद सम्बव हो, यजजस्ट्रककताय से व्मजततगत रून्न से न्नरयधचत व्मजतत होने चाटहमे औय ऐसा न होने न्नय वे ्रतकटत् सम्रान्त व्मजतत होने चाटहमे जजन साक्षमों को यजजस्ट्रककताय अनघकायक स्ट्वमॊ न जानता हो उनके ननशान अ्ॊग ठा उसी ्रतकाय मरमे जावेंगे जैसा ननष्न्नादनकतायओॊ के (ननमभ 308 जहाॊ तक वह उन्नमुतत है) ककसी न्नं
काय मा सा्ं्ी की कोई शायकरयक ववशेषता, मा ्रतभुख शायकरयक ववकृनत को न्नृष्ठाॊकन भें अ्ॊककत ककमा जाना चटहमे ककन्तु सॊदेहजनक भाभरों को छोड़कय उनका ववस्तृत वववयण मरखा जाना आवश्मक नहकों है। मह ्रतकक्रमा धाया 34 द्वाया ननधायरयत ्रतकक्रमा का स्थान नहकों रेती फजल्क उसके अनतरयतत है, जजसभें

कहा गमा है कक यजजस्ट्रककताय अधधकायक उनकी ऩटहचान के फाये भें स्ट्वमॊ को सन्तुष्ट कयेगा। ववस्ट्तृत वववयण स्ट्वमॊ भें ऩटहचान का ्रतभाण नहकॊ है।

305. आंात मा अप्रनतजष्ठत व्मजक्तमों की ऩहहचान- यजजस्ट्रककताय अधधकायक को सावधान यहना चाटहमे कक सांंी उस व्मजतत को जजसकी ऩटहचान की जानी है, वास्ट्तव भें ऩटहचानता है इस फात को सुननजश्चत कयने के मरमे सां ी से स्ट्ऩष्ट रूऩ से सीधा ्रतश्न न छा जाना चाटहमे कक वह व्मजतत वहक है जजसका होने का वह दावा कयता है औय सां ी की उस व्मजतत से जान ऩटहचान का आधाय तमा है। जजस सांंी की ऩटहचाने जाने वारे व्मजतत से व्मजततगत ऩरयचम न हो, औय उसे केवर ऩटहचान के मरए उसका नाभ बय फता टदमा गमा हो ऐसे सां ी का सां अस्ट्वीकाय कय टदमा जाना चाटहमे। इस फात का बी ध्मान यखा जाना चाटहमे कक ऩटहचान कयना अवेदन रेख को, ननम्न वगीम कभयचारयमों का कामायरम के फाहय रटके यहने वारे व्मजततमों का धन्धा न फन जामे। जो रोग इस ्रतकाय का धन्धा कयते हैं उनका सांनहकॊ ककमा जाना चाटहमे।

306. ऩदाानशीन भहहराओॊ की ऩहहचान- ऩदायनशीन भटहराओॊ द्वाया ननष्ऩाटदत रेखऩत्रों के भाभरे भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक को सतकयता फयतनी चाटहमे कक वह ननष्ऩादनकताय के भुॊह से स्ट्वीकायोजतत ्रताप्त कये। उसके साथ आमे सम्फन्धी मा अन्म व्मजतत का कहना ऩमायप्त नहकॊ है। भटहरा को देखकय ऐसे व्मजतत द्वाया उसकी ऩटहचान की जानी चाटहमे जो उसके व्मजतत्व से ऩरयधचत हो औय ऩृष्ठाॊकन भें ऐसे व्मजतत का नाभ औय ननष्ऩादनकताय से उसके सम्फन्ध का वववयण मरखा जाना चाटहमे। रेखऩत्र की ववषम वस्ट्तु को ननष्ऩादनकताय को सभझामा जाना चाटहमे औय मटद ननष्ऩादन स्ट्वीकाय कयने भें वह रेखऩत्र की ककसी शतय ऩय आऩजत्त उठाती है उसे नोट ककमा जाना चाटहमे। मे ननदेश ऩदायनशीन भटहराओॊ औय ननष्ऩाटदत सफ रेखऩत्रों ऩय राग होते हैं चाहे उनका यजजस्ट्रककयण कामायरम भें हो मा उसके घय ऩय जाकय मा कभीशन द्वाया ककमा जामे।

307. ननष्ऩादनकतााओॊ द्िाया स्ट्िीकाय क्रकमा जाना औय उनकी ऩहहचान- मटद कधथत ननष्ऩादनकतायओॊ ने ननष्ऩादन स्ट्वीकाय कय मरमा हो औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक ननमभ 304के खण्ड 1 भें वर्णयत बफन्दुओॊ के फाये भें सन्तुष्ट हो जामे तो उसको ननमभ 304 भें टदमे गमे ऩृष्ठाॊकनों भें से ककसी एक ्रतारूऩ से धाया 58 के अनुसाय ऩृष्ठाॊकन कयना चाटहमे औय ्रत् मेक ऩृष्ठाॊकन ऩय यजजस्ट्रककताय अधधकायक औय ननष्ऩादनकताय तथा उन सफ साक्ष मों ण ककमा गमा हो, हस्ट्तांय होने चाटहमे। ऩयन्तु ऐसे ऩृष्ठाॊकन की डडक्री मा आदेश की नकर ऩय मा यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 89 के अधीन ्रताप्त ्रतभाणऩत्र ऩय मरखे जाने की आवश्मकता नहकॊ है।

308. ननशान अंगूठा- रेखऩत्रों के ननष्ऩादनकतायओॊ की ऩटहचान सुननजश्चत कयने के मरए अधधननमभ औय उसके अधीन फनामे गमे ननमभों भें वर्णयत ननदेशों के अनतरयतत ननम्नमरर्खत भाभरों भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक ्रत् मेक

ननष्न्ादनकताय का अ ोग ठा ननशान बी रेना चाहे वह यजजस्ट्रककताय अधधकायक का ऩरयधचत व्मजतत हो मा नहकों।

(1) अधधननमभ की धाया 17 के खण्ड (ए), (फी), (सी) औय (ई) के अधीन ककमे गमे यजजस्ट्रककयण।

(2) अधधननमभ की धाया 18 के खण्ड (ए), (फी), औय (सी) के अधीन ककमे गमे यजजस्ट्रककयण।

औय भेयठ औय रूहेरखण्ड भण्डरों भें खण्ड (डी), (ई) औय (एप) के अधीन बी।

(3) धाया 33 के अधीन ककमे गमे ्रतभाणीकयण।

(4) सफ ऩदायनशीन भटहराओं के।

इस ननमभ से ऐसे ्रतनतजष्ठत व्मजततमों के भाभरे भें ढकर दक जा सकती है जजनकी ऩटहचान के सम्फन्ध भें शोंका मा सोंदेह की सम्बावना न हो औय उन रोगों को बी छ ट दक जा सकती है जो कोढ़ मा इसी ्रतकाय की अन्म तीव्र छ त के योग से ग्रमसत हो, चाहे यजजस्ट्रककताय अधधकायक उनसे वमजततगत रूऩ से ऩरयधचत हो मा नहकों, ऩदायनशीन भटहराओं के भाभरे भें ननशान अ ोग ठा मा तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक के साभने ककमा जामेगा मा ऐसे व्मजतत के साभने जो भटहरा को ऩटहचानता हो औय ऐसी जस्ट्थनत भें उस व्मजतत का जजसने ननशान अ ोग ठा मरमा हो नोट ककमा जाना चाटहमे, इस ननमभ के अधीन ननमभ भें ढकर टदमा जाने के कायणों को रेखऩत्र ऩय औय यजजस्ट्टय भें अ ोककत ककमा जाना चाटहमे।

ननशान फाएॊ अ ोग ठे का मरमा जामेगा। मटद फोंमा अ ोग ठा दोषऩ णय है मा चोट खामा हुआ हो तो दाटहने अ ोग ठे मा अन्म ककसी उोंगरक का ननशान रगामा जा सकता है औय यजजस्ट्टय औय रेखऩत्र ऩय उस उोंगरक का ब्मोया मरखा जाना चाटहमे जजसका ननशान मरमा गमा हो, मटद उतत दोनों भें से कोई ववधध कायगय न हो तो इस फात का ऩ या ध्मान यखा जाना चाटहमे कक ननमभ 304 भें टदमे गमे ननदेशों का कठोयता से ऩारन ककमा जा यहा है।

ननशान (1) रेखऩत्र ऩय अधधननमभ की धाया 58 भें ननदेमशत ऩृष्ठाोंकन के नीचे ननष्न्ादनकताय के हस्ट्ताोंक्षयों के नीचे साप जगह ऩय औय (2) फहक सोंख्मा आठ (ऩरयमशष्ट एक का ्रतारूऩ सोंख्मा 18) ऩय मरमा जामेगा जो यजजस्ट्रककयण कामायरमों भें यखी जामेगी।

अ ोग ठा रेने के मरमे ्रत मोग भें रामे जाने वारे उऩकयण भहाननयक क ननष्न्ादन के कामायरम द्वाया उऩरब्ध कयामे जामेगे। उसभें (1) एक योरय (2) एक टकन की ऩटिका (3) छाऩे की स्ट्माहक का एक फतयन औय (4) तायऩीन तेर की एक शीशी होंगे ननशान ककमे जाने की ववधध ननम्नमरखखत होगी-

(क) थोड़ी-सी स्ट्माहक ऩटिका ऩय रगाई जामेगी औय तफ उसे योरय से इस ्रतकाय पैरामा जामेगा कक ऩटिका की सतह ऩय स्ट्माहक की एक सभतर ऩयत फन जामे। मह ऩयत इतनी ऩतरक होनी चाटहमे कक

उसके नीचे ऩटिका का तर टदख सके।

(ख) ननष्ऩादनकताय का फामाॊ अ◌ॊग ठा ऩकड़ा जाना चाटहमे औय उसके ऊऩयक बाग को ऩोंछकय ऩटिका ऩय एक तयप से द सयक तयप तक घुभामा जामे (यगड़ा न जामे) औय ननशान अ◌ॊग ठा रेने वारे के हाथ से हल्के से दफामा जामे ताकक अ◌ॊग ठे ऩय कापी स्माहक रग जामे औय स्माहक रगे इस बाग को तफ उस कागज ऩय, जजस ऩय ननशान मरमा है, हल्के से यखकय उसी ्रतकाय ऐसे घुभामा जामे कक अ◌ॊग ठे से साये ऊऩयक बाग, एक तयप से द सयक तयप, का न या छाऩा कागज ऩय उतय जामे। मह ववशेष ध्मान यखा जामे कक अ◌ॊग ठे को कागज ऩय यखने मा हटाने के सभम वाऩस घुभामे जाने से धब्फा ऩड़ जामेगा औय ननशान खयाफ हो जामेगा।

(ग) योरय औय ऩटिका को ्रतनतटदन अच्छी तयह साप ककमा जाना चाटहमे। जफ ननष्ऩादनकताय ऩदायनशीन भटहरा हो मा आ◌ानी कृषक हो तो ननशान अ◌ॊग ठा रेने भें कबी-कबी कटठनाई का अनुबव होता है। ऐसे भाभरों भें उधचत मह होना कक ऩहरे कबी यद्दी कागज ऩय कुछ धचन्ह रे मरमे जामें औय रेखऩत्र मा यजजस्टय ऩय तफ तक ननशान नहकॊ मरमा जाना चाटहमे जफ तक ननष्ऩादनकताय औय ननशान रेने वारा (जफ ऩदायनशीन भटहरा का अ◌ॊग ठा यजजस्रककताय अधधकायक स्वमॊ न रे यहा हो) ननशान रेने की ववधध से ऩ णयतमा ऩरयधचत न हो जामे। जजन भाभरों भें रेखऩत्र मा यजजस्टय ऩय मरमा ननशान अ◌ॊग ठा धब्फामुतत मा अस्ऩष्ट हो जामे तो द सया औय मटद आवश्मकता हो तो तीसया ननशान बी ऩहरे वारे के फगर भें मरमा जा सकता है, जफ रेखऩत्र ऩय एक व्मजतत का एक से अधधक ननशान मरमा जामे तो यजजस्टय भें इस तथ्म को अ◌ॊककत कय यजजस्रककताय अधधकायक द्वाया हस्ता◌ं रयत ककमा जाना चाटहमे।

309. ऩटायी द्ि◌ाया ऩहहचान क्रकमा जाना.- आगया ्रतदेश-ऩटवारयमों द्वाया ऩटहचान ककमा जाना ननमभावरक के ननमभ 34(2) औय अवध ऩटवायक ननमभावरक के ननमभ 39(2) (ऩरयषद का ऩरयऩत्र बाग III) के अधीन जफ ऩटवायक ककसी न्मामारम मा अन्म कभयचायक के सभ्उऩजस्थनत हो तो वह अऩनी दैननजन्दनी भें न्मामारम मा कभयचायक के ऩास उऩजस्थनत का तथ्म उऩजस्थनत का कायण औय न्मामारम मा कभयचायक का नाभ औय ऩदनाभ अ◌ॊककत कयेगा।

यजजस्रककयणसम्फन्धी कामयवाहक भें ऩटहचान कयने के उद्देश्म से जजरा यजजस्राय मा उऩ-यजजस्राय के सभ उऩजस्थनत के मरमे बी उतत ननमभ राग है। इसमरमे यजजस्रककताय अधधकारयमों को चाटहमे कक जफ ऩटवायक ककसी रेखऩत्र के ननष्ऩादनकताय के ऩटहचान कयने के मरमे यजजस्रककयण कामायरम भें उऩजस्थत

हो तो वह उतत ब्मौया अऩ दैननजन्दनी भें अरॊककत कये औय ऐसी ्रत ववजष्ट को यजजस्ट्रककताय अधधकायक के हस्ता ंय से ्रत भार्णत ककमा जाना चाटहमे। ऩटवायक द्वाया अऩनी दैननजन्दनी ्रतस्तुत कयने से इन्कायक मा गपरत को जजरे के करेतटय मा डडप्टक कमभश्नय को स धचत ककमा जाना चाटहमे। ऐसे भाभरों भें उऩ-यजजस्ट्राय जजरा यजजस्ट्राय से सम्पोधधत कयेगा जो भाभरे भें आवश्मक कामयवाहक कयेगा।

310. प्रनतपर के फाये भें नूछ-ताछ.- मह ा ातव्म है ऊऩय वर्णयत नृष्ठाॊकनों भें अन्म फातों के साथ रेखऩत्र के ननष्ऩादन के सम्फन्ध भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक के साभने अदा की गई धनयामश का अन्म भार के टदमे जाने के तथ्म औय ऐसे ननष्ऩादन के सम्फन्ध भें उसके साभने ्रतनतपर को अॊशत् मा ऩ णयत ऩाने की स्वी जतत को अॊककत ककमा जाना होना है। मद्मवऩ ववधधक ्रताववधान के अनुसाय यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया कधथत ननष्ऩादनकताय से ननष्ऩादन के तथ्म के सम्फन्ध भें ऩ छ-ताछ कयना आवश्मक है ऩय उसके ऊऩय ऐसी कोई ववधधक फाध्मता नहकॊ है कक वह ्रतनतपर ऩाने के सम्फन्ध भें ऐसी ऩ छ-ताछ कयें ऩयन्तु ऐसी ऩ छ-ताछ कय रेना अधधननमभ के ्रताववधानों से असॊगत न होंगे।

311. ननष्ऩादनकताा तथा साक्षमों की उऩजस्थनत के शरमे सम्भन- मटद कधथत ननष्ऩादनकताय, उसका ्रतनतननधध एसाइन मा भुख्ताय उऩजस्थत न हो औय मटद ऐसे व्मजततमों को मा अन्म ककसी व्मजतत को जजसका सा ं आवश्मक हो, सम्भन द्वाया फुरामा जाना आवश्मक हो तो, यजजस्ट्रककताय अधधकायक स्वमॊ जज मा याजस्व अधधकायक हो, तो वह जज मा याजस्व अधधकायक (जैसी बी जस्थनत हो) के अधधकाय से सम्भन जायक कयेगा। जफ यजजस्ट्रककताय अधधकायक न तो जजरा जज हो औय न याजस्व अधधकायक तो आवश्मक आदेमशका उस तहसीरदाय द्वाया जायक की जामेगी जजसके याजस्व ंे त्राधधकाय भें यजजस्ट्रककयण कामायरम जस्थत हो। यजजस्ट्रककताय अधधकायक के सभ उऩजस्थनत अधधननमभ की धाया 34 भें ननदेमशत सभमावधध के अन्दय होनी चाटहमे।

312. साक्ष मों को सम्भन द्ाया फुरामे जाने ि उनकी उऩजस्थत से सम्फजन्धत विधध.-साक्षमों को सम्भन द्वाया फुरामे जाने औय उनकी उऩजस्थनत से सम्फजन्धत ्रतवृज्त ववधधक ्रताववधान कोड आप मसववर ्रत ोसीजय की अनुस ची I के आडय XVI भें औय साक्षमों के ऩरयश्रमभक से सम्फजन्धत ्रतवृत ननमभ जनयर रूल्स (मसववर) पाय मसववर कोटयस सवाडडयनेट ट द हाईकोटय आप ज डडकेटय इराहाफाद के वैर भ I (1926) के अध्माम सत्रह भें है औय अवध मसववर रूल्स 1912 की जजल्द एक के ननमभ 153 से 163 तक टदमे गमे हैं।

313. न्मामारमों भें यजजस्टयों औय फहहमों का ननेश क्रकमा जाना.- उऩ-यजजस्ट्रायों द्वाया अऩने हक अधधकाय से अऩने कामायरम के यजजस्टय औय फटहमों को

न्मामारम भें मा ककसी अन्म अधधकयण के साभने ऩेश ककमा जाना वजजयत है। जफ ककसी उऩ-यजजस्ट्राय को न्मामारम से सीधे अऩने कामायरम के यजजस्ट्यों व पटहमों को ऩेश कयने का सम्भन ्रताप्त हो तो वह उसको मह मरख कय वाऩस कय देगा कक बफना जजरा यजजस्ट्राय की अनुभनत के यजजस्ट्य इ्माटद ऩेश कयने का उसको अधधकाय नहकों है, औय मटद न्मामारम को यजजस्ट्यों की आवश्मकता है तो सम्भन मा आदेश सीधे जजरा यजजस्ट्राय

की

अनुभनत है ऩयन्तु 1972 के अधधननमभ एक की धाया 123 औय 124 के अधीन ्रताप्त स्ट्वववेक का उऩमोग कयते हुमे उसे ऐसा कयने से इन्काय कय देना चाटहमे।

जफ ककसी याज्मकभयचायक को सयकायक अमबरेख के साथ सा्ी के रूऩ भें ककसी न्मामारम भें उऩजस्ट्थत होना हो, जफ एववडेन्स अधधननमभ की धाया 123 के अधीन अनुभनत न

दक गई हो, तो उसको ननम्नमरर्खत ्रतारूऩ भें जजरा यजजस्ट्राय द्वाया हस्ट्ता्रयत एक आदेश टदमा जाना चाटहमे, जफ उसे सा् देने के मरमे कहा जामे तो वह उतत आदेश ्रतस्ट्तुत कय न्मामारम को सभझामेगा कक वह न्मामारम भें यजजस्ट्य ऩेश कयने मा उनसे ्रताप्त स चना का सा् देने के मरए स्ट्वतन्त्र नहकों है। अरफता वह अऩने साथ उन यजजस्ट्यों को रे जामेगा जजनको सम्भन ककमा गमा है।

आदेश

जजरा यजजस्ट्राय

.... के कामायरम से सम्फजन्धत फहक .... जजरा .... वषय उऩ-यजजस्ट्राय .... को ऩेश कयने के मरमे न्मामारम .... से ्रताप्त सम्भन।

(क) भैं .... को आदेश देता ह ॉ कक वह सम्भन भें वर्णयत यजजस्ट्यों को रेकय उऩजस्ट्थत हो औय एववडेन्स अधधननमभ की धाया 133 केअधीन ्रताप्त ववशेषाधधकाय की भाॉग कयें।

(ख) भैं यजजस्ट्यों से ्रताप्त ककसी ्रतकाय का सा् टदमे जाने की अनुभनत नहकों देता जजसके मरमे उस आदेश के अधीन ववशेषाधधकाय भाॉगा जाताहै।टदनाॊक ....

जजरा यजजस्ट्राय

314. रेखऩत्र प्रस्ट्तुत होने के शरमे उऩजस्ट्थनत.- सफ रेखऩत्रों को ऐसे व्मजतत द्वाया जो उनको ्रतस्ट्तुत कयने के मरए संन कक कमभश्नय के सभ् भ है। यजजस्ट्रककयण कामायरम भें ्रतस्ट्तुत ककमा जाना चाटहमे

315. धाया 33 औय 38 के अधीन कभीशन जायी क्रकमा जाना.- जफ कोई रेखऩत्र यजजस्ट्रककताय अधधकायक के सभ् ्रतस्ट्तुत कय टदमा गमा हो, तो वह यजजस्ट्रेशन अधधननमभ भें वर्णयत ऩरयजस्ट्थनतमों भें धाया 33 के अधीन भुख्तायनाभा को स्ट्मावऩत कयने, मा धाया 38 के अधीन ककसी ननष्ऩादनकताय मा सा्ी का ऩयकंण कयने के मरमे कभीशन जायक कय सकता है। अ्मन्त गम्बीय आवश्मकता को छोड़कय

यजजस्ट्रककयण मरवन्नक को कभीशन न्नय बेजना वजजयत है। ववबागीम उन्न-यजजस्ट्राय द्वाया कभीशन जायक ककमे जाने के हय भाभरे की स चना जजरा यजजस्ट्राय को दक जानी चाटहमे जजसभें उस व्मजतत का, जजसको कभीशन टदमा गमा, नाभ व न्नद औय उन्न-यजजस्ट्राय के स्ट्वमॊ वहाॉ न्नय न जाने के कायणों का वववयण टदमा जामेगा रेखन्नत्र न्नय आदेश को सॊ्ेन्न भें रगबग इस ्रतकाय नृष्ठाॊककत ककमा जामेगा-

,,,,यजजस्ट्रेशन अधधननमभ (1908 का सोरहवाॉ) की धाया 33 मा 38 के अधीन .... (कमभश्नय का नाभ औय न्नदनाभ) को मह न्न छने के मरमे कक तमा भुख्तायनाभ

(मा रेखन) का ननष्न्नादन ,,अ'' न्नुत्र ,,स'' ननवासी .... जजसके द्वाया इसका ननष्न्नादन ककमा जाना अमब्रतेत है, ककमा गमा था, कभीशन ककमा जाता है''''

316. जजरे मा उन्नजजरे के अधधकाय ्े त्र के फाहय ननिास कय यहे व्मजक्त के सम्फन्ध भें कभीशन जायी कयना मा िहाॉ स्ट्िमॊ जाना.- मटद धाया 38 के अधीन जजस व्मजतत का न्नयक्ं

वॉनछत है यजजस्ट्रककताय अधधकायक के अधधकाय ्े त्र भें ननवास न कयता हो तो उस जजरे के जजरा यजजस्ट्राय को जजसभें वह ननवास कयता हो कभीशन जायक ककमा जामेगा जो उसे उन्न-यजजस्ट्राय को अग्रसारयत कय देगा औय मटद उन्न यजजस्ट्राय स्ट्वमॊ वहाॊ नहकॊ जा सकता है तो वह ककसी अन्म व्मजतत को ्रतनत अग्रसारयत कय देगा। कभीशन के मरए मात्रा ब्ता उस उन्न यजजस्ट्राय को बेज टदमा जामेगा जजसको कभीशन टदमा गमा है।

जजरा यजजस्ट्राय की अनुभनत के बफना ककसी उन्न-यजजस्ट्राय को ककसी के घय न्नय यजजस्ट्रककयण कयने के ्रतमोजन से अन्नने अधधकाय ्े त्र के फाहय नहकॊ जाना चाटहमे औय मह अनुभनत तफ तक नहकॊ दक जानी चाटहमे जफ तक जजरा यजजस्ट्राय इस फात से सन्तुष्ट न हो जामे कक ककसी ववधधक मोग्मता वारे व्मजतत का उसके कामायरम भें मा उन्न-यजजस्ट्राय के कामायरम भें उन्नजस्ट्थत होने भें अ्मधधक असुववधा हो जामेगी।

317. कभीशन की िान्नसी.- जफ कभीशन सम्न्नन्न कय मरमा जामे जो कमभश्नय ननम्नमरर्खत ्रतारून्न भें अन्ननी आख्मा नृष्ठाॊककत कय रेखन्नत्र को उस कामायरम को वान्नस कय देगा जहाॊ से वह ्रताप्त हुआ था-

,,अ'' न्नुत्र ,,स'' के ननवास स्ट्थान .... न्नय जाकय भैने आज टदनाॊक .... को उतत ,,अ'' न्नुत्र ,,स'' का न्नयक्ं ककमा जजसकी न्नटहचान ,,ग'' औय ,,घ'' ननवासी .... ने भेये सन्तुजष्ट के अनुसाय की उतत ,,अ'' ने रेखन्नत्र मा भुख्तायनाभें का ननष्न्नादन स्ट्वीकाय (मा अस्ट्वीकाय) ककमा औय ्रतनतपर के रून्न भें (मा अॊशत्) .... रुन्नमा न्नाना स्ट्वीकाय ककमा।ननष्न्नादनकताय का न्न या हस्ट्ता्य

गवाहों के न्न ये हस्ट्ता्य कमभश्नय का न्न या हस्ट्ता्य

कमभश्नय के साभने सा◌ं देने से इन्काय कये वह दण्ड का उसी ◌्रतकाय बागी होगा जैसे मह अमबमोग यजजस्ट्रककयण कामायरम भें ककमा गमा हो, यजजस्ट्रककताय अधधकायक अऩने कामायरम भें स्वमॊ कमभश्नय का ऩयकण कभीशन के सम्फन्ध ककमे जाने से सम्फजन्धत ऩरयजस्थ्नतमों भें, ववशेषकय ननष्ऩादन के स्वेच्छाऩ वयक स्वीकाय ककमे जाने के ववषम भें, कय सकता है।

319. ननष्ऩादन अस्व◌् ीकाय क्रकमे जाने ऩय प्रक्रिमा.- मटद वह व्मजतत जजसके द्वाया रेखऩत्र का ननष्ऩादन ककमा जाना अमब्रतेत है रेखऩत्र का ननष्ऩादन अस्वीकाय कये मा वह यजजस्ट्रककताय अधधकायक को अवमस्क यजजस्ट्रेशन अधधननमभ के ◌्रतमोजन से बायत का नागरयक
चाहे वह ककसी जानत मा धभय का है तफ तक अवमस्क भाना जाना चाटहमे जफ तक वह 18वषय की आमु ◌्रताप्त नहकॊ कय रेता बायत सयकाय सॊख्मा 585 (गृह ववबाग) टदनाॊक 16 अ्रतैर, 1897, ऩागर मा भन्दफुवद्ध ◌्रततीत होता है मा मटद ननष्ऩादनकताय भय गमा हो औय उसका ◌्रतनतननधध मा एसाइन ननष्ऩादन अस्वीकाय कये तो उऩ-यजजस्ट्राय यजजस्ट्रककयण से इन्काय कयने का आदेश अ◌ॊककत कयने के मरमे फाध्म है। ऐसे अस्वीकय के फाद उऩ-यजजस्ट्राय को ननष्ऩादन के तथ्म के ववषम भें ऩ छताछ कयने का अधधकाय नहकॊ है ऩयन्तु उऩ यजजस्ट्राय के आदेश के ववरुद्ध अऩीर ककमे जाने ऩय मा जफ धाया 74 के अधीन स्वमॊ उसके साभने अस्वीकायण ककमा जामे तो जजरा यजजस्ट्राय ननष्ऩादन भें तथ्म के सम्फन्ध भें ऩ छताछ कय सकता है।

320. यजजस्ट्रीकयण से इन्कायी के कायणों की नकर- अधधननमभ की धाया 71 भें कहा गमा है कक जफ उऩ-यजजस्ट्राय ◌ं◌े
त्राधधकाय न होने के कायण के अनतरयतत, अन्म ककसी कायण से रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण कयने से इन्काय कयता है तो वह इन्कायक का आदेश ऩारयत कयेगा औय उसके कायणों को फहक सॊख्मा दो भें अमबमरर्खत कयेगा औय रेखऩत्र ऩय यजजस्ट्रककयण से इन्काय ककमा गमा ऩृष्ठाॊककत कयेगा। रेखऩत्र के ननष्ऩादनकताय मा दावेदाय के आवेदन ऩय बफना पीस मरमे औय बफना अनावश्मक ववरम्फ के इस ◌्रतकाय अमबमरर्खत कायणों की नकर देगा। बफना पीस मरमे का ननदेश नकर की पीस न है न कक स्टाम्ऩ शुल्क से।

321. जफ ननष्ऩादनकताा अनेक हो तो प्रक्रिमा- जफ ककसी रेखऩत्र का ननष्ऩादन एक से अधधक व्मजततमों द्वाया ककमा जाना अमब्रतेत हो, तो अऩय वणीत ◌्रतकक्रमा ◌्रत् मेक के सम्फन्ध भें अरग-अरग की जानी चाटहमे। ऩयन्तु मह आवश्मक नहकॊ है कक सफ ननष्ऩादनकताय यजजस्ट्रककताय अधधकायक के साभने एक साथ उऩजस्थ्त हो। जो रोग एक साथ उऩजस्थ्त हो उनकी स्वीकायोजतत तथा ऩटहचान तुयन्त अमबमरर्खत की जानी चाटहमे औय फाकी रोगों की उऩजस्थनत तक के मरमे रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण स्थधगत कय टदमा जाना चाटहमे ऐसे भाभरों भें पीस केवर एक फाय रक जावेगी न कक ◌्रत्अरग।

मेक ननष्ऩादनकताय की उऩजस्थनत ऩद अरग-

322.रेखनत्र की यजजस्ट्रककयण के मरमे ग्रहण कय रेने नय यजजस्ट्रककताय अधधकायक ्रतस्त्तुतकताय से भार भ कयेगा कक रेखनत्र स्ट्वमों उसको वानस ककमा जामेगा मा उसके द्वाया नामभत ककसी व्मजतत को मा डाक से, मटद वह डाक से वानसी चाहे तो उससे उस आशम का नृष्ठोंकन धाया 52 के अधीन उसकी दक गई यसीद के नीछे कयामा जामे जजसभें उनका न या नता व उस डाकघय का नाभ मरखा गमा हो औय 75 नमे नैसे पीस के जभा कयवामे जावे जो डाक से बेजने के खचय के मरमे होंगे। मटद ्रतस्त्तुतकताय ने एक साथ दो मा अधधक रेखनत्रों का यजजस्ट्रककयण कयामा हो औय सफ की यजजस्ट्रक डाक से एक हक नते नय वानसी चाहे तो अनतरयतत रेखनत्रों के मरमे अनतरयतत डाक व्मम मरमा जाना चाटहमे, जो ्रत्मेक रेखनत्र के मरमे 25 नैसे से कभ न हो। मह यामश ्रत्
मेक रेखनत्र के मरमे स्ट्माहा के खाना 8 भें रार
स्ट्माहक से अरग से दजय की जानी चाटहमे औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया कोषागाय भें जभा कय दक जानी चाटहमे। जफ रेखनत्र की नकर हो जाम तो उसे यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया स्ट्वमों भजफ त मरपापे भें यख टदमा जाना चाटहमे औय उस नय उसके साभने भोहय रगामी जानी चाटहमे। तफ उसे ्रतस्त्तुतकताय मा उसके द्वाया नामभत व्मजतत के नास ,,सववयस यजजस्ट्टडय" मरपापे द्वाया बेजा जाना चाटहमे। मरपापे के मरमे डाकघय से ्रताप्त यसीद की यजजस्ट्रककताय अधधकायक तफ तक अनने नास यखेगा जफ तक उसे रेखनत्र नाने वारे व्मजतत के तायकख सटहत हस्त्तां य वारक स्ट्वीकायोजतत की यसीद नहकों मभर जाती। रेखनत्र के नहुॅच की यसीद (नीरक यसीद) को धाया 52 के अधीन दक गई यसीद के साथ यसीद फहक के ्रतनतनणय नय धचनका टदमा जामेगा औय डाकघय से ्रताप्त सपेद यसीद को नष्ट कय टदमा जामेगा। मटद नहुॅच की यसीद एक नखवाड़े के अन्दय वानस नहकों मभरती तो सम्फजन्धत डाकघय को इस फाफत अनुस्ट्भायक टदमा जामे। डाक द्वाया ववतरयत ककमे बफना वानस आमे रेखनत्रों को उनकी वानसी की तायकख से एक भाह फाद, का दावा रेखनत्रों के यजजस्ट्टय भें चढ़ामा जाना चाटहमे औय उनके मरमे बी फहक ्रत ्क्रमा राग होगी जो अन्म रादावा रेखनत्रों के मरमे राग होती है। सफ कामायरमों भें नरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 21 भें डाक से बेजे गमे रेखनत्रों का यजजस्ट्टय यखा जामेगा औय उस यजजस्ट्टय भें फनामे गमे खानों भें डाकघय द्वाया वानसी औय तश्चात उधचत व्मजतत को उनकी वानसी के सम्फन्ध भें आवश्मक ्रतववजष्टमाॉ की जावेगी।

यजजस्ट्रीकयण के शरमे स्ट्ि ीकाय क्रकमे जाने नय प्रक्रिमा

323. रेखनत्र के यजजस्ट्रीकयण के शरमे स्ट्ि ीकाय कय शरमे जाने नय प्रक्रिमा.- जफ रेखनत्र यजजस्ट्रककयण के मरमे स्ट्वीकाय कय मरमा जामे तो उसे उनमुतत फहक भें नकर कयने के मरमे यजजस्ट्रककयण मरवनक को दे टदमा जामे। यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया ध्मान यखा जाना चाटहमे कक अनावश्मक ववरम्फ न हो औय कक रेखनत्रों को उसी क्रभ भें नकर ककमा जाना चाटहमे जजस क्रभ भें उन्हें

स्ट्वीकाय ककमा गमा है। मह ्रतववजष्ट यजजस्ट्रककृत रेखनत्र की हु-फह नकर होनी चाटहमे औय भ र रेखनत्र भें वतयभान सफ अन्त खनों, रयतत स्ट्थानों, मभटामे शब्दों औय कट पट की नोट ननमभ 262 के अनुसाय फनामा जामेगा। ऐसी सफ ्रतववजष्टमों का यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया ्रतनतटदन ्रतभाणीकयण ककमा जामेगा।

324. यजजस्ट्रीकयण का प्रभाणक.- धाया 60 भें अनेक्षत यजजस्ट्रककयण का ्रत भाणव फहक भें रेखनत्र का क्रभाॊक, औय जजस फहक भें उनका यजजस्ट्रककयण हुआ हो उस फहक उसकी

जजल्द व नृष्ठ सॊख्मा औय यजजस्ट्रककयण की तायकख मरखे जावेंगे। महाॉ नय मह फता देना आवश्मक है कक यजजस्ट्रककयण की तायकख वह होगी जजस टदन रेखनत्र को यजजस्ट्रय भें नकर ककमा जामे न कक ्रतस्ट्तुनतकयण की तायकख।

325. यजजस्ट्रीकयण के फाद रेखनत्रों की िानसी.- यजजस्ट्रककताय अधधकारयमों को देखते यहना चाटहमे कक यजजस्ट्रककयण के फाद रेखनत्रों की ्रतस्ट्तुतकतायओॊ मा उनको नाने के मरमे अधधकृत अन्म व्मजततमों को लयता से वानस ककमा जाता है औय यजजस्ट्रककयण के फाद रेखनत्रों का कामायरम भें जभा होने देना मथासम्बव कभ ककमा जाना चाटहमे। रेखनत्रों के स्ट्वामभमों को उस तायकख औय सभम की स्ट्नष्ट स चना दक जानी चाटहमे। जफ उनका रेखनत्र वानसी के मरमे तैमाय होगा औय उस सभम रेखनत्र वास्ट्तव भें तैमाय हो जाना चाटहमे। कोई रेखनत्र जो टदन के ्रत ायजम्बक सभम ्रत स्ट्तुत हो उसे ननमभत् उसी टदन यजजस्ट्रककृत कय वानस कय टदमा जाना चाटहमे। मटद एक भाह की सभाजप्त नय रेखनत्र वानस न मरमा जामे औय स्ट्वाभी उसे वानस रेने के मरमे उनजस्ट्थत न हुआ हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक ननमभ 195 औय 196 के अनुसाय काययवाई कयेगा। उन यजजस्ट्राय रेखनत्रों के ्रतस्ट्तुनतकयण से तीन टदन के अन्दय अननस्ट्तारयत रेखनत्रों की सॊख्मा की स चना नरयमशष्ट तीन के ्रतारून सॊख्मा एक भें जजरा यजजस्ट्राय को देगा।

भुआमने, तराश मा नकरों के आिेदन

326.भुआमने, तराश नकरे हदमा जाना.- अधधननमभ सोरह वषय 1908 की धाया 57 भें ्रतावधान है-

(क) फहक सॊख्मा एक औय दो फहक सॊख्मा एक के इन्डेतसों का भुआमना ककसी ऐसे व्मजतत द्वाया ककमा जा सकता है जो ऐसा कयना चाहे। उनमुयतत फटहमे औय इन्डेतस ननधायरयत पीस अदा ककमे जाने नय भुआमने के मरमे उनरब्ध है। जजसका तात्नमय मह है कक कोई व्मजतत जो उनभें से कोई स चना ्रताप्त कयना चाहता है भुआमना कयने के मरमे ककसी अन्म व्मजतत को काभ भें रगा सकता है।

(ख) खण्ड (2) औय (3) भें वर्णयत कुछ वगय के रोगों के आवेदन नय फहक सॊख्मा तीन औय चाय भें से नकरे टदमे जाने के मरमे फहक तीन औय चाय की तराश स्ट्वमॊ यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया की जावेगी।

(ग) (1) फहक सॊख्मा एक औय दो भें की औय उनके इन्डेतसों भें

की ्रतववजष्टमों की नकर उसके मरमे आवेदन कयने वारे ककसी बी व्मजतत को दक जा सकती है।

(2) फहक सॊख्मा तीन औय चाय औय त्सम्फजन्धत इन्डेतसों की नकर केवर 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 57 के खण्ड 2 औय 3 भें वर्णयत कुछ वगय के व्मजततमों को दक जा सकती है।

327. (1) (क) ककसी सम्नजत्त के सम्फन्ध भें बायग्रस्त्तता, मटद कोई हो, का नता रगाने का इच्छुक कोई व्मजतत नुस्त्तक 1 तथा 2 औय अनुक्रभर्णका 1 तथा 2 का अन्वेषण कयने के मरमे आवेदन कय सकता है औय ननमत शुल्क का बुगतान कयने नय यजजस्ट्रककताय अधधकायक न वयवती फायह वषो की बायग्रस्त्त , मटद कोई हो, के न वयवती फायह वषों की उतत नुस्त्तकों तथा अनुक्रभर्णकाओं का एत त व्मवजस्त्थत यकनत से अन्वेषण कयामेगा औय ऐसा ्रताथयना-नत्र ्रत
ाप्त कयने के सात टदन के बीतय ्रतभाणनत्र देगा।
नत्र 29 नरयमशष्ट तीन भें उसके नरयणाभ का एक ्रत

(ख) मटद उनमुयतत खण्ड (क) के अधीन ्रतभाणनत्र जायक ककमा गमा हो तो फायह वषय
से कभ अवधध के मरमे अनुन यक अन्वेषण ्रतभाणनत्र अनुनानतक शुल्क का बुगतान कयने नय
जायक ककमा जा सकता है ककन्तु ्रतनतफन्ध मह है कक ्रताथी भ र अन्वेषण ्रतभाणनत्र अथवा इस
आशम का एकशनथ नत्र (ऐकपडेववट) कक उसने इसके न वय ऐसा ्रतभाणनत्र ्रताप्त ककमा था ्रत
स्त्तुत कयें।

(2) बायग्रस्त्ता के ्रत् मेक ्रत भाणनत्र भें ्रत श्नगत सम्नजत्त को ्रत बाववत कयने वारे
सभस्त्त कामों तथा बायग्रस्त्ताओं की सम्न णय स ची होगी।

(3) ककसी कामायरम से जायक ककमे गमे ्रत् मेक बायग्रस्त्तता ्रतभाणनत्र की ्रतनतमरवन
यख रक जावेगी जजसे ककसी नृथक वारक नुस्त्तक भें, जजसभें ववमबन्न ्रतभाणनत्र ्रत्
मे
क करेन्डय
वषय के मरमे नृथक सॊख्मा भें क्रभवाय सॊख्मॊककत ककमे जावेंगे, न्थी ककमा जामेगा (भहाननयकं क की अधधस चना सॊख्मा 6986-एप-216 टदनाॊक 12-6-1973 द्वाया मथा सॊशोधधत)

[अनुवादक की टटप्नणी]- ननमभ 327 का उनयोतत नाठ उतत अधधस चना के अनुसाय है

जजसभें अनेक अ ॊग्रेजी शब्दों के टहन्दक ऩमामम उनसे मबन्न है जजनका ्रतमोग अनुवादक द्वाया
फाकी अनुवाद भें ककमा गमा है। ऩाठक उधचत अथय ननकार रें]

328. (1) नतमरवऩ, ननयकं ण तथा अन्वेषण के मरमे ्रत ाथयना-ऩत्र ककस ्रत काय टदमे जामेंगे।

सभस्त ्रताथयना ऩत्र मरखखत रूऩ भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक को टदमे जामेंगे। ्रतनतमरवऩमों के मरमे ्रताथयनाऩत्र ऩरयमशष्ट 3 के ्रतऩत्र सॊ0 28 भें टदमे जामेंगे औय उस ऩय उत्तय ्रतदेश भें अऩनी ्रतवृत के सम्फन्ध भें मथासॊशोधधत कोटय पीस ऐतट, 1870 (ऐतट सॊ0 7, 1870) की अनुस ची (शेड्म र) 2 के अधीन 50 ऩैसे का न्मामारम पीस रेबफर रगा होगा ककन्तु अन्वेषण तथा ननयकं ण के मरमे ्रताथयनाऩत्रों ऩय कोई न्मामारम पीस नहकॊ रगाई जामेगी।

(2) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 57 के उऩफन्धों के अधीन ऩुस्त्तक सॊ0 3 तथा 4 भें अन्वेषण कयने के मरमे ्रताथयना-ऩत्र तथा ऩुस्त्तक सॊख्मा 1, 2, 3 तथा 4 भें की गई ्रतववजष्टमों की ्रतनतमरवऩमों के मरमे ्रताथयनाऩत्र स्त्वमॊ ्रतस्त्तुत ककमे जा सकते है अथवा डाक द्वाया बेजे जा सकते हैं। मटद कोई ्रताथयना-ऩत्र डाक द्वाया बेजा जामे तो ्रताथी उसी सभम यजजस्ट्रककताय अधधकायक को भनीआडय द्वाया उत्तय ्रत देश भें अऩनी ्रत वृत्त के सम्फन्ध भें मथासॊशोधधत इॊडडमन स्त्टाम्ऩ ऐतट, 1899 (एतट सॊ0 2, 1899) की अनुस ची (शेड्म र) 1-फी के अनुच्छेद 24 के अधीन देम स्त्टाम्ऩ शुल्क, मटद कोई हो, के साथ वाॊछनीम ्रतनतमरवऩ अथवा अन्वेषण के सम्फन्ध भें बायणीम पीस की धनयामश बेजेगा।

(3) ननमभ 327 के अधीन अन्वेषण के मरमे ्रताथयना-ऩत्र ्रताथी द्वाया मा तो स्त्वमॊ अथवा उसके मथाववधध ननमुतत अमबकताय (एजेन्ट) द्वाया ्रतस्त्तुत ककमा जा सकता है अथवा डाक द्वाया बेजा जा सकता। ननयकं ण अथवा अन्वेषण के मरमे सभस्त्त ्रताथयनाऩत्र ऩरयमशष्ट 3के ्रतऩत्र सॊख्मा 30 अथवा मथाजस्त्थनत ्रतऩत्र सॊ0 31 भें टदमे जा सकते है। ्रतऩत्र सॊ0 28, 30अथवा 31 भें सबी ्रताथयनाऩत्रों भें ्रताथी का ऩ या ऩता टदमा जामेगा तथा उसभें मह उजल्रखखत होगा कक वह ्रतनतमरवऩ, अन्वेषण का ऩरयणाभ अथवा बायग्रस्त्तता ्रतभाण-ऩत्र डाक द्वाया चाहता है अथवा उसके मरमे वह स्त्वमॊ उऩजस्त्थत होगा मा उसे अऩने द्वाया तदथय नाभ ननटदयष्ट ककसी अन्म व्मजतत के भाध्मभ से ्रताप्त कयना चाहता है।

(4) मटद ्रताथी मह चाहता हो कक अन्वेषण ्रतभाणऩत्र अथवा ऩुस्त्तक 1, 2, 3 तथा 4भें की गई ्रतववजष्टमों की ्रतनतमरवऩमाॉ उसे यजजस्ट्रककृत डाक द्वाया बेजी जामे तो वह अऩने ्रताथयनाऩत्र के साथ ठीक-ठीक ऩता मरखी हुई अमबस्त्वीकृत यसीद

सटहत सभुधचत रूऩ से टटकट रगा हुआ औय ऩता मरखा यजजस्ट्रककयण (डाक) मरपापा सॊरग्न कयेगा। यजजस्ट्रककताय अधधकायक ्रतभाण-ऩत्र अथवा ्रतनतमरवऩमॉ तैमाय होने ऩय ऩय मथाशीघ्र इस ्रतमोजन के मरए व्मवजस्ट्थत यजजस्ट्रककृत आचयण भें बेज देगा औय डाकघय की यसीद तथा अमबस्ट्वीकृत यसीद यसीद ऩुस्ट्तक के त्सम्फन्धी ्रत

नतऩणय ऩय धचऩका देगा। मटद ्रत ाथी द्वाया सॊबरयत डाक टटकट अऩमायप्त हो तो अऩेक्षित ऩत्राटद, जजसके अन्तगयत सॊबरयत डाक आचयण बी है एक/अन्म आचयण भें फैयॊग डाक द्वाया बेजे जामेंगे। मह तथ्म कक ्रताथयना-ऩत्र के साथ मरपापा ्रताप्त हुआ है, जैसे हक ्रताथयना-ऩत्र यजजस्ट्य भें ्रत ववष्ट ककमा जामे, मथाजस्ट्थनत ्रत ऩत्र सॊ0 9 (्रतनतमरवऩमों के मरमे ्रताथयना ऩत्र का यजजस्ट्य) अथवा ्रतऩत्र सॊ0 10 (अन्वेषण का यजजस्ट्य) ऩरयमशष्ट 1 के अभ्मुजतत वारे स्ट्तम्ब भें मरखा जामेगा। (भहाननयक क की अधधस चना सॊख्मा 6986-एप-216 टदनाॊक 12-6-1973 द्वाया मथा सॊशोधधत।

[अनुवादकताय की टटप्ऩणी- ननमभ 328 का उतत अधधस चना के अनुसाय है जजसके अनेक अॊग्रेजी शब्दों के टहन्दक ऩमायम उनसे मबन्न है जजनका ्रत मोग अनुवादक ने फाकी अनुवाद भें ककमा है, ऩाठक उधचत अथय ननकार रें]

329.भुआमने तराश औय नतशों के ननधायरयत आवेदन ्रतारूऩों को ्रतनतमाॊ ऩाॉच ऩैसे ्रतनत की दय से रामसन्सदाय रेखऩत्र रेखक, औय स्ट्टाम्ऩ ववक्रेताओॊ से ्रताप्त की जा सकती है जजनको मे ्रतारूऩ यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया उऩरब्ध कयामे जामेंगे जो 4 रुऩमा ्रतनत सैकडा की दय से एक फाय भें ्रत् मेक ्रतारूऩ की कभ से कभ 10 ्रतनतमाॉ ्रत् मेक ववक्रेता को देगा। यजजस्ट्रककयण कामायरम के आस-ऩास कोई राइसन्सदाय रेखऩत्र रेखक मा स्ट्टाम्ऩ ववक्रेता न होने ऩय मा उनके ऩास बफक्री के मरमे ्रतारूऩ उऩरब्ध न होने ऩय मे ्रतारूऩ 5 ऩैसा ्रतनत एक की दय से यजजस्ट्रककताय अधधकायक से ्रताप्त ककमे जा सकते हैं इन ्रतारूऩों के बफक्री का रेखा बफक्री वारे ्रतारूऩों के यजजस्ट्य (ऩरयमशष्ट एक का ्रतारूऩ सॊख्मा 22) भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया यखा जामेगा औय उनको बफक्री से ्रताप्त भ ल्म के मरमे ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 8 भें यसीद देगा जजसभें ्रतकीणय शीषयक भें उस बफक्री भ ल्म को टदखामा जामेगा औय उस यामश को स्ट्माहा (ऩरयमशष्ट एक ्रतारूऩ सॊख्मा 13) भें चढ़ामा जामेगा। च ॉकी ्रतारूऩों का ववक्रम भ ल्म उस रेखा शीषयक से, जजसभें यजजस्ट्रककयण पीस जभा की जाती है मबन्न रेखा शीषयक भें जभा ककमा जाता है। इसमरमे ्रतारूऩों की बफक्री को स्ट्माहा भें ्रतनतटदन की यजजस्ट्रककयण ्रताजप्तमों के मोग के फाद ककन्तु उनभें अरग टदखामा जामेगा औय ्रतारूऩों की बफक्री का मोग अरग से ककमा जामेगा। ्रत् मेक ऐसी बफक्री की ्रतववजष्ट उस यजजस्ट्य (ऩरयमशष्ट एक ्रतारूऩ सॊख्मा 22) भें की जानी चाटहमे। इसी ्रतारूऩ 22 भें एक यजजस्ट्य जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें बी यखा जामेगा जहाॉ से मे ्रतारूऩ केवर उऩ-यजजस्ट्रों को

उऩरब्ध कयामे जामेंगे औय इस यजजस्ट्य के खाना 7, 9 औय 11 खारक यहेंगे।

330.भुआमने के ्रत् मेक आवेदन भें उस वषय मा उन वषों का उलेख ककमा जामेगा फटहमों का ननयक
ण इजच्छत है। **331. तराश के आिेदनों के हदमा जाने िारा ब्मौया.-** तराश के ्रत् मेक आवेदन भें उस वषय मा उन वषों को फतामा जामेगा जजनकी फटहमों भें को तराश इजच्छत है औय इसके साथ वे ब्मौये बी टदमे जामेंगे जो यजजस्ट्रककताय अधधकायक को इजच्छत ्रतववजष्ट को ऩटहचानने के मरए आवश्मक हो। इस आवेदन भें मह स चना बी दक जानी चाटहमे जजससे यजजस्ट्रककताय अधधकायक सन्तुष्ट हो सके कक आवेदक 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 57 के खण्ड 2 मा 3 के अधीन उस तराश को कयवाने के मरए अधधकृत है औय ऐसी स चना की ्रतभार्णकता के ववषम भें स्ट्वमॊ को सन्तुष्ट कयने के मरमे यजजस्ट्रककताय अधधकायक ऐसे ्रतभाण भाॊग सकता है। जो वह उधचत सभझे।

332. नकर के शरमे आिेदन औय उसका हदमा जाना.- नकरों के आवेदन ऩरयमशष्ट तीन का ्रतारूऩ सॊख्मा 28 भें टदमे जामेंगे। नकरों के मरए यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया ्रताप्त सफ आवेदन नकरों के आवेदनों के यजजस्ट्य (ऩरयमशष्ट एक ्रतारूऩ सॊख्मा 9) भें चढ़ामे जामेंगे।

यजजस्ट्य के खाना 11 भें सफ आवेदनों की ्रतववजष्टमों के साभने, जजनभें भुआमने मा तराश के फाद सॊशोधन मा ऩरयवतयन आवश्मक हो, टटप्ऩणी मरखी जानी चाटहमे।

मटद फहक सॊख्मा एक मा दो भें के ककसी रेखऩत्र के नकर के डाक से ्रताप्त आवेदन भें ब्मौया ऩमायप्त न हो तो उऩ-यजजस्ट्राय इस फात की स चना आवेदक को देगा औय उसे फतामेगा कक वह भुआमना कयने के मरमे स्ट्वमॊ उऩजस्ट्थत हो मा ककसी अन्म व्मजतत को अधधकृत कय बेजे।

333. फही सॊख्मा तीन औय चाय भें की प्रविजष्टमों को नकर के आिेदनों भें कुछ सूचना का होना.- फहक सॊख्मा तीन औय चाय मा उनसेसम्फजन्धत इन्डेतसों भें की ्रतववजष्टमों की नकर के हय आवेदन भें वह स चना बी दक जानी चाटहमे जजससे यजजस्ट्रककताय अधधकायक को सन्तोष हो जामेकक आवेदक 1908 भें अधधननमभ सोरह की धाया 57 की उऩधाया 2 मा 3 के अनुसाय नकर रे सकने का अधधकायक है औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस स चना की ्रतभार्णकता की ऩुजष्ट के मरए ऐसे ्रतभाण भाॊग सकता है जो वह आवश्मक सभझे।

334. जफ उऩयोक्त सूचना न दी जामे तो प्रक्रिमा.- फहक सॊख्मा तीन औय चाय मा उनसे सम्फजन्धत इन्डेतसों भें की ्रतववजष्टमों की नकर चाहने वारा व्मजतत मटद आवश्मक ब्मौया न दे सके तो उसे यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया उस ्रतववजष्ट की तराश ककमे जाने का आवेदन देना चाटहमे। एक ्रतववजष्ट की तराश औय उसकी नकर (मटद वह मभर जामे) का आवेदन एक साथ हक एक हक आवेदन ऩत्र द्वाया ककमा जा सकता है जजस ऩय 25 ऩैसे (अफ 50 ऩैसे) का कोटय पीस स्ट्ाम्ऩ रगा हो औय उस आवेदन ऩय वह पीस रक जामेगी जो अरग-अरग दक आवेदनों ऩय ्रत बामय होती।

ननमभ 327 भें वर्णयत ऩरयजस्थनतमों को छोड़कय यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया फहक सॊख्मा तीन औय चाय तथा उनसे सम्फजन्धत इन्डेतसों के अरावा औय कोई तराश कयना अऩेक्षऺत नहकॊ है। इसमरमे मटद ककसी अन्म ्रतववजष्ट की नकर चाहने वारा व्मजतत बफना तराश के उन ब्मौयों को देने भें असभथय होजजनसे रेखऩत्र को ढ ॊढा जा सके तो उसको वाॊनछत स चना अमबरेख का स्ट्वमॊ भुआमना कयके मा ककसी अन्म व्मजतत द्वाया कयाकय देनी होगी।

335.जजस रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण फहक सॊख्मा एक भें होना चाटहमे था, मटद ब र से उसे फहक सॊख्मा तीन मा चाय भें यजजस्ट्रककृत कय टदमा हो तो उसकी नकर, जफ तक उसको ननमभ 355 के अनुसाय सहक फहक भें कोई अन्तरयत नहकॊ कय टदमा जाता, केवर उन्हकॊ व्मजततमों को दक जा सकती है जजनका उल्रेख धाया 57 के खण्ड (2) औय (3) भें ककमा गमा है।

336. आिेदन ऩत्रों ऩय रगे कोटा पीस स्ट्टाम्ऩों का छेदन.- ्रत्‌ मेक ्रताप्त आवेदन ऩत्र ऩय रगे कोटय पीस स्ट्टाम्ऩ को ्रताप्तकताय कभयचायक द्वाया तुयन्त छेद देना चाटहमे औय उसके नीचे अऩने हस्ट्ताऺ य औय तायकख मरख देनी चाटहमे औय आवेदनों को उनके मरमे सभुधचत यजजस्ट्टय (ऩरयमशष्ट एक के ्रतारूऩ सॊख्मा 9, 10 औय 11) भें चढ़ा टदमा जाना चाटहमे। एक हक ्रतकाय के आवेदनों को उनके ऩायस्ऩरयक ्रत ाजप्त के क्रभ के अनुसायननस्ट्तारयत ककमा जाना चाटहमे। ऩ वायन्ह भें ्रताप्त नकरों के आवेदनों को, जहाॉ तक सम्बव हो सके, उसी टदन ननस्ट्तारयत कय टदमा जाना चाटहमे औय अऩयान्ह भें ्रताप्त आवेदनों को अगरे टदन औय उनको यजजस्ट्टयों भें नकर ककमे जाने वारे रेखऩत्रों से ्रताथमभकता दक जानी चाटहमे। नकर के जरूयक आवेदनो को साभान्म से ्रताथमभकता दक जामेगी औय उनका ननस्ट्तायण जजतनी जल्दक हो सके कय टदमा जाना चाटहमे। उऩ-यजजस्ट्राय का मह देखना कतयव्म होगा कक नकर का जरूयक आवेदन 24घन्टे के अन्दय ननस्ट्तारयत हो जाता है।

337. भुआमने के सम्फन्ध भें अनुदेश.- अमबरेख के भुआमने के आवेदनों ऩय मथाशीघ्र कामयवाहक की जानी चाटहमे, ननमभत्‌ ्रत स्ट्तुनतकयण के टदन हक। मटद ककसी भुआमने को स्ट्थधगत कयना ऩड़े तो उसके कायणों को भुआमने के यजजस्ट्टय (ऩरयमशष्ट एक का ्रतारूऩ सॊख्मा 11) के टटप्ऩणी वारे खाने भें दजय ककमा जाना चाटहमे, जो व्मजतत अमबरेख का भुआमना कये उसे कभये भें करभ औय स्ट्माहक नहकॊ राने टदमा जाना चाटहमे अरफत्ता ऩेजन्सर से टकऩ फनाई जा सकती है। भुआमना यजजस्ट्रककताय अधधकायक की उऩजस्ट्थनत भें ककमा जामेगा। जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें भुख्म यजजस्ट्रककयण मरवऩक की उऩजस्ट्थनत भें, हय भाभरे भें मह सावधानी फयती जानी

चाटहमे कक अमबरेख से ककसी ्रतकाय की छेड़छाड़ न की जामे।

338. तराश के भाभरे भें अनुदेश.- तराश के आवेदनों ऩय मथाशीघ्र कामयवाहक की जानी चाटहमे। ननमभत् ्रतस्त्ुतनतकयण के टदन हक, मटद तराश को स्थधगत कयना आवश्मक हो तो उसके कायणों को तराश के यजजस्ट्य (ऩरयमशष्ट एक का ्रतारूऩ सॊख्मा 10) के टटप्ऩणी के खाने भें मरखा जाना चाटहमे।

339.मटद तराश ऐसी हो जो 1908 के अधधननमभ 16 की धाया 57 के खण्ड 4 मा ननमभ 327 के अधीन आवेदक को स्ट्वीकाय ककमे जाने मोग्म न हो, मा मटद आवेदनऩत्र भें इतना ववस्त्ृत ब्मौया न टदमा गमा हो, जजससे ्रतववजष्ट को ढ ॊढा जा सके, मा मटद यजजस्ट्रककताय अधधकायक ननमभ 331 भें उजल्र्खत स चना की ्रतभार्णकता के ्रतभाण भाॉगना उधचत सभझे, तो मटद आवेदक उऩजस्त्थत हो तो व्मजततगत रूऩ से औय मटद उऩजस्त्थत न हो तो डाक द्वाया उसके आवेदन ऩय ऩारयत आदेश की स चना दक जामेगी औय यजजस्ट्य के टटप्ऩणी वारे खाने भें वह तायकख मरखी जामेगी।

340.तराश ऩ यक होने ऩय यजजस्ट्रककताय अधधकायक आवेदक को स धचत कयेगा कक वाॊनछत ्रतववजष्ट मभरक मा नहकॊ मा कक तराश ननष्प्पर मसद्ध हुई। ननष्प्परता की दशा भें तराश के मरमे रक गई पीस वाऩस नहकॊ की जामेगी ककन्तु मटद आवेदक चाहे तो वह ऐसा ्रतभाणक ऩाने का अधधकायक होगा कक ्रतववजष्ट नहकॊ मभरक जजसभें उन वषों का जजनकी फटहमों को तराशा गमा था, उल्रेख होगा। ्रतववजष्ट के मभर जाने की दशा भें उसे, मटद वह स्ट्वमॊ उऩजस्त्थत हो, तो उस ्रतववजष्ट को, जजसकी तराश के मरमे पीस अदा की गई है, स्ट्वमॊ ऩढ़ने का ऩढ़कय सुनामे जाने का अधधकाय ्रत ाप्त होगा औय उसे ऩेजन्सर से उसके अ ॊश टकऩ रेने टदमा जामेगा। अमबरेख से ककसी ्रतकाय की छेड़छाड़ न हो इसके मरमे ऩ यक सावधानी फयती जानी चाटहमे। मटद आवेदक स्ट्वमॊ उऩजस्त्थत न हो तो वाॊनछत स चना उसे सयकायक खचें ऩय डाक से बेजी जामेगी। स चना बेजने की तायकख का तराश यजजस्ट्य (ऩरयमशष्ट एक का ्रतारूऩ सॊख्मा 10) के खाना 8 भें दजय ककमा जामेगा। मटद तराश के आवेदन के साथ नकर का आवेदन बी ककमा गमा हो औय जजस ्रतववजष्ट की नकर भाॊगी गई है। ढ ढ़ रक गई हो तो आवश्मक ब्मौये का नकर के आवेदन ऩत्र भें दजय ककमा जामेगा औय उस ऩय उसी क्रभ ्रताथमभकता से काययवाई की जामेगी जैसे कक वह सभम ्रतस्त्ुत हुआ हो जजस सभम उस ऩय ब्मौया बाय गमा था। ब्मौयों को आवेदन-ऩत्रभें मरखने की तायकख नकर के यजजस्ट्य (ऩरयमशष्ट एक का ्रतारूऩ सॊख्मा 9) के खाना 5 भें दजय की जामेगी।

341. नकर के आि ेदन हदमा जाना.- नकर का आवेदन जजसभें ननमभ 332 भें उजल्र्खत वववयण औय स चना दक गई हो, ्रताप्त होने ऩय यजजस्ट्रककताय अधधकायक उसे स्ट्वीकाय कयेगा। मटद 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 57 के अधीन नकर स्ट्वीकायणीम न हो तो वह उसे अस्ट्वीकाय कयने का आदेश आवेदन-ऩत्र ऩय अ ॊककत कयेगा औय इसकी स चना आवेदक को मटद आवेदक उऩजस्त्थत हो तो व्मजततगत रूऩ से औय मटद उऩजस्त्थत न हो तो सयकायक खचें ऩय डाक से, देगा।

मटद ्रत ववजष्ट नहकों ढ ढ़क जा सकती मा मटद आवेदन को इसमरमे अस्ट्वीकाय कयना ऩड़े कक उसभें ननमभ 332 औय 333 भें वर्णयत ऩ या ब्मौया औय स चना नहकों दक गई है मा यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस स चना की ऩुजष्ट के मरमे ्रतभाण भाॊगना उधचत सभझे तो ऐसे आदेश की स चना उऩमुयतत ववधध से आवेदक को दक जामेगी। स चना टदमे जाने की तायकख को नकर यजजस्ट्रय (ऩरयमशष्ट एक ्रतारूऩ सॊख्मा 9) के टटप्ऩणी वारे खाने भें दजय ककमा जामेगा।

342. तराश मा नक्शें मा येखाधचत्रों के शरए प्रभामा पीस की सूचना.- नतशे मा येखाधचत्रों के मरमे, जजनके मरमे कोई पीस ननधायरयत नहकों है, जो पीस रक जाती है उसकी स चना उऩमुयतत ववधध से दक जावेगी औय स चना देने की तायकख नकर यजजस्ट्रय (ऩरयमशष्ट एक का ्रतारूऩ सॊख्मा 9) के खाना 11 भें दजय की जामेगी।

343.नकर मा तरा के डाक से ्रताप्त आवेदन के साथ मटद ऩमायप्त पीस न बेजी गई हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक सयकायक खचें से डाक द्वाया आवेदक को पीस की वाॊनछत यकभ औय इजन्डमन स्ट्राम्ऩ अधधननमभ, 1899 (1899 का द सया) की अनुस ची एप-वी के अनुच्छेद 24 के अधीन ्रतबामय स्ट्राम्ऩ शुल्क (मटद ्रतबामय हो) की स चना देगा औय उसको उन कमभमों को ऩ या कयने के मरए 15 टदन का सभम देगा। मटद इस अवधध की सभाजप्त ऩय कभी ऩ यक नहकों की जाती तो आवेदन अस्ट्वीकाय कय टदमा जामेगा। आवेदक को पीस की
स चना टदमे जाने की तायकख नकरों के यजजस्ट्रय (ऩरयमशष्ट एक ्रतारूऩ सॊख्मा 9) के खाना 11भें दजय ककमा जामेगा।

344. नकर पीस की िाऩसी.- मटद ककसी कायण से कोई नकर जजसके मरमे पीस वस र की जा चुकी है, आवेदक को नहकों दक जा सकती है तो न आवेदक को नकर तैमाय कयने के मरमे अदा की गई पीस वाऩस ऩाने का अधधकाय होगा ऩयन्तु आवेदन-ऩत्र ऩय रगामे गमे 25 ऩैसे (अफ 50 ऩैसे) के कोटय पीस टटकट के भ ल्म का नहकों। इसी ्रतकाय मटद ककसी भाभरे भें नकर फनाने के मरमे आवेदक द्वाया अदा की गई यामश उस यामश सेअधधक हो जो उस नकर की तैमायक के मरमे ्रतबामय थी तो आवेदक अनतरयतत यामश को वाऩस ऩाने का अधधकायक होगा। ऐसी वाऩसी ननमभ 220 भें ननधायरयत ववधध से रक जा सकती है।

345. यजजस्ट्यों, इन्डेक्सों औय प्रकीणा कायािाइमों की नकरे हदमे जाने, भुआइने मा तराश कयने की अनुभनत देने सम्फन्धी ननमभ.- यजजस्ट्यों औय इन्डेतसों की नकरे टदमे जाने मा इन्काय ककमे जाने सम्फजन्धत ननमभ, 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 57 भें टदमे गमे है। सयकायक ऩत्रों की नकरे साभान्मत् नहकों दक जानी चाटहमे। उच्चतय अधधकायक को बेजी गई
आख्मा की नकर ननमभत् सम्फजन्धत ऩ
काय को नहकों दक जानी चाटहमे औय न उच्चतभ
अधधकयण द्वाया बेजे गमे ऩत्रों की साभान्मत् दक जानी चाटहमे (भैनुअर आप गवनयभेन्ट आडयसय-ऩैयाग्राप 411) यजजस्ट्रककताय अधधकायक के सभ ऺ

कायों के फीच हुई ्रतकीणय कामयवाहक
की नकर योकी नहकों जानी चाटहमे। मह ननदेश कभयचारयमों के फीच हुमे ऩत्र व्मवहाय ऩय राग नहकों होता। मह केवर ऩं कायों के फीच यजजस्ट्रककताय के सभं ऐसी काययवाई ऩय राग होता है जजसभें वे ऩं काय हों। ऐसे भाभरों की सम्बावना हो सकती है जजसभें नकर टदमा जाना उधचत न सभंा जामे औय मटद ऐसी सम्बावना ऩैदा हो तो जजरा यजजस्ट्राय को सॊदमबयत की जानी चाटहमे।

346. रेखऩत्रों औय की नकरों का स्ट्टाजम्ऩत होना.- यजजस्ट्रककताय अधधकारयमों को सावधानी यखनी चाटहमे कक उनके द्वाया दक जाने वारक रेखऩत्रों की नकरों के सम्फन्ध भें त्सभम ्रतबावी स्ट्टाम्ऩ अधधननमभ के ्रतावधानों का ऩारन हो यहा है। 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 57 के अधीन दक गई नकर ऩय इजन्डमन स्ट्टाम्ऩ अधधननमभ, 1899 (1899 का द सया) की अनुस ची एक-वगय के अनुच्छेद 24 के अधीन स्ट्टाजम्ऩत होना आवश्मक है जो भ र रेखऩत्र ऩय अदा ककमे गमे स्ट्टाम्ऩ शुल्क ऩय आधारयत है।

1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 57 तथा 71 के अधीन दक गई नकरों, औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया की गई काययवाई, ऩारयत आदेशों औय मरमे गमे फमानों की नकरों ऩय इजन्डमन स्ट्टाम्ऩ अधधननमभ (1899 का द सया) की अनुस ची एक के अनुच्छेद 24 के अधीन स्ट्टाम्ऩ शुल्क ्रतबा है। जजरा यजजस्ट्रायों द्वाया कोड ऑप कक्रमभनर ्रतोसीजय की धाया 480 से 482 तक के अधीन मा के ्रतमोजन से की गई काययवाई मरमे गमे फमान औय ऩारयत
आदेशों को नकरों ऩय कोटय पीस अधधननमभ (1870 का सातवाॊ) की अनुस ची एक के अनुच्छेद 9 के अधीन कोटय पीस स्ट्टाम्ऩ देम है।

347. आिेदनऩत्रों को िािषाक गड्डमों भें यखा जाना.- नकर, तराश मा भुआमने के मरमे ककमे गमे आवेदन ऩत्रों को यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया सॊख्माककत ककमा जाकय वावषयक गड्डमों भें यखा जामेगा। ्रत्मेक ऐसे आवेदन ऩय जजसे स्ट्वीकाय ककमा गमा हो उसे स्ट्वीकाय ककमे जाने का आदेश ्रतामककत होना चाटहमे औय भुआमने मा तराश के आवेदनों ऩय उस वषय मा उन वषों की सॊख्मा जजनके मरमे भुआमना मा तराश की गई हो औय उस ऩय वस र की गई पीस अॊककत होनी चाटहमे।

348. सयकायी कभाचारयमों द्िाया क्रकमे जाने िारे भुआमने औय तराशे.- ननम्नमरखखत दशाओॊ भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया ननवधध(फ्री) तराश कयने की अनुभनत दक जावेगी- (क) मटद करेतटय मा ववक्रम अधधकायक द्वाया ऐसी ऩैतृक सम्ऩजत्त ऩय,

जजसकी बफक्री का आदेश दकवानी न्मामारम की बफक्री के ननष्ऩादनाथय टदमा गमा हो, बायग्रस्ट्तता भार भ कयने के मरमे ऐसा आदेश टदमा जामे।

(ख) मटद कोड आप कक्रमभनर ्रतोसीजय की धाया 106, 107, 109 औय 110 के

अधीन आफद्ध व्मजतत द्वाया मा उसके नं

भें ्रतस्त्ुत ककमे

गमे जभानती फन्धक नत्र के सम्फन्ध भें न्मामारम द्वाया आदेश टदमा जामे।

(ग) मटद ककसी सयकायक कामायरम के अध्मं द्वाया ऐसी जभानती फॉोडों के सम्फन्ध भें, जजन्हें सयकायक नदाधधकारयमों ने अननेे कतयव्म के सम्मक अनुन्नारनाथय ननवेमशत ककमा हो अथवा सयकायक सेवकों के गृह-ननभायणाथय

स्ट्वीकृत अधग्रभ धनयामशमों की जभानत के रून् भेंफन्धक यखी गई सम्नज्त्त नय बाय-ग्रस्त्तताओों के सम्फन्ध भें ऐसा आदेश टदमा जामे।

(घ) मटद जजराधधकारयमों अथवा तहसीरदायों द्वाया तकावी ऋणों मा ब मभ अजयन अधधननमभ, 1894 के अधीन ब मभ अजयन के सम्फन्ध भें मा उनन- जजरा ननमोजन अधधकायक, खण्ड ववकास अधधकायक मा ्रतमशण केन्द्रों के ्रत

धानाचामों द्वाया डेवरनभेन्ट एण्ड प्राननोग रूल्स के अधीन ऋण सम्फन्धी ववषमों के सम्फन्ध भें ऐसा आदेश टदमा जामे।

(ङ) मटद 1912 के अधधननमभ सोख्मा 2 के अधीन यजजस्ट्रककृत ककसी सहकायक समभनत के ्रतफन्ध (भैनेजय) द्वाया इसके मरमे कहा जामे।

(च) मटद उद्मोग ननदेशक उ्तय ्रतदेश द्वाया औद्मोधगक सोख्माओों की जभानतों नय बाय-ग्रसतताओों के सम्फन्ध भें इसकी अधधमाचना की जामे।

(छ) मटद करेतटय द्वाया नादयन इजन्डमा पेयकज अधधननमभ, 1878 (एक सोख्मा 17 सन् 1878) की धाया 9 के अधीन नौघाटों (पेयकज) के देमों के फकामों की वस रक के सम्फन्ध भें अचर सम्नज्त्त की बफक्री का सोचारन कयते सभम ऐसा आदेश टदमा जामे।

(ज) मटद मशमा सेत्रर फोडय मा सुन्नी सेत्रर फोडय के अध्मं मा सेवुटेयक द्वाया ककसी वास्त्तववक सावयजननक ्रतमोजन के मरमे ककसी फकामा की ब - सम्नज्त्त अथवा उस नय बाय ग्रस्त्तताओों के सम्फन्ध भें अथवा ककसी यजजस्ट्रककयण कामायरम भें यजजस्ट्रककृत फकामा के ववरेख सम्फन्धी स चना के मरमे ऐसा कयने की भाोग की जावे।

इस ननमभ के अधीन यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया सबी तराशें स्ट्वमों की जावेगी मसवाम उतत (घ), (ङ) तथा (ज) के भाभरों भें जजसभें यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 (1908की अधधननमभ सोख्मा 16) की धाया 57 भें ननटहत ननफन्धों

के अधीन यहते हुमे अधधमाचक अधधकायक द्वाया तदथय नाभ-ननटदयष्ट ककसी व्मजतत द्वाया ननयक्षण कयने की अनुभनत दक जा सकती है।

यजजस्ट्रककताय अधधकायक ऐसे ्रतनतब नतमों के सम्फन्ध भें, जो आवेदकों द्वाया उ्तय ्रतदेश वव्त ननगभ, मा यजजस्ट्रककृत फैंक के ऋण हेतु ्रतस्तुत की गई है अथवा ऐसी ्रतनतब नतमों के सम्फन्ध भें जो म्म ननमसन्र फोडय मा जजरा फोडय के न्कारयमों द्वाया अथवा कोटय आप वाडयस के न्दाधधकारयमों द्वाया ननष्नाटदत ककमे गमे हो, बाय ग्रस्ततताओं के मरमे उनके ववबागाध्मों की अधधमाचनों , के साथ अनेक्षत तराश (खचय) शुल्क भौज द हो, स्ट्वमॊ तराश कयेंगे अन्म सभस्त भाभरों भें जजरा यजजस्ट्राय मह ननणयम कयेगा कक मटद ककसी सयकायक कामायरम मा न्मामारम से वास्तववक सावयजननक ्रत मोजनों के मरमे अधधमाचन ्रताप्त हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया नन्शुल्क तराश की जामे मा नहकॊ। इस ननमभ के अधीन यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया की गई तराश का ववस्तायण नुस्तक सॊख्मा तथा 2 औय दोनों त्स्थानी अनुक्रभर्णकाओं (इन्डेतस) औय साथ हक नुस्तक सॊख्मा 3 तथा 4औय उनकी अनुक्रभर्णकाओं का ककमा जा सकता है।

ऐसी तराश का न्रयणाभ मरर्खत रून्न भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक के हस्ता्यों से सॊस धचत ककमे जावेंगे। अधधमाचना औय इस सॊस चना व तराश वषों तथा नुस्तकों के ब्मौये टदमे जावेंगे। (भहाननयक्षक की अधधस चना सॊख्मा 13/69-ए/1-206, टदनाॊक 1-9-1970 तथा 15-7-1972 द्वाया मथा सॊशोधधत)

अनुवादककताय की टटप्नणी- उतत ननमभ 348 का 416 रगबग वहक है जो अधधस चनाओं भें टदमा गमा है इसमरमे अॊग्रेजी के अनेक शब्दों के टहन्दक न्मायम जो इस अधधस चना भें ्रतमुतत ककमे गमे है उनभें मबन्न है जो अनुवादक द्वाया फाकी अनुवाद भें ्रतमोग ककमे गमे हैं, न्ाठक उधचत अथय ननकार रें।

349. नकरों का न्यी्षण औय उनका सही नकर होना प्रभाणणत कयना.- धाया 57 के अधीन दक गई ककसी यजजस्ट्य मा इन्डेतस भें की ्रतववजष्टमों की कोई नकर मा यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 71 औय 76 के अधीन यजजस्ट्रककयण इन्कायक के कायणों की कोई नकर मा ्रतकीणय कागजों मा कामयवाई की नकरें जो ननमभ 345 के अधीन दक जा सकती है आवेदक को तफ तक नहकॊ दक जावेंगी जफ तक उस न्य नकर फनाने वारे व्मजतत औय जहाॊ सम्बव हो जजसने उसका भीरान भ र से कय मह सुननजश्चत ककमा जो कक नकर सहक है के हस्ता्य न ककमे जावे औय जफ तक यजजस्ट्रककताय अधधकायक ने उसको सहक नकर होना ्रतभार्णत न ककमा हो। जजन कामायरमों भें एक से अधधक मरवन्क हो वहाॊ न्य एक मरवन्क द्वाया फनाई गई नकरों भीरान द सये द्वाया ककमा जामेगा जहाॊ केवर एक मरवन्क हो वहाॊ न्य यजजस्ट्रककताय अधधकायक को उसे सहक नकर होना ्रतभार्णत कयने के न्टहरे स्ट्वमॊ उसका न्यक्षण कय ऐसा कयने के ्रतभाणस्ट्वरून्न हस्ता्य कयने चाटहमे। उन थोड़े से कामायरमों भें जहाॉ कोई मरवन्क न

हो वहााॅ ऩय नकरों का फनाना उनका ऩयर्क

ण औय ्रतभाणक स्ट्वमॊ यजजस्ट्रककताय अधधकायक को

हक कयना होगा औय उस दशा भें ्रतभाणक इस ्रतकाय टदमा जामेगा।

भेये द्वाया फनाई गई औय भ र से भीरान की गई सहक नकर

हस्ट्ता्य

उऩ-यजजस्ट्राय

जहााॅ कोई अधधकृत मशशु्ु यखा गमा हो वहााॅ ऩय ऐसे मशशु्ु को नकर फनाने के मरमे ्रतमोग ककमा जा सकता है ककन्तु उसके ऩयर्कण के मरए नहकॊ। नकर को तफ तक „सहक नकर‟ ्रतभार्णत नहकॊ ककमा जामेगा। जफ तक कक भ र रेखऩत्र ऩय अदा ककमे गमे स्ट्टाम्ऩ शुल्क की यामश नकर ऩय सहक-सहक ्रतदमशयत न की गई हो।

350. ब्मौये की गरती के कायण ऩुन् यजजस्ट्रीकयण.- ककसी रेखऩत्र के ऩुन् यजजस्ट्रककयण कयना तीन ऩरयजस्ट्थनतमों भें हो सकता है; जफ यजजस्ट्रककयण के फाद ऩ्

कायों के भ

र अमब्रताम की ऩ नतय के मरमे रेखऩत्र भें हुई ब्मौये की गरती को सहक कयने के मरए ऩ्कायों की सहभनत से उसभें कोई शुवद्धकयण ककमा जामे, इस शुवद्धकयण का वास्ट्तववक ्रतबाव रेखऩत्र को उस रेखऩत्र से जजसका यजजस्ट्रककयण ककमा था, मबन्न औय बफरकुर नमा रेखऩत्र फना देता है औय मटद मह रेखऩत्र धाया 17 द्वाया आच्छाटदत होता है तो उसका यजजस्ट्रककयण ककमा जाना चाटहमे।

मसववर ्रतोसीजय कोड की धायामें 152 औय 153 मा स्ट्ऩेमसकपक रयरकप अधधननमभ की धाया 31 के अधीन न्मामारम के आदेश मा डडक्री के अनुसाय ववक्रम के ्रत भाणऩत्रों औय रेखऩत्रों भें शुवद्धकयण, सम्फजन्धत पाइर फटहमों, यजजस्ट्यों औय इन्डेतसों भें उधचत स्ट्थानों ऩय ककमा जानाचाटहमे।

351. ब्मौये की गरती को सही कयने के शरमे अनुऩूयक रेखऩत्र.- ककसी यजजस्ट्रककृत रेखऩत्र भें हुई ब्मौये की गरती को शुद्ध कयने की द सयक ववधध है कक एक अनुऩ यक रेखऩत्र फनामा जामे जजसभें उन गरनतमों का उल्रेख ककमा जामे जो वऩछरे रेखऩत्र भें हुई है औय उन शुवद्धमों का बी जो अफ वाॊनछत है औय इस रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण बी कयामा जामे। अनुऩ यक रेखऩत्र को हय ्रतकाय भ र रेखऩत्र के सभान हक भाना जाना चाटहमे औय इस ऩय बी वहक पीस रक जावेगी जो भ र ऩय रक गई थी ऩयन्तु दो रुऩमा ऩचीस ऩैसा से अधधक नहकॊ, इसे रेखऩत्र ऩय स्ट्टाम्ऩ शुल्क सभम-सभम ऩय मथा सॊशोधधत इॊडडमन स्ट्टाम्ऩ अधधननमभ के ्रतावधानों के अधीन ्रतबामय होगा।

352. रेखऩत्र जजसका ननष्ऩादन अनेक व्मजक्तमों ने अरग-अरग सभम ऩय क्रकमा हो का ऩुन् यजजस्ट्रीकयण.- तीसयक जस्ट्थनत, जफ कक ककसीरेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण एक से अधधक फाय ककमा जाना होता है तफ ऩैदा होती जफ रेखऩत्र का अनेक व्मजततमों द्वाया ननष्ऩादन ककमा जानाअमब्रतेत हो ककन्तु ्रतथभ यजजस्ट्रककयण के सभम उसका ननष्ऩादन उनभें से केवर कुछ व्मजततमों ने ककमा हो।

मटद यजजस्ट्रककयण हो जाने के फाद अन्म ब्मजतत बी ननष्ऩादन कये तो रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण कपय से ककमा जामेगा, ऩयन्तु ऐसी दशा भें सभमावधध धाया 23 के अधीन रेखऩत्र की तायकख से नहकों फजल्क अजन्तभ ननष्ऩादन की तायकख से आगर्णत की जामेगी।

353. रेखऩत्र के ऩुन् यजजस्ट्रककयण की तीसयक ववधध यजजस्ट्रेशन अधधननमभ, 1908 (1917 के अधधननमभ ऩन्द्रह द्वाया मथा सॊशोधधत) की धाया 23-ए भें अनुभोटदत की गई है।

354. ऩुन् यजजस्ट्रीकयण की प्रक्रिमा.- जहाॉ कहकों बी ककसी रेखऩत्र का ऩुन् यजजस्ट्रककयण ककमा जामे उसको ऐसे भाना जामेगा जैसे वह बफल्कुर नमा रेखऩत्र है औय उसके ऩरयवनतयत स्ट्वरूऩ भें उसको उधचत यजजस्ट्टय भें कपय से नकर ककमा जामेगा औय ऩ यक पीस वस र की जामेगी, मटद रेखऩत्र की ऩीठ ऩय ऩुयाने यजजस्ट्रककयण से सम्फजन्धत ऩृष्ठाॊकनों के कायण, नमे ऩृष्ठाॊकनों के मरमे ऩमायप्त स्ट्थान न हो तो उनको ननमभ 383 भें ननदेमशत ववधध से सादा कागज जोड़कय ऩ या ककमा जा सकता है।

यजजस्ट्रीकयण भें गरनतमाॉ

(1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 68 औय 69)

355. (i) ककसी रेखऩत्र का गरत यजजस्ट्टय भें यजजस्ट्रककयण हो जाने की दशा भें रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण तो भान्म होगा ककन्तु आख्मा ्रताप्त होने ऩय मा अऩने हक उऩक्रभ से जजरा यजजस्ट्राय स्ट्वमॊ को तथ्म के फाये भें ऩ णयतमा सन्तुष्ट कय रेने के फाद ननदेश दे सकता है कक रेखऩत्र तथा उस ऩय मरखे ऩृष्ठाॊकनों औय ्रत भाणकों की नकर को बफना ककसी अनतरयतत पीस से उधचत यजजस्ट्टय भें रेखान्तरयत कय टदमा जामे। इस्रतकाय नकर ककमे गमे

रेखऩत्र को उस यजजस्ट्टय भें उससे ऩटहरे मरखे गमे रेखऩत्र का क्रभाॊक टदमा जामेगा ऩय उस ऩय „का" अंय जोड़ टदमा जामेगा।

(ii) जजस यजजस्ट्टय भें ्रतववजष्ट रेखान्तरयत हुई हो उसके ऩृष्ठाॊकन वारे खाने भें औय रेखऩत्र ऩय वऩछरे ्रतभाणक के नीचे ननम्नमरर्खत ्रत ारूऩ भें एक ्रत भाणक अ ोककत ककमा जामेगा। रेखऩत्र मटद कामायरम ने उऩरब्ध न हो तो उसे भॊगामा जामे।

„„जजरा यजजस्ट्राय .... के आदेश सॊख्मा .... टदनाॊक .... के अधीन फहक .... जजल्द .... के ऩृष्ठ .... ऩय अबाव .... का ऩय टदनाॊक .... को ऩुन् यजजस्ट्रककयण ककमा गमा।

यजजस्ट्रीकताा

अधधकायी का हस्ट्ता ंय

(iii) यजजस्ट्रककयण की भ र ्रत ववजष्ट के अन्त भें इसी ्रत काय का एक ्रत भाणक रार स्ट्माहक से मरखा जामेगा जजसभें यजजस्ट्रककृत के ऩटहरे„गरती से" शब्द जोड़ टदमे जावेंगे। **356.** ऩ वोतत ननमभ के अधीन ऩुन् यजजस्ट्रककयण का जजरा यजजस्ट्राय का आदेश ऩाने ऩय यजजस्ट्रककताय

अधधकायक रेखनत्र के दावेदाय को यजजस्ट्रककयण भें हुई गरती की स चना देकय उसे भ र रेखनत्र ्रतस्ट्तुत कयने का आदेश देगा। मटद रेखनत्र ्रतस्ट्तुत हो तो ननमभ 355 को ननदेमशत ्रतकक्रमा का अनुकयण ककमा जामेगा। मटद रेखनत्र ्रतस्ट्तुत न हो तो कोई कामयवाहक कयने की आवश्मकता नहकों है।

357. (i) जफ असावधानी से ककसी रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण गरत कामायरम भें हो गमा हो तो यजजस्ट्रककताय अधधकायक उसके ननष्ऩादनकताय औय दावेदाय को इसकी स चना देगा औय उनको ऩयाभशय देगा कक जजरा यजजस्ट्राय से धाया 68 के अधीन उस रेखनत्र का सहक कामायरम भें कपय से यजजस्ट्रककयण कयाने का आदेश देने के मरमे आवेदन कयें।

(ii) मटद यजजस्ट्रककयण का सहक कामायरम उस जजरे से जजसभें गरत यजजस्ट्रककयण हुआ था, अन्मत्र जस्ट्थत हो तो आवेदन उस द सये जजरे के जजरा यजजस्ट्राय को टदमा जामेगा।(iii) जफ उस यजजस्ट्राय को ऐसा ननदेश टदमा जामे की वह बफना ककसी पीस रेखनत्र का यजजस्ट्रककयण कयेगा औय ्रतस्ट्तुनतकयण के नृष्ठाोकन भें जजरा यजजस्ट्राय के आदेश के उल्रेख कयेगा।

(iv) जजस यजजस्ट्रककताय अधधकायक के कामायरम भें रेखनत्र का भ रत् यजजस्ट्रककयण हुआ था वह ्रत् मेक दशा भें रेखनत्र की नकर मा ाानन नन्शुल्क धाया 64 से 67 तक भें ननधायरयत ्रतकक्रमा के अनुसाय सहक कामायरम को बेजेगा औय ऩाने वारा अधधकायक उस नकर मा ाानन को पाइर फहक सोख्मा एक भें धचऩकामेगा।

358.ककसी रेखनत्र के यजजस्ट्रककयण कयने तराश कयने मा नकर देने भें अधधकायक की गपरत से सयकाय को हुई ककसी ांनत के मरमे वह उ्तयदामी होगा।

धाया 89 के अधीन विशेष यजजस्ट्रीकयण

359. रैन्ड इम्प्रिभेन्ट अधधननमभ के अधीन कायणों का विशेष यजजस्ट्रीकयण.-यजजस्ट्रेशन अधधननमभ (1908 का सोरहवाों) की धाया 89 भें ्रतावववधान ककमा गमा है कक रैन्ड इम््रत वभेन्ट अधधननमभ 1871 के अधीन ऋण देने वारा ्रत् मेक अधधकायक अऩने आदेश की नकर उस यजजस्ट्रककताय अधधकायक को बेजेगा जजसके स्ट्थानीम े त्राधधकाय की सीभा भें सुधायक जाने वारक ब मभ का सम्ऩाजश्वयक जभानत भें दक जाने वारक ब मभ मा उसका कोई बाग जस्ट्थत हो औय ऐसा यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस नकर को अऩनी फहक (पाइर फहक) सोख्मा एक भें पाइर कयेगा।

360.यजजस्ट्रेशन अधधननमभ सोख्मा सोरह वषय 1908 की धाया 89 भें कुछ वगों के रेखनत्रों के यजजस्ट्रककयण की ववशेष ववधध ननधायरयत की गई है। इस धाया के ्रतावववधानों का नतहया ्रतबाव है-

(1) उनके अनुसाय उऩमुयतत वगों के रेखनत्रों का बफना उसके भ ल्मोोकन का मरहाज के मरमे यजजस्ट्रककयण अननवामय है।

(2) उनको यजजस्ट्रककृत कयाने का दानम्व ऋण देने वारे अधधकायक मा

्रत भाणक देने वारे न्मामारम मा याजस्व अधधकायक (जैसी बी
जस्थनत हो) का है न कक उस व्मजतत का जजसको ऋण मा ्रतभाणऩत्र
टदमा गमा हो मा उसके दावेदाय का।

(3) यजजस्ट्रककयण की एक ववशेष ववधध ननधायरयत की गई है।
याजस्व

अधधकायक अऩने आदेश मा ऋण की अदामगी के जभानत भें मरमे गमेरेखऩत्र की नकर उस यजजस्ट्रककताय अधधकायक को बेजेगा जजसके अधधकाय ेे त्र भें सम्फजन्धत जस्थत हो, इसी ्रतकाय न्मामारम मा याजस्वअधधकायक को ववक्रम ्रतभाणऩत्र की नकर यजजस्ट्रककताय अधधकायक को बेजनी होती है औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक को उस नकर कोअऩनी फहक (पाइर फहक) भें पाइर कयना होता है औय ववधधक ्रतमोजनों के मरए मह यजजस्ट्रककयण ऩमायप्त है।

361.इस ्रतकाय के रेखऩत्रों का नं कायों द्वाया अरग से यजजस्ट्रककयण स्वेजच्दक है। मह बी सभझा टदमा जाना आवश्मक है कक मद्मवऩववचायाधीन ्रतकाय के रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण याजस्व अधधकारयमों मा न्मामारमों द्वाया कयामा जामेगा ककन्तु ऐसे रेखऩत्र के धायक मा उसकेअन्तगयत दावेदाय द्वाया उसे उसकी तायकख के चाय भाह के अन्दय साभान्म रेखऩत्र की तयह उस यजजस्ट्रककताय अधधकायक के ऩास, जजसके ेे त्राधधकायभें वह आता हो, ्रतस्तुत कयने भें कोई फाधा नहकॊ हैं। चाहे याजस्व अधधकायक मा न्मामारम ने उसका अरग से यजजस्ट्रककयण कया टदमा हो, ककन्तुमेक ऐसा द सया यजजस्ट्रककयण ऩ णयतमा स्वैजच्छक होगा औय उसको सफ ्रतकाय से स्वेजच्छक भाना जामेगा औय ननमतकामरक ववववरयर्णमों भें उन्हेंस्वेजच्छक कहा जामेगा।

[वषयक ववववरयणी सॊख्मा 1 के खाने 25 व 26 न्मामारम के आदेशों मा डडकक्रमों की ्रतभार्णत नकर से अन्मथा ्रतकीणय यजजस्ट्रककयण]

दो्रतनतमों भें ्रतस्तुत रेखऩत्रों का यजजस्ट्रककयण औय ्रतभाणीकयण।

362. यजजस्ट्रीकयण के शरए दो प्रनतमों भें प्रस्तुत रेखऩत्र.- (1) जफ ककसी रेखऩत्र की दो मा अधधक नकरे एक साथ यजजस्ट्रककयण के मरए स्तुत की जामे तो भ र रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण साभान्म ववधध से होगा, औय भ र रेखऩत्र ऩय साथ भें ्रतस्तुत की गई द सयक ्रतनतमों की सॊख्माअॊककत की जामेगी, जजनका यजजस्ट्रककयण ककमा गमा हो।

मटद द सयक ्रतनतमॊ भ र का सहक ्रतनतरूऩ हो, उन ऩय वहक तायकख दजय हो, औय ऩंकायों द्वाया उनको भ र की सहक न ्रत भार्णत नकर होना भार्णत ग्रहण कयने के ऩहरे ्रतस्तुतकताय से उनको सहक कयने को कहा जामेगा। मटद भ र रेखऩत्र केसाथ कोई नतशा मा येखाधचत्र मा अन्म कोई सॊरग्नक हो तो उसकी नकर उन नकरों के साथ बी जोड़ी जामेगी जजनका यजजस्ट्रककयण होना है।

रेखऩत्र के साथ प्रस्तुत दूसयी प्रनत के यजजस्ट्रीकयण की प्रक्रिमा.- ्रत्मेक

ऐसी द सयक ्रतनत को स्ट्माहा औय यजजस्ट्य भें अरग क्रभाॊक टदमाजामेगा न्रयन्तु रेखनत्र का यजजस्ट्य भें एक फाय से अधधक नकर ककमा जाना आवश्मक नहकों होगा। जहाॉ तक इन नकरों का ्रतश्न है उनका क्रभाॊकऔय उन न्रय मरखे गमे न्र ये न्रृष्ठाॊकनों को जजसभें स्ट्ाम्न्र ववक्रेता द्वाया ककमा गमा न्रृष्ठाॊकन (मटद हो) बी शामभर है, भ र रेखनत्र को नकर के फादन्र या-न्र या नकर ककमा जामेगा औय भ र रेखनत्र तथा द सयक ्रतनतमों न्रय मरखे जाने वारे ्रतभाणक भें जजल्द के उन सफ न्रृष्ठों का उलेख होगाजजनभें भ र रेखनत्र तथा द सयक ्रतनतमों सम्फन्धी ्रतववजष्टमाॉ की गई हों। द सयक ्रत् मेक ्रतनत न्रय भ र के सभान हक न्रृष्ठाॊकन मरखे जामेंगे केवरक्रभाॊक भें न्ररयवतयन होगा औय उन न्रय ननम्नमरर्खत न्रृष्ठाॊकन मरखा जामेगा।

क्रभाॊक .... को द सयक, तीसयक मा .... ्रतनत,
भ र औय द सयक, तीसयक मा .... ्रतनत भें अन्तय
इस ्रतनत भें अन्तरेखन, रयतत स्ट्थान, मभटामे शब्द औय कट-पट।

भीरान - न्राठक
ककमा - न्रयकक

टदनाॊक .... यजजस्ट्रककताय अधधकायक के हस्ट्ता ्य नोट
मभटामा गमा हो उदाहयणाथय-न्राॊजतत 10 भें शब्द „कयेसी न्राॊजतत के ऊन्रय मरखा गमा है, अय „क‟ मा 2 का अ ॊक काट कय फदरा गमा है 10वीं न्राॊजतत भें „रुन्रमा‟ शब्द मभटामा गमा है इ्माटद। मटद मभटामा गमा शब्द मा अ ॊक न्रढ़ा न जा सकेतो नोट इस ्रतकाय होगा।

„„„न्राॊजतत 6 भें ककमा है‟ के फाद एक शब्द मभटामा गमा है;

(II) ्रतभाणीकयण के मरए भ र भुख्तायनाभे के साथ द सयक ्रतनत को ्रतभाणीकृत कयने की ्रतकक्रमा.- ्रतभाणीकयण के मरमे ्रतस्ट्तुतभुख्तायनाभे के साथ उसकी द सयक मा तीसयक ्रतनत को अरग भुख्तानाभा भाना जाना चाटहमे औय ऐसी अनतरयतत ्रतनतमों न्रय अरग से ्रतभाणीकयणपीस रक जानी चाटहमे न्रयन्तु भुख्तायनाभों के यजजस्ट्य (फहक सॊख्मा छ्) भें उसका साय सॊ ्ेन्र एक फाय से अधधक मरखा जाना आवश्मक नहकों है।जहाॉ तक द सयक मा तीसयक ्रतनतमों का ्रतश्न है उनका क्रभाॊक औय उन न्रय अदा ककमे स्ट्ाम्न्र शुल्क का भ ल्म उधचत स्ट्थान न्रय मरखा जामे औय उसके साथ-साथ साय-सॊ ्ेन्र के खाने भें उस आशम का नोट मरख टदमा जामे कक मह उस भुख्तायनाभे की द सयक मा तीसयक ्रतनत है जजसका सायसॊ ्ेन्र न्रृष्ट-क्रभाॊक न्रय ककमा गमा है। **363.**

द्सयी प्रनतमों न्रय स्ट्ाम्न्र शुल्क ि यजजस्ट्रीकयण पीस.- ्रत् मेक द सयक ्रतनत न्रय इजन्डमन स्ट्ाम्न्र अधधननमभ (1899 का द सया) के अधीन स्ट्ाम्न्र शुल्क ्रतबामय है औय भैनुअर के न्ररयमशष्ट न्राॉच के अनुच्छेद एक नोट 1 भें ननधायरयत ववशेष दयों न्रय वस र की जामेगी।

यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 72 औय 73 के अधीन जजरा यजजस्ट्राय को अन्रीर व आवेदन।

364. यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 72 औय 73 के अधीन जजरा यजजस्ट्राय की अऩीर

औय आिेदन.- जफ जजरा यजजस्ट्राय के सभऺ उऩ-यजजस्ट्राय के आदेश जजसभें उसने ककसी रेखऩत्र को यजजस्ट्रीकयण के मरए स्ट्वीकाय कयने से इन्काय कय टदमा था को उरट देने के मरए आवेदन ककमा जामे, तो जजरा यजजस्ट्राय को उसका ननयकयण कय मह देखना चाटहए-(1) तमा आवेदन ननधायरयत सीभावधध अथायत आदेश की तायकख से 30 टदन के अन्दय ्रतस्ट्तुत ककमा गमा है औय (2) कक वह धाया 72 के अधीन अऩीर मा धाया 73 के अधीन आवेदन। मटद आवेदनसभमावधध के अन्दय ्रतस्ट्तुत हो औय वह धाया 72 के अधीन अऩीर का स्ट्वरूऩ यखता हो तो जजरा यजजस्ट्राय उस ऩय ऐसा आदेश ऩारयत कयेगाजैसा उन ऩरयजस्ट्थनतमों भें उधचत ्रततीत हो। मटद आवेदन सभमावधध के अन्दय ्रतस्ट्तुत ककमा औय वह धाया 73 के अधीन आवेदन के स्ट्वबाव का हो, माने उस रेखऩत्र का यजजस्ट्रीकयण ककमे जाने के जजसका यजजस्ट्रीकयण ननष्ऩादन अस्ट्वीकाय कयने के कायण इन्काय ककमा गमा था, अऩने अधधकायको स्ट्थावऩत कयने के मरए टदमा गमा हो, तो जजरा यजजस्ट्राय धाया 74 भें ननधायरयत जाॉच ऩड़तार कयेगा औय तदनुसाय आदेश ऩारयत कयेगा, महदानम्व उस ऩय ववधध द्वाया योवऩत ककमा गमा है औय उसे मह ववकल्ऩ उऩरब्ध नहकों है वह आवेदक को दकवानी न्मामारम जाने की याम दे। **365. इन्कायी के कायण शरखे जाने चाहहमे.-** धाया 72 के अधीन ्रतस्ट्तुत अऩीर को ननयस्ट्त कयने मा धाया 75 के अधीन ्रतस्ट्तुत आवेदन ऩयरेखऩत्र का यजजस्ट्रीकयण कयने का आदेश देने, इन्काय कयने ऩय जजरा यजजस्ट्राय को साभान्म ववधध से अऩनी फहक सॊख्मा दो भें उन कायणों कोअ◌ॊककत कयना चाटहमे।

जजरा यजजस्ट्राय के सभऺ कायाििाई का अशबरेख

366.जजरा यजजस्ट्राय के सभऺ यजजस्ट्रेशन अधधननमभ सम्फन्धी ्रत् मेक कामयवाई का अमबरेख आगया ्रतान्तों के जजरों भें इराहाफाद उच्च न्मामारम के अधीनस्ट्थ दकवानी न्मामारमों के मरमे फने जनयर रूल्स (मसववर) 1926 से अध्माम ऩाॉच के अनुसाय तथा अवध ्रतान्त के जजरों भें अवध मसववर रूल्स 1912 के अध्माम नौ के अनुसाय तैमाय ककमा जामेगा।

रेखऩत्रों की नकरें औय ि◌ा◌ाऩन

367. रेखऩत्रों की नकरें ि◌ ि◌ा◌ाऩन कैसे फनामे जामें.- अधधननमभ की धाया 64, 65, 66औय 67 के अनुसाय फनाई जाने वारक नकरे औय ि◌ा◌ाऩन ऩरयमशष्ट तीन के ्रतारूऩ सॊख्मा 21 औय 22 भें फनामे जामेंगे। रेखऩत्र के ्रत्

मेक ननष्ऩादनकताय औय दावेदाय का नाभ औय ऩता
रेन-देन का ्रत काय व भ ल्म औय रेन-देन द्वाया ्रत बाववत सम्ऩज्त्त का वणयन जो उसके
ऩटहचाने जाने के मरए ऩमायप्त हो, बेजी जाने वारक नकर से ्रतारूऩ भें उनके मरमे ननधायरयत
स्थानों ऩय बये जाने चाटहमे। सम्फजन्धत ऩं2 भें वर्णयत शब्द „एडडशन‟।
कायों का „ऩता‟ से ताऩमय है अधधननमभ की धाया

368. जैसा कक कन्टोनभेन्ट अधधननमभ सॊख्मा दो सन् 1924 (1927 के रयऩीमरॊग एण्ड एभेजन्डग अधधननमभ 1927 द्वाया मथा सॊशोधधत) की धाया 287 (2) भें ननदेमशत है ्रत् मेक जजरा यजजस्ट्राय (तथा उऩ-यजजस्ट्राय जजसके जजरे मा उऩजजरे भें कोई छावनी ◌े त्र जस्थत हो,
तो जफ उसके कामायरम भें छावनी ◌े त्र के अन्दय जस्थत अचर सम्ऩज्त्त से सम्फजन्धत ककसी रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण हो तो वह ऩरयमशष्ट तीन के ्रत ारूऩ सॊख्मा 23 भें सम्ऩज्त्त से सम्फजन्धत ा ाऩन औय यजजस्ट्रककयण का ब्मौया सम्फजन्धत छावनी अधधकयण को मा इस ्रतमोजन के मरमे ननमुतत ककसी अन्म अधधकयण को बेजेगा।

369. जो अधधकायी अ ॊ ◌ेजी न जानता हो उसको नकर औय ा ाऩन हहन्दी भें बेजे जाने चाहहमे.- जफ जजरा यजजस्ट्राय धाया 65, 66 औय 67 के अधीन अ ॊग्रेजी मा उद य से मरखे रेखऩत्र की नकर ऩामे जजसका ा ाऩन ऐसे उऩ-यजजस्ट्राय को बेजा जाना आवश्मक है जो अ ॊग्रेजी मा उद य नहकॊ जानता है तो ा ाऩन देवनागयक मरवऩ भें टहन्दक भें तैमाय ककमा जामेगा औय ्रत्मेक ऐसे उऩ-यजजस्ट्राय को बेजा जामेगा जजसके उऩ-जजरे भें सम्ऩज्त्त का कोई बाग जस्थत हो। **37**
कामायरम भें तैमाय कयामेगा। इन ा ाऩनों की तैमायक औय उन्हें बेजने की उन उऩ-यजजस्ट्रायों से अने ◌ ा नहकॊ की जानी चाटहमे जजन्होंने रेखऩत्र का यजजस्ट्रककयण ककमा हो। उऩ-यजजस्ट्राय को धाया 65 के अधीन केवर रेखऩत्र की नकर, ऩृष्ठाॊकनों, ्रतभाणकों औय नतशे
की नकर के साथ बयने का ननदेश है उ्तय ्रतदेश के फाहय के जजरा यजजस्ट्रायों को बेजी जाने वारक नकरें उस जजरा यजजस्ट्राय के भाध्मभ से बेजी जामेगी जजसके अधीन वहउऩ-यजजस्ट्राय हो।

371. फाहय के जजरा यजजस्ट्रायों को बेजी जाने ारी नकरें औय ा ाऩनों को अ ॊ ◌ेजी भें अनुहदत कयके बेजा जामे.- देशी बाषा भें मरखे गमे ्रताप्त नकरों औय ा ाऩनों को तथा जजरा यजजस्ट्राय द्वाया 66 के अधीन स्वमॊ यजजस्ट्रककृत देशी बाषा भें मरखे गमे रेखऩत्रों की नकरों को उ्तय ्रतदेश के फाहय जस्थत जजरा यजजस्ट्रायों को बेजते सभम जजरा यजजस्ट्राय उनके साथ उन नकरों औय ा ाऩनों का अ ॊग्रेजी अनुवाद बी बेजेगी।

372. बेजने की तायीख दजा की जामे.- जजस तायकख को नकर औय ाानन यवाना ककमे जामे उसको उस फहक के जजसभें रेखन्‍त्र की नकर की गई हो मा धाया 65 मा धाया 66 के अधीन नकर पाइर फहक भें पाइर की गई हो के नृष्‍ठाोंकन वारे खाने भें रार स्‍्माहक से दजय ककमा जामे।

373. नकरों औय ाानों के बेजने का व्‍मम.- नकरों औय ाानों के बेजने का व्‍मम शासन द्वाया वहन ककमा जामेगा। यजजस्‍ट्रककयण पीस भें ऐसे व्‍मम बी शामभर है जैसा उ्तय ्रतदेश मा उसके फाहय बेजे जाने के मरमे कागज, डाक व्‍मम मरपापे इ्माटद।

374. शनथ साधानीनूाक हदराई जानी चाहहमे.- यजजस्‍ट्रककताय अधधकायक को धाया 63द्वाया शनथ टदराने की शजतत का उनमोग तफ तक नहकों ककमा जाना चाटहए जफ तक उसके साभने टदमे गमे भौर्खक फमान की स्‍मता नय उसे सन्‍देह न हो, इस धाया के ्रतमोजन से 1873 के अधधननमभ दस की धाया 6 के अधीन शनथ भें स्‍म घोषणा (एपभेशन) शामभर है। **375. शनथ मा सत्‍म घोषणा का अशबरेखन कैसे क्रकमा जामे.-** धाया 63 के अधीन टदमे गमे फमानों को उस रेखन्‍त्र नय नहकों मरमा जामेगा जजसके सम्‍फन्‍ध भें वह फमान टदमा जामे, उसको अरग कागज नय मरखा जाना चाटहमे, जो कामायरम भें यखा जामेगा। ऐसे भाभरों भें रेखन्‍त्र नय मरखे जाने वारे नृष्‍ठाोंकन भें नोट ककमा जामेगा कक भाभरे भें सशनथ फमान मरमा गमा है औय उसको उस फहक के जजसभें उसका यजजस्‍ट्रककयण
ककमा जामे, नृष्‍ठाोंकन की नकर वारे खाने भें मरखा जावेगा।

376. शनथ का प्रारून.- उच्‍च न्‍मामारम इराहाफाद ने साक्षमों के मरमे शनथ मा स्‍म घोषणा का जो ्रतारून ननधायरयत ककमा है वह इस्‍रतकाय है।

377. शनथ के शरमे.- भै न्‍मामारम के भाभरे जो सा ं द ोगा वह स्‍म होगा, न णय स्‍म होगा स्‍म से अन्‍मथा कुछ नहकों होगा।

सत्‍म घोषणा के शरमे.- भैं गम्‍बीयतान वयक घोवषत कयता ह ॉ कक भैं न्‍मामारम के सभजो सा ं द ोगा वह स्‍म होगा। न वय स्‍म होगा औय स्‍मके अन्‍मथा कुछ नहकों होगा।

अमबमोजन, यजजस्‍ट्रककृत रेखन्‍त्रों का ननयस्‍्तीकयण औय दकवानी न्‍मामारमों द्वाया अववश्वसनीम भाने गमे रेखन्‍त्र।

378. अशबमोजन की आख्मा.- यजजस्‍ट्रेशन अधधननमभ के बाग चौदह के अधीन दामय ककमे गमे ्रत् मेक अमबमोजन की एक ्रतायजम्‍बक आस्‍्था अमबमोजन ्रतायम्‍ब ककमे जाने के तुयन्‍त फाद भहाननयकक यजजस्‍ट्रककयण को बेजी जानी चाटहमे जजसभें उन नरयजस्‍्थनतमों का सोंक्षप्‍त वववयण टदमा जामे जजनके कायण अमबमोजन चराना नड़ा। ननणयम होने के फाद,
जजतनी जल्‍दक सम्‍बव हो, भहाननयक
 क को एक ववस्‍्तृत आख्मा बेजी जामेगी औयउसके साथ
न्‍मामारम के ननणयम की एक नकर बी बेजी जामेगी।

379. अशबमोजन केर जजरा यजजस्‍ट्राय की अनुभनत से ही दामय क्रकमा जामे.- बफना जजरे के जजरा यजजस्‍ट्राय की सहभनत भें उन-यजजस्‍ट्रायद्वाया अमबमोजन

नहकों चरामा जामेगा। अन्ने न्दाधधकाय का ्रत मोग कयते हुमे अधधननमभ की धाया 82 के अधीन दण्डनीम कोई अन्याध मटद उन्-यजजस्ट्राय के सॊज्ञान भें आमे तो उसकी ववस्ट्तृत औय न् यक आख्मा जजरा यजजस्ट्राय को बेजी जामेगी जजसके साथ ऐसे भुख्म व्मजततमों मा साक्ष मों, मटद हों, के मरर्खत फमान बी होंगे, जजनकी गवाहक अमबमोजन न्य ववचाय कयने के मरमे भहत्न् णय हो सकती है। मह आख्मा जजस यजजस्ट्राय को ्रताप्त होने न्य अनतरयतत जाॊच कया कय मा बफना कयामे, जैसा उधचत हो, अमबमोजन चराने जाने की स्ट्वीकृत देने मा न देने के औधच्म न्य ववचाय ककमा जामेगा औय मटद अमबमोजन चरामे जाने का ननणयम मरमा जामे तो जजरा भजजस्ट्रेट को सॊफोधधत कय जजरा सयकायक वकीर के सेवामें ्रताप्त की जामेगी। काययवाई की सभाजप्त न्य भाभरे की न्त्रावरक इस ्रतमोजन से भॊगाई जामेगी कक मटद अन्याधी फयक कय टदमा गमा है तो मह ननश्चम ककमा जा सके कक तमा न्माम के दृजष्टकोण से कोई अन्म काययवाई की जानी चाटहमे मा नहकों औय मटद अन्याधी दजण्डत हुआ हो तो भहाननयक क को ननणयम की नकर के साथ अजन्तभ रयन्ोटय तैमाय कय बेजी जा सके।

380. यजजस्ट्रीकृत रेखन्त्रों का शुविकयण औय ननयस्ट्तीकयण.- जफ 1877 के अधधननमभ (स्ट्ऩेमसकपक रयरकप अधधननमभ) की धाया 39 के अधीन न्मामारम के आदेश से कोई यजजस्ट्रककृत रेखन्त्र ननयस्ट्त ककमा जाता है औय डडक्री की नकर उस कामायरम भें ्रताप्त होती है जहाॊ उसका यजजस्ट्रककयण हुआ हो, तो ननयस्ट्त हुमे रेखन्त्र की नकर के साभने रार स्ट्माहक ननयस्ट्तीकयण की ्रतववजष्ट की जामेगी जजसभें उस न्मामारम का वववयण टदमा जामेगा जजसने ननयस्ट्तीकयण का आदेश टदमा हो औय डडक्री का क्रभाॊक औय टदनाॊक बी मरखा जामेगा। ऐसी हक ्रतववजष्ट त्सम्फजन्धत इन्डेतस भें बी की जामेगी, मटद इस ननमभ का कड़ाई से न्ारन ककमा जामे तो उससे यजजस्ट्टयों का भहत्व फढ़ जामेगा। इस ्रतववजष्ट न्य त्सभम न्दसीन यजजस्ट्रककताय अधधकायक हस्ट्ता ्य कयेगा। इसी ्रतकाय जफ रेखन्त्र का फुन्देरखण्ड एमरमनेशन आप रेन्ड अधधननमभ (1903 का अधधननमभ सॊख्मा 2) की धाया 9 (2) के अधीन करेतटय
द्वाया कोई यजजस्ट्रककृत रेखन्त्र न्रयवनतयत होकय ्रताप्त हो तो फहक सॊख्मा एक भें उस रेखन्त्र की नकर के नीचे न्रयवतयन का एक नोट मरखा जामेगा। नकर के अन्दय कोई न्रयवतयन ककसी बी दशा भें नहकों ककमा जामेगा ऐसे सफ रेखन्त्र यजजस्ट्रककताय अधधकायक को जजरा यजजस्ट्राय के भाध्मभ से बेजे जामेंगे औय उसी भाध्मभ से वान्स होंगे।

381. यजजस्ट्रीकयण की दोषन्ूणा प्रक्रिमा के कायण दी ानी न्मामारमों द् ाया अविचिसनीम भाने गमे रेखन्त्र.- अवध मसववर रूल्स 1912 के ननमभ 47 के अनुसाय जफ कोई न्मामारम यजजस्ट्रककताय अधधकायक की दोषन् णय ्रत कक्रमा के कायण ककसी यजजस्ट्रककृत रेखन्त्र को अववश्वसनीम घोवषत कये तो न्मामारम उसकी स चना जजरा यजजस्ट्राय को देगा। जफ इस ्रताववधान के अधीन कोई स चना

्रताप्त हो आवश्मक जाॉच कयाई जानी चाटहमे औय भाभरे भें ्रतस्ट्तुत ऩरयजस्ट्थनतमों के ्रतकाश भें मथोधचत कायरवाई की जानी चाटहमे की गई कायरवाई की स चना भहाननयर्कक को बी दक जानी चाटहमे।

ऩृष्ठोंकन

382. ऩृष्ठोंकन कैसे क्रकमा जामे.- ऩृष्ठाोंकन सदा यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया मा उसकी तथा सम्फजन्धत ऩंकायों की उऩजस्ट्थनत भें मरखे जाने चाटहमे। जजरा यजजस्ट्राय के ऩ वायनुभनत से छोटे-छोटे ऩृष्ठाोंकनों के ्रतारूऩों के रयतत स्ट्थान छोड़ते हुमे भोहय बी फनाई जा सकती है। इन भोहयों को यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया मा उसकी उऩजस्ट्थनत भें रगामा जाना चाटहमे। जफ कोई व्मजतत, जो मरख नहकों सकता हो, मा धचन्ह फनाकय हस्ट्ता्ंय न कय सकता हो तो उसका ऩ या नाभ ववस्ट्ताय से मरखा जामेगा औय यजजस्ट्रककताय इस फात के स्भाऩन के मरमे कक ननशान उसके साभने रगामा गमा, वहाॉ ऩय अऩने हस्ट्ता्ंय बी कयेगा, जफ रेखऩत्र ऩय आवश्मक ऩृष्ठाोंकन मरखे जाने के मरए ऩमायप्त स्ट्थान न हो तो ऩृष्ठाोंकन बी पुरस्ट्केऩ आकाय के सादे कागज ऩय मरख कय उसे रेखऩत्र के साथ जोड़ टदमा जामे औय साथ हक इस फात का नोट रेखऩत्र ऩय बी मरखकय यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया हस्ट्ता्ंरयत ककमा जामे। इस ्रतकाय जोड़े गमे ्रत् मेक सादे कागज के टुकड़े ऩय यजजस्ट्रककयण कामायरम की भोहय रगाई जामेगी औय यजजस्ट्रककताय अधधकायक उस ऩय हस्ट्ता्ंय कयेगा सम्फजन्धत व्मजतत का „एडडशन" (अता-ऩता) से फहक ताऩमय है जो अधधननमभ की धाया 2 भें टदमा गमा है औय इन ननमभों भें सवयत्र उसको इसी अथय भें ्रतमोग ककमा भाना जाना चाटहमे।

383. न्मामारमों की डडक्रिमों औय आदेशों शरखे जाने ाेरे ऩृष्ठोंकन औय प्रभाणक.-न्मामारम की डडकक्रमों मा आदेशों की ्रतभार्णत नकरों मा धाया 89 के अधीन पाइर फहक एक भें पाइर की जाने वारक नकरों, जैसे कक रैन्ड इम््रत वभेन्ट रोन्स अधधननमभ मा एधग्रकरचरयस्ट्ट रोन्स अधधननमभ मा ववक्रम ्रतभाणऩत्रों की नकरों ऩय धाया 58 राग नहकों होती इसमरमे उन ऩय केवर धाया 52 द्वाया ननधायरयत ऩृष्ठाोंकन औय धाया 60 द्वाया ननदेमशत ्रतभाणक हक मरखे जाने चाटहमे।

384. ऩृष्ठोंकनों के प्रारूऩ.- ्रत् मेक भाभरे भें उऩजस्ट्थत ऩरयजस्ट्थनतमों भें जहाॉ तक सम्बव हो ऩृष्ठाोंकनों के ननम्नमरर्खत ्रतारूऩों का अनुसयण ककमा जामेगा।

क-धाया 52 के अधीन यजजस्ट्रककयण के मरए ्रतस्ट्तुत ्रत्वारा ऩृष्ठाोंकन- मेक रेखऩत्र ऩय मरखा जाने

(1) जफ यजजस्ट्रककयण कामायरम भें रेखऩत्र के ननष्ऩादनकताय मा त्वाधीन दावेदाय द्वाया ्रतस्ट्तुत ककमा जामे।

श्री................... (नाभ औय ऩता) द्वाया आज टदनाोंक .... को .... फजे के फीच कामायरम जजरा यजजस्ट्राय/उऩ-यजजस्ट्राय के कामायरम भें ्रतस्ट्तुत ककमा

गमा।

हस्ताय रतस्तुतकतायहस्तायजजस्रककतायअधधकायक नोट-जफ रेखनत्र रतनतननधध एसाइन मा भुख्ताय द्वाया रतस्तुत ककमा जामे तो उसके नाभ औय नते के अनतरयतत मह तथ्म बी मरखा जाना चाटहमे औय उसभें भुख्म व्मजतत का नाभ बी शामभर ककमा जाना चाटहमे।

ख- डडक्री मा आदेश की नकर औय धाया 89 के अधीन बेजे गमे रतभाणक को छोड़कय

यजजस्रककयण के मरए स्वीकाय ककमे गमे रत्वारे नृष्ठाोंकनों का रतारून।

मेक रेखनत्र नय धाया 58 के अधीन मरखे जाने

(1) जफ उस व्मजतत से, जजसके द्वाया रेखनत्र का ननष्नादन ककमा जाना अमब्रतेत है। यजजस्रककताय अधधकायक स्वमों नरयधचत है औय वह व्मजतत रेखनत्र का ननष्नादन औय उसभें व्मजतत रतनतपर (मटद हो) का नाना स्वीकाय कयता हो-

रेखनत्र का ननष्नादन तथा रतनतपर की रताजप्त(मटद हो)श्री ....नुत्र .... ननवासी ……………………........ नयगना .... जजरानेस्वीकाय ककमा जजससे यजजस्रककताय अधधकायक स्वमों नरयधचत है।

ननष्नादनकताय के हस्ताय

यजजस्रककताय अधधकायक के हस्ताय

(2) शासकीम अधधस चना सोंख्मा 1144/सात-15, टदनाोंक 25-8-1911,

जफ उस व्मजतत से जजसके द्वाया रेखनत्र का ननष्नादन ककमा जाना अमब्रतेत है यजजस्रककताय अधधकायक स्वमों नरयधचत न हो ककन्तु वह व्मजतत रेखनत्र का ननष्नादन औय उसभें व्मतत रतनतपर (मटद हो) का नाना स्वीकाय कये-

(i) रेखनत्र का ननष्नादन तथा रतनतपर.........नाना(मटद हो) श्री..............नुत्र ....ननवासी....................ने स्वीकाय ककमा।

(ii) उतत श्री ....की नटहचानश्री................नुत्र.................. ननवासी ....औय श्री................. नुत्र.................ननवासी ने की

(iii)साक्ष मों मा उनभें से ककसी से यजजस्रककताय अधधकायक के स्वमों नरयधचत होने मा दोनों मा उनभें से स यजजस्रककताय अधधकायक के नरयधचत न होंगे(जैसी

बी जस्थनत हो) ऐसे व्मजतत मा व्मजततमों के ननशान अोंग ठा मरमा जाना चाटहमे औय उसके ठीक नीचे ननम्नमरर्खत मरखा जाना चाटहमे।

उनयोतत ननशान अोंग ठा/ननशान अोंग ठेश्री..................श्री.................का है/के हैंजो रतकटत्सम्रान्तव्मजततहै औय ववधधवत मरमे गमे हैं।

यजजस्रककताय अधधकायक

(3) जफ ननष्नादन स्वीकाय कयने वारा व्मजतत ननष्नादन द्वाया अधधकृत हो तो उसके नाभ औय नते के साथ मह तथ्म बी मरखा जाना चाटहमे।मटद भुख्ताय को

ववधधवत ्रतभाणीकृत भुख्तायनाभे द्वाया अधधकृत ककमा गमा हो तो उसका वववयण बी टदमा जाना चाटहमे, जैसे ्रतभाणीकयण की तायकख औय उस कामायरम का नाभ जहाॉ ्रतभाणीकयण ककमा गमा हो।

(4) जफ-

(क) यजजस्ट्रककताय अधधकायक के साभने रुऩमा मा कोई भार टदमा जामे, (ख) उतत ्रतनतपर का ऩ णयत् मा अ◌ोशत् ऩाना स्ट्वीकाय ककमा जामे (क) औय (ख) भें धनयामश बी मरखी जानी चाटहमे।

(ग) जफ ्रतनतपर का ऩ णयत् मा अ◌ोशत् ऩाना उऩस्ट्वीकाय ककमा जामे,

(घ) ननष्ऩादन स्ट्वीकाय ककमा जामे ऩयन्तु ननष्ऩादनकताय ऩृष्ठाॊकन का हस्ट्ता◌ंय कयने से इन्काय कये तो ऩृष्ठाॊकन भें इन फातों का उल्ेख ककमा जामे।

(5) जफ ननष्ऩादनकताय की भृमु हो गई हो-

भृतक..................द्वाया ननष्ऩादन ककमा जाना................द्वाया स्ट्वीकाय ककमा गमा जजससे भैं स्ट्वमॊ ऩरयधचत ह ◌ॉ मा जजसकी ऩटहचानश्री..................ऩुत्र…….............ननवासी.................. तथा श्री................................ ऩुत्र............................. ननवासी.............................. ने की जजससे भैं स्ट्वमॊ ऩरयधचत ह ◌ॉ।

यजजस्ट्रककताय अधधकायक के हस्ट्ता◌ं य टदनाॊक

....

(6) जफ रेखऩत्र का ननष्ऩादन धाया 88 भें उजल्रर्खत ककसी अधधकायक द्वाया ककमा गमा हो इस फात का ववश्वास हो जाने ऩय कक रेखऩत्रका ननष्ऩादन श्री .... (ऩदनाभ)....................ने अऩने ऩद के अधधकाय से ककमा है उनके उऩजस्ट्थनत व हस्ट्ता◌ंयों से अमबमुततककमा औय रेखऩत्र यजजस्ट्रककयण के मरमे स्ट्वीकाय ककमा गमा।

यजजस्ट्रककताय अधधकायक शासकीम अधधस चना सॊख्मा 1071/सात-225-1909 टदनाॊक....................

टदनाॊक 11-11-1909

(7) जफ रेखऩत्र का ननष्ऩादन ऩदायनशीन भटहरा द्वाया टदमा गमा हो (ननमभ 306) रेखऩत्र का वववयण श्रीभती...................... ऩत्नी/ववधवा/मटद अवववाटहत हो तो ऩुत्री श्री......................ननवासी......................को भेये द्वाया ऩढ़ कय सुनामा गमा। उन्होंने स्ट्वमॊअऩने भुॉह से ननष्ऩादन तथा ्रत नतपर (मटद हो) ऩाना स्ट्वीकाय ककमा अत् श्रीभती..........................को ऩदें के ऩीछे देखकयश्री.............................ऩुत्र श्री.........................ननवासी.....................जो उनका..........................सम्फन्धी हैतथा श्री..........................ऩुत्र श्री.........................ननवासी..........................जो उनका..................................सम्फन्धी है ऩटहचानकी (महाॊ ऩय साक्षमों का

ननष्ऩादनकताय से सम्फन्ध मरखा जाना चाटहमे)।

सा्ीगण मा उनभें से ककसी से भैं स्वमॊ ऩरयधचत ह ॉ।

उतत सा्ीगण मा उनभें से ककसी से(जैसी बी जस्थनत हो) से भैं स्वमॊ ऩरयधचत ह ॉ। एक मा दोनों साक्षमों से यजजस्ट्रककताय अधधकायक स्वमॊ ऩरयधचत न होने की दशा भें ऐसे सा्ी के मरमे उऩयोतत नृष्ठाॊकन का अजन्तभ वातम इस्तकाय मरखा जावेगा।

श्री..............................औय श्री.......................का जो ्रत कटत् सम्रान्त व्मजतत ्रत

तीत होते है ननशान केअॊग ठा ववधधवत मरमे गमे।

यजजस्ट्रककताय अधधकायक

नोट- ऩदायनशीन भटहराओॊ की ऩटहचान साभान्मत् सम्फजन्धमों द्वाया की जानी चाटहमे मटद सम्फन्धी उऩरब्ध न हों तो ऩटहचान सेवकों मा ऐसेव्मजततमों द्वाया की जानी चाटहमे जो भटहरा को ऩदें भें देख सकते हो।

ग-धाया 33 के अधीन भुख्तायनाभों के ्रतभाणीकयण के मरमे मरखा जाने वारा नृष्ठाॊकन

(1) जफ भुख्म व्मजतत यजजस्ट्रककयण कामायरम भें उऩजस्थत हो-

„इस भुख्तायनाभे का ननष्ऩादन श्री..............नुत्र.............ननवासी.................ने भेये साभने ककमाजो भेये जजरे/उऩजजरे का ननवासी है औय जजससे भैं स्वमॊ ऩरयधचत ह ॉ मा जजसकी ऩटहचान के ववषम भें भैंने स्वमॊ को सन्तुष्ट कय मरमा है। अतएवभैं इसका यजजस्ट्रेशन अधधननमभ सॊख्मा सोरह सन् 1908 की धाया 33 के अधीन ्रतभाणीकयण कयता ह ॉ औय इसको फहक सॊख्मा छ् जजल्द..............के नृष्ट.................ऩय क्रभाॊक.....................ऩय आटद टदनाॊक....................... को दजय कयता ह ॉ।

टदनाॊक यजजस्ट्रककताय अधधकायक

का हस्ता् य

(2) जफ यजजस्ट्रककताय अधधकायक भुख्म व्मजतत के ननवास स्थान मा जेर भें स्वमॊ जावे भैंने स्वमॊ जाकय स्वमॊ को सन्तुष्ट कय मरमा है कक भुख्तायनाभे का ननष्ऩादन श्री.................नुत्र..................ननवासी ने स्वेच्छा से टदमा है (फाकी उऩयोतत के अनुसाय)

टटप्ऩणी- इस नृष्ठाॊकन भें बी मरखा जाना चाटहमे कक भुख्तायनाभे का ननष्ऩादन यजजस्ट्रककताय अधधकायक के साभने ककमा गमा।

जफ रेखऩत्र के स्वेच्छा से ननष्ऩाटदत ककमे जाने का सा् ्रताप्त कयने के मरमे कभीशन जायक ककमा जावे।

भैंने श्री...........................कमभश्नय का नाभ, जजसको इस ्रतमोजन को उऩ कभीशन ऩय बेजा गमा था के भाध्मभ से अऩनी सन्तुजष्ट कय रक है कक भुख्तायनाभें का ननष्ऩादन श्री.................नुत्र...............ननवासी.................ने स्वेच्छा से ककमा है जो भेये जजरे (उऩजजरे) का ननवासी है अतएव भैं इसका ्रतभाणीकयण यजजस्ट्रेशन अधधननमभ सॊख्मा सोरह सन् 1908 की धाया 33 के अधीनकयता ह ॉ औय इसे फहक

सॊख्मा छ् जजल्द..........के नृष्ठ............नय क्रभाॊक ....नय आज टदनाॊक ....कोदजय कयता ह ॉ।

यजजस्ट्रककताय

अधधकायक का हस्ट्ताॊय टद

घ-ककसी रेखऩत्र के ननष्ऩादन के फाये भें ्रतभाण ्रताप्त कयने के मरमे धाया 38 के अधीन जायक ककमे गमे कभीशन की वाऩसी ऩय मरखे जानेवारे नृष्ठाॊकन का ्रत ्र तद्नुसाय उसका यजजस्ट्रककयण आदेमशत कयता ह ॉ।टदनाॊक

यजजस्ट्रककताय अधधकायक का हस्ट्ताॊय

ङ-धाया 45 मा 46 के अधीन भोहयफन्द मरपापों भें यखे गमे वसीमतनाभों के खोजे जाने ऩय मरखे जाने वारे नृष्ठाॊकनों का ्रतारूऩ

(1) जफ धाया 45 के अधीन वसीमतकताय की भृमु के फाद आवेदन ऩय वसीमत खोजी गई हो।

इस फात से स्ट्वमॊ को सन्तुष्ट कय रेने ऩय कक इस वसीमतनाभे का वसीमतकताय भय गमा है वसीमतनाभा श्री....................केआवेदन ऩय उसके साभने खोजा गमा आज टदनाॊक................को खोजा गमा।

आवेदक का हस्ट्ताॊय

जजरा यजजस्ट्राय का हस्ट्ताॊय

(2) जफ धाया 46 के अधीन वसीमतनाभा न्मामारम को बेजा जामे-मरपापा खोजा गमा औय वसीमतनाभा.........के आदेश टदनाॊक......के अनुसाय न्मामारम को बेजा गमा।टदनाॊक......................

जजरा यजजस्ट्राय का हस्ट्ताॊय

च- यजजस्ट्रककृत ्रत् मेक रेखऩत्र ऩय धाया 60 के अधीन मरखा जाने वारे नृष्ठाॊकन का ्रतारूऩ जजससे उन वसीमतनाभों ऩय मरखा जाने वारेनृष्ठाॊकन बी शामभर है जो धाया 45 औय 46 के अधीन खोरकय फहक सॊख्मा तीन भें नकर ककमे गमे हो औय धाया 64 से 67 तक के अधीन ्रताप्तनकरें औय ाॊाऩन औय ननमभ 359-361 भें उजलूर्खत रेखऩत्रों ऩय मरखे जाने है।

(1) फहक सॊख्मा.....जजल्द के नृष्ठ.......ऩय क्रभाॊक......ऩय आज टदनाॊक .....की यजजस्ट्रककयण ककमा गमा।

यजजस्ट्रककताय अधधकायक

का हस्ट्ताॊ य नोट- ्

छ- मेक यजजस्ट्रककृत रेखऩत्र ऩय अजन्तभ नृष्ठाॊकन के नीचे रेखऩत्र भें मरखे गमे अॊकों औय यकभों से सम्फजन्धत नृष्ठाॊकन का ्रतारूऩ।

दसवीॊ ऩॊजतत भें अॊक तीन मरखा औय ऩन्द्रहवीॊ ऩॊजतत भें अॊक एक हजाय रुऩमा मरखे गमे हों।

यजजस्ट्रककताय अधधकायक

का हस्ट्ताॊ य ज-उन

रेखन्नत्र का ननष्पादन तथा ्रतनतपर की ्रताजप्त (मटद हो) वाद सॊख्मा......सन्........भें ्रतभार्णत हो गमा है औय जजरायजजस्ट्राय/भुजन्सप/मसववर जज के आदेश टदनाॊक .... से यजजस्ट्रककयण ककमे जाने का आदेश टदमा गमा है। तद्नुसाय रेखन्नत्र को धाया 72, 75 मा 77 (1908 का सोरहवाॉ अधधननमभ) के अधीन यजजस्ट्रककयण के मरए स्वीकाय ककमा गमा।

जजरा यजजस्ट्राय/भुजन्सप/मसववर जज के सभ वाद सॊख्मा...........सन्.........भें ननष्पादन ्रत भार्णत हो गमा है औय ्रतनतपर……………की ्रताजप्त श्री...........नुत्र............ननवासी................ने, जो भेये सभ धाया 75 (2) के अधीन उनजस्थत हुआ औय जजससे भैंस्वॊम नरयधचत ह ॉ। मा जैसा ख (2) के खण्ड (iii) भें है। अतएव 1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 72, 75 मा 77 (जैसी बी जस्थनत हो) रेखन्नत्र यजजस्ट्रककयण के मरमे स्वीकाय ककमा जाता है।

झ-जफ कोई वसीमत मा दतक ग्रहण अधधकाय नत्र का यजजस्ट्रककयण वसीमतकताय मा अधधकायदाता की भृमु के फाद स्वीकाय ककमा जाता है तो नृष्ठाॊकन का ्रतारून मह होगा। इस फात का सॊतोष हो जाने के फाद कक (1) इस वसीमत/दतक ग्रहण अधधकाय नत्र का ननष्पादन श्री .... द्वाया ककमा गमा था (2) भुतत वसीमतकताय मा अधधकायदाता भय चुका है औय (3) औय रेखन्नत्र का ्रतस्तुतकताय श्री...............नुत्र..............ननवासी इसे धाया 40 के अधीन ्रतस्तुत कयने के मरए अधधकृत था रेखन्नत्र यजजस्ट्रेशन अधधननमभ की धाया 41 (2) के अधीन यजजस्ट्रककयण के मरमे स्वीकाय ककमा गमा।

नरयशशष्ट

नरयशशष्ट–एक

यजजस्टयों औय फहहमों के

प्रारून

(ननमभ 228)

प्रारून सॊख्मा 1

फही सॊख्मा–एक 1 रेखन्नत्र

का ि भॊक

रेखन्नत्र भें वर्णयतसम्नजत्त का ववयण(1908 के अधधननमभ 16 की धाया 21)						धाया 52 औय 58 क अधीन मरखजान वार नषठाकनो तथा धाया 59 के अधीन यजजस्ट्रककताय अधधकायक क हसताय व धाया60 के अधीन ्रतभाणक की नकर
जजरा का नाभ	तहसीर औय नयगना का नाभ	गाॊव का नाभ	1908 के अधधननमभ 16 क अधीन समनजत काअन्म ववयण औय ननष्पादन की तायकख	रेन–देन का ्रतकाय व भ ल्मवान	स्टाम्न का भ ल्म	

प्रारूऩ सॊख्मा 2

(ननमभ 248)

फही सॊख्मा दो–यजजस्ट्रीकयण से इन्कायी का यजजस्टय

रेखऩत्र का क्रभाॊक	रेखऩत्र ्रत स्ट्तुत कयने वारे का नाभ	स्ट्तुनतकयण की तायकख, टदन औय सभम	रेखऩत्र के ननष्ऩादन की तायकख	रेन–देन का ्रतकाय व भ ल्माॊकन	इन्कायक के आदेश की नकर के आवेदन का नाभ औय आवेदन की तायकख	नकर टदमे जाने की तायकख
यजजस्ट्रककयण कयने मा यजजस्ट्रक कयने का आदेश देने से इन्काय ककमे जाने के कायण।						

प्रारूऩ सॊख्मा 3

फही सॊख्मा तीन

(ननमभ 250)**रेखऩत्र का िभॊोक**

| स्ट्तुनत कयण की तायकख टदन औय ननमभ | भोहयफन्द मरपापे को खोरने क आवेदक(धाया 45) मा ककसी वसीमत मा दतक ग्रहण अधधाकाय ऩत्र का यजजस्ट्रककयण कयने वारे का नाभ वऩता का नाभ व ऩता | भा◌े◌ेहयफन्द मरपापा ्रत स्ट्तुत कयने वारे का नाभ (जफ भोहयफन्द मरपापा जभा ककमा गमा हो) औय फहक सॊख्मा ऩाॊच की जजल्द सॊख्मा व ऩृष्ठ | रेखऩत्र का वववयण | उस व्मजतत का नाभ, वऩता का नाभ व ऩता जजसने सा◌ं टदमा हो कक– 1. (धाया 45 के भाभरों भें) कक वसीमतकताय भय गमा है। 2. वसीमतकताय मा अधधकायदाता से अन्म व्मजतत द्वाया ्रत स्ट्तुत ककमे जाने ऩय सा◌ं टदमा हो कक (क) वसीमतकताय मा अधधकायदाता द्वाया ननकार टदमा गमा था। (ख) वसीमतकताय मा अधधकायदाता भय गमा है। (ग) ्रतस्ट्तुतकताय का वसीमत मा अधधकाय ऩत्र को ्रतस्ट्तुत कयने का अधधकाय | जफ दतक ग्रहण अधधकाय ऩत्र मा वसीमत खुरक हुई यजजस्ट्रककयण के मरमे ्रत स्ट्तुत की जामे तो धाया 58 भें ननदेमशत ऩृष्ठाॊकन तथा यजजस्ट्रककताय अधधकायक हस्ट्ता◌ंय व तायकख तथा धाया 60 के अधीन मरखे गमे ्रत भाणक की नकर |

के

प्रारूऩ सॊख्मा 4

(ननमभ 254)

फही सॊख्मा चाय–

रेखऩत्र का िभाॊक

रेखऩत्र का ्रतकाय व रेन–देन का भ ल्माॊकन तथा रेखऩत्र की नकर	धाया 52 औय 58 क अधीन मरम गम ऩषठाकनो तथा यजजसरककता अधधकायक के हस्ट्ताांय औय धाया 60 क अधीन मरख गम भाणक की नकर

प्रारूऩ सॊख्मा 5

(ननमभ 256)

फही सॊख्मा ऩाॊच–जभा की गई

िसीमतों का यजजस्ट्टय

भोहयफन्द मरपापे का जभा ककमा जाना	मरपापे की वाऩसी	भोहयफन्द मरपापे का मरखा जाना

क्रभाॊक	भोहयफन दमरपापा ्रत स्ट्तुत कयने (धाया 43) का वषय भाह, तायकख, टदन व सभम	ककसके द्वाया जभा ककमा गमा (अथायत स्ट्वमॊ वसीमतकताय द्वाया मा ववधधवत ननमुतत भुख्ताय द्वाया) धाया 42	भोहयफन्द मरपापे को जभा कयने वारे व्मजतत का नाभ, वऩता का नाभ, ऩेशा औय ऩता	उस व्मजतत का नाभ, वऩता का नाभ ऩता जजसने जभाकताय की ऩटहचान की हो।	भोहयफन्द मरपापे ऩय मरखे गमे शब्द (जजसे वसीमतकताय का नाभ मा उसके भुख्ताय) औय रेखऩत्र का ्रत काय(धाया 42)	भोहय ऩय के कोई धच न्ह (मट द हो)	जजरा यजजस्ट्राय का हस्ट्ताऺय	जभाकताय द्वाया वाऩसी के आवेदन की तायकख	वाऩस मरमे गमे मरपापे के ऩाने की जभाक ताय की यसीद	भोहय फन्द मरपापे को खोदने के आवेदन की तायकख (धाया 45) तथा आवेदक का नाभ, वऩता का नाभ औय ऩता	वसीम कताय की भृमु (धाया 45) के ्रत भाण भें साथ देने वारे व्मजत का नाभ, वऩता का नाभ औय ऩता

प्रारूऩ सॊख्मा 6

(ननमभ 259)

फही सॊख्मा छ्–प्रभाणीकृत भुख्तायनाभों का यजजस्ट्टय

क्रभाॊक	ननष्ऩादनकताय का नाभ	ककस के हक भें	साय सॊऺेऩ	ननष्ऩादन औय ्रत भाणीकयण की	भुख्तायनाभा आभ है मा खास	भाणीकयण क ्रतभाणक

प्रारून सॊख्मा 7

(ननमभ 260)

फही सॊख्मा 7–कभीशन औय मात्रा का यजजस्टय

क्रभाॊक	आवेदन की तायकख आवेदक का नाभ	मात्रा नय जाने वारे मा कभीशन सम्ऩन्न कयने वारे का नाभ	उस व्मजतत का नाभ जजसका नयकंण ककमा जाना है	ककस धाया के अधीन छ ट दक गई	छ ट का कायण	उस व्मजतत का ननवास स्थान जजसका नयकंण ककमा जाना है	यजजस्ट्रककयण कामायरम स द य (दो तयपा)	मात्रा व्मम की याम श	यजजस्ट्रकक ताय अधधकायक का हस्ता

प्रारून सॊख्मा 8

(ननमभ 212)

य
सी
द
फ
ही

बाग (1)	बाग (2)
स्ट्तुतकताय मा ्रत ाथी द्वाया यखा जाने वारा बाग रेखन्नत्र मा ्रताथयना–न्नत्र ्रतस्ट्तुत कयने का टदनॉक ….. ्रत स्ट्तुतकताय मा ्रताथी का नाभ …… रेख्म का ्रतकाय ………… ्रतनतपर की धनयामश ………………… 1. यजजस्ट्रककयण शुल्क ………………………….. 2. ्रतनतमरवन्नकयण शुल्क ……………………….. 3. ननयकंण मा तराश शुल्क …………….. 4.भुख्तायनाभा के ्रतभाणीकयण के मरमे शुल्क . 5. न्नॊजीमन शुल्क ………………………………. 6. ववववध …..…………………..………………………. 7. माबत्रक ब्ता …………………………………… 1 से 6 तक का मोग ………………………………….. शुल्क वस र कयने का टदनॉक ……….…………….. टदनॉक जफ रेखन्नत्र, ्रत तरवन्न तराश ्रत भाण–न्नत्र वान्नसी केमरमे तैमाय होगा। यजजस्ट्रककताय अधधकायक का हस्ट्ता ंय …………… इसके ठीक नीचे इसी की नकर होगी जजस न्नय काफयन से इसका रेख अककत होगा–(अनुवादकताय)	बाग (1) की ्रततरवन्न न्नय कपय से रगामा जाने वारा (अधधननमभ 6, 908 की धाया 52 के अधीन यसीद) स्ट्तुतकताय मा ्रतनतमरवन्न मा तराश भाण–न्नत्र के ्रताथी का नाभ ………………… ननष्न्नादक का नाभ …………….………………………….. रेख का ्रतकाय ……………………..……………………….. नतपर की धनयामश …………………………………. ाथयना–न्नत्र ्रतस्ट्तुत कयने का टदनॉक ………… टदनॉक जफ रेखन्नत्र, ्रततरवन्न मा तराश ्रतभाण–न्नत्र वान्नस कयने ………………… के मरमे तैमाय होगा यजजस्ट्रककयण अधधकायक के हस्ट्ता ंय ….. अनुवाद की टटप्न्नणी– इस बाग के न् ्रतस्ट्तुतकताय के हस्ट्ता ंय, वान्नसी के म नामभत व्मजतत का नाभ औय वान्नस न्नाने वारे हस्ट्ता ंय के मरमे स्ट्थान फने

प्रारून सॊख्मा 9

(ननमभ 336)

नकर के आिेदनों

का यजजस्टय

क्रभॊक	आवदन की तायकख	आवेदन का नाभ	उन कागजों का वववयण जजन की नकर भॊगी गमी ऊनय शब्दों की सॊख्मा	धनयामश		तायकख			नकर ऩाने वारे का हस्ताऺय मा डाक से बेजे जाने ऩय ्रते षक अधधकाय क का हस्ताऺय	टटप्ऩण महॊ ऩय नकर देने भें ववरम्ब मा न देने का कायण औय उसकी स चना आवेदक कोटदए जाने का तायकख मरखे
				स्टाम्ऩ शुल्क	नकर पीस	नकर पीस की अदामगी औय यामश	नकर टदमे जाने के आदेश की	नकर की तैमाय क की		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

प्रारूऩ सॊख्मा 10

(ननमभ
336)

तराशों
का
यजजस्ट्र
य

क्रभाॊक	आवेदन की तायकख	आवेदक/न्मा मारम का नाभ	फहक इन्डेतस मा अन्म कामयवाह क जजसकी तराश चाहक गई है	ककन वषों के यजजस्ट्रयों की तराश की गई	पीस जो रक गई	पीस की अदामगी की तायकख	ननयणाभ की स चना आवेदक कोटदमे जाने की तायकख	टटप्ऩणी महाॊ ननय आवेदन को अस्वीकाय कयने मा स्ट्थधगत कयने के कायण मरखे जामे औय उसकी स चना आवेदक कोटदमे जाने की तायकख मरखी जामे
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्रारूऩ
सॊख्मा 11

(ननमभ
336)

भुआमने का
यजजस्ट्रय

क्रभाॊक	आवेदक की तायकख	आवेदक का नाभ	यजजस्ट्रय, इन्डेतस मा अन्म कागज जजसका भुआमना कयना है।	फटहमों से ककन वषों का भुआमना कयना है	पीस जो वस र की गई	अदामगी की तायकख	टटप्ऩणी महाॊ ननय आवेदन ननय कामयवाहक न कयने मा स्ट्थधगत कयने के कायण औय आवेदक को उसकी स चना देने की तायकख मरखें।
1	2	3	4	5	6	7	8

प्रारूऩ
सॊ

ख्मा
12
(ननम
भ 391)

कामारम उन्–यजजस्ट्राय जजरा–केननयीं कों का यजजस्ट्र्य

भुआमने की तायकख	ननयकंणकताय अधधकायक की टटप्णी भम हस्ताय

प्रारून सौख्मा 13
(ननमभ 211)

कामारम उन्–
यजजस्ट्राय का स्ट्माहा

रेखन्त्र का आवेदन ्रत ाजप्तकी तायकख औय यसीद के ्रत नतन्णय का	फहक भें रेखन्त्र का क्रभाॊक (धाया 53)	ककस फहक भें मरखा गमा	रेखन्त्र मा अन्म कामयवाहक का ्रत काय औय ्रत स्ट्तुतक ताय मा आवेदक	नत पर की यामश	पीस जो रक गई		अन्म ्रत ाजप्त माॊ जजसके ्रतभाणी कयण आटद शामभर है	मोग	फहक भें नकरकक मे जाने की तायकख	रेखन्त्र को वान्स कयने की तायकख
					यजजस्ट्रककयण के मरए	यजजस्ट्य भें नकर कयने के मरमे				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
10.4.90	310	I	ववक्रमन्त्र याभमसौह	0, 000-0	251.0	6-0	–	257-0	20.4.90	28.4.90
"	–	–	नकर गौगायाभ	–	–	–	6-0	6-0	14.4.90	18.4.90
"	1	VI	भुख्ताय, जममसौह	–	–	–	5-0	5-0	10.4.90	10.4.90
"	40	IV	भु०आभ	–	10-0	6-0	–	16-0	22.4.9	24.4.

			जगदकश						0	90
			मोग		261-0	12-0	11-0	284-0	फाकी	टदनॉ क
									ह० उऩ–यजजस्ट्राय	

प्रारूऩ सॊख्मा 14

(ननमभ 280)

शभनटफही

वावषयक क्रभाॊक	सन्दबय सॊख्मा औय रेखऩत्र का क्रभाॊक फहक सॊख्मा व जजल्द सॊख्मा	कामयवाहक का ववयण

प्रारूऩ सॊख्मा 15

(ननमभ 291)

जब्त ककमे गमे रेखऩत्रों का यजजस्टय

क्रभाॊक	रेखऩत के स्ट्तुनत की तायकख	रेन देन का ्रत काय औय भ ल्मॊकन	स्ट्तुतकताय का नाभ	स्ट्राम्ऩ शुल्क जो ्रतबामय है	स्ट्राम्ऩ शुल्क जो अदा ककमा	जब्ती के कायण व तायकख	करतटय का अजन्तभ आवेश	टटप्ऩ
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्रारूऩ सॊख्मा

16
(नन
मभ
282
)
आ
न्नज
त्त
न्नची

रेखन्नत्र के ्रतस्त्तनत की	रेखन्नत्र ननम्न कायणों से वान्नस ककमा	उ्तय
मभनट फहक की ्रतववजष्ट सोंख्मा–		

उन्न यजजस्ट्राय का हस्त्ता्ंय व तायकख

प्रारून्न सोंख्मा 17

(टटप्न्नणी–मह ्रतारून्न अनुभोटदत अभ्मधथयमों के यजजस्ट्य का है जो अफ नहकों होते)

प्रारून्न सोंख्मा 18

(ननमभ 261)

फही सोंख्मा आठ–ननशान

अ्ोगूठों का यजजस्ट्य

क्रभोंक	यजजस्ट्रककयण कावववयण				ननष्न्नादनकताय मा सा्ंी का नाभ	ननशान अ्ोग ठा
	फहक	जजल्द	न्नृष्ठ	यजजस्ट्रककयण क्रभोंक		

हस्त्ता्ंय

उन्न यजजस्ट्राय**प्रारून्न सोंख्मा 19**

प्रारून्नों का स्ट्ाक यजजस्ट्य

तायक ख	्प्त ्रतनतमों की सोंख्मा	्रून्न जोननकारे गमे	फाकी	ककसको टदमे गमे	ककस ्रत मोजन से टदमे	्प्तकताय के हस्त्ता्ंय

प्रारून्न सोंख्मा 20

कामायरम उन्न यजजस्ट्राय …………………..…………… जजरा ……………………..……………….. भें वतयभान यजजस्ट्यों, फटहमों तथा अन्म अमबरेखों का यजजस्ट्य

क्रभाॊक	जजरा मा उऩजजरा जजसभें फटहमें सम्फजन्धत है	अमबरेख का ्रत काय	जजल्द का क्रभाॊक
1	2	3	4

अवधध………… से……….. तक	अन्तयण मा ववनाश की अवधध	अन्तयण के ववनाश की तायकख	अन्तयणकताय मा ववनाशकताय का हस्ता्ंय	अन्तयण के सभम यजजस्ट्य की दशा
5	6	7	8	9

प्रारूऩ सॊख्मा 21

(ननमभ 322)

मह ्रतारूऩ डाक से बेजे जाने वारे रेखऩत्रों का है जो अफ ्रतचमरत नहकॊ अनुवादकताय।

प्रारूऩ

सॊख्मा 22 (ननमभ

329)मह यजजस्ट्य ववक्रम ्रतारूऩों का है जो अफ फेचे नहकॊ जाते।

ऩरय

शशष्ट-दो इॊडेक्सों

के प्रारूऩ **प्रारूऩ**

सॊख्मा 1 (ननमभ

206) **इन्डेक्स**

सॊख्मा Iकामायरम का नाभ.............................

नाभ, वऩता का नाभ ऩद औय ननवास स्थान	रेखऩत्र का वववयण	रेखऩत्र भें व्मतत ृरत नतपर की यामश	खाना 1 भें दज य व्मजतत से रेखऩत्र का सम्फन्ध	ननष्ऩादन की तायकख	यजजस्ट्रक कयण की तायकख	फहक एक की जजल्द सॊख्मा	ऩृष्ठ	रेखऩत्र का फहक एक भें क्रभाॊक
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्राऱऩ

सॊख्मा 2 (ननमभ
207)

इन्डेक्स

सॊख्मा IIकामायरम का
नाभ...

रेखऩत्र भें वर्णयत सम्ऩजत्त का स्थान व ववयवण				रेखऩत्र के ऩऺकायों के नाभ							
गाॉव, भोहल्रा मा नगय	ऩयग ना	जज रा	धाया 21 द्वाया ननदेमशत अन्म ब्मौया	ननष्ऩादनकताय का नाभ, वऩता का नाभ	दावेदाय का नाभ औय उसके वऩता का नाभ	रेखऩत्र का ृरत काय औय ृरत नतपर की तायकख	ननष्ऩादन की तायकख	यजजस्ट्रककयण की तायकख	फहक सॊख्मा एक के जजल्द सॊ0	ऩृष्ठ	फह सॊख एक भें रेख त्र क क्रभ क
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

प्राऱऩ

सॊख्मा 3 (ननमभ
268)

इन्डेक्स

सॊख्मा IIIकामायरम का
नाभ...

वसीमतकताय, द्तक ग्रहण अधधकाय-ऩत्र, वसीमतकताय की भृमु के फाद, कताय औय धाया 45 के अधीन वसीमत का दावेदाय मा आवेदक का नाभ, वऩता का नाभ औय ऩता	रेखऩत्र का ्रत काय- वसीमत है मा अधधकाय-ऩत्र	खाना 1 भें उजल्रखखत नाभ के व्मजतत से रेखऩत्र का सम्फन्धत-अथायत वह वसीमतकताय है, द्तक ग्रहण अधधकायदाता है मा कताय है मा वसीमतकताय की भृमु के फाद रेखऩत्र के अनुसाय दावेदाय है मा धाया 45 के अधीन आवेदक है।	नन ष्ऩादन की तायकख	पीस जो वसर की गई	फहक तीन की जजल्द सॊख्मा	नृष्ठ	ब्हक सॊख्मा तीन भें रेखऩत्र का क्रभाॊक

प्रारूऩ

सॊख्मा 4

(ननमभ 269)

इन्डेक्स

सॊख्मा IVकामायरम का नाभ ....

नाभ, वऩताका नाभ औय ऩता	रेखऩत्र का ्रतकाय	खाना 1 भेंमरखे गमे व्मजतत से रेखऩत्र का सम्फन्ध	यजजस्ट्रकयण की तायकख	फहक सॊख्माचाय की जजल्द सॊख्मा	नृष्ठ	फहक चाय भें रेखऩत्र का क्रभाॊक

ऩरयशशष्ट-तीन

ननमतकाशरक औय अन्म वि्रयणणमों के प्रारूऩ

प्रारूऩ सॊख्मा 1

(ननमभ 325 औय 135)

.... को सभाप्त हुमे सप्ताह भें ्रतस्त्तुनतकयण की तायकख से तीन टदन तक अननस्त्तरयत रेखनत्रों औय नकर के आवेदनों की साप्ताटहक रयनोटय।

रेखनत्र		नकर के आवेदन		टटप्नणी
सॊख्मा	स्त्तुनत की तायकख	सॊख्मा	स्त्तुनत की तायकख	रेखनत्र के यजजस्त्रीकयण मा उनकी वानसी भें ववरम्फ तथा नकर देने भें ववरम्फ का स्त्नष्टीकयण

टदनाॊक.............................

उन यजजस्त्राय..................................

ारून सॊख्मा 2 से 4 तक की ववववयणमाॊ जजरा यजजस्त्राय द्वाया बेजी जाती है, इसमरए उनके ्रतारून महाॉ नय उघृत नहकॊ ककमे गमे।

प्रारून सॊख्मा 15

(ननमभ 197)

यजजस्त्रीकयण भैनुअर के ननमभ 197 के अनुसाय सुयां के मरमे बेजे गमे रेखनत्रों का फीजक

क्रभाॊक	यजजस्त्रीकयण कामायरम	नंकायों का नाभ		रेखनत्र का ्रतकाय	फहक जजसभें यजजस्त्रीकयण ककमा गमा	यजजस्त्रीकयण की तायकख	यजजस्त्रीकयण से इन्काय की तायकख	डाक से वानस नाने की तायकख	ववनष्टीकयण के आदेश की तायकख	रेखनत्र को वानस नाने के मरमे अधधकृत व्मजतत का नाभ
		दावेदाय	ननष्नादनकताय							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

ारून सॊख्मा **16**

(ननमभ 200)

कामायरम उन-यजजस्त्राय .... जजरा .... के कामायरम भें वषय .... के मरमे ववनष्टीकयण के मरमे ्रतस्त्ताववत अमबरेख

क्रभाॊक	अमबरेख का वववयण	वषय जजसभें अमबरेख सम्फजन्धत है	गड्डडमों नज्थमों की सॊख्मा	मेक गड्डी मा न्थी भें कागजों की सॊख्मा	कागजों मा अमबरेख की कुर सॊख्मा	नत्र व्मवहाय का ववषम मा ्रतकाय	बफना यजजस्ट्राय को ववनष्टककयण कयने मा न कयने का आदेश
1	2	3	4	5	6	7	8

टदनाॊक उऩ

यजजस्ट्राय के हस्ट्ताॊ य **प्रारून सॊख्मा 17 औय 18**

अिकाश का आिेदन

(मे ्रतारून अफ ्रतचमरत नहकॊ है)

प्रारून सॊख्मा 19

(ननमभ 206)

उऩ यजजस्ट्राय .... जजरा .... द्वाया .... को बेजे गमे नकद यामश का चारान

तायकख बेजने की	टहसाफ की ककस भद भें जभा होना चाटहमे	ककस आभदनी हेतु	यामश जो बेजी गई	उऩ यजजस्ट्राय का हस्ट्ताॊय	
	0.30 स्ट्ाम्न तथा यजजस्ट्रेशन	(क) यस भ यजजस्ट्रक दस्ट्तावेजों के मरमे-एतट 16 सन् 1908 के अनुसाय (ख) यस भ यजजस्ट्रक की हुई दस्ट्तावेजों की	रू0 नैसा	मरवऩक का हस्ट्ताॊय	

		नकरों के मरमे........................ (ग) भुतपरययक अथायत ...... (1) यस भ तस्त्दकक भुख्तायनाभों के मरमे- (2) यस भ के फन्द मरपापों के दार्खर कयने मा वाऩस रेने मा खोजने के मरमे जजसके वसीमत नाभा हो... (3) वजुयभा दार्खर कयने का यस भ....... (4) जुभायना (5) यस भ कभीशन जो जायक हो उसके मरमे(6) यस भ फटहमों औय पहरयस्त्तों के भुआमने के मरमे (7) यस भ फटहमों औय पहरयस्त्तों के भुआमने के मरमे (8) यस भ फटहमों औय पहेरयस्त्तों के इन्द्राज के तराश कयने के मरमे (9) अनतरयतत पीस यजजस्ट्य द्वाया यजजस्ट्रक के मरमे			
		(10) अन्म भुतपरययक आम			
ऩी0 एस0 म 0 ऩी0 04-ननफन्धन 13-4-92					

प्रारूऩ सॊख्मा 20

(ननमभ 185)

उऩ यजजस्ट्राय .... जजरा .... द्वाया केन्द्रकम अमबरेखागाय भें जभा ककमे जाने के मरमे बेजे गमे यजजस्ट्य, फटहमों औय अन्म कागजात की स ची

क्रभाॊक	फटहमों औय कागजों का वववयण	मेक फहक के ऩृष्ठों की सॊख्मा	ककस क्रभाॊक से ककस क्रभाॊक तक औय ककस तायकख से ककस तायकख तक	जजल्द फॊधी है मा नहकॊ	नतग्रस्त्त ऩृष्ठ (मटद हो)	रयतत ऩृष्ठ मटद हो	गामफ ऩृष्ठ (मटद हो)	टटप्ऩणी-महाॉ म ब्मौया दकजजमे क कौन ऩृ ं नतग्रस्त्त है औय त वे ऩढ़ने मोग्म है मा नहकों-इ्माटद
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्रारून सोंख्मा 21

कामाारम उन/जजरा यजजस्ट्राय-जजरा-भें यजजस्ट्रीकृत रेखनत्र की नकर

1908 के अधधननमभ 16 की धाया 64, 65, 66 मा 67 के अधीन जजरा यजजस्ट्रायजजरा-को बेजी गई नकर

फहक सोंख्मा-एक-रेखनत्र का क्रभाोंक

धाया 21 भें ननदेमशत सम्नज्त का ◌◌त्रीम वववयण		रेन देन के ◌्रतकाय औय	स्टाम्न शुल्क जो		धाया 52 औय नृष्ठाोंकन भ	
जजरा	तहसीर औय नयगना	गााॅव	1908 के अधधननमभ 16 की धाया 21 के अधीन अन्म वववयण	भ ल्माोंकन	बया है	अ
रेखनत्र की नकर						

प्रारून सोंख्मा 22

(ननमभ 367)

1908 के अधधननमभ सोरह की धाया 64, 65, 66 औय 67 के अधीन .... यजजस्ट्राय .... के कामायरम भें यजजस्ट्रककृत रेखनत्र का .... यजजस्ट्राय .... जजरा .... को बेजा गमा ◌ा◌ानन

ननष्नादन की तायकख		ननष्नादन कताय का नाभ औय नता	जजस के नं भें मरमा गमा उस का नाभ औय नता	धाया 21 के अनुसाय साभने का ◌◌ त्रीम वववयण				यजजस्ट्रककयण का ब्मौया				टटप्नणी
रेन देन का ◌्रतकाय औय क्रभाोंकन	स्टाम्न शुल्क जो टदमा			जजरे का नाभ	तहसीर औय नयगना	गााॅव	धाया 21 के अधीन अन्म वववयण	स्ट्तुतकताय का नाभ	स्ट्तुतीकयण औय यजजस्ट्रककयण के तायकखें	ननष्नादन औय ◌्रतनतनर नाना (मटद हो) स्ट्वीकाय	फहक-जजल्द-के नृष्ठ-नय क्रभाोंक टदनाोंक को यजजस्ट्रककयण	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

टदनोंक
उऩयजजस्ट्राय **प्रारूऩ सॊख्मा 23**

(ननमभ 368)

कैन्टोभेन्ट अधधननमभ प्न् सन् 1924 (मथा सॊशोधधत) के अधीन .... यजजस्ट्राय कामायरम .... जजरा ..... भें यजजस्ट्रककृत रेखऩत्र का छावनी ऩरयषद को बेजा गमा ाऩन

ननष्ऩादन कताय का नाभ औय ऩता	रेखऩत्र के दावेदायक का नाभ व ऩता	रेन-देन का ्रतकाय औय भ ल्मोंकन	रेखऩत्र भें वर्णयत सम्ऩज्त का वववयण (1908 के अधधननमभ 16 की धाया 21)	यजजस्ट्रककयण का ब्मौया		यजजस्ट्रककयण	
1	2	3	4	5		6	7
		सम्ऩज्त की जस्थनत व सीभामें	स्वाभभ्व का ्रतकाय फ्री होल्ड मा अन्म	स्तुतकताय ्रत स्तुनत व यजजस्ट्रककयण की तायकख	ननष्ऩादन तथा ्रत नतपर (मटद हो) ऩाना ककसने स्वीकाय ककमा	फहक-जजल्द-नृष्ट-क्रभाॊक-तायकख-	

ारूऩ सॊख्मा 24, 25, 26, 27 अफ
्रतचमरत नहकों है **प्रारूऩ सॊख्मा 28**

(ननमभ 33)

नकर का आि◌ेदन

1. आवेदन की तायकख
2. आवेदक का नाभ, वनता नाभ, ननवास व नता
3. यजजस्ट्रककयण कामायरम का नाभ
4. गााॉव नयगना जजरा का नाभ जजससे रेखनत्र सम्फजन्धत है
5. रेखनत्र का ◌्रतकाय
6. ननष्ऩादनकताय का नाभ
7. रेखनत्र के दावेदाय का नाभ
8. ननष्ऩादन की तायकख
9. यजजस्ट्रककयण की तायकख
10. आवेदन के साथ सॊरग्न स्ट्टाम्नों की सॊख्मा औय भ ल्म (मटद हो)
11. आवेदक नकर रेने स्ट्वमॊ उनजस्ट्थत होगा। डाक से भॊगाना चाहता है मा उसके द्वाया नामभत ककसी अन्म व्मजतत के भाध्मभ से रेना चाहता है।
12. आवेदक का हस्ट्ता◌ं य

प्रारूऩ सॊख्मा 29

(ननमभ 327)

तराश का प्रभाणनत्र (भहाननयी◌ंक के नत्र हदनाॊक 12-6-1973 द्वाया मथा सॊशोधधत)

(हहन्दी अनुि◌ाद)

भाणनत्र सॊख्मा .... वषय .... आवेदन सॊख्मा .... वषय ….... श्री .... द्वायाननम्नमरर्खत सम्नजत्त से सम्फजन्धत, यजजस्ट्रककृत कृमों औय वायों का वववयण का ◌्रतभाणनत्र के मरमे आवेदन ककमे जाने नय

....

....

भैं एतद्द्वाया ◌्रतभार्णत कयता ह ◌ॉ कक फहक सॊख्मा एक औय त्सम्फजन्धत इन्डेतसों की वषय............................ से .... तक तराश की गई औय उनयोतत सम्नजत्त को ◌्रतबाववत कयने वारे ननम्नमरर्खत कृम मा फाय नामे गमे/मा कोई नहकॊ नामा गमा)

क्रभाॊक	सम्नजत्त का ब्मौया	रेखनत्र के ननष्ऩादन की तायकख	काय औय भ ल्माॊकन	नकायों के नाभ		रेखनत्र का क्रभाॊक औय

भैं मह बी ◌्रतभार्णत कयता ह ◌ॉ उनयोतत कृमों औय फायों को छोड़कय उतत सम्नजत्त को ◌्रतबाववत कयने वारे कोई अन्म कृम मा फाय नहकॊ नामे गमे।

नोट- इस ◌्रतभाणनत्र भें वे फाय मा कृम टदखामे जामेंगे जो आवेदक द्वाया टदमे गमे सम्नजत्त के ब्मौये के आधाय नय ढ ढ़े गमे। मटद यजजस्ट्रककृत रेखनत्र भें सम्नजत्त को आवेदक द्वाया आवेदन भें टदमे गमे वणयन से ककसी द सये ढॊग से वर्णयत ककमा गमा हो तो ऐसे रेखनत्रों से ◌्रताप्त स चना को ◌्रतभाणनत्र भें दजय नहकॊ टदमा जामेगा।

2. वॊनछत तराश कामायरम द्वाया मथासम्बव सावधानी के साथ की गई है औय ववबाग ्रतभाणऩत्र भें शाभभर स चना के मरमे उ्तयदामी न होगा।

3. इस ्रतभाणऩत्र भें उन रेखऩत्रों से सम्फजन्धत स चना शाभभर नहकॊ है जो ्रतस्तुत हो चुके हैं ऩयन्तु जजनका आज की तायकख तक यजजस्ट्रककयण नहकॊ हुआ है।

तराशकताय - नाभ औय ऩदनाभ

भाणऩत्र तैमायकताय - नाभ औय ऩदनाभ

तराश का तथा ्रतभाणऩत्र का स्भाऩन ककमा हस्ता्ंय

भाणऩत्र का ऩयकी ककमा हस्ता्ंय

यजजस्ट्रककताय अधधकायक

(ननमभ 328)

भुआमना आम मा तराश का आिेदन

कामायरम .... यजजस्ट्राय ....

1. आवेदन की तायकख
2. आवेदक का नाभ व ऩता
3. तमा आवेदक तराश के ऩरयणाभ को मा तराश ्रतभाणऩत्र को स्द्वमॊ रेगा मा डाक से भॊगाना चाहेगा मा उसके द्वाया नामभत ककसी अन्म व्मजतत के भाध्मभ से रेगा।
4. वाद सॊस्था न्मामारम का नाभ औय ऩ्कायों के नाभ (जहाॉ आवश्मक हो)।5. वषय जजनकी फटहमों का भुआमना मा तराश अऩेक्षत है।
6. फहक सॊख्मा तीन औय चाय भें ्रतववष्ट रेखऩत्रों के भाभरे भें आवेदक का भुआमना मा तराश कयवा सकने का अधधकाय का वववयण

सम्ऩज्त का वववयण	वतयभान स्द्वाभी का सह स्द्वाभभमों का नाभ	टटप्ऩणी

भार्णत ककमा जाता है कक उऩमुयतत स चना भेये ्ान भें सहक है।

आवेदक का हस्ता्ंय

प्रारूऩ सॊख्मा 31

(ननमभ 328)

केिर एक प्रविजष्ट का भुआमना मा तराश का आिेदन

कामारम ....

1. आवेदन की तायकख
2. आवेदक का नाभ औय ऩता
3. तमा आवेदक तराश का ऩरयणाभ जानने के मरमे स्द्वमॊ उऩजस्थत होगा, डाक से भॊगाना चाहेगा मा उसके द्वाया नामभत ककसी अन्म व्मजतत के भाध्मभ से

4. रेखऩत्र का वववयण औय ननष्ऩादनकताय व दावेदाय का नाभ औय ऩता
5. सम्ऩजत्त की जस्ट्थनत, गाॊव, ऩयगना, नगय, भोहल्रा आटद
6. वषय जजनकी फटहमों का भुआमना/तराश वाॊनछत है,
7. फहक तीन औय चाय भें ्रतववष्ट रेखऩत्रों के भाभरे भें आवेदक का भुआमना कयने मा तराश कयाने के अधधकाय का वववयण

आवेदक

का हस्ट्ता ंय

नोट :

प्रारूऩ सॊख्मा 32 जजरा यजजस्ट्राय से सम्फजन्धत है।

प्रारूऩ सॊख्मा 33

(ननमभ 195 औय 196)

उऩ यजजस्ट्राय/जजरा यजजस्ट्राय कामाारम .... का रादा ा

रेखऩत्रोंका यजजस्ट्टय

यजजस्ट्टयों भें ्रतववष्ट की तायक	रेखऩत्र का ्रत काय औय फहक जजल्द, ऩृष्ठ क्रभाॊक औय	ऩंकायों के नाभ ननष्ऩादनकताय औय दावेदाय ्रत	स्ट्तुतकताय का नाभ	तायक ख			जजरा यजजस्ट्राय मा उऩ-यजजस्ट्राय का हस्ट्ता ं	स ची भें हटामा जाना		रादा वा पीस जो रक गई	जजरा यजजस्ट्राय उऩ-यजजस्ट्राय का हस्ट्ता ंय
				यजजस्ट्रककयण की धाया	इन्कायककी	डाक से वाऩसी की		तायकख	कायण		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

प्रारूऩ सॊख्मा 34

(ननमभ 195 औय 196)

सूचना नष्ट ऩय धचऩकाई जाने ारी रादा ा

रेखऩत्रों की सूची

क्रभाॊक ्रत	स्ट्तुतकताय का नाभ	ननष्ऩादनकताय का नाभ	दावेदाय का नाभ		यजजस्ट्रककयण, यजजस्ट्रककयण से इन्कायक मा डाक से वाऩस ्रत
1	2	3	4	5	6

प्रारूऩ सॊख्मा 35

(ननमभ 195 औय 196)

हदनाॊक .... को सभाप्त हुमे सप्ताह की उऩ-यजजस्ट्राय कामाारम

.... की रादा◌ा रेखऩत्रों की साप्ताहहक रयऩोटा

क्रभाॊक	रेखऩत्र का क्रभाॊक फहक जजल्द, ऩृष्ठ औय तायकख	ननष्ऩादनकताय का नाभ	दावेदाय का नाभ	रेखऩत्र का ◌्रत काय औय ◌्रत नतपर	यजजस्ट्रककयण इन्कायक मा डाक से वाऩसी की तायकख	टटप्ऩणी
1	2	3	4	5	6	7

ऩरयशशष्ट-चाय

इस ऩरयमशष्ट भें ◌्रतदेश के ववमबन्न जजरा यजजस्ट्रायों के मरमे स्ट्वीकृत स्ट्थामी अधग्रभ की यामशमाॉ दक गई है जो भहाननयक क द्वाया आवॊटटत की जाती है।

ऩरयशशष्ट-ऩाॉच

उत्तय प्रदेश सयकाय

सॊख्मा एस0आय0 976/दस-550-(51)-76

वव्त (स्ट्टाम्ऩ तथा यजजस्ट्रेशन) अनुबाग रखनऊ, 31 भाचय, 1976

अधधस चना सॊख्मा 1276/11-94/500, टदनाॊक 15-4-94 द्वाया मथा सॊशोधधत जो 1-5-1994 से राग हुआ

यजजस्ट्रीकयण

यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 (अधधननमभ सॊख्मा 16, 1908) की धाया 78 के अधीन शजतत का ◌्रतमोग कयके औय यजजस्ट्रेशन भैनुअर बाग-2 (सातवें सॊस्ट्कयण) के ऩरयमशष्ट

5 भें दक गई यजजस्ट्रककयण पीस की सारयणी का अनतक्रभण कयके याज्मऩार टदनाॊक 1 अ्तैर, 1976 से ननम्नमरर्खत यजजस्ट्रककयण पीस की तामरका ववटहत कयते है-

यजजस्ट्रीकयण पीस सायणी

इसभें टदमे गमे अऩवादों औय याज्म सयकाय द्वाया स्ट्वीकृत छ टों औय कटौनतमों

के अधीन यहते हुमे (औय इस शतय के अधीन यहते हुमे कक ककसी बी दस्ट्तावेज के सम्फन्ध भें

नीचे अनुच्छेद 1 औय 3 के अधीन ्रत

बामय अधधकतभ पभ्स 251 रु0 भान होगी)

ननम्नमरर्खत पीस का बुगतान ककमा जामेगा-

ष्ठक भें फन्द शब्द शासनादेश सॊख्मा

2763/दस-504, टदनाॊक 18-7-9 द्वाया 1-8-79 से जोड़े

गमे]

अनुच्छेद-1

ननम्नमरर्खत के यजजस्ट्रककयण के

मरमे-

	(1) ननुजस्ट्तका 1 औय 4, से सम्फजन्धत सभस्ट्त ननवायसीमती दस्ट्तावेज, जजसके अन्तगयत ऐसा बफक्री ्रतभाण-नत्र बी है जो भ र रून भें नेश ककमा गमा हो औय जजसके मरमे अन्मथा व्मवस्ट्था न की गमी हो। (क) जहाॉ भ ल्म मा ्रतनतपर 100 रुनमे से अधधक न हो (ख) जहाॉ भ ल्म मा ्रतनतपर 100 रुनमे से अधधक ककन्तु 1,000 रुनमे से अधधक न हो- थभ 100 रुनमे के मरमे 100 रुनमे से अधधक ्रत्मेक 100 रुनमे मा उसके बाग के मरमे (ग) जहाॉ भ ल्म मा ्रतनतपर 1,000 रुनमे से अधधक हो- ्रतथभ 1,000 रुनमे के मरमे 1,000 रुनमे से अधधक ्रत्मेक 500 रुनमे मा उसके बाग के मरमे (घ) जहाॉ भ ल्म मा ्रत नतपर केवर अ ॊशत् अमबव्मतत ककमा गमा हो, वहाॉ अनतरयतत पीस (ङ) जहाॉ भ ल्म माम ्रतनतपर अमबव्मतत न ककमा गमा हो	सभुधचत रु0 ….. ….. ….. ….. ….. ….. …..	पीस 3.00 3.00 2.00 21.00 5.00 10.00 40.00

स्ट्नष्टककयण -

(1) ककसी हस्ट्तान्तयण की जस्ट्थनत भें, भ ल्म मा ्रतनतपर नय, इसभें से जो बी अधधक हो, पीस रक जामेगी।ॊॊ

(2) ककसी नि मा नि के अभ्मनयण की जस्ट्थनत भें पीस मरमे जाने के ्रतमोजनाथय भ ल्म ननम्नमरर्खत होगा-

(क) जफ नि एक वषय मा इससे कभ के मरमे हो-न णय अवधध का कुर ककयामा।

(ख) जफ नि एक वषय से अधधक ककन्तु 20 वषय के अनधधक ककसी ननजश्चत

अवधध के मरमे हो औसत वावषयक ककयामा।

(ग) जफ नि़ा 20 वषय से अधधक, ककन्तु 90 वषय से अनधधक, ककसी ननजश्चत अवधध के मरमे हो ननजश्चत अवधध के मरमे न हो-औसत वावषयक ककयामे का तीन गुना (अननजश्चत अवधध के मरमे नि़े की जस्ट्थत भें औसत वावषयक ककयामे की गणना इस धायणा ऩय की जामेगी कक नि़ा 20 वषय तक जायक यहेगा।

(घ) जफ नि़ा शाश्वत हो मा ककयामेदाय को भौरूसी अधधकाय ्रतदान कयता हो मा 90 वषय से अधधक अवधध के मरमे हो-्रतथभ ऩचास वषय के मरमे देम कुर ककयामे का ऩाॉचवा बाग ऩयन्तु जहाॊ नि़ा ककसी जुभायने मा ककस्ट्त के मरमे था आयक्षत ककयामे के अनतरयतत अधग्रभ दक गई धनयामश के मरमे टदमा जामे तफ उस यामश को बी भ ल्म भें सजम्भमरत ककमा जामेगा।

(ङ) जफ नि़ा जुभायना मा ककस्ट्त के मरमे मा अधग्रभ दक गई धनयामश के मरमे टदमा जामे औय कोई ककयामा आयक्षत न हो तफ ऐसे जुभायने मा ककस्ट्त मा अबत्रभ दक गई धनयामश की कुर यामश।

(3) फन्धक मा फन्धक ऩत्र की जस्ट्थनत भें, ऐसे दस्ट्तावेज द्वाया ्रत नतब त यामश; ककसी वावषयकी फन्धऩत्र की जस्ट्थनत भें, बायतीम स्ट्टाम्ऩ अधधननमभ, 1899 की धाया 25 के उऩफन्धों के अनुसाय अवधारयत यामश औय ननमतकामरक बुगतान को ्रतनतब त कयने वारे अन्म दस्ट्तावेजों (नि़ा से मबन्न) की जस्ट्थनत भें, उन ऩय यजजस्ट्रेशन पीस रेने के मरमे ्रतथभ वषय के मरमे देम यामश औय ककसी जुभायना मा ्रतीमभमभ मा अधग्रभ दक गई धनयामश को भ ल्म सभझा जामेगा।

(4) जफ दस्ट्तावेज की ववषम-वस्ट्तु भ ल्माॊकन मोग्म हो औय ऩुजस्ट्तका 1 के सम्फन्ध भें हो, ककन्तु ऩऺ भ ल्म को अमबव्मतत कयने से इन्काय कयें तफ यजजस्ट्रककताय अधधकाय इस ्रतकाय अमबननजश्चत भ ल्म ऩय सभुधचत पीस ्रत बारयत कयेगा।

	(2) दृतक ग्रहण कयने के मरमे मरखेत अधधकाय,जो वसीमत द्वाया ्रतदान न की गई हो (3) वसीमत-	रु0 40.00

	(क) जहाॉ वसीमत की गई सम्नज्त्त का, जैसा दस्त्तावेज भें टदमा गमा हो, भ ल्म 100 रुऩमे से अधधक न हो (ख) जफ ऐसा भ ल्म 1,000 रुऩमे से अधधक हो (ग) जफ वसीमत की गमी सम्नज्त्त का भ ल्म व्मतत न ककमा गमा हो (4) (क) अटनी की ववशेष शजतत (ख) अटनी की साभान्म शजतत (ग) दस्त्तक ववरेख (5) सौनाजश्वयक मा सहामक मा अनतरयतत मा ्रतनतस्त्थावऩत ्रतनतब त देने के मरमे मा अग्रतय ्रत् माब त के रूऩ भें ताऩनमत दस्त्तावेज, जहाॉ यजजस्त्रककताय अधधकायक के सन्तोषानुसाय मह साबफत कय टदमा जामे कक भुख्म मा ्रतथभ फन्धक सम्मक् रूऩ से यजजस्त्रककृत ककमा गमा था। (6) ककसी दस्त्तावेज के वास्त्तववक ्रत नत/मा ्रत नतमाॉ जफ भ र दस्त्तावेज के साथ भें उसी सभम यजजस्त्रककयण के मरमे ्रतस्त्तुत की जामे, मटद भ र दस्त्तावेज का बी यजजस्त्रककयण ककमा जाता हो जैसा कक यजजस्त्रेशन भैनुअर, बाग-2 के ननमभ 362 भें उऩफजन्धत है। (7) ककसी ऩ वयवती यजजस्त्रककृत दस्त्तावेज भें ककसी गरत वववयण मा रेखन ब र को ठीक कयने वारा अनुऩ यक दस्त्तावेज, जैसा यजजस्त्रेशन भैनुअर, बाग-2 के ननमभ 351 भें उऩफजन्धत है। (8) बफक्री के मरमे कयाय- (क) मटद कोई फमाना मा अधग्रभ धनयामश न दक गमी हो (ख) मटद फमाना मा अधग्रभ धनयामश दक गमी हो	12.00 भ ल्म ऩय खण्ड (1) भें ववटहत भ ल्मानुसाय पीस ककन्तु अधधक से अधधक 40 रुऩमा। 50.00 5.00 15.00 30.00 उतनी पीस, जजतनी भुख्म मा ्रतथभ फन्धक, ववरेख के मरमे हो ककन्तु अधधक से अधधक 10 रुऩमा। ऐसी ्रत्मेक ्रतनत के मरमे ऩाॉच रुऩमे। टटप्ऩणी-अनुच्छेद 2 के अनतरयतत पीस नहकों रक जामेगी। उतनी पीस जजतनी भ र दस्त्तावेज मरए हो, ककन्तु अधधकतभ 5 रुऩमा। रु0 10.00 टदमा गमा फमाना मा अधग्रभ यामश

	(9) ककसी न वयवती यजजस्ट्रककृत फन्धक ववरेख भें ब्माज की दय मा बुगतान की यकनत भें नरयष्काय कयने वारा कयाय। (10) ककसी स्वाम्त पभय मा बागीदायक की द्जष्टफन्धक फन्धनत्र (11) फन्धक नय यखी गमी सम्नज्त का नुन् हस्ताॊतयण मा ननभुयजतत ववरेख मा फन्धक धायणाधधकाय को ननवायवनत कयने के मरए तान्नमत ववरेख, जहाॉ उसी सम्नज्त के फन्धक ववरेख नय भ ल्मानुसाय न यक पीस का बुगतान कय टदमा गमा है। (12) फन्धक ववरेख के अधीन फन्धक फन्धक धनयामश की ककस्त मा ककस्तों को ्रताजप्त अमबस्वीकाय कयने वारा दस्तावेज जजस नय भ ल्मानुसाय न यक पीस का बुगतान कय टदमा गमा हो, (13) बफक्री के मरमे ओॊमशक मा न णय ्रत नतपर की ्रत ाजप्त अमबस्वीकाय कयने वारा दस्तावेज, जहाॉ ववक्रम नय भ ल्मॊनुसाय न यक पीस का बुगतान कय टदमा गमा हो, (14) ककसी न वयवती यजजस्ट्रककृत दस्तावेज के मरमे, जजस नय भ ल्मानुसाय न यक पीस का बुगतान कय टदमा गमा हो, ओॊमशक मा न णय ्रतनतपर की ्रताजप्त अस्वीकाय कयने वारा दस्तावेज। (15) बायतीम स्टाम्न अधधननमभ, 1899 की धाया 2 (15) भें नरयबावषत ववबाजन को मरखॊत। (16) कोई अन्म दस्तावेज जजसे खण्ड (1) भें ववटहत भ ल्मानुसाय भानक्रभ के अधीन नहकॊ रामा जा सकता (अथायत जो भ ल्मॊकन मोग्म न हो) औय जजसके मरए अन्मथा व्मवस्था न की गमी हो। – (1) ककसी दस्तावेज के यजजस्ट्रककयण के मरमे पीस जजसभें कई सुमबन्न भाभरे सॊभाववष्ट हो, ऐसे पीस का मोग होगी जो ्रत्मेक	नय खण्ड (1) भें ववटहत भ ल्मानुसाय पीस, ककन्तु अधधकतभ 30 रुनमे। उतनी पीस जजतनी भ र के सम्फन्ध भें है ककन्तु अधधकतभ 25 रुनमा। ्रत नतब त यामश नय खण्ड (1) भें ववटहत भ ल्मानुसाय पीस ककन्तु अधधकतभ 25 रुनमे। फन्धक की धनयामश नय खण्ड (1) भें ववटहत भ ल्मानुसाय पीस, ककन्तु अधधकतभ 50 रुनमा। अस्वीकृत धनयामश नय खण्ड (1) भें ववटहत भ ल्मानुसाय पीस ककन्तु अधधकतभ 50 रुनमा। ऐसे नुत्रक अॊश मा अॊशों के, जजस नय स्टाम्न अधधननमभ की अनुस ची 1-ख के अनुच्छेद 45 के अधीन स्टाम्न शुल्क देम हो, भ ल्म नय, जैसा खण्ड (1) ववटहत है। 10.00
–		

	ऐसे ववषम को सभाववष्ट कयने वारक मा उनसे सम्फजन्धत नृथक-नृथक दस्त्तावेज नय ्रतबामय होगी।ेॊ (2) टटप्नणी (1) के अधीन यहते हुमे, इस ्रत काय ववयधचत दस्त्तावेज, जो बायतीम स्ट्राम्न अधधननमभ, 1899 भें टदमे गमे दो मा अधधक वणयनों भें आता है, के यजजस्ट्रककयण के मरमे पीस, जफ उसके मरमे ्रत बामय पीस मबन्न-मबन्न है, ऐसी पीस भें से अधधकतभ पीस होगी। (3) दस्त्तावेजों नय यजजस्ट्रककयण पीस ्रत बारयत कयने के मरए यजजस्ट्रककताय अधधकायक को स्ट्राम्न ववधध का अनुसयण कयना चाटहमे मटद इस सायणी भें मा यजजस्ट्रककयण अधधननमभ के अधीन फनामे गमे ननमभों भें कोई सुस्त्नष्ट उऩफन्ध न हो। (4) मटद कोई नि़ा औय कफ मरमत मा उसका अमबरेख एक हक फाय यजजस्ट्रककयण के मरमे रामा जामे तो दो दस्त्तावेजों के सम्फन्ध भें ्रत बामय पीस उस पीस से अधधक नहकॊ होगी जो केवर नि़े नय ्रत बारयत होता।	

अनुच्छेद-2

अनुच्छेद 1 के अधीन यजजस्ट्रककयण के मरमे पीस के अनतरयतत-

	(क) नुजस्त्तका 1, 3 मा 4 भें ककसी दस्त्तावेज को ्रतनतमरवऩ फनाने के मरमे (मटद ्रतनतमरवऩ फनाना हो) (ख) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 18-क के अधीन भ र के साथ ककमे गमे ककसी दस्त्तावेज की ्रतनत के मभरान के मरमे मा उ्तय ्रतदेश यजजस्ट्रेशन भैनुअर, बाग-2 के ननमभ 362 भें ननटदयष्ट दस्त्तावेजों की, जो भ र सटहत ऩेश ककमे गमे हों, द्ववतीम ्रतनतमों के मभरान के मरए। ्रत – (1) ऐसे शब्दों की सॊख्मा को जजसभें ववधध मा ननमभ द्वाया ववटहत नृष्ठाॊकन औय ्रतभाण-ऩत्र सभाववष्ट हों, इस अनुच्छेद के अधीन पीस की गणना कयने के मरमे सजम्भमरत नहकॊ ककमा जामेगा।	नत 500 शब्द मा उसके बाग के मरमे 5-0 रुऩमा ककन्तु ्रत् मेक दस्त्तावेज के मरमे न्म नतभ 10 रुऩमा ्रत नत 500 शब्द मा उसके बाग के मरमे 5-0 रुऩमा ककन्तु ्रत् मेक ्रतनत के मरमे न्म नतभ 10-0 रुऩमा
–		

	(2) पीस रेने के ्रतमोजनाथय इस फात का अनुभान रगाना कक रगबग ककतने शब्द होंगे, प्मायप्त होगा। उदाहयणाथय, नॊजततमों की सॊख्मा को ्रत्मेक नॊजतत के शब्दों की औसत सॊख्मा से गुणा ककमा जामेगा जजसे दस्तावेज के भध्म भें तीन मा चाय साधायण, क्रभानुगत नॊजततमों भें शब्दों की सॊख्मा धगनकय ककमा जामेगा। ्रतबारयत शब्दों की सॊख्मा औय ्रतबारयत ्रतनत/मभरान पीस की यामश दस्तावेज भें तथा यजजस्टय मा ्रतनत भें दजय की जामेगी। (3) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 65 औय 66 के अधीन द सये कामायरम को बेजने के मरमे दस्तावेजों की फनामी गमी सभस्त ्रतनतमों नय बी न वयवती भानक्रभ के अनुसाय पीस रक जामेगी्इसके अनतरयतत उतत अधधननमभ की धाया 64, 65, 66 औय 67 के अधीन तैमाय ककमे गमे ्रत् मेक ा ानन के सम्फन्ध भें नाॉच रुनमे की ननधायरयत पीस रक जामेगी।	

अनुच्छेद-3

	(1) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 89 की उनधाया (1) औय (3) के अधीन ्रताप्त आदेश की ्रतनत दार्खर कयने के मरमे उस व्मजतत द्वाया, जजसको ऋण टदमा जामे, कोषागाय भें शीषयक ''0 0-स्टाम्न तथा यजजस्ट्रककयण-यजजस्ट्रककयण पीस-दस्तावेजों के यजजस्ट्रककयण के मरमे पीस'' के नाॉच रुनमे की पीस जभा की जामेगी औय ऋण देने वारे अधधकायक के सभ कोषागाय चारान दार्खर अन्तगयत ककमा जामेगा, जो उसे आदेश की ्रतनत सटहत यजजस्ट्रककताय अधधकायक को अग्रसारयत कयेगा। (2) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 89 की उनधाया (2) मा (4) के अधीन ववक्रम ्रतभाण-नत्र की ्रतनत दार्खर कयने के मरमे, स्टाम्न अधधननमभ के अधीन ववक्रम के भ र ्रतभाण-नत्र नय देम स्टाम्न शुल्क के आधे के फयाफय पीस, ककन्तु न्म नतभ नाॉच रु0 कोषागाय भें शीषयक ''0 0-स्टाम्न तथा ननफन्धन शुल्क-ननफन्धन शुल्क रेखों की नकरों की पीस के अन्तगयत नीराभी क्रेता द्वाया जभा ककमा जामेगा औय	

	न्मामारम मा याजस्त्व अधधकायक के सभ कोषागाय चारान दार्खर ककमा जामेगा, जजसे ऐसे न्मामारम मा याजस्त्व अधधकायक द्वाया ववक्रम ्रत भाण-नत्र की ्रत नत सटहत यजजस्ट्रककताय अधधकायक को अग्रसारयत ककमा जामेगा।	

अनुच्छेद-4

यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 33 के अधीन भुख्ताय-नाभाके अधध-्रतभाणीकयण के मरए-

	(1) मटद ऐसी शजतत साभान्म हो (2) मटद ऐसी शजतत ववशेष हो	10-0 5-0
स्ट्नष्टककयण-	(1) भखतायनाभा क अधध-भाणीकयण क मरम एकर पीस उद्गृहकत की जामेगी चाहे उस नय हस्ताय कयने वारे ककतने हक हों, नयन्तु वे सबी एक साथ ननष्नादन के मरमे उनजस्थत हो। जफ वे इस ्रतकाय उनजस्थत न हों तो एक फाय औय एक हक सभम भें उनजस्थत होने के मरमे ्रत् मेक व्मजतत मा व्मजततमों के सभ ह के मरमे नृथक पीस उद्गृहकत की जामेगी। (2) अधध–्रतभाणीकयण के मरमे ्रत स्तुत ककमे गमे भुख्तायनाभा की द्ववतीम मा तृतीम ्रतनत को नृथक भुख्तायनाभा सभझा जामेगा औय उसके मरमे नृथक भुख्तायनाभा सभझा जामेगा औय उसकेमरमे नृथक अधध–्रतभाणीकयण पीस रक जामेगी।	

अनुच्छेद 5

	यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 30 के अधीन जजरा यजजस्ट्राय द्वाया स्त्ववववेक से यजजस्ट्रककयण के मरमे अनतरयतत पीस	100 100-00
स्ट्नष्टककयण–	यजजसरककयण अधधननमभ की धाया 42 क अधीन वसीमतो की जभा नय अनतरयतत पीस देम न होगी, औय न तफ ्रत बावी होगी जफ दस्तावेज उन–यजजस्ट्राय के उस बाषा से, जजसभें वहमरखा गमा हो, अनयधचत होने के नरयणाभस्त्वरून, जजरा यजजस्ट्राय के नास यजजस्ट्रककयण केमरमे रे जामा जामे, ने तो तफ ्रताबाथ्य होगी, जफ कोई	

	ववरेख उन्–यजजस्ट्राय के ऐसे सॊव्मवहाय भें जजससे ऐसा ववरेख सम्फजन् धत हो, टहतफद्ध न्ं होने के न्रयणाभस्वरूऩ जजरा यजजस्ट्राय द्वाया यजजस्ट्रककृतककमा जामे। तफ अनतरयतत पीस वस र न की जामे, तफ पीस यजजस्ट्र्य के स्ट्तम्ब 7 भें औय दस्ट्तावेज न्य, वस र न ककमे जाने के कायण टदखाते हुमे, टटप्न्णी मरखी जानी चाटहमे।	

अनुच्छेद 6

ननयान्द अमबयां–	(क) जजरा यजजस्ट्राय की रोहे की नतजोयक भें ककसी ननवयसोमता दस्ट्तावेज की ननयान्द अमबयां के मरमे। (ख) ककसी ऐसे दस्ट्तावेज के ्रत् माहयण के मरमे। (ग) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 42 के अधीन भुद्राफन्द मरपापे को ननक्ष् प्त कयने के मरमे। (घ) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 44 के अधीन भुद्राफन्द मरपापे के ्रत् माहयण के मरमे।(ङ) ननक्ष् प्त ककमे गमे भुद्राफन्द मरपापे की यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 45 के अधीन खोरे जाने के मरमे।	रू० 5-00 5-00 10-00 10-00 10-00

अनुच्छेद 7

	यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 19 के अधीन दस्ट्तावेज का टहन्दक अनुवाद दार्खर दस्ट्तावेज का टहन्दक अनुवाद दार्खर कयने के मरए।	रू० 10-00

अनुच्छेद 8

	यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 57 के उन्फन्धों के अधीन अमबरेखों की तराशी मा ननयकंण के मरमे– (क) एक वषय के अमबरेओं की तराशी कयने मा उनका ननयकंण कयने के मरए। (ख) एक हक आवेदन–न्त्र के अधीन एक से अधधक वषों के अमबरेखों की तराशी कयने मा उनका ननयकंण कयने के मरए।	रू० 5-00 मेक वषय के मरमे 5-00 रून्मा ककन्तु ककसी एक भाभरे भें अधधकतभ 100 रून्मा;

स्ट्नष्टककयण–	(1) ककसी सद्धाववत सावयजननक ्रत मोजन के मरएककसी सयकायक कामायरम मा न्मामारम के अध्मं के आवेदन–नत्र नय की गई तरशी मा ककमे गमे ननयकं ण के मरए यजजस्ट्रेशन भैनुअर पाय उ्तय ्रतदेश, बाग–2 का ननमभ 348 देर्खमे। (2) ककसी ऐसे दस्ट्तावेज के, जजसकी ्रतनतमरवन के मरमे आवेदन ककमा गमा है, सम्फन्ध भें भें कोई तराशी पीस नहकॊ रक जामेगी मटद दावा कयने वारे औय ननष्ऩाटदत कयने वारे नीं के नाभ, दस्ट्तावेज का ्रत काय औय टदनाॊक औय यजजस्ट्रककयण का टदनाॊक ्रतनतमरवन के मरए टदमे गमे आवेदन–नत्र भें ठीक–ठीक टदमा गमा हो, ककन्तु आवेदन द्वाया ऐसे वववयण का बाग टदमे जाने से सबी भाभरों भें तराशी रेना आवश्मक न होगा औय जफ तक कक ऐसी तराशी आवश्मक न हो, केवर ्रतनतमरवन फनाने की पीस रक जामेगी। ऐसे भाभरों भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक ककसी ऐसी ्रत ववजष्ट को तराश कयने औय अननी नुस्ट्तक भें ककसी ऐसी ्रतववजष्ट को तराश कयने औय अननी नुस्ट्तक भें ककसी ऐसी ्रतववजष्ट को जजसकी जानकायक ्रत नतमरवन के आवेदन से आसानी से अमबननजश्चत हो, नृष्ठ नरटने भें ववबेद कयने भें अनने ववेक का ्रतमोग कयेगा।	

अनुच्छेद 9

	यजजस्ट्रेशन भैनुअर, बाग 2 के ननमभ 327 के अधीन 12 वषीम तराशी ्रतभाण–नत्र जायक कयने के मरए– (क) जफ ककसी डडक्रीदाय द्वाया मसववर ्रतकक्रमा सॊटहता के आदेश 22 ननमभ 66 (2) (ग) की अने्ं्ानुसाय वववयण सुननजश्चत कयने के ्रतमोजनाथय अनेजे्ं त हो– (i) मटद डडक्री का भ ल्माॊकन ,000 रू०नमे से अधधक न हो। (ii) मटद भ ल्माॊकन ,000 रू०नमे से अधधक हो।	रू० 15-00 थभ ,000 रू० केमरए 15 रू०नमा औय ्रत् मेक अनतरयतत ,000 रू० मा उसके बाग के मरए 5 रू० ककन्तु अधधकतभ 0,00 रू०।

स्ट्ऩष्टककयण–	(क) एक डडक्री के सम्फन्ध भें एक तराशी ्रतभाण–ऩत्र के मरए केवर एक हक पीस रक जामेगी बरे हक तराशी मरमे जाने के मरए ननणीत ऋणी औय सम्ऩजत्तमों की सॊख्मा ककतनी हक हो। (ख) जफ ककसी ऐसे अन्म व्मजतत द्वाया अऩेजें त हो जो यजजस्ट्रेशन भैनुअर बाग 2 के ननमभ 348 माककसी अन्म ववशेष मा साभान्म आदेश के अधीन पीस के बफना तराशी ्रतभाण ऩत्र का हकदाय न हो। ऩयन्तु जफ उऩमुयतत खण्ड (क) मा खण्ड (ख) के अधीन कोई आवेदक ऐसे अन्म आवेदन–ऩत्र ऩय जजसके मरमे साधायण तराशी ्रतभाण–ऩत्र रेना चाहता हो तो 5 रू० की अतरयतत पीस देने ऩय उसे पीस टदमे जाने के दो टदन के बीतय ऐसा ्रतभाण–ऩत्र जायक ककमा जामेगा। ऩयन्तु मह औय कक 12 वषय से कभ की अवधध के मरए यजजस्ट्रेशन भैनुअर, बाग 2 के ननमभ 327 के खण्ड (1) के अधीन अनुऩ यक तराशी ्रतभाण–ऩत्र जायक कयने के मरए पीस उस अनुऩात भें होगी जजस अवधध के मरए वास्ट्तववक रूऩ भें तराश की गई हो। इस ्रतकाय रक गई पीस को अगरे ऩ ये रूऩमे भें ऩ णाांककत ककमा जामेगा।	रू० 20-00

अनुच्छेद 10

	यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया , मा 38 के अधीन ्रत ाइवेट ननवास गृहों मा जेर भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया हाजजय होने मा धाया 33 मा 38 के अधीन कभीशन ननकारने के मरमे– (क) जफ वह व्मजतत जजसकी ऩयका की जानी है, जेर भें हो। (ख) जफ उस व्मजतत को जजसकी ऩयका की जानी है,सववर ्रतकक्रमा सॊटहता के अधीन स्ट्वीम उऩ–मसटहता से छ ट दक गई हो। (ग) सभस्ट्त अन्म भाभरों भें। टटप्ऩणी– उऩमुयतत पीस के अनतरयतत ऐसी मात्रा के सम्फन्ध भें जजसे उऩमुयतत ्रतमोजन के मरमे यजजस्ट्रककताय अधधकायक को कयना अऩेक्षित हो, पाइनेजन् शमर हैण्ड	रू० 10-00 50-00 50-00

	फुक, खण्ड–3 भें टदमे गमे मात्रा–ब्ता ननमभों के अधीन दौये ऩय की जाने वारक मात्राओं के मरए साधायणतमा अनुभन्म दयों ऩय मात्रा–ब्ता बीटदमा जामेगा् ऩयन्तु भुख्मारम के अन्तगयत की जाने वारक मात्राओं के सम्फन्ध भें भहाननयकंक ्रतथभ ककरोभीटय के मरमे 0.45 ऩैसे की ववशेष दय ्रताधधकृ कय सकता है। (2) मसववर ्रत ककृमा सॊटहता, 908 की धाया 133 के अधीन छ ट ्रत ाप्त व्मजतत की ऩयकं के मरए ककसी ऩरयदशयन, मा ककसी कभीशन का खचय उसके द्वाया टदमा जामेगा जफ तक कक उसके साक्ष्म की अऩे ा कयने वारा ऩं ऐसे खचय का बुगतान न कये। (3) उस द यक की गणना जजसके मरए मात्रा ब्ता मरमा जामेगा, करेतटय के कामयरम भें आदेमशका को ताभीर के मरमे फनाई गई सारयणी जहॉ ऐसी सारयणी उऩरब्ध हो, के अनुसाय मा अन्म भाभरों भें उऩ जजरा के नतशें की सहामता से मटद उऩरब्ध हो, अनुभान द्वाया की जामेगी, जजसे मथासम्बव ्रत्मेक कामायरम को जो तहसीर के भुख्मारम ऩय न हो, टदमा जामेगा। ककसी तहसीर के भुख्मारम ऩय जस्थत कामायरम तहसीर के नतशे का उऩमोग कयेंगे। ननयकंणकताय अधधकायक कुछ भदों की वास्तववक जॉच औय नतशे से भाऩ कयके अऩना सभाधान कयेंगे कक वह द यक जजसके मरमे मात्रा ब्ता मरमा गमा है, रगबग सहक है। (4) एक मा एकाधधक भटहरा ननष्ऩादों के, जो ऩदायनशीन मा कुरकन है, अॊग ठे का ननशान रेने के मरए यजजस्ट्रककताय अधधकायक के साथ ककसी नसय मा भटहरा सहामक द्वाया ्रताइवेट ननवास-ग्रह ऩय ्रत् मेक हाजजयक के मरमे, मटद अऩेक्षत हो, 5 रूऩमे की अनतरयतत पीस रक जामेगी बरे हक ऐसी बेंट भें यजजस्ट्रककयण ककमे जाने वारे दस्तावेजों की सॊख्मा कुछ बी हो।	

अनुच्छेद 11

	जफ यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 36 के अधीन याज्म सयकाय द्वाया ननमुतत अधधकायक मा	

	न्मामारम को सम्भन जायक कयने के मरमे कोई आवेदन-नत्र टदमा जामे तफ ऐसे अधधकायक मा न्मामारम द्वाया सम्भन जायक कयने मा ताभीर कयने के मरमे साभान्म रून से देम आदेमशका पीस उस व्मजतत से वस र की जाएगी जजसकी ्रते यणा नय आवेदन-नत्र टदमा जामे औय उसे आवेदन-नत्र के साथ अग्रसारयत ककमा जाएगा।	

अनुच्छेद 12

	साक्ष्मों का नारयश्रमभक मसववर ्रतकक्रमा सौटहता, 1908 के अधीन त्सभम ्रत वृत ननमभों के ननदेश भें यमरजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया ननमत ककमा जामेगा, औय सम्भन जायक कयने के मरमे आवेदन-नत्र के साथ अग्रसारयत ककमा जामेगा कपय बी, मटद सम्भन ककमा गमा व्मजतत वह व्मजतत हो जजसके दस्त्तावेज ननष्नाटदत	

अनुच्छेद 13

टटप्नणी-	नुस्त्तक 1 अनुच्छेद 2 भें ववटहत दय नय 3 मा 4 से सम्फजन्धत ककसी दस्त्तावेज की ्रतभार्णत ्रतनत, नुस्त्तक 2 की ्रतववजष्ट, पाइर फुक के नत्राटद (नतशा मा प्रान को छोड़कय), अन्म नुस्त्तकों की ्रतववजष्ट औय अनुक्रभर्णकाओं (नतशा मा प्रान को छोड़कय), अमबसाक्ष्म ववयण आदेश मा अन्म ्रत कीणय नत्राटद के मरमे जो यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया जायक ककमे गमे हों। (1) मटद कोई आवेदक उन अन्म आवेदन-नत्रों की, जजनके मरमे ्रतनतमरवन तैमाय कयने की साधायण पीस दक गई है, वयकमता भें ्रतनत रेने की अने्ा कयें तो पीस अनुच्छेद 2 भें ववटहत पीस की दय दुगुनी होगी। (2) मटद कोई आवेदक जजसने ननमभ (1) के अनुसाय पीस का बुगतान कय टदमा है, ऐसी ्रतनत आवेदन-नत्र के टदनौंक को टदमे जाने की अने्ा कये मा वह ऐसे आवेदन-नत्र के टदनौंक को ्रतस्त्तुत ककमे गमे टटप्नणी (1) के अधीन अववरम्फनीम ्रतनतमों के मरमे दस्त्तावेजों औय आवेदन-नत्रों के ऊनय अग्रता की भौंग कये तो उससे ऐसी	

	्रतनत के मरमे टटप्ऩणी (1) के अधीन दक गई पीस के अनतरयतत 5 रूऩमे मा मटद ्रतनत भें शब्दों की सॊख्मा 1000 शब्दों से अधधक हो तो ्रत् मेक 500 शब्द मा उसके बाग के मरमे 5 रूऩमे की ् वरयत पीस रक जामेगी। ऐसी पीस का बुगतान ककमे जाने ऩय बी ऐसी ्रतनत, जजसभें 3600 से अधधक शब्द उतनी अवधध भें दक जामेगी जो 3,600 शब्द ्रतनत कामय टदवस के टहसाफ से ्रताप्त हो।	
स्ऩष्टककयण-	(1) इस अनुच्छेद के अधीन पीस वस र कयने के मरमे यजजस्ट्रककयण नृष्ठाॊकन औय ववधध मा ननमभों द्वाया ववटहत अन्म ्रतभाण-ऩत्रों की गणना बी दस्ताावेज के बाग के रूऩ भें की जामेगी। (2) जफ यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 57 के अधीन ककसी ्रत नत के मरमे आवेदन-ऩत्र के मरमे तराशी अऩेक्षत हो तफ इस अनुच्छेद के अधीन पीस के अनतरयतत अनुच्छेद 6 द्वाया ववटहत पीस उसके स्ऩष्टककयण (2) के अधीन यहते हुमे रक जामेगी। (3) ्रतनतमरवऩ तैमाय कयने के मरमे वस र की गई पीस को जायक की गई ्रतनत के नीचे दजय ककमा जामेगा। (4) जजरा यजजस्ट्राय के ननमन्त्रण भें यजजस्ट्रककताय अधधकायक अऩने द्वाया जायक ककमे जाने वारे नतशे मा प्रान के ्रतनत तैमाय कयने की पीस को ककमे जाने वारे कामय की कटठनाई मा जटटरता का ध्मान यखते हुमे ननमत कयेगा जफ ककसी नतशे मा प्रान की ्रतनत ककसी ऐसे व्मजतत के द्वाया तैमाय की जामे जो यजजस्ट्रककयण ववबाग से सम्फजन्धत न हो तफ इस ्रतकाय वस र की गई पीस उस व्मजतत को दे दक जामेगी।	

अनुच्छेद 14

	ककसी से अदावाकृत दस्ताावेज को वाऩस मा अभ्मवऩयत कयने के मरमे जजसे यजजस्ट्रेशन भैनुअर बाग-2 के ननमभ 196 के अधीन उऩ यजजस्ट्राय मा जजरा यजजस्ट्राय के कामायरम भें अदावाकृत दस्ताावेज के यजजस्ट्य भें दजय ्रत्	मेक ऐसे 15 टदन मा उसके बाग के मरमे जजसके दौयान दस्ताावेज

	ककमा हो।	अदावाकृत यहे नाॉच रून्मे ककन्तु अधधकतभ 50 रून्मा है।

अनुच्छेद **15**

कीणय पीस	(1) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 72 के अधीन अनीर मा धाया 73 के अधीन आवेदन-नत्र औय धाया 74 के अधीन जाॉच के मरमे मा जफ कोई दस्त्तावेज, वसीमत मा दृतक ग्रहण ्रत ाधधकाय, ननष्न्ादों मा वसीमतकताय को भृमु के नश्चात ्रतस्त्तुत ककमा जामे, तफ यजजस्ट्रककताय अधधकायक द्वाया ननष्ष्न्ादन आटद के तथ्मों के फाये भें की जाने वारक जाॉच के मरमे। (2) यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 25, धाया 34 मा धाया 36 के अधीन दामय ककमे गमे ककसी आवेदन-नत्र के मरमे। (3) ककसी सयकायक भाभरे मा यजजस्ट्रककयण कायफाय मा कामयवाहक भें सम्फजन्धत ्रत् मेक आवेदन-नत्र (जो ्रतनत के मरमे आवेदन-नत्र न हो) के मरमे जजसे यजजस्ट्रककताय अधधकायक के सभ दामय ककमा गमा हो, जफ कक उस नय न्मामारम पीस अधधननमभ, 1870 के अधीन न्मामारम पीस ्रतबामय न हो।	रू0 10.00 5.00 5.00
अनवाद	(1) सयकाय के ककसी अधधकायक द्वाया जो मसववर मा सैननक सेवामोजन भें हो, अनने उनमोग के मरमे ननवास गृह के ननभायण मा क्रम के ्रतमोजनाथय सयकाय से ्रताप्त ककसी अधग्रभ के ्रतनत सभुदाम को सुननजश्चत कयने के मरमे ननष्न्ाटदत फन्धक ववरेख नय कोई पीस उदग्रहणीम न होगी। इसी ्रतकाय अधग्रभ का ्रतनत सॊदाम हो जाने नय, मटद उधाय रेने वारा व्मजतत ्रतनत हस्त्ताॊतयण के मरखेत को, जो सयकाय द्वाया उसके नं भें ननष्न्ाटदत हो चाहे तो कोई पीस नहकॊ रक जामेगी। (2) डडसप्रेस्ट्ड नयसन्स (कम्नेनसेशन एण्ड रयहेबफमरटेशन) रूल्स 1955 के उनफन्धों के अधीन ननष्न्ाटदत ककमे जाने	

	वारे सावयजननक नीराभ से मबन्न सम्नज्त के अन्तयण से सम्फजन्धत दस्त्तावेजों नय स्त्थावनत व्मजततमों से कोई यजजस्त्रककयण पीस नहकों रक जामेगी।	

र –

र र र और

- -9

िभोक	जजरा	िभोक	उन्नजजरा
1	भेयठ	1	भेयठ i
		2	भेयठ ii
		3	भेयठ iii
		4	भेयठ iv
		5	भेयठ v
		6	भवाना
		7	फागन्नत
		8	सयधना
2	गाजजमाफाद	9	गाजजमाफाद i
		10	गाजजमाफाद ii
		11	गाजजमाफाद iiii
		12	गाजजमाफाद iv
		13	गाजजमाफाद v
		14	गाजजमाफाद vi
		15	गाजजमाफाद vii
		16	हानुड़-भुख्म
		17	हानुड़-सौमुतत
		18	गढ
		19	दादयक
		20	नान्नेड़ा i
		21	नान्नेड़ा ii

		22	नान्हेड़ा iiii
		23	भोदकनगय
3	फुरन्दशहय	24	फुरन्दशहय i
		25	फुरन्दशहय ii
		26	अन ऩशहय
		27	खुजाय
		28	मसकन्दयाफाद
		29	स्ट्थाना
4	सहायनन्नुय	30	सहायनन्नुय i
		31	सहायनन्नुय ii
		32	सहायनन्नुय iii
		33	देवफन्द
		34	नकुड़
5	हरयद्वाय	36	हरयद्वाय
		37	रुड़की i
		38	रुड़की ii
		39	रश्कय
6	भुजफ्पयनगय	40	भुजफ्पयनगय i
		41	भुजफ्पयनगय ii
		42	भुजफ्पयनगय iiii
		43	कैयाना
		44	जानसठ i
		45	जानसठ ii
		46	फुढाना
7	देहयाद न	47	देहयाद न i
		48	देहयाद न ii
		49	देहयाद न iii
		50	भौस यक(ऩदेन)
		51	चकयाता(अ◌ौशकामरक)

8	उ्तयकाशी	52	उ्तयकाशी
		53	फड़कोट(अ◌ौशकामरक)
		54	नुयौरा(अ◌ौशकामरक)
9	टेहयकगढ़वार	55	टेहयकगढ़वार
		56	देव्रतमाग(अ◌ौशकामरक)
10	नौड़ीगढ़वार	57	नौड़ीगढ़वार
		58	रैन्सडाउन
		59	काटेद्वाय
11	चभोरक	60	चभोरक
		61	उखीभठ(अ◌ौशकामरक)
		62	जोशीभठ(अ◌ौशकामरक)
		63	कणग्रतमाग(अ◌ौशकामरक)
12	आगया	64	आगया i
		65	आगया ii
		66	आगया iii
		67	आगया iv
		68	आगया v
		69	फाह
		70	पतेहाफाद
		71	ककयावरक
		72	खैयागढ़
		73	एतभादनुय
13	कपयोजाफाद	74	कपयोजाफाद i
		75	कपयोजाफाद ii
		76	कपयोजाफाद iii
		77	मशकोहाफाद
		78	जासयावा
14	भथुया	79	भथुया i
		80	भथुया ii

		81	भॊढ
		82	सादाफाद
		83	छाता
15	अरकगढ़	84	अरकगढ़ i
		85	अरकगढ़ ii
		86	अरकगढ़ iii
		87	इगरास
		88	अतयौरक
		89	खैय
		90	हाथयस
		91	मसकोदयायाऊ
16	एटा	92	एटा
		93	अरकगॊज
		94	कासगॊज
		95	जरेसय
		96	ऩटटवारक
17	भैनन्नुयक	97	भैनन्नुयक
		98	बोगाव
		99	कयहर
18	फयेरक	100	फयेरक i
		101	फयेरक ii
		102	फयेरक iii
		103	फयेरक iv
		104	पयकदाफाद
		105	आवरा
		106	नवाफगॊज
		107	फहेड़ी
		108	भीयगॊज
19	फदाम ॊ	109	फदाम ॊ i

		110	फदाम ॉ ii
		111	गुन्नीय
		112	बफसौनी
		113	सहावान
		114	दातागोंज
20	ऩीरकबीत	115	ऩीरकबीत
		116	फीसरऩुय
		117	ऩ यनऩुय
21	शाहजहाॊऩुय	118	शाहजहाॊऩुय
		119	जराराफाद
		120	नतरहय
		121	ऩुवामाॉ
22	नैनीतार	122	नैनीतार
		123	हल्द्वानी
		124	काशीऩुय
		125	फाजऩुय
		126	मसतायगोंज
		127	ककच्छा
		128	धायक
23	अल्भोड़ा	129	अल्भोड़ा
		130	यानीखेत
		131	फागेश्वय
		132	मबतमासैंेेण
24	वऩथौयागढ़	133	वऩथौयागढ़
		134	भुनास्ट्दायक(ऩदेन)
		135	धायच रा(ऩदेन)
		136	डीडीहाट (ऩदेन)
		137	चोंऩावत(ऩदेन)
		138	गोंगोरक द्वाय

25	भुयादाफाद	139	भुयादाफाद i
		140	भुयादाफाद ii
		141	बफरायक
		142	चॊदौसी
		143	सॊबर
		144	अभयोहा
		145	हसनऩुय
		146	ठाकुयद्वाय
		147	धनोया
26	याभऩुय	148	याभऩुय
		149	मभरक
		150	शाहाफाद
		151	बफरासऩुय
		152	स्वाय
27	बफजनौय	153	बफजनौय
		154	चाॊदऩुय
		155	नजीफाफाद
		156	यगीना
		157	धाभनुय
28	रखनऊ	158	रखनऊ i
		159	रखनऊ ii
		160	रखनऊ iii
		161	रखनऊ iv
		162	रखनऊ v
		163	भमरहाफाद
		164	भोहनरारगॊज
29	उन्नाव	165	उन्नाव
		166	सपीऩुय
		167	ऩ यवा

		168	हसनगॊज
30	यामफयेरक	169	यामफयेरक
		170	डरभऊ
		171	सरोन
		172	भहायाजगॊज
		173	रारगॊज
		174	नतरोई
31	सीतानुय	175	सीतानुय
		176	वन्नसवाॊ
		177	मसधौनी
		178	मभधश्रख्
		179	भहभ दाफाद
		180	रहयनुय
32	रखीभनुय खीयक	181	रखीभनुय खीयक
		182	भोहम्भदक
		183	ननघासन
		184	धौयहया
		185	गोरा गोकयण नाथ
33	हयदोई	186	हयदोई
		187	शाहाफाद
		188	बफरग्राभ
		189	सॊडीरा
34	पैजाफाद	190	पैजाफाद
		191	टाॊडा
		192	अकफय नुय
		193	फीकानुय
		194	जरारनुय
35	सुल्ताननुय	195	सुल्ताननुय
		196	अभेठी

		197	भुसाकपयखाना
		198	कादकनुय
		199	भोनी गॊज
36	तानगढ़	200	तानगढ़
		201	कुॊडा
		202	नि़ी
		203	रारगॊज अझाया
37	गोण्डा	204	गोण्डा
		205	तयफगॊज
		206	उतयौरा
		207	फरयाभनुय
		208	भननका नुय
		209	कनयर गॊज
		210	तुरसीनुय
38	फहयाइच	211	फहयाइच
		212	कैसयगॊज
		213	नानऩाया
		214	मबनगा
39	फायाफॊकी	215	फायाफॊकी
		216	याभसनेहक घाट
		217	पतेहनुय
		218	हैदयगढ़
		219	याभनगय
		220	रुदौरक
40	इराहाफाद	221	इराहाफाद i
		222	इराहाफाद ii
		223	मसयाथ
		224	भोझननुय
		225	सोयाव

		226	प रन्नुय
		227	कयछना
		228	भेजा
		229	हॊडडमा
		230	फाया
41	पतेहन्नुय	231	पतेहन्नुय
		232	बफॊदकी
		233	खागा
42	कानन्नुय नगय	234	कानन्नुय i
		235	कानन्नुय ii
		236	कानन्नुय iii
		237	कानन्नुय iv
43	कानन्नुय देहात	238	अकफय न्नुय
		239	बफल्हौय
		240	बोगनीन्नुय
		241	घाटभन्नुय
		242	डेयान्नुय
		243	यस राफाद
44	इटावा	244	इटावा
		245	बयथना
		246	बफध ना
		247	औयैमा
45	परुयखाफाद	248	परुयखाफाद
		249	कामभगोज
		250	कन्नौज
		251	नछफयाभऊ
46	झाॉसी	252	झाॉसी i
		253	झाॉसी ii
		254	गयौठा

		255	भोंढ
		256	भऊयानीनुय
47	रमरतनुय	257	रमरतनुय
		258	भहायाेैनी
		259	तारफहेट
48	जारौन	260	जारौन
		261	उयई
		262	कारऩी
		263	कोंच
49	हभीयनुय	264	हभीयनुय
		265	याढ
		266	भहोफा
		267	भौदहा
		268	चयखानी
		269	कुर नहाड़
50	फाॉदा	270	फाॉदा
		271	फफेरू
		272	कवी
		273	नयैनी
		274	भऊ
		275	अतयाय
51	वायाणसी	276	वायाणसी i
		277	वायाणसी ii
		278	वायाणसी iii
		279	वायाणसी iv
		280	चोॉदौरक
		281	गोॉगानुय
		282	याभनगय
		283	चककमा

		284	ाानन्नुय
		285	बदोहक
		286	सकरडीहा
52	मभजायन्नुय	287	मभजायन्नुय
		288	चुनाय
		289	रारगॊज
		290	भडड़मान
53	सोनबद्र	291	याफ्यसगॊज
		292	दुवद्ध
54	गाजीन्नुय	293	गाजीन्नुय
		294	भोहम्भदाफाद मुस पन्नुय
		295	जभाननमा
		296	सैदन्नुय
55	फमरमा	297	फमरमा
		298	फासदकह
		299	यसड़ा
		300	फैरयमा
56	जौनन्नुय	301	जौनन्नुय
		302	भडड़माह
		303	भछरक शहय
		304	शाहगॊज
		305	केयाकत
		306	फदरान्नुय
57	गोयखन्नुय	307	गोयखन्नुय i
		308	गोयखन्नुय ii
		309	फासगॊव
		310	सहजनवाॊ
		311	खजनी
		312	गोरा

		313	चौयकचौया
58	भहायाजगॊज	314	भहायाजगॊज
		315	ववचरौन
		316	नौतनवाॊ
		317	पयेंदा
59	देवरयमा	318	देवरयमा
		319	ऩड़यौना
		320	हाटा
		321	सरेभनुय
		322	तभकुहक याज
		323	रुद्रनुय
60	फस्ती	324	फस्ती
		325	खरकराफाद
		326	हयैमा
		327	बाननुय
61	मसद्धाथय नगय	328	नौगढ़
		329	फाॊसी
		330	डुभरयमागॊज
		331	इटावा
62	आजभगढ़	332	आजभगढ़
		333	प रनुय
		334	मसगड़ी
		335	रारगॊज
		336	फुढननुय
		337	भऊनाथ बॊजन
		338	घोसी
		339	भुहम्भदाफाद गोहना

ऩरयशशष्ट-सात

उत्तय प्रदेश सयकाय

सॊख्मा एस0आय0 2150/दस-232(2)-59

अनुबाग वव्त(स्ट्राम्न एवॊ यजजस्ट्रेशन)

रखनऊ, 0 ज न,

98

अधधसूचना

प्रकीणा

सा0न0नन0-83

सॊववधान के अनुच्छेद 309 के नयन्तुक नयॊतुक द्वाया ्रतद्त शजतत का ्रतमोग कयके औय इस ववषम नय सभस्त्त ववद्मभान ननमभों औय आदेशों का अनतक्रभण कयके याज्मनार उ्तय ्रतदेश स्ट्रॊान एवॊ यजजस्ट्रककयण ववबाग (सभ ह "क" औय सभ ह "ख" सेवा भें बती औय उसभें ननमुतत व्मजततमों की सेवा की शतों को ववननममभत कयने के मरए ननम्नमरर्खत ननमभावरक फनाते हैं-

उत्तय प्रदेश स्ट्राम्न एॊि यजजस्ट्रीकयण विबाग, विबाग(सभूह "क" औय सभूह "ख") सेिा ननमभाियी, 1982

बाग एक

साभान्म

1. **सॊक्षिप्त नाभ औय प्रायॊब-** (1) मह ननमभावरक उ्तय ्रत देश स्ट्राम्न एवॊ यजजस्ट्रककयण ववबाग (सभ ह "क" औय सभ ह "ख" सेवा ननमभावरक, 98 कहक जाएगी।

(2) मह तुयॊत ्रतवृत होगी।

2.सेिा की प्राजस्त्थनत- उ्तय स्ट्राम्न एवॊ यजजस्ट्रककयण ववबाग(सभ ह "क" औय सभ ह "ख" सेवा भें सभ ह "क" औय "ख" के नद सभाववष्ट हैं।

3.नयबाषाएॊ- जफ तक के ववषम के सॊदबय भें कोई ्रतनतक र फात ना हो, इस ननमभावरक भें-

(क) "अनय यजजस्ट्रककयण भहाननयक क" का ता्नमय अनय यजजस्ट्रककयण भहाननयक क, उ्तय ्रतदेशसे है;

(ख) "ननमुजतत ्रताधधकायक" का ता्नमय याज्मनार से है;

(ग) "सहामक यजजस्ट्रककयण भहाननयक क" का ता्नमय सहामक यजजस्ट्रककयण भहाननयक क उ्तय ्रतदेश से है;

(घ) "बायत का नागरयक" का ता्नमय ऐसे व्मजतत से है जो सॊववधान के बाग दो के अधीन बायत का नागरयक है मा सभझा जाए;

(ड.) "आमोग" काता्नमय उ्तय ्रतदेश रोक सेवा आमोग से है;

(च) "सॊववधान" का ता्नमय बायत का सॊववधान से है;

(छ) "उन यजजस्ट्रककयण भहाननरय क" का ता्नमय उन यजजस्ट्रककयण

भहाननरयं क, उ्तय ्रतदेश से है;
(ज) “यजजस्ट्रककयण भहाननरयंक” का ता्नमय यजजस्ट्रककयण भहाननरयंक, उ्तय्रतदेश से है;
(झ) “सयकाय” का ता्नमय उ्तयकी याज्म सयकाय से है;
(ञ) “ याज्मऩार” का ता्नमय उ्तय ्रतदेश के याज्मऩार से है;
(ट) “सेवा का सदस्ट्म” का ता्नमय सेवा के सॊवगय भें ककसी ऩद ऩय इस ननमभावरक मा इन ननमभावरक के ्रतायॊब होने के ऩ वय ्रतवृत ननमभों मा आदेशों के अधीन भौमरक रुऩ से ननमुतत व्मजतत से है;
(ठ) “उऩ-यजजस्ट्राय” का ता्नमय यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 6 के आधीन ननमुततककसी यजजस्ट्रककयण उऩ जजरा के उऩ यजजस्ट्रायसे है;
(ड) “सेवा” का ता्नमय उ्तय ्रतदेश स्ट्टाम्ऩ एवॊ यजजस्ट्रककयण ववबाग (सभ ह “क” औय सभ ह “ख” सेवा से है;
(ढ) “भौमरक ननमुजतत” का ता्नमय सेवा के सॊवगय भें ककसी ऩद ऩय ऐसी ननमुजतत से है जो तदथय ननमुजतत ना हो औय ननमभों के अनुसाय चमन के ऩश्चात की गई हो औय,मटद कोई ननमभ ना हो तो सयकाय द्वाया जायक ककए गए कामय ऩारक अनुदेशों द्वाया त्सभम् ववटहत ्रत कक्रमा के अनुसाय की गई हो;
(ण) “बती का वषय” का ता्नमय ककसी कैरेंडय वषय की ऩहरक जुराई से ्रत ायॊब होने वारक फायह भासकी अवधध से है;
बाग दो

सॊ ा

4.से ा का सॊ ोगा- (1) सेवा की सदस्ट्म सॊख्मा औय उसभें ्रत् मेक श्रेणी के ऩदों की सॊख्मा उतनी होगी जजतनी याज्मऩार द्वाया सभम-सभम ऩय अवधारयत की जाए।

(2) जफ तक कक उऩननमभ(1) के अधीन ऩरयवतयन कयने के आदेश ना टदए जाएॊ, सेवा की सदस्ट्म सॊख्मा औय उसभें ्रत् मेक श्रेणी के ऩदों की सॊख्मा उतनी होगी जजतनी नीचे उजल्र्खत है-

ऩद		स्ट्थामी	अस्ट्थाई
1-सहामक यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क	....	15	5
2-उऩ यजजस्ट्रककयण भहाननयकंक	....	....	10
3-अऩय यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क	....	1	....

नयोतु याज्मनार-

(क) ककसी रयतत नद को बफना बये हुए छोड़ सकते हैं मा उसे आस्थधगत यख सकते हैं जजससे कोई व्मजतत ्रतनतकय मा हकदाय ना होगा; मा

(ख) सभम- सभम नय ऐसे अनतरयक स्थाई मा अस्थाई नदों का सृजन कय सकते हैं जजन्हें वह उधचत सभझें।

बाग तीन

बती

5.

बती का स्रोत- सेवा भें ववमबन्न श्रेर्णमों के नदों नय बती ननम्नमरर्खत स्रोतों से की जाएगी-

(1) सहामक यजज भहाननयकक	....	आमोगकेनयाभशयसेस्थाईउनयजजस्ट्रायोंभेंसे, मोग्मताकेआधायनयनदोन्ननतद्वाया : नयन्तुऐसेव्मजततजोसभम-सभमनयमथासॊशोधधतउ्तय देश सववयसआपइन्सनेतटयआपस्टाम्नऐण्डयजजस्ट्रेशनरूल्स, 1942 केअधीनसेवाभेंननमुजततकेनात्रथेऔयजजन्हेइसननमभावरकक्रेतवतय नकेन वयसेवाभेंननयककेरूनभेंअस्थामीरूनसेमातदथयआधायनयननमुतत ककमागमाहोइसननमभावरकक्रेतवतयनकेन
(2) उन-यजजस्ट्रककयण	....	सथामी सहामक यजजसरककयण भहाननयकको भ स अननमतत कोअस्वीकाय कयते हुए ज्मेष्ठता के आधाय नय नदोन्ननत द्वाया।
(3) औय यजजस्ट्रककयण	....	सथाई उन यजजसरककयण भहाननयकको भ स मोगमता क आधायनय नदोन्ननत द्वाया।

6. **आयंण-** अनुस धचत जानतमों, अनुस धचत जन-जानतमों औय अन्म श्रेर्णमों के अभ्मधथयमों के मरए आयं ण बती के सभम ्रतवृत सयकायक आदेशों के अनुसाय ककमा जाएगा।

बाग चाय

बती की प्रक्रिमा

7.सहामक यजजस्ट्रीकयण भहाननयींक के नद नय नदोन्ननत द्ाया बती की प्रक्रिमा-

सहामक यजजस्ट्रककयण भहाननयक क के नद नय नदोन्ननत द्वाया बती सभम-सभम नय मथा सॊशोधधत उ्तय ्रतदेश रोक सेवा आमोग सनयाभशय चमन्नोनत(्रतकक्रमा) ननमभावरक, 9 0 के अनुसाय मोग्मता के आधाय नय की जाएगी।

8. **अन्म नदों नय नदोन्ननत द्ाया बती की प्रक्रिमा-** (1) उन यजजस्ट्रककयण भहाननरयं क औय अनय यजजस्ट्रककयण भहाननयक

क के ऩदों ऩय ऩदोन्ननत द्वाया बती के ्रतमोजन के मरए एक चमन समभनत का गठन ककमा जाएगा जजसभें ननम्नमरर्खत होंगे- (एक) सधचव, कामभयक ववबाग।

(दो) सधचव, सॊस्थागत व्त ववबाग।

(तीन) यजजस्ट्रककयण भहाननरयं क।

ज्मेष्ठ सधचव समभनत का अध्मं होगा।

(2) सधचव, अभ्मधथयमों की, ज्मेष्ठता क्रभ भें, एक ऩात्रता स ची तैमाय कयेगा औय उसे उनकी चरयत्र ऩॊजजका औय उनसे सॊफजन्धत ऐसे अन्म अमबरेखों के साथ जो उधचत सभझे जाएॊ, चमन समभनत के सभं यखेगा।

(3) चमन समभनत उऩननमभ (2) भें ननटदयष्ट अमबरेखों के आधाय ऩय अभ्मधथयमों के भाभरों ऩय ववचाय कयेगी, औय मटद वह आवश्मक सभझे तो अभ्मधथयमों का सा्ा्काय बी कय सकती है।

(4) चमन समभनत, चमन ककए गए अभ्मधथयमों की ज्मेष्ठता क्रभ भें एक स ची तैमाय कयेगी औय उसे ननमुजतत ्रताधधकायक को अग्रसारयत कयेगी।

बाग ऩाॉच

ननमुजक्त, ऩरयवीं ा, प्रशशंण, स्ट्थामीकयण औय ज्मेष्ठता

9. ननमुजक्त- (1) ननमुजतत ्रताधधकायक अभ्मधथयमों की ननमुजततमा उसी क्रभ भें कयेगा जजसभें उसके नाभ, मथाजस्ट्थनत, ननमभ 7 मा 8 के अधीन तैमाय की गई स ची भें हो।

(2) ननमुजतत ्रत ाधधकायक अस्ट्थाई मह स्ट्थानाऩन्न रयजततमों भें बी उऩननमभ (1) भें ननटदयष्ट स धचमोंसे ननमुजततमाॊ कय सकता है।मटद इन स धचमों का कोई अभ्मथी उऩरब्ध ना हो तो वह ऐसी रयजततमोंभें इस ननमभावरक के अधीन ननमुजतत के मरए ऩात्र व्मजततमों भें ननमुजततमाॊ कय सकता है। ऐसीननमुजततमाॊ एक वषय की अवधध मा इस ननमभावरक के अधीन अगरा चमन ककए जाने तक, इन ऩहरेहो, से अधधक नहकों चरेंगी।

10. ऩरयवीं ा- (1) सेवा भें ककसी ऩद ऩय ककसी भौमरक रयजतत भें मा उसके ्रतनतननमुतत ककए जाने ऩय ्रत् मेक व्मजतत को दो वषय की अवधध के मरए ऩरयवीं ा ऩय यखा जाएगा।

(2) ननमुजतत ्रताधधकायक ऐसे कायणों से जो अमबमरर्खत ककए जाएॊगे, अरग- अरग भाभरों भें ऩरयवीं ा अवधध को फढ़ा सकता है जजसभें ऐसा टदनाॊक ववननटदयष्ट ककमा जाएगा जफ तक की अवधध फढ़ाई जाए :

ऩयॊतु आऩयाधधक ऩरयजस्ट्थनतमों के मसवाम] ऩय ऩरयवीं से अधधक नहकों फढ़ाई जाएगी।

ा- ऩरयवें क एक औय ऩय दो वषय

(3) मटद ऩरयवीं ा-अवधी मा फढ़ाई गई ऩरयवीं ा अवधध के दौयान ककसी बी सभम मा उसके अ ॊत भें ननमुजतत ्रताधधकायक को मह ्रततीत हो कक

ऩरयवीं◌ाधीन व्मजतत ने अऩने अवसयों का ऩमायप्त उऩमोग नहकों ककमा है मा सॊतोष ्रतदान कयने भें अन्मथा ववपर यहा है तो उसे
उसके भौमरक ऩद ऩय मटद कोई हो, ्रत्
मावनतयत ककमा जा सकता है औय मटद उसका ककसी
ऩद ऩय धायणाधधकाय ना हो तो उसकी सेवाएॊ सभाप्त की जा सकती है।

(4) उऩननमभ (3) के अधीन जजस ऩरयवीं◌ाधीन व्मजतत को ्रत्
मावनतयत ककमा जाए मा जजसकी सेवाएॊ सभाप्त की जाएॊ, वह ककसी ्रतनतकाय का हकदाय नहकों होगा।

(5) ननमुजतत ्रताधधकायक सॊवगय भें सजम्भमरत ककसी ऩद ऩय मा ककसी अन्म सभकंमा उच्चतय ऩद ऩय स्थानाऩन्न मा अस्थाई रुऩ से की गई ननयॊतय सेवा को ऩरयवीं ◌ा अवधध की जनगणना के ्रतमोजनाथय, धगने जाने की अनुभनत दे सकता है।

11.प्रशशंण औय विबागीम ऩयीं◌ा- (1) सहामक यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क के ऩद यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क के कामायरम भें साधायणतमा आठ सप्ताह का ्रत मशंण रेने की अऩें◌ा की जाएगी :

ऩयॊतु-

(क) ननमभ 9 के उऩननमभ(2) के अधीन ननमुतत ककए गए व्मजततमों को ्रतमशंण से छ ट दक जा सकती है मा अल्ऩावधध का ्रतमशंण टदमा जा सकता है, जैसा कक यजजस्ट्रककयण भहाननयकंक द्वाया उनकी ननमुतत की अवधध को ध्मान भें यखते हुए सुननजश्चत ककमा जाए;

(ख) ऐसे व्मजततमों को जजन्होंने इस ननमभावरक के ्रत ◌ायॊब के ऩ वय सेवा भें अस्थाई रुऩ से मा तदथय आधाय ऩय ननमुतत ककमा गमा हो औय जजन्होंने दो वषय से अधधक की ननयॊतय सेवा की हो, यजजस्ट्रककयण भहाननयकं क द्वाया ्रतमशं ण से छ ट दक जा सकती है।

(3) सहामक यजजस्ट्रककयण भहा ननयकंक के ऩद ऩय ननमुतत ्रत् मेक अधधकायक को,
ऩरयवीं◌ा-अवधध के दौयान, एक ववबागीम ऩयकंा उ्तीणय कयनी होगी। ववबागीम ऩयकंा का
ऩाठ्म वववयण औय अन्म ब्मोयो ऐसे गे जैसे याज्मऩार द्वाया सभम-सभम ऩय ववटहत ककए जाएॊ।

हटप्ऩणी- इस ननमभावरक के ्रतायॊब के सभम ऐसी ववबागीम ऩयकंा के मरए ्रतवृत
ऩाठ्म-वववयण औय ननमभ उ्तय ्रतदेश भें ववबागीम ऩयकंगए।
◌ा के सॊचारन की ननमभावरक भें टदए

12.स्थामीकयण- ककसी ऩरयवीं◌ाधीन व्मजतत को ऩरयवीं◌ा अवधध मा फढ़ाई गई

ऩरयवीॊ◌ा अवधध भें उसी ननमुजतत भें स्थाई कय टदमा जाएगा, मटद-

(एक) उसने ववटहत ्रतमर्शमरमा हो;

ण, मटद कोई हो, सपरता ऩ वयक ्रताप्त कय

(दो) उसने ऩयकं ◌ा(जहाॊ ववटहत हो) उ्तीणय कय रक हो;

(तीन) उसका कामय औय आचयण सॊतोषजनक ऩामा जाए;

(चाय) उसकी स्म ननष्ठा ्रतभार्णत कय दक जाए; औय

(ऩाॊच) ननमुजतत ्रताधधकायक का मह सभाधान हो जाएगी वह

स्थाईकयण के मरए अन्मथा उऩमुतत है।

13.ज्मेष्ठता- सेवा भें ववमबन्न श्रेर्णमों के ऩदों ऩय ऩदोन्नत द्वाया ननमुतत ककमे गमे व्मजततमों की ऩयस्ऩय ज्मेष्ठता वहक होगी जो उस सॊवगय भें यहक हो जजससे उनकी ऩदोन्नत की गमी।

बाग छ्

ि◌ेतन आहद

14.ि◌ेतनभान- (1)सेवा भें ववमबन्न श्रेर्णमों के ऩदों ऩय, चाहे भौमरक मा स्थानाऩन्न रूऩ भें हो मा अस्थाई आधाय ऩय, ननमुतत व्मजततमों का अनुभन्म वेतनभान ऐसा होगा जैसा सयकाय द्वाया सभम- सभम ऩय अवधारयत ककमा जाए।

(2) इस ननमभावरक के ्रतायॊब के सभम ्रतवृ्त वेतनभान नीचे टदमा गमा है-

ऩद	ि◌ेतनभान
(एक) सहामक यजजस्ट्रककयण	850-40-1050-द0यो0-50-1300-60-1420-द0यो0-60-1720रुऩमा।
(दो) उऩ यजजस्ट्रककयण भहाननयकंक	1250-50-1300-30-1600-द0यो0-60-1900-75-2050 रुऩमा।
(तीन) अऩय यजजस्ट्रककयण भहाननयकंक	1360-60-1720-द0यो0-60-1900-75-2125 रूऩमा।

15.ऩयियीॊ◌ा अिधध भें ि◌ेतन- (1) पॊडाभेंटर रूल्स भें ककसी ्रतनतक र उऩफॊध के होते हुए बी, ऩयवीॊ◌ाधीन व्मजतत को, मटद वह ऩहरे से स्थाई सयकायक सेवा भें ना हो, सभमभान भें उसकी ्रतथभ वेतन वृवद्धतफ दक जाएगी जफ उसने एक वषय की सॊतोष्रतद सेवा ऩ यक कय रक हो, जहाॊ ववटहत हो, ववबागीम ऩयकंा उ्तीणय कय रक हो औय ्रतमर्श ण ्रताप्त कय मरमा हो औय द्ववतीम वेतन वृवद्ध दो वषय की सेवा के ऩश्चात तबी दक जाएगी जफ उसने ऩरयवीॊ ◌ा-अवधध ऩ यक कय रक हो औय उसे स्थाई बी कय टदमा गमा हो; ऩयॊतु मटद सॊतोष ्रतदान न कय सकने के कायण ऩरयवीॊ◌ा अवधध फढ़ाई जाए तो इस ्रतकाय फढ़ाई गई अवधध की गणना वेतन वृवद्ध के मरए नहकॊ की जाएगी जफ तक कक ननमुजतत ्रताधधकायक अन्मथा ननदेश न दें।

(2) ऐसे व्मजतत का जो ऩहरे सयकाय के अधीन कोई ऩद धायण कय यहा हो, ऩरयवीॊ ◌ा अवधध भें वेतन सुसॊगत पॊडाभेंटर रूल्स द्वाया ववननममभत होगा :

नयोतु मटद सोतोष ्रतधान ना कय सकने के कायण नरयवीं◌ा अवधध फढ़ाई जाए तो इस ्रतकाय फढ़ाई गई अवध की गणना वेतन वृवद्ध के मरए नहकों की जाएगी जफ तक कक ननमुजतत ्रताधधकायक अन्मथा ननदेश न दें।

(3) ऐसे व्मजतत का जो नहरे से स्थाई सयकायक सेवा भें हो, नरयवीं◌ा अवधध भें वेतन याज्म भें कामयकरान के सोफोध भें सेवायत सयकायक सेवकों नय साभान्मतमा राग सुसोगत ननमभों द्वाया ववननममभत होगा

16. दंतायोक नाय कयाने का भाननदोड- ककसी व्मजतत को-

(एक) ्रतथभ दंतायोक नाय कयने की अनुभनत तफ तक नहकों दक जाएगी जफ तक कक उसे स्टाम्न, न्मामारम पीस औय यजजस्ट्रककयण अधधननमभ औय उनके अधीन फनाए गए ननमभों का नरयन णय ◌ा◌ान न हो, उनसे अनने अ उसकी स्मननष्ठा ्रतभार्णत न कय टदमा जाए;

(दो) द्ववतीम दंतायोक नाय कयने की अनुभनत तफ तक नहकों दक जाएगी अधधननमभ औय उनके अधीन फनाए गए ननमभों औय उनसे सोफोधधत ननणयम ववधध का अद्मावधधक का ◌ा◌ान न हो, उसने अनने अधीनस्थ कभयचारयमों नग्रतबावकायक नमयवें णं औय ननमोत्रण न यखा हो, उसने स्मननष्ठा ्रतभार्णत न कय टदमा जाए।

बाग सात

अन्म उनफन्ध

17.नं सभथान-ककसी नद मा सेवा के सोफोध भें राग ननमभों के अधीन अनेक्षं त मसप जाएगा। ककसी अभ्मथी की ओय से अननी अभ्मधथयता के मरए ्रत् मं मा अ्रत् मं रुन से सभथयन ्रताप्त कयने का कोई ्रतमास उसे ननमुजतत के मरए अनहय कय देगा।

18. अन्म विषमों नय विननमभन- ऐसे ववषमों के सोफोध भें जो ववननटदयष्ट रून से इस ननमभावरक मा ववशेष आदेशों के अ◌ोतगयत न आते हों, सेवा भें ननमुतत व्मजतत याज्म के कामयकरान के सोफोध भें सेवायत सयकायक सेवकों नय साभान्मतमा राग ननमभों, ववननमभों औय आदेशों द्वाया ननमोबत्रत होंगे।

19.सेि◌ा की शतों भें शशधथरता-जहॉ याज्मनार का मह सभाधान हो जाएगी सेवा भें ननमुतत व्मजततमों की सेवा की शतों को ववननममभत कयने वारे ककसी ननमभ के ्रतवतयन से ककसी ववमशष्ट भाभरे भें अनुधचत कटठनाई होती है, वहॉ वह उस भाभरे भें राग ननमभों भें ककसी फात के होते हुए बी, आदेश द्वाया, उस सीभा तक औय ऐसी शतों के अधीन यहते हुए जजन्हें वे भाभरे भें न्मामसोगत औयसाम्मन णय यकनत से कामयवाहक कयने के मरए आवश्मक सभझें; उस ननमभ की अनें◌ं◌ाओं से अमबभुजतत दे सकते हैं मा उसे मशधथर कय सकते हैं : नयोतु जहॉ कोई ननमभ आमोग के नयाभशय से फनामा गमा हो वहॉ जजस ननमभ से अमबमुजतत

देने मा उस को मशधथर कयने के ऩ वय आमोग से ऩयाभशय ककमा जाएगा।

20. व्माि◌ृनत- इस ननमभावरक की ककसी फात का कोई ◌्रतबाव ऐसे आयं ण औय अन्म रयवामतों ऩय नहकों ऩड़ेगा जजनका, इस सॊफॊध भें सयकाय द्वाया सभम- सभम ऩय जायक ककए गए आदेशों के अनुसाय अनुस धचत जानतमों, अनुस धचत जन- जानतमों औय व्मजततमों की अन्म ववशेष श्रेर्णमों के मरए उऩफॊध ककमा जाना अऩेक्षत हो।

आाा से

ऩरयशशष्ट-आठ

उत्तय प्रदेश सयकाय

सॊख्मा एस0आय0

22/दस-228(1)-64

अनुबाग वव्त(स्ट्राम्ऩ एवॊ यजजस्ट्रेशन)

अधधसूचना

प्रकीणा

सा0ऩ0नन0-6

सॊववधान के अनुच्छेद 309 के ऩयन्तुक द्वाया ◌्रतद्त शजतत का ◌्रतमोग कयके औय सभम- सभम ऩय मथा सॊशोधधत सयकायक अधधस चना सॊख्मा 1989/दस-365- 9 , टदनाॊक 5 नवॊफय, 9 के साथ ◌्रतकामशत उ्तय ◌्रतदेश सफ-यजजस्ट्राय सववयस रूल्स, 9 औय इस ववषम ऩय ककन्हक अन्म ननमभों औय आदेशों का अनतक्रभण कयके, याज्मऩार उ्तय ◌्रतदेश उऩ यजजस्ट्राय सेवा भें बती औय उस भें ननमुतत व्मजततमों की सेवा की शतों को ववननमभभत कयने के मरए ननम्नमरर्खत ननमभावरक फनाते हैं-

उत्तय प्रदेश उऩ यजजस्ट्राय सेि◌ा ननमभाि◌री, 1983

बाग एक

साभान्म

1.सॊक्षप्त नाभ औय प्रायॊब- (1) मह ननमभावरक उ्तय ◌्रतदेश उऩ-यजजस्ट्राय सेवा ननमभावरक, 1983 कहक जाएगी।

(2) मह तुयॊत ◌्रतवृत होगी।

2.

सेि◌ा की प्राजस्ट्थनत- उ्तय ◌्रतदेश उऩ यजजस्ट्राय सेवा एक याजऩबत्रत सेवा है जजसभें सभ ह- ख के ऩद सभाववष्ट हैं।

3. ऩरयबाषाएॊ- जफ तक ववषम मा सॊदबय भें कोई ◌्रत नतक र फात ना हो, इस ननमभावरक भें-

(क) "अधधननमभ" का ता्ऩमय यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 अधधननमभ सॊख्मा 16 सन् 1908) से है;

(ख) "ननमुजतत ◌्रताधधकायक" का ता्ऩमय भहाननयकं क से है;

(ग) “बायत का नागरयक” का ता्न्मय ऐसे व्मजतत से है जो सॊववधान के बाग-दो के अधीन बायत का नागरयक हो मा सभझा जाए;

(घ) ”आमोग” काता्न्मय उ्तय ्रतदेश रोक सेवा आमोग से है;

(ड.) “सॊववधान” का ता्न्मय बायत का सॊववधान से है;

(च) “सयकाय” का ता्न्मय उ्तय ्रतदेश सयकाय से है;

(छ) “याज्मऩार” का ता्न्मय उ्तय ्रतदेश के याज्मऩार से है;

(ज) “भहाननयर्क क” का ता्न्मय यजजस्ट्रककयण भहाननयर्क क, उ्तय ्रतदेश से है;

(झ) “सेवा का सदस्म” का ता्न्मय सेवा के सॊवगय भें ककसी ऩद ऩय इस ननमभावरक मा इन ननमभावरक के ्रतायॊब होने के ऩ वय ्रतवृत ननमभों मा आदेशों के अधीन भौमरक रुऩ से ननमुतत व्मजतत से है;

(ञ) “सेवा” का ता्न्मय उ्तय ्रतदेश उऩ यजजस्ट्राय सेवासे है;

(ट) “भौमरक ननमुजतत” का ता्न्मय सेवा के सॊवगय भें ककसी ऩद ऩय ऐसी ननमुजतत से है जो तदथय ननमुजतत ना हो औय ननमभों के अनुसाय चमन के ऩश्चात की गई हो औय,मटद कोई ननमभ ना हो तो सयकाय द्वाया जायक ककमे गमे कामयऩारक अनुदेशों द्वाया त्सभम-ववटहत ्रत कक्रमा के अनुसाय चमन के ऩश्चात की गई हो,

(ठ) “बती का वषय” का ता्न्मय ककसी करेंडय वषय की ऩहरक जुराई से ्रत ायॊब होने वारक फायह भास की अवधध से है;

बाग दो

सॊ्गा

4. **से्ा का सॊ्ोगा-** (1) सेवा की सदस्म सॊख्मा उतनी होगी जजतनी सयकाय द्वाया सभम-सभम ऩय अवधारयत की जाए।

(2) जफ तक कक उऩननमभ(1) के अधीन ऩरयवतयन कयने के आदेश ना टदए जाऍ, सेवा की सदस्म सॊख्मा उतनी होगी जजतनी नीचे उजल्रर्खत है :

ऩद का नाभ
उऩ यजजस्ट्राय

56 ऩद उच्च श्रेणी भें है :ऩयन्तु-

सॊख्मा		
स्थामी	अस्थामी	मोग
222	21	243

(ए) ननमुजतत ्रत ाधधकायक ककसी रयतत ऩद को बफना बये हुए छोड़ सकते हैं मा याज्मऩार उसे आस्थधगत यख सकते हैं जजससे कोई व्मजतत ्रत नतकय हकदाय ना होगा;

( ) याज्मऩार ऐसे अनतरयतत स्थाई मा अस्थाई ऩदों का सृजन कय सकते है, जो वह उधचत सभझें।

बाग तीन

बती

5. **बती का श्रोत**-(1) सेवा की साधायण श्रेणी भें बती ननम्नमरर्खत स्रोतों से की जाएगी-

(क) सीधी बती द्वाया।

(ख) भहाननयर्क क के कामायरम स्थाई मरवऩक वगय के कभयचारयमों, स्थाई औय उसके ्रतशासननक ननमॊत्रण के अधीन अधीनस्थ कामायरमों के स्थाई अधीन यजजस्ट्रककयण मरवऩकों औय स्थाई यजजस्ट्रककयण मरवऩकों भें से ऩदोन्ननत द्वाया,

ऩयॊतु ऩदोन्ननत इस ्रतकाय की जाएगी कक, मथा सॊबव ऩदोन्नत व्मजततमों की कुर सॊख्मा ककसी सभम सॊवगय की सदस्म सॊख्मा के 25 ्रतनतशत से अधधक न हो-

ऩयॊतु मह औय कक, मथासॊबव, भहाननयर्क क के कामायरम के मरवऩक वगय के कभयचारयमों भें से ऩदोन्नत व्मजततमों की कुर सदस्म सॊख्मा, ककसी सभम, सॊवगय की सदस्म सॊख्मा के 6 ्रतनतशत से अधधक न हो-

हटप्ऩणी- ऩदोन्ननत के ्रतमोजनाथय एक सॊमुतत चमन स ची तैमाय की जाएगी जजसभें उच्च वेतनभान के व्मजततमों के नाभ, उनकी ज्मेष्ठता-क्रभ भें यखे जाएॊगे कक जजसके ऩश्चात अरग ननम्न वेतनभान के व्मजततमों के नाभ उनकी ज्मेष्ठता क्रभ भें यखे जाएॊगे औय जहाॉ ऩय वेतनभान फयाफय फयाफय हो वहाॉ उनके नाभ उन की भौमरक ननमुजतत के टदनाॊक के आधाय ऩय अवधारयत ज्मेष्ठता-क्रभ भें इस ्रतकाय यखे जाएॊगे कक उन के सॊदबय भें उनकी ऩयस्ऩय ज्मेष्ठता फनी यहें।

6. **आयंण-** अनुस धचत जानतमों, अनुस धचत जन-जानतमों औय अन्म श्रेर्णमों के अभ्माधथयमों के मरए/आयं ण बती के सभम कववता सयकायक आदेशों के अनुसाय ककमा जाएगा।

बाग चाय

अहाताऐं

7. **याजप्रमता-** सेवा भें ककसी नद नय सीधी बती के मरए मह आवश्मक है कक अभ्मथी-

(क) बायत का नागरयक हो, मा
(ख) नतब्फती शयणाथी हो, जो बायत भें स्थाई ननवास के अमब्रताम से जनवयक, 96 के न वय बायत आमा हो, मा
(ग) बायतीम उदबव का ऐसा व्मजतत हो जजसने बायत भें स्थाई ननवास के अमब्रताम से नाककस्तान, वभाय, श्रीरोंका मा ककसी न वी अफ्रीकी देश, केन्द्र, जनसोंख्मा औय म नाइटेड रयननजब्रक ऑप तोंजाननमा (न वयवती तागाननका औय जोंजीवाय) से ्रतव्रजन ककमा हो :

नयोंतु उननमुयतत श्रेणी (ख) मा (ग) के अभ्मथी को ऐसा व्मजतत होना चाटहए जजसके न भें याज्म सयकाय द्वाया नात्रता का ्रतभाण नत्र जायक ककमा गमा हो :

नयोंतु मह औय कक श्रेणी (ख) के अभ्मथी से मह अने्ा की जाएगी कक वह नुमरस उनभहाननयक क, गुप्तचय शाखा, उ्तय ्रतदेश से नात्रता का ्रतभाण-नत्र ्रताप्त कय रें :

नयोंतु मह बी कक मटद कोई अभ्मथी उननमुयतत श्रेणी (ग) का हो तो नात्रता का ्रतभाण-नत्र एक वषय से अधधक अवधध के मरए जायक नहकों ककमा जाएगा औय ऐसे अभ्मथी को एक वषय की अवधध के आगे सेवा भें तबी यहने टदमा जाएगा जफकक वह बायत का नागरयकता ्रताप्त कय रे।

टटप्नणी- ऐसे अभ्मथी की जजसके भाभरे भें नात्रता का ्रतभाण-नत्र आवश्मक हो, ककोंतु ना तो वह जायक ककमा गमा हो औय न देने से इनकाय ककमा गमा हो, ककसी नयका मा सा्ा्काय भें सजम्भमरत ककमाजा सकता है औय उसे इस शतय नय अनजन्तभ रून से ननमुतत बी ककमा जा सकता है कक आवश्मक ्रतभाण-नत्र उसके द्वाया ्रताप्त कय मरमा जाए मा उसके न भें जायक कय टदमा जाए।

8. **शैक्षक अहाताऐं-** साधायण श्रेणी भें उन यजजस्ट्राय के नद नय सीधी बती के मरए अभ्मथी के नास ककसी भान्मता ्रताप्त ववश्वववद्मारम की ववधध स्नातक की उनाधध होनी

चाटहए औय उसे देवनागयक मरवऩ भें मरर्खत टहॊदक का कामयसाधक ाान होना चाटहए।

9. अधधभानी अहाताएॊ- अन्म फातों के सभान होने ऩय ऐसे अभ्मथी को सीधी बती के भाभरे भें अधधभान टदमा जाएगा, जजससे-

(एक) ्रतादेमशक सेना भें 2 वषय की न्म नतभ अवधध तक सेवा की हो, मा

(दो) याष्ट्रकम कैडेट कोय का "फी" ्रतभाण-ऩत्र ्रताप्त ककमा हो।

10.आमु- सीधी बती के मरए अभ्मथी की आमु जजस वषय बती की जाए, उस वषय को ऩहरक जनवयक को मटद ऩद ऩहरक जनवयक से 30 ज न की अवधध भें ववााववऩत ककए जाएॊ औय 1 जुराई को, मटद ऩद ऩहरक जुराई से 31 टदसॊफय की अवधध, ववााववऩत ककए जाएॊ, वषय का हो जाना चाटहए औय 28 वषय से अधधक नहकॊ होनी चाटहए :

ऩयॊतु अनुस धचत जानतमों, अनुस धचत जन-जानतमोंऔय ऐसीअन्म श्रेर्णमों के जो सयकाय द्वाया सभम-सभम ऩय अधधस धचत ककए जाएॊ, अभ्मधथयमों की जस्थत भें उच्चतय आमु सीभा उतने वषय अधधक होगी जजतनी ववननटदयष्ट की जाए।

11. चरयत्र- सेवा भें ककसी ऩद ऩय सीधी बती के मरए अभ्मथी का चरयत्र होना चाटहए कक वह सयकायक सेवा भें सेवा मोजन के मरए सबी ्रतकाय से उऩमुतत हो सके। ननमुतत ्रताधधकायक इस सॊफॊध भें अऩनी सभाधान कय रेगा।

टटप्ऩणी-सॊघ सयकाय मा ककसी याज्म सयकाय मा ककसी स्थानीम ्रताधधकायक द्वाया मा सॊघ सयकाय मा ककसी याज्म सयकाय के स्वाभभ्व भें मा ननमॊत्रणाधीन ककसी ननगभ मा ननकाम द्वाया ऩदच्मुत व्मजतत सेना भें ककसी ऩद ऩय ननमुतत के मरए ऩात्र नहकॊ होंगे नैनतक अधभता के ककसी अऩयाध के मरए दोषमसवद्ध व्मजतत बी ऩात्र होंगे।

12.ैिाहहक प्राजस्थनत- सेवा भें ककसी ऩद ऩय ननमुतत के मरए ऐसा ऩुरुष अभ्मथी ऩात्र नहकॊ होगा जजसकी एक से अधधक ऩज्ञमाॊ जीववत हो औय न ऐसी भटहरा अभ्मथी ऩात्र होगी जजसने ऐसे ऩुरुष से वववाह ककमा हो जजसकी ऩहरे से कोई ऩ्नी जीववत यहक हो :

ऩयॊतु याज्मऩार ककसी व्मजतत को इस ननमभ के ्रतवतयन से छ ट दे सकते हैं मटद उनका मह सभाधान हो जाए कक ऐसा कयने के मरए ववशेष कायण ववद्मभान है।

13. शायीरयक स्िास्थता- ककसी अभ्मथी को सेवा भें ककसी ऩद ऩय तबी ननमुतत ककमा जाएगा जफ भानमसक औय शायकरयक दजष्ट से उसका स्वास्थ्म अच्छा हो औय वह ऐसे सबी शायकरयक दोष से भुतत हो जजससे उसे अऩने कतयव्मों को दताऩ वयक ऩारन कयने भें फाधा ऩड़ने की सॊबावना हो ककसी अभ्मथी को ननमुजतत के मरए अॊनतभ रुऩ से अनुभोटदत ककए जाने के ऩ वय उससे मह अऩो की जाएगी कक वह धचककत्सा ऩरयषद द्वाया आमोजजत धचककत्सा ऩयका भें सपर ऩामा जाए :

ऩयॊतु ऩदोन्ननत द्वाया बती ककए गए अभ्माथी की जस्थनत भें धचककत्सा ऩरयषद द्वाया स्वास्थ्म ऩयक ा की आवश्मकता ना होगी।

बाग ऩाॉच

बती की प्रक्रिमा

14.रयजक्तमों का अिधायण- ननमुतत ्रताधधकायक वषय के दौयान बयक जाने वारक रयजततमों की सॊख्मा औय ननमभ 6 के अधीन अनुस धचत, जानतमों अनुस धचत जन-जानतमों औय अन्म
श्रेर्णमों के अभ्मधथयमों के मरए आयक्षऺत की जाने वारक रयजततमों की सॊख्मा बी अवधारयत कयेगा औय उसकी स चना आमोग को देगा।

15.सीधी बती की प्रक्रिमा- (1) सीधी बती के मरए ्रतनतमोधगता ऩयका भें सजम्भमरत होने की अनुाा के मरए आवेदन- ऩत्र आमोग द्वाया ववटहत ्रतऩत्र से आभॊबत्रत ककए जाएॊगे जजसे आमोग के सधचव से ्रताप्त ककमा जा सकता है।

(2) ककसी अभ्मथी को ऩयक ा भें तफ तक सजम्भमरत नहकॊ होने टदमा जाएगा जफ तक कक उसके
ऩास आमोग, द्वाया जायक ककमा गमा ्रतवेश ्रतभाण- ऩत्र न हो।

(3) आमोग, मरर्खत ऩयका का ऩरयणाभ ्रताप्त होने औय शायणफद्ध कयने के ऩश्चात ननमभ 6 के अधीन अनुस धचत जानतमों, अनुस धचत जन-जानतमों औय अन्म श्रेर्णमों के अभ्मधथयमों का सम्मक ्रतनतननधध्वसुननजश्चत कयने की आवश्मकता को ध्मान भें यखते हुए साॊ ा्काय के मरए उतने अभ्मधथयमों कोफुराएगा जजतने मरर्खत ऩयक ा के ऩरयणाभ के आधाय ऩय, इस सॊफॊध भें आमोग द्वाया ननधायरयत स्ट्तयतक ऩहुॊच सके हों। साॊ ा्काय भें ्रत् मेक अभ्मथी को टदए गए अॊक मरर्खत ऩयका भें उसकी ्रताप्त अॊको भें जोड़ टदए जाएॊगे।

(4) आमोग अभ्माधथयमों की,उनके ्रतवीणता क्रभ भें,साॊ ा्काय भें ्रत्मेक अभ्मथी को ्रताप्त अॊकों के कुर मोग से्रतकट हो,एक स ची तैमाय कयेगा औय उतने हक अभ्मधथयमों की मसपारयश कयेगा जजतने वह ननमुजतत के मरए उधचत सभझे।मटद दो मा अधधक अभ्मथी कुर मोग भें फयाफय-फयाफय अॊक ्रताप्त कयें तो मरर्खत ऩयका भें अनेॊ ाकृत अधधक अॊक ्रताप्त कयने वारे अभ्मथी का नाभ स ची भें उच्चतय स्ट्थान ऩय यखा जाएगा।स ची भें नाभों की सॊख्मा व्मजततमों की सॊख्मा से अधधक(ककॊतु 25 ्रतनतशत से अधधक नहकॊ) होगी। आमोग गुप्त स ची ननमुजतत ्रताधधकायक को अग्रसारयत कयेगा।

टटप्ऩणी- ्रतनतमोधगता ऩयका का ऩाठ्मक्रभ औय ननमभ ऐसे होंगे जैसे कक आमोग द्वाया सभम-सभम ऩय सयकाय के अनुभोदन से उच्च अधीनस्ट्थ सेवा ्रतनतमोधगता ऩयक ा के मरए वव्त ककए जाएॊऔय ्रत नतमोधगता ऩयका कुछ अधीनस्ट्थ सेवा ्रत
नतमोधगता ऩयका के साथ आमोजजत की जा सकती है।

16.ऩदोन्ननत द्ाया बती की प्रक्रिमा- साधायण श्रेणी भें उऩ यजजस्ट्राय के ऩद ऩय ऩदोन्ननत द्वाया बती, अनुऩमुतत को अस्ट्वीकाय कयते हुए, ज्मेष्ठता के आधाय ऩय सभम- सभम ऩय मथा सॊशोधधत उ्तय ्रत देश रोक सेवा

आमोग सऩयाभशय चमोन्ननत (्रतकक्रमा) ननमभावरक, 9 0 के अनुसाय की जाएगी।

17.सॊमुक्त चमन सूची सीधी बती िारे औय प्रोन्नत व्मजक्तमों का विहहत- मटद बायती के ककसी वषय भें ननमुजततमाॊ सीधी बती औय ऩदोन्ननत दोनों ्रत काय से क अधीन तैमाय की गई स धचमों से ककस ्रतकाय मरए जाएॊगे कक सीधी बती वारे औय ्रतोन्नत व्मजततमों का वव्त ्रतनतशत फना यहे। स ची भें ऩहरा नाभ ननमभ 16 के अधीन तैमाय की गई स ची से होगा।

बाग छ्

ननमुजक्त, ऩरयीिा, स्‍थामीकयण औय ज्मेष्ठता

18.ननमुजक्त- (1) उऩननमभ (2) के उऩफॊधों के अधीन यहते हुए, ननमुजतत ्रताधधकायक अभ्मधथयमों की ननमुजततमाॊ उसी क्रभ भें कयेगा जजसभें उनके नाभ, मथाजस्‍थनत, ननमभ15-16 मा 17 के अधीन तैमाय की गई स धचमों भें हो।

(2) जहाॊ बती के ककसी वषय भें ननमुजततमाॊ सीधी बती औय ऩदोन्ननत दोनों ्रतकाय से की जानी हो वहाॊ ननममभत ननमुजततमाॊ कफ तक नहकॊ की जाएगी जफ तक दोनों स्रोतों से चमन ना कय मरमा जाम औय ननमभ 17 के अनुसाय एक सॊमुतत स ची ना तैमाय कय रक जाए।

(3) मटद ककसी एक चमन के सॊफॊध भें ननमुजतत के एक से अधधक आदेश जायक ककए जाएॊ तो एक सॊमुतत आदेश बी जायक ककमा जाएगा जजसभें व्मजततमों के नाभ का उल्रेख मथाजस्‍थनत चमन भें मा था अवधारयत हाउस सॊवगय भें जजसभें उसे ऩदोन्नत ककमा जाए ववद्मभान जेष्ठता क्रभ भें ककमा जाएगा मटद ननमुजततमाॊ सीधी बती औय ऩदोन्ननत दोनों ्रतकाय से की जाए तो ननमभ 17 भें ननटदयष्ट चक्रानुक्रभ के अनुसाय यखा जाएगा। (4) ननमुजतत ्रताधधकायक अस्‍थाई मा स्‍थानाऩन्न रयजततमों भें बी उऩननमभ एक भें ननटदयष्ट स ची से ननमुजततमाॊ कय सकता है मटद इन स धचमों का कोई अभ्मथी उऩरब्ध फनना हो तो वह ऐसे रयजततमों भें इस ननमभावरक के अधीन ननमुजतत के मरए ऩात्र व्मजततमों भें से ननमुजततमाॊ कय सकता है ऐसी ननमुजततमाॊ 1 वषय की अवधध मा इस ननमभावरक के अधीन अगरा चमन ककए जाने तक इसभें जो बी ऩहरे हो से अधधक नहकॊ चरेगी औय उ्तय ्रतदेश रोक सेवा आमोग (कृमों मा ऩरयसीभन) ववननमभ 1954 के ववननमभ 5 (क) के उऩफॊध राग होंगे।

(5) उच्च श्रेणी भें ननमुजततमाॊ ननमुजतत उच्च श्रेणी भें ननमुजतत की ्रतकक्रमा ्रताधधकायक द्वाया अनुऩमुतत को स्‍वीकाय कयते हुए जस्ट्ट था के आधाय ऩय चमन समभनत के ऩयाभशय से की जाएगी जजस भें ननमुतत ्रताधधकायक औय उसके द्वाया नाभ ननटदयष्ट ववबाग के दो अधधकायक होंगे।

(6) उ्तय ्रतदेश रोक सेवा आमोग द्वाया अनुभोटदत अभ्मधथयमों को ननमुतत कय टदए जाने के ऩश्चात ककसी ऩद का स्‍वतॊत्र बाय सॊबारने के ऩ वय ककसी ऩद का उऩमुतत केंद्र ऩय कभ से कभ 6 सप्ताह की अवधध के मरए ्रतमशऺण ्रताप्त कयना होगा मटद अभ्मथी ननमभों औय ववननमभों का कामय साधक जानना ्रताप्त कय सके तो

मशिण की अवधध छ: सप्ताह के मरए फढ़ाई जा सकती है। ऩरयवीं ाधीन .ग्रुऩ यजजस्ट्रायों के मरए ववबागीम ऩयका उ्तय ्रतदेश भें
ववबागीम ऩयक ा के सॊचारन औय कननष्ठ अधधकारयमों के ्रतमशिण के मरए सयकाय द्वाया सभम सभम ऩय फनाए गए ननमभों के अनुसाय ्रतनतवषय आमोजजत की जाएगी।

(7) ननमुजतत ्रताधधकायक।

19.ऩरयीीं ा- (1) श्रेणी भें यजजस्ट्राय के भौमरक रयजतत भें मा उसके ्रतनत ननमुजतत ककए जाने ऩय ्रत् मेक व्मजतत को दो वषय की अवधध के मरए ऩरयवीं ा ऩय यखा जाएगा। (2) ननमुजतत ्रत
ाधधकायक ऐसे कायणों से जो अमबमरर्खत ककए जाएॊगे अरग-अरग भाभरों भें ऩरयवीं ा अवधध को फढ़ा सकता है, जजसभें ऐसा टदनाॊक ववननटदयष्ट ककमा जाएगा जफ तक अवधध फढ़ाई जाए :ऩयॊतु आऩवाटदक ऩरयजस्ट्थनतमों के मसवाम ऩरयवीं ा अवधध एक वषय से अधधक ऩय ककसी बी ऩरयजस्ट्थनत भें दो वषय से अधधक नहकों फढ़ाई जाएगी।

(3) मटद ऩरयवीं ा अवधध फढ़ाई गई ऩरयवीं ा अवधध के दौयान ककसी बी सभम मा उसके अ ॊत भें ननमुजतत ्रताधधकायक को मह ्रताप्त हो कक ऩरयवीं ाधीन व्मजतत ने अऩने अवसयों का ऩमायप्त उऩमोग नहकों ककमा है मा सॊतोष ्रतदान कयने भें अन्मथा ववपर यहा है तो उसे उस
के भौमरक ऩद ऩय मटद कोई हो ्रत्
मावनतयत ककमा जा सकता है औय मटद उसका ककसी ऩद
ऩय धायणाधधकाय ना हो तो उसकी सभाजप्त की जा सकती है।

(4) उऩ ननमभ(3) के अधीन जजस ऩरयवीं ाधीन व्मजतत को ्रत्
मावनतयत वह ककसी ्रत
काय ्रतनतकाय का हकदाय नहकों होगा, ककमा जाए मा जजसकी सेवाएॊ ्रताप्त की जाए।

(5) ननमुजतत ्रताधधकायक सॊवगय भें सम्भमरत ककसी ऩद ऩय मा ककसी अन्म सभक मा
उच्चतय ऩद ऩय स्ट्थानाऩन्न मा अस्ट्थाई रुऩ भें की गई ननयॊतय सेवा की ऩरयवीं ा अवधध की
सॊगणना कयने के ्रतमोजनाथय धगने जाने की अनुभनत दे सकता है।

20.स्ट्थामीकयण- ककसी ऩरयवीं
ाधीन व्मजतत को ऩरयवीं ा-अवधध मा फढ़ाई गई
ऩरयवीं ा-अवधध के अ ॊत भें उसकी ननमुजतत भें स्ट्थाई कय टदमा
जाएगा, मटद- (क) उसने ववटहत ववबागीम ऩयका मटद कोई हो,
उ्तीणय कय रक हो,

(ख) उसने ववटहत ्रतमश हो,

ण मटद कोई हो, सपरतान वयक ्रताप्त कय मरमा

(ग) उसका कामय औय आचयण सॊतोषजनक फतामा जाए,

(घ) उसकी स्म ननष्ठा ्रतभार्णत कय दक जाए, औय

(ड.) ननमुजतत ्रताधधकायक का मह सभाधान हो जाए कक वह स्थाई ककए

जाने के मरए अन्मथा उऩमुतत है।

21. ज्मेष्ठता- (1) एतद्श्चात मथा उऩफॊधधत के मसवाम, ककसी श्रेणी के ऩदों ऩय व्मजततमों की ज्मेष्ठता भौमरक ननमुजतत के आदेश के टदनाॊक से, औय मटद दो मा अधधक व्मजतत है एक साथ ननमुजतत ककए जाएॊ, तो उस क्रभ भें, जजसभें उनके नाभ ननमुतत के आदेश भें यखे गए हो, अवधारयत की जाएगी :

ऩयॊतु मटद ननमुजतत के आदेश भें ककसी व्मजतत की भौमरक रुऩ से ननमुजतत का कोई ववमशष्ट न वय वती टदनाॊक ववननटदयष्ट तमा जाए तो उस टदनाॊक को भौमरक ननमुजतत के आदेश का टदनाॊक सभझा जाएगा औय अन्म भाभरों भें उसका ताऩमय आदेश जायक ककए जाने के टदनाॊक से होगा :

मह औय कक मटद ककसी एक चमन के सॊफॊध भें ननमुजतत के एक से अधधक आदेश जायक ककए जाएॊ तो जेष्ठता वहक होगी जो ननमभ 18 के उऩननमभ 131 के अधीन जायक ककए गए व्मजततमों ननमुजतत के सॊमुतत आदेश भें उजल्र्खत हो।

(2)

ककसी एक चमन के ऩरयणाभ के आधाय ऩय सीधे ननमुतत ककए गए व्मजततमों की ऩयस्ऩय ज्मेष्ठता वहक होगी जो आमोग द्वाया अवधारयत की गई हो :

ऩयॊतु सीधी बती ककमा गमा कोई अभ्मथी अऩनी ज्मेष्ठता खो सकता है, मटद ककसी रयतत ऩद का ्रतस्ताव ककए जाने ऩय वह मुजततमुतत कायणों से बफना कामयबाय ग्रहण कयने भें ववपर यहे कायणों की मुजततमुततता के सॊफॊध भें ननमुजतत ्रताधधकायक का ववननश्चम अॊनतभ होगा।

(3) ऩदोन्ननत द्वाया ननमुतत ककए गए व्मजततमों की ऩयस्ऩय ज्मेष्ठता अॊनतभ 6 की टटप्ऩणी भें टदए गए उऩफन्धों के अनुसाय की जाएगी।

बाग सात

िेतन इत्माहद

22.िेतनभान- (1) सेवा भें चाहे भौमरक मह स्थानाऩन्न रूऩ भें हो मा अस्थाई आधाय ऩय, ननमुतत व्मजततमों का अनुभन्म वेतनभान ऐसा होगा जैसा सयकाय द्वाया सभम-सभम ऩय अवधारयत ककमा जाए।

(2) इस ननमभावरक के ्रतायॊब के सभम ्रतवृत वेतनभान नीचे टदए गए हैं-

िेतनभान

साधायण श्रेणी-625-30-835-द0 यो0-30-925-35-1065-द0 यो0-40-1240 रुऩमा।

उच्च श्रेणी-690-40-970-द0यो0-40-1050-50-1200-द0यो0-50-1300-60-1420 रूऩमा। उसकी ्रतथभ वेतन-वृवद्ध तबी दक जाएगी जफ उसने एक वषय की सॊतोषजनक सेवा ऩ

यक कय रक हो, ववबागीम ऩयकं ा उत्तीणय कय रक हो औय ्रतमशं ण जहाॊ ववटहत हो, ्रताप्त कय मरमा हो, औय द्ववतीम वेतन-वृवद्ध दो वषय की सेवा के ऩश्चात तबी दक जाएगी जफ उसने ऩरयवीं ा अवधध ऩ यक कय रक हो औय उसे स्ट्थाई बी कय टदमा गमा हो :

(2) ऐसे व्मजतत का जो ऩहरे से सयकाय के अधीन कोई ऩद धायण कय यहा हो, ऩरयवीं ा अवधध भें वेतन सुसॊगत पॊडाभेंटर रूल्स द्वाया ववननमभभत होगा :

ऩयॊतु मटद सॊतोष ्रतदान न कय सकने के कायण ऩरयवीं ा-अवधध फढ़ाई जाए तो इस ्रतकाय फढ़ाई गई अवधध की गणना वेतन वृवद्ध के मरए नहकॊ की जाएगी जफ तक कक ननमुजतत ्रताधधकायक अन्मथा ननदेश न दें।

(3) ऐसे व्मजतत का, जो ऩहरे से स्ट्थाई सयकायक सेवा भें हो, ऩरयवीं ा-अवधध भें वेतन याज्म के कामयकराऩ के सॊफॊध भें सेवायत सयकायक सेवकों ऩय साभान्मतमा राग सुसॊगत ननमभों द्वाया ववननमभभत होगा

24.दंतायोक ऩाय कयने का भाऩदण्ड- ककसी व्मजतत को-

(एक) ्रतथभ दंतायोक ्रताप्त कयने की अनुभनत तफ तक नहकॊ दक जाएगी जफ तक कक उसका कामय औय आचयण सॊतोषजनक न ऩामा जाए औय जफ तक कक उसकी स्म ननष्ठा ्रतभाण इतना कय दक जाए, औय (दो) द्ववतीम दंतायोक ्रताप्त कयने की अनुभनत तफ तक नहकॊ दक जाएगी जफ तक उसका कामय औय आचयण सॊतोषजनक ना ऩामा जाए, उसे

बाग आठ

अन्म उऩफन्ध

25.ऩं सभथान- सेवा भें ककसी ऩद के सॊफॊध भें राग ननमभों के अधीन अऩेक्षत मसपारयश से मबन्न ककसी अन्म मसपारयश ऩय, चाहे मरर्खत हो मा भौर्खक, ववचाय नहकॊ ककमा जाएगा। ककसी अभ्मथी की ओय से अऩनी अभ्मधथयता के मरए ्रत् मं मा अ्रत् मं रुऩ से सभथयन ्रताप्त कयने का कोई ्रतमास उसे ननमुतत के अनहय कय देगा।

26.अन्म विषमों का विननमभन- ऐसे ववषमों के सॊफॊध भें ववननटदयष्ट रूऩ से ककस ननमभावरक मा ववशेष आदेशों के अ ॊतगयत ना आते हों, सेवा भें ननमुतत व्मजतत याज्म के कामयकराऩों के सॊफॊध भें सेवायत सयकायक सेवकों ऩय साभान्मतमा राग ननमभों, ववननमभों औय आदेशों द्वाया ननमॊबत्रत होंगे।

27.सेि ा शतों की शशधथरता- जहाॊ याज्म सयकाय का मह सभाधान हो जाए कक सेवा भें ननमुतत व्मजततमों की सेवा की शतों को ववननमभभत कयने वारे ककसी ननमभ के ्रतवतयन से ककसी ववमशष्ट भाभरे भें अनुधचत कटठनाई होती है,महाॊ वह, उस भाभरे भें राग ननमभों भें ककसी फात के होते हुए बी, आदेश द्वाया, उस सीभा तक औय ऐसे शतों के अधीन यहते हुए जजन्हें वहाॊ भाभरे भें न्मामसॊगत औय सॊऩ णय औय

यकनत से कामयवाहक कयने के मरए आवश्मक सभझे, उस ननमभ की अने ा ओों से अमबभुजतत दे सकती है मा उसे मशधथर कय सकती है :

ऩयॊतु उस ननमभ की अने ा ओों से अमबभुजतत देने मा उनको मशधथर कयने के ऩ वय आमोग से ऩयाभशय ककमा जाएगा।

28.व्मा ृ जत्त- इस ननमभावरक के ककसी फात का कोई ्रतबाव ऐसे आयं ण औय अन्म रयमामतों ऩय नहकॊ ऩड़ेगा जजनका इस सॊफॊध भें सयकाय द्वाया सभम-सभम ऩय जायक ककए गए आदेशों के अनुसाय अनुस धचत जानतमों अनुस धचत जन-जानतमों औय व्मजततमों की अन्म ववशेष श्रेजेर्णमों के अभ्मधथयमों के मरए उऩफॊध ककमा जाना अऩेक्ष त हो।

ऩरयशशष्ट-नौ

उत्तय प्रदेश सयकाय

सॊख्मा एस0 आय0-2997/ दस-218(46)-73

वव्त(स्टाम्ऩ एवॊ यजजस्ट्रेशन) अनुबाग रखनऊ, भई, 9 8अधधस चना सॊख्मा एस0आय0 971/11-9 , टदनाॊक 20-3-1991 तथा अधधस चना सॊख्मा एस0 आय0 3146/11- , टदनाॊक 9-9-1992 द्वाया मथा सॊशोधधत

अधधसूचना

प्रकीणा

सॊववधान के अनुच्छेद 309 के ऩयॊतुक द्वाया ्रतद्त शजतत का ्रतमोग कयके औय इस सभस्त् वतयभान ननमभों औय आदेशों का (उनको छोड़कय जजन्हें ववशेष रूऩ से ्रतनतधारयत ककमा गमा हो) अनतक्रभण कयके, याज्मऩार, उ्तय ्रतदेश यजजस्ट्रककयण ववबाग (जजरा अधधष्ठान) मरवऩक वगय सेवा भें बती औय उसभें ननमुतत व्मजततमों की सेवा की शतों के सॊफॊध भें ननम्नमरर्खत ननमभावरक फनाते हैं-

उत्तय प्रदेश यजजस्ट्रीकयण विबाग(जजरा अधधष्ठान) शरवऩक गा से ा ननमभा री, 1978 बाग एक

साभान्म

1.सॊक्षप्त नाभ औय प्रायॊब- (1) मह ननमभावरक उ्तय ्रतदेश यजजस्ट्रककयण ववबाग (जजरा अधधष्ठान) मरवऩक वगय सेवा ननमभावरक, 9 8 कहक जाएगी।

(2) मह तुयॊत ्रतवृत होगी।

2.से ा की प्राजस्थनत- उ्तय ्रतदेश यजजस्ट्रककयण ववबाग (जजरा अधधष्ठान) मरवऩक वगय सेवा एक अयाजऩबत्रत सेवा है जजसभें “ग” वगय के ऩद सजम्भमरत हैं।

3.ऩरयबाषाएॊ- जफ तक ववषम मा सॊदबय भें कोई फात ्रतनतक र न हो, इस ननमभावरक भें-

(क) ‘अधधननमभ’ का ता्ऩमय यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 अधधननमभ सॊख्मा 6, 908 से है;

(ख) ननमुजतत ्रताधधकायक’ का ता्नमय भहाननयक
क, से है; (20.3.91 को
अधधस चना से सॊशोधधत)
(ग) ‘बायत का नागरयक’ का ता्नमय उस व्मजतत से है जो सॊववधान के बाग दो के अधीन बायत का नागरयक है मा सभझा जाए;
(घ) „आमोग‟ काता्नमय उ्तय ्रतदेश अधीनस्त्थ सेवा चमनआमोग से है;(ड.) „जजरा‟ काता्नमय अधधननमभ की धाया 5(1) के अधीन गटठत जजरे से है;
(च) ‘जजरा यजजस्ट्राय’ का ता्नमय अधधननमभ की धाया 6 के अधीन यजजस्ट्राय के रून्न भें ननमुतत अधधकायक से है;
(छ) „सयकाय‟ का ता्नमय उ्तय ्रतदेशसयकाय से है;
(ज) „याज्मऩार‟ का ता्नमय उ्तय ्रतदेश के याज्मऩार से है;
(झ) ‘भहाननरयं क’ का ता्नमय अधधननमभ की धाया 3 की उऩधाया (1) के अधीन ननमुतत यजजस्ट्रककयण भहाननरयंक, उ्तय ्रतदेश से है;
(ञ) ‘सेवा का सदस्त्म’ का ता्नमय सेवा के सॊवगय भें ककसी ऩद ऩय इस ननमभावरक मा इस ननमभावरक के ्रतायॊब होने के ऩ वय ्रतवृत ननमभों मा आदेशों के अधीन भौमरक रुन्न से ननमुतत व्मजतत से है;
(ट) „चमन समभनत‟ का ता्नमय, जफ इसका ्रतमोग सीधी बती के ननदेश भें ककमा जाए; अधीनस्त्थकामायरम मरवऩक वगय (सीधी बती) ननमभावरक, 1975 के ननमभ 6 भें ननटदयष्ट जजरा चमन समभनत से हैऔय जफ इसका ्रतमोग ऩदोन्ननत द्वाया ननमुजतत के ननदेश भें ककमा जाए, इस ननमभावरक के अधीन गटठत चमन समभनत से है;
(ठ) „सेवा‟ का ता्नमय उ्तय ्रतदेश यजजस्ट्रककयण ववबाग(जजरा अधधष्ठान) मरवऩक वगय सेवा से है;
(ड) ‘उऩ यजजस्ट्राय’ का ता्नमय अधधननमभ की धाया 6 मा 12 के अधीन उऩ यजजस्ट्राय के रून्न भें ननमुजतत से है ;
(डड) ‘भौमरक ननमुजतत’ का ता्नमय सेवा के सॊवगय भें ककसी ऩद ऩय ऐसी ननमुजतत से है जो तदथय ननमुजतत न हो, औय ननमभों के अनुसाय चमन के ऩश्चात् की गई हो औय मटद कोई ननमभ ना हो तो सयकाय द्वाया जायक ककए गए कामयऩारक अनुदेश द्वाया त्सभम ववटहत ्रत कक्रमा के अनुसाय की गई हो (9.9.92 की अधधस चना से जोड़ा गमा)
(ढ) ‘बती का वषय’ का ता्नमय ककसी करेंडय वषय की ऩहरक जुराई से ्रत ायॊब होने वारे फायह भास की अवधध से है;
[खण्ड (ड.), ट) औय (ड) का ववरोऩन तथा (गग) का जोड़ा जाना 9.9.92 की अधधस चना से]

बाग दो

सॊिगा

4.सेिा का सॊिगा- (1) सेवा की सदस्म् सॊख्मा औय उसने ्रत् मेक श्रेणी के ऩदों की सॊख्मा उतनी होगी जजतनी याज्मऩार द्वाया सभम-सभम ऩय अवधारयत की जाए।

(2) सेवा की सदस्म् सॊख्मा औय उसभें ्रत् मेक श्रेणी के ऩदों की सॊख्मा, जफ तक कक उऩ ननमभ (1) के अधीन उनभें ऩरयवतयन कयने के आदेश न टदए जाएॊ, उतनी होगी जजतनी ऩरयमशष्ट 'क' भें दक गई हैश,

ऩयॊतु-

(1)ननमुजतत ्रताधधकायक ककसी रयतत ऩद को बफना बये हुए छोड़ सकता है मा याज्मऩार उसे आस्थधगत यख सकते है जजससे कोई व्मजतत ्रत नतकय का हकदाय न होगा, मा

(2) याज्मऩार ऐसे अनतरयतत स्थाई मा अस्थाई ऩद जजन्हें वह उधचत सभझे, सृजजत कय सकते हैं।

बाग-तीन

बती

5.बती का श्रोत- (1) सेवा भें ववमबन्न श्रेर्णमों के ऩदों ऩय बती ननम्नमरखखत स्रोत से की जाएगी-

ऩद का नाभ	बती का श्रोत
1-भुख्म यजजस्ट्रककयण मरवऩक	भौमरक रुऩ से ननमुतत यजजस्ट्रककयण मरवऩक जजन्होंने ध्ममभक मशा ऩरयषद उ्तय ्रतदेश इटयभीडडएट ऩयका मा सयकाय दवाया इसक सभक भानमता ापत कोई ऩयका उतीण कीहो औय बती के वषय के ्रतथभ टदवस को इस रूऩ भें कभ से कभ 5 वषय की सेवा ऩ यक कय चुके हों, भें ववबागीम चमन समभनत द्वाया ऩयॊतु 4 नवॊफय, 96 के ऩ वय ननमुतत यजजस्ट्रककयण मरवऩक ऩदोन्ननत के मरए ऩात्र होगा मटद उऩमुयतत टदनाॊक के ऩ वय उसने भाध्ममभक मशा ऩरयषद की हाईस्ट्क र ऩयका उ्तीणय कय रक हो मा वह सयकाय द्वाया उसके सभक भान्मता ्रताप्त कोई अन्म अहयता यखता हो (9.9.92 की अधधस चना ्रतनतस्थावऩत)
2- यजजस्ट्रककय	(1)(क) 85 ्रतनतशत आमोग के भाध्मभ से बती द्वाया (ख) 15 ्रत नतशत सभ ह 'घ' के कभयचारयमों भें से ऩदोन्ननत द्वाया(9.9.92की अधधस चना
	सॊशोधधत) (2) ननमभावरक भ दक गई ककसी फात क होत हए बी यजजसरककयण मरवऩक क ऩद ऩय सीधीबती ककए जान क ऩव ननमजतत ऐस अभमधथमो भ स, जजनक नाभ उतय दश यजजसरककयणभनअर बाग-दो (सातवा ससकयण) क ननमभ 97 क अधीन तमाय की गई अनभोटदतअभमधथमो की सची भ, जसा कक वह ऩहरक जन, 9 को यहक हो, सजमभमरत हो औ उसभदक गई ्रतकक्रमा के अनुसाय की जाएगी।

6. **आयंण-** अनुस धचत जानतमों/ अनुस धचत जनजानतमों औय अन्म श्रेर्णमों के अभ्मधथयमों के मरए आयं ण बती के सभम ्रतवृत सयकाय के आदेशों के अनुसाय होगा। बाग चाय

अहाताऐं

7. **र ता-** सेवा भें ककसी ऩद ऩय सीधी बती के मरए मह आवश्मक है कक अभ्मथी का-

(क) बायत का नागरयक, मा

(ख) नतब्फती शयणाथी जो बायत भें स्थाई ननवास कयने के अमब्राम से 1 जनवयक, 96 के ऩ वय बायत आमा हो, मा

(ग) बायतीम उदबव का व्मजतत हो जो बायत भें स्थाई ननवास के अमब्राम से ऩाककस्तान, वभाय, श्रीरोंका मा ककसी ऩ वी अफ्रीकी देश, केन्मा, उगाण्डा औय म नाइटेड रयऩजब्रक ऑप तोंजाननमा (ऩ वयवती तागाननका औय जोंजीवाय) से ्रतव्रजन ककमा हो, होना आवश्मक हो;

ऩयन्तु उऩमुयतत श्रेणी (ख) मा (ग) का अभ्मथी ऐसा व्मजतत होना चाटहए जजसके ऩ भें याज्म सयकाय द्वाया ऩात्रता का ्रतभाण- ऩत्र जायक ककमा गमा हो :

ऩयोतु मह औय कक श्रेणी (ख) के अभ्मथी से मह अऩे ा की जाएगी कक वह ऩुमरस उऩभहाननयक्षक, गुप्तचय शाखा, उ्तय ्रतदेश से ऩात्रता का ्रतभाण-ऩत्र ्रताप्त कय रे :

ऩयोतु मह बी कक मटद कोई अभ्मथी उऩमुयतत श्रेणी (ग) का हो तो ऩात्रता का ्रतभाण-ऩत्र एक वषय से अधधक अवधध के मरए जायक नहकों ककमा जाएगा औय ऐसे अभ्मथी को एक वषय की अवधध के आगे सेवा भें तफ हक यखा जा सकेगा मटद उसने बायत की नागरयकता ्रताप्त कय रक हो।

हटप्ऩणी- ऐसे अभ्मथी को, जजसके भाभरे भें ऩात्रता का ्रतभाण-ऩत्र आवश्मक हो, ककोंतु ना तो वह जायक ककमा गमा हो औय न देने से इन्काय, ककसी ऩयका मा सा ा्काय भें सजम्भमरत ककमा जा

सकता है औय उसे इस शतय ऩय अनजन्तभ रूऩ से ननमुतत
बी ककमा जा सकता है कक आवश्मक ्रत भाण-ऩत्र उसके
द्वाया ्रताप्त कय मरमा जाए मा
उसके ऩ भें जायक कय टदमा जाए।

8.अहाताएॊ- यजजस्ट्रककयण मरवऩक के ऩद ऩय सीधी बती के मरए मह आवश्मक है कक अभ्मथी ने उ्तय ्रतदेश भाध्ममभक मशा ऩरयषद की इॊटयभीडडएट ऩयका मा सयकाय द्वाया उसके सभकं भान्मता ्रताप्त कोई ऩयकं
ा उ्तीणय की हो(9.9.92की अधधस चना सॊशोधधत) **9.अधधभानी अहाताएॊ-** अन्म फातों के सभान होने ऩयश्श, सीधी बती के भाभरे भें उस अभ्मथी को अधधभानता कय दक जाएगी-

(1) जजसने ्रतादेमशक सेना भें न्म नतभ दो वषय की अवधध के मरए सेवा की हो मा याष्रकम कैडेट कोय का 'फी' ्रतभाण-ऩत्र ्रताप्त ककमा हो,

(2)जो उद य मरवन मरख औय ऩढ़ सकता हो,

(3) जो टहॊदक औय अॊग्रेजी मरवऩ स्ट्वच्छ औय सुऩाठ्म रूऩ से मरख सकता

10.आमु- सीधी बती के मरए मह आवश्मक है कक अभ्मथी सभम-सभम ऩय मथा सॊशोधधत अधीनस्ट्थ कामायरम मरवऩक(वगय सीधी बती) के ननमभावरक, 98 भें ववटहत आमु सीभा के अॊतगयत हो।

(1985 से 1975 के स्ट्थान ऩय यखा गमा- अधध0 9-9-92)

11.चरयत्र- यजजस्ट्रककयण मरवऩक के ऩद ऩय सीधी बती वारे अभ्माथी का चरयत्र ऐसा
होना चाटहए कक वह सयकायक सेवा के मरए सबी ्रताधधकायक इस सॊफॊध भें अऩना सभाधान कयें
काय से उऩमुतत हो सके। ननमुजतत ्रत

टटप्ऩणी- सॊघ सयकाय मा ककसी याज्म सयकाय द्वाया मा सॊघ सयकाय मा याज्म सयकाय के स्ट्वामभ्व मा ननमन्त्रण भें ककसी स्ट्थानीम ्रताधधकायक मा ककसी ननगभ मा ननकाम द्वाया ऩदच्मुत व्मजतत सेवा भें ककसी ऩद ननमुजतत के मरए ऩात्र नहकॊ होंगे। सैननक अधभता के ककसी अऩयाध के मरए मसद्ध दोष व्मजतत बी ऩात्र नहकॊ होंगे।

12.ैवैवाहहक जस्ट्थनत- सेवा भें ककसी ऩद ऩय ननमुजतत के मरए कोई ऩुरुष अभ्मथी ऩात्र न होगा जजसकी एक से अधधक ऩ्नी जीववत हो मा ऐसी कोई भटहरा अभ्मथी ऩात्र न होगी जजसने ऐसे ऩुरुष से वववाह ककमा हो जजसकी ऩहरे से हक एक ऩ्नी जीववत हो : ऩयन्तु याज्मऩार ककसी व्मजतत को ननमभ के ्रतवतयन से भुतत कय सकते हैं मटद उनका सभाधान हो जाए कक ऐसा कयने के मरए ववशेष कायण ववद्मभान है।

13.स्ट्वास्ट्थता- ककसी अभ्मथी को सेवा के ककसी ऩद ऩय तफ तक ननमुतत

नहकॊ ककमा जाएगा जफ तक भानमसक औय शायकरयक द्दजष्ट से उसका स्ट्वास्ट्थ्म अच्छा न हो औय ककसी
ऐसे शायकरयक दोष से भुतत न हो जजससे उसे अऩने कतयव्मों का दंताऩ वयक ऩारन कयने भें फाधा ऩड़ने की सॊबावना हो। सीधी बती द्वाया सेवा भें ननमुजतत के मरए अ◌ॊनतभ रुऩ से अनुभोदन ककए जाने के ऩ वय अभ्मथी से मह अऩे◌ं◌ा की जाएगी कक वह भ र ननमभ 10 के अधीन फनाए गए औय पाइनेंमसमर हैंडफुक, खॊड , बाग-3 के अध्माम 3 भें टदए गए ननमभों के अनुसाय स्ट्वास्ट्थ्मता का ्रतभाण-ऩत्र ्रतस्ट्तुत कयें :
नयन्तु ऩदोन्ननत द्वाया बती ककए गए अभ्मथी से स्ट्वास्ट्थता का ्रत भाण ऩत्र ्रतस्ट्तुत कयने की अऩे◌ं
◌ा नहकॊ की जाएगी। **14.रयजक्तमों की अिधायण-** वनऩनया अधधकायक बती के वषय के दौयान बयक जाने वारक रयजततमों की सॊख्मा औय ननमभ 6 के अधीन अनुस धचत जानतमों अनुस धचत जनजानतमों औय अन्म श्रेणी के अभ्मधथयमों के मरए आयक्ष त की जाने वारक रयजततमों की सॊख्मा अवधायरयत कयेगा। आमोग के भाध्मभ से बयक जाने वारक रयजततमों की स चना उसको देवेंगी।

[9.9.92 की अधधस चना ्रतनतस्ट्थावऩत] **15.यजजस्ट्रीकयण शरवऩक के ऩद ऩय सीधी बती की प्रक्रिमा-** (1) ्रत
नतमोधगता ऩयकं◌ा भें शामभर होने की अनुभनत के मरए आवेदन-ऩत्र आमोग द्वाया ववाऻनन भें ्रतकामशत ववटहत ्रतऩत्र भें आमोग द्वाया आभॊबत्रत ककए जाएॊगे।

(2) ककसी बी अभ्मथी को ऩयकं◌ा भें तफ तक सजम्ममरत नहकॊ होने टदमा जाएगा जफ तक कक उसके ऩास आमोग द्वाया जायक ककमा गमा ्रतवेश ऩत्र न हो।

(3) मरर्खत ऩयकं◌ा भें अ◌ॊक ्रताप्त होने औय सायणीफद्ध ककए जाने के ऩश्चात आमोग अभ्मधथयमों को उनकी ्रतवीणता के क्रभ भें, जैसा कक मरर्खत ऩयकं◌ा भें ्रत् मेक अभ्मथी को ्रताप्त हो, औय उतने अभ्मधथयमों को, जजतने वह उधचत सभझे ननमुजतत के मरए सॊस्ट्तुत कयेगा, मटद दो मा अधधक अभ्मथी कुर मोग भें फयाफय-फयाफय अ◌ॊक ्रताप्त कयें तो आमोग उनके नाभों की मोग्मता क्रभ भें उनकी उऩमुततता के आधाय ऩय कयेगा। आमोग स ची ननमुजततअधधकायक को अग्रसारयत कयेगा, स ची के नाभों की सॊख्मा से अधधक 25 ्रतनतशत से अनाधधक होगी।

16. यजजस्ट्रीकयण शरवऩक के ऩद ऩय ऩदोन्ननत द्◌ा◌ाया बती की प्रक्रिमा- (1) यजजस्ट्रककयण मरवऩक के ऩद ऩय ऩदोन्ननत द्वाया बती अनुऩमुतत को अस्ट्वीकाय कयते हुए ज्मेष्ठता के आधाय ऩय ्रतदेश ववबागीम ऩदोन्ननत समभनत का गठन (सेवा आमोग के ◌ं◌े त्र के फाहय के ऩदों के मरए) ननमभावरक, 99 के उऩफॊधों के अनुसाय गटठत ववबागीम चमन समभनत के भाध्मभ से की जावेगी।

(2) ननमुजतत अधधकायक अभ्मधथयमों की ऩात्रता स ची मा स धचमाॊ उ्तय ्रत देश (रोक

उऩफोधों के अनुसाय तैमाय कयेगा औय उनकी चरयत्र ऩॊजजमों औय उनसे सॊफॊधधत अन्म अमबरेखों के साथ, जो उधचत सभझे जाएॊ, चमन समभनत के सभ ऺ यखेगा।

(3) चमन समभनत उऩ-ननमभ (2) भें ननटदयष्ट अमबरेखों के आधाय ऩय अभ्मधथयमों के भाभरों ऩय ववचाय कयेगी औय मटद वह आवश्मक सभझे तो अभ्मधथयमों का साॊ ा ्काय बी कय सकती है।

(4) चमन समभनत चमन ककए गए अभ्माधथयमों की एक स ची उस ज्मेष्ठता क्रभ भें जैसी कक वह उस सॊवगय भें थी, जजससे उन्हें ऩदोन्नत ककमा जाना है तैमाय कयेगी औय उसे ननमुजतत ्रताधधकायक को अग्रसारयत कयेगी।

17.भुख्म ननफॊधन शरवऩक के ऩद ऩय ऩदोन्ननत द् ाया बती की प्रक्रिमा- (1)भुख्म यजजस्ट्रककयण मरवऩक के ऩद ऩय ऩदोन्ननत द्वाया बती जनुऩमुतत को स्ट्वीकाय कयते हुए ज्मेष्ठता के आधाय ऩय उ्तय ्रतदेश ववबागीम ऩदोन्ननत समभनत का गठन(सेवा आमोग के ॊे त्र के फाहय के ऩदों के मरए) ननमभावरक, 99 के अनुसाय गटठत ववबागीम चमन समभनत के भाध्मभ से की जाएगी।

(2) ननमुजतत ्रताधधकायक अभ्माधथयमों की ऩात्रता स ची मा स धचमों उ्तय ्रतदेश (रोक सेवा आमोग के ॊे त्र के फाहय के ऩदों ऩय ऩदोन्ननत ऩात्रता स ची) ननमभावरक, 986 के उऩफॊधों के अनुसाय तैमाय कयेगा औय उनकी चरयत्र ऩॊजजमा औय उनसे सॊफॊधधत अन्म अमबरेखों के साथ, जो उधचत सभझे जाॊच चमन समभनत के सभ ऺ यखेगा।

(3) चमन समभनत ननमभ (2) भें ननटदयष्ट अमबरेखों के आधाय ऩय अभ्मधथयमों के भाभरों ऩय ववचाय कयेगी औय मटद वह आवश्मक सभझे तो अभ्मधथयमों का साॊ ा ्काय बी कय सकती है।

(4) चमन समभनत चमन ककए गए अभ्मधथयमों की एक स ची उस ज्मेष्ठता क्रभ भें, जैसी कक वह उस सॊवगय भे थी जजससे उन्हे ऩदोन्नत ककमा जाना है तैमाय कयेगी औय उसे ननमुजतत ्रताधधकायक को अग्रसारयत कयेगी।

17-क- मानी बती के ककसी वषय भें ननमुजततमाॊ सीधी बती औय ऩदोन्ननत दोनों ्रतकाय से की जाए तो सॊमुतत चमन स ची तैमाय की जावेगी जजसभें अभ्माधथयमों के नाभ सुसॊगत स धचमों से इस ्रतकाय मरए जाएॊगे कक ववटहत ्रतनतशत फना यहे, स ची भें ऩहरा नाभ ऩदोन्ननत द्वाया ननमुतत व्मजतत का होगा।

बाग छ्

ननमुजक्त, ऩरयवीॊ ा, स्ट्थामीकयण औय ज्मेष्ठता

18.(1) उऩननमभ (2) के उऩफॊधों के अधीन यहते हुए, ननमुजतत ्रताधधकायक अभ्मधथयमों के साथ उस क्रभ भें रेकय जजसभें वे मथाजस्ट्थनत ननमभ , 6, मा 17-क के अधीन तैमाय की गई स धचमों भें आए हो, ननमुतत कयेगा।

(2) जहाॊ बती के ककसी वषय भें ननमुजततमाॊ सीधी बती औय ऩदोन्ननत दोनों ्रतकाय से की जानी हो वहाॊ ननममभत ननमुजततमाॊ तफ तक नहकॊ की जावेगी जफ तक दोनों स्रोतों से चमन कय मरमा जाए औय ननमभ 17-क के अनुसाय एक सॊमुतत स ची

तैमाय ना कय रक जाए। (3) मटद ककसी एक चमन के सॊफॊध भें एक से अधधक ननमुजतत के आदेश जायक ककए जाऐॊ तो एक सॊमुतत आदेश बी जायक ककमा जाएगा। जजसभें व्मजततमों के नाभों का उल्रेख मथाजस्थनत चमन भें मथा अवधारयत मा जैसा कक उस सॊवगय भें हो जजससे उन्हें ऩदोन्नत ककमा जामे चक्रानुक्रभ भें ककमा जाएगा। मटद ननमुजततमाॊ सीधी बती औय ऩदोन्ननत दोनों ्रतकाय से की जाए तो नाभ ननमभ 17-क भें ननटदयष्ट क्रभ भें यखे जाऐॊगे।

[ननमभ , 6, , -क औय 18 टदनाॊक 9-9-92 के अधधस चना सॊसोधधत]

18. (1) उऩ ननमभ (3) के अधीन यहते हुए, भौमरक रयजततमाॊ होने ऩय, ननमुजतत ्रताधधकायक, अभ्मधथयमों की उसी क्रभ भें रेकय ननमुजततमाॊ कयेगा जजस क्रभ भें उसके नाभ, मथाजस्थनत, ननमभ , 6 मा 17 के अधीन तैमाय की गई स ची भें आए हो।

(2) उऩ ननमभ (3) के अधीन यहते हुए, ननमुजतत ्रताधधकायक उऩननमभ(1) भें ननटदयष्ट स धचमों से बी अस्थाई औय स्थानाऩन्न रयजततमों भें ननमुजततमाॊ कय सकता है। मटद उस स ची का कोई अभ्मथी उऩरब्ध ना हो तो वह ऐसे रयजततमों भें इस ननमभावरक के अधीन ननमुजतत के मरए ऩात्र व्मजततमों भें से ननमुजतत कय सकता है। ऐसी ननमुजतत की ननमुजतत का टदनाॊक छ: भाह के आगे नहकॊ यखा जाएगा, ननमुजतत ्रताधधकायक से मह आशा की जाती है कक वह इस फीच, मथाजस्थनत ननमभ, तथा 16 के अधीन बती कय रे।

(3) इस ननमभावरक भें ककसी फात के होते हुए, बी यजजस्ट्रककयण मरवऩक के ऩद ऩय सीधी बती द्वाया ननमुजतत कयने के ऩ वय ननमुजततमाॊ उ्तय ्रतदेश यजजस्ट्रककयण भेनुअर बाग-दो (सातवाॊ सॊस्कयण) के ननमभ 97 के अधीन तैमाय की गई स ची से औय उसभें दक गई ्रतकक्रमा के अनुसाय की जाएगी।

19.सॊिगा के सदस्म सॊख्मा का ऩुनयीं ण मा उसभें कभी कयना- जफ यजजस्ट्रककयण मरवऩक के अस्थामी सॊवगय की सदस्म सॊख्मा ऐसे ऩदों की स्वीकृनत के सभाप्त होने मा स्थाई ऩदधायक के रौटने ऩय स्थानाऩन्न ननमुजतत सभाप्त ककए जाने के कायण कभ कय दक जाए तो इस ्रतकाय ननमुजतत अ ॊनतभ व्मजतत, इस तथ्म के होते हुए बी कक वह दकघय अवधध, अस्थाई मा स्थानाऩन्न रयजततमों के ्रतनत कामय कयता यहा है/ यहे हैं, ननवनतयत हो जामेगा/जामेंगे। **20.ऩरयवीं ा**- (1) ककसी ऩद ऩय भौमरक रयतत भें मा उसके ्रतनतननमुतत ककमे जाने ऩय ्रत् मेक व्मजतत को दो वषय की अवधध के मरए ऩरयवीं ा ऩय यखा जामेगा।

(2) ननमुजतत ्रत ाधधकायक, अमबमरर्खत ककए जाने वारे कायणों भें से ककसी व्मजतत ववशेष के भाभरे भें ऩरयवीं ा अवधध को फढ़ा सकता है जजसभें वह टदनाॊक ववननटदयष्ट होगा जफ तक के मरए उसे फढ़ामा जाए :

(3) मटद ननमुजतत ्रताधधकायक को ऩरयवीं ा अवधध मा फढ़ाई गई ऩरयवीं ा अवधध के

दौयान मा अ ोत भें ककसी सभम मह ्रततीत हो कक ऩरयवी ं ाधीन व्मजतत ने अऩने अवसयों का ऩमायप्त उऩमोग नहकों ककमा है मा अन्मथा सोंतोष ्रतदान कयने भें ववपर यहा है तो उसे उस के भौमरक ऩद ऩय, ्रत् मावनतयत ककमा जा सकता है औय मटद उसका ककसी ऩद ऩय धायणाधधकाय न हो तो उसकी सेवाएॉ सभाप्त की जा सकती हैं।

(4) उऩ ननमभ (3) के अधीन जजस ऩरयवी ं ाधीन व्मजतत को ्रत् मावनत

(5) ननमुजतत ्रताधधकायक, इस ननमभावरक के अ ोतगयत सोंवगय भें ककसी ऩद ऩय मा ककसी अन्म सभकं मा उच्च ऩद ऩय स्थानाऩन्न मा अस्थाई रूऩ भें की गई ननयोंतय सेवा की ऩरयवी ं ा अवधध की सोंगणना कयने भें सजम्भमरत ककए जाने की अनु्ा दे सकता है

21.स्थामीकयण- (1) उऩ ननमभ(2) के उऩफोंधों के अधीन यहते हुए, ककसी ऩरयवी ं ाधीन व्मजतत को ऩरयवी ं ा अवधध मा फढ़ाई गई ऩरयवी ं ा अवधध के अ ोत भें उसको ननमुजतत भें स्थाई कय टदमा जाएगा मटद-

(क) उसका कामय औय आचयण सोंतोषजनक फतामा जाए,

(ख) उसकी स्म ननष्ठा ्रतभार्णत कय दक जाए,

(ग) ननमुजतत ्रताधधकायक का मह सभाधान हो जाए कक स्थामीकयण के

मरए अन्मथा उऩमुतत है,

(2) जहाॊ उ्तय ्रतदेश याज्म के सयकायक सेवकों की स्थाईकयण ननमभावरक, 99 के उऩफोंध के अनुसाय स्थामीकयण आवश्मक नहकों है वहाॊ उस ननमभावरक के ननमभ 5 के उऩ ननमभ (3) के अधीन मह घोषणा कयते हुए आदेश कक सोंफोंधधत व्मजतत ने ऩरयवी ं ा अवधध सपरताऩ वयक ऩ यक कय रक है स्थामीकयण का आदेश सभझा जाएगा [9-9-91 की अधधस चना द्वाया ्रतनतस्थावऩत]।

22.ज्मेष्ठता- ककसी श्रेणी के ऩद ऩय भौमरक रुऩ से ननमुतत व्मजततमों की ज्मेष्ठता सभम-सभम ऩय मथा सोंशोधधत उ्तय ्रतदेश सयकायक सेवक ज्मेष्ठता ननमभावरक, 99 के अनुसाय अवधारयत की जाएगी (9-9-91 की अधधस चना द्वाया ्रतनतस्थावऩत)।

बाग-7

ि ेतन आहद

23.ि ेतनभान- (1) सेवा भें भौमरक मा स्थानाऩन्न रूऩ भें मा स्थाई आधाय ऩय ननमुतत व्मजततमों को अनुभन्म वेतनभान वहक होगा जो सयकाय द्वाया सभम-सभम ऩय अवधारयत ककमा जाए।

(2) इस ननमभावरक के ्रतायोंब के सभम वेतनभान नीचे टदमा गमा है-

ऩद का नाभ	वेतनभान
(1) भुख्म यजजस्ट्रककयण मरवऩक	1200-30-1560-द0 यो0-40-3400 रूऩमे
(2) यजजस्ट्रककयण मरवऩक	950-20-1150 द0 यो0-35-1500 रूऩमे(20.03.1991 की अधधस चना से सोंशोधधत)

24.ऩयिवीं ा-अिधध भें ि ेतन- (1) भ र ननमभों भें ककसी ्रतनतक र उऩरब्ध के होते हुए बी, ककसी ऩरयवीं ाधीन व्मजतत को, मटद वह ऩहरे से हक स्थाई सयकायक सेवा भें न हो, सभमभान भें ्रतथभ वेतन वृवद्ध कफ दक जाएगी जफ उसने एक वषय की सेवा सॊतोषजनक रूऩ भें ऩ यक कय रक हो औय द्ववतीम वेतन वृवद्ध दो वषय की सेवा ऩ यक कय रेने के ऩश्चात तफ की जाएगी जफ उसने अऩनी ऩरयवीं ा अवधध ऩ यक कय रक हो औय वह स्थाई कय टदमा गमा हो;
अन्मथा ननदेश न दे।

(2) ऩरयवीं ा अवधध के दौयान उस व्मजतत का वेतन, जो ऩहरे से हक सयकाय के अधीन कोई ऩद धायण ककमे हो, सुसॊगत भ र ननमभों द्वाया ववननमभभत होगा।

ऩयॊतु मटद ऩरयवीं ाधीन व्मजतत द्वाया सॊतोष ्रतदान न कयने के कायण ऩरयवीं ा अवधध फढ़ाई जाए तो ऐसी फढ़ाई गई अवधध की गणना वेतन वृवद्ध के मरए नहकॊ की जाएगी, जफ तक कक ननमुजतत ्रताधधकायक अन्मथा ननदेश न दे।

(3) ककसी ऐसे व्मजतत का जो ऩहरे से स्थाई सयकायक सेवा भें हो, ऩरयवीं ा अवधध भें वेतन याज्म के कामयकराऩ के सॊफॊध भें साभान्मतमा सेवायत सयकायक सेवकों ऩय राग सुसॊगत ननमभों द्वाया ववननमभभत होगा।

25. दंता-योक ऩाय कयने के शरए भानदॊड- ककसी व्मजतत को दंता या ेक ऩाय कयने की अनुभनत नहकॊ दक जाएगी जफ तक कक उसका कामय औय आचयण सॊतोषजनक न ऩामा जाए औय उसकी स्म ननष्ठा ्रत भाणणत

बाग- ठ

अन्म उऩफन्ध

26.ऩं सभथान- इस ननमभावरक के अधीन अऩेक्षक्षत मसपारयशों से मबन्न ककसी मसपारयश ऩय, चाहे मरर्खत हो मा भौर्खक, ववचाय नहकॊ ककमा जाएगा। ककसी अभ्मथी की ओय से ्रत्मं मा अ्रत्मं से, अऩनी अभ्मथयना के मरए सभथयन ्रताप्त कयने का कोई ्रतमास उसे ननमुजतत के मरए अनहय कय देगा।

27.प्रनतबूनत- भौमरक, अस्थाई मा स्थानाऩन्न रूऩ भें कामय कयने वारा ्रत् मेक भुख्म यजजस्ट्रककयण मरवऩक मा यजजस्ट्रककयण मरवऩक डाकघय फचत फैंक रेखा भें ₹ 00 की धनयामश

जभा कयके औय रेखा फहक को भहाननरयं

क के ऩास धगयवी यखकय मा सयकाय द्वाया सभम

सभम ऩय ननधायरयत ककसी अन्म यकनत से ्रतनतब नत देगा [xxx 09.09.1991 की अधधस चना द्वाया ववरोवऩत]

28.अन्म विषमों ऩय विननमभन- उन ववषमों के सॊफॊध भें, जो इस ननमभावरक मा ववशेष आदेशों के अ ॊतगयत ववमशष्ट रुऩ से न आते हो, सेवा भें ननमुतत व्मजतत उन ननमभों ननमभों, औय आदेशों द्वाया ननमॊबत्रत होंगे जो याज्म के कामयकराऩों के सॊफॊध भें सेवायत सयकायक सेवकों ऩय साभान्मतमा राग होते हो।

29.सेि ा की शतों भें शशधथरता- जहाॉ सयकाय का सभाधान हो जाए कक सेवा

भें ननमुतत व्मजततमों की सेवा के शतो को ववननमममभत कयने वारे ककसी ननमभ के ्रतवतयन से ककसी ववमशष्ट भाभरे भें अनुधचत कटठनाई होती है तो वह उस भाभरे भें ्रतमोज्म ननमभों भें ककसी फात के होते हुए बी, आदेश द्वाया उस ननमभ की अने्ाओं से उस सीभा तक औय ऐसी शतों के अधीन यहते हुए, जजन्हें वह उस भाभरे को न्मामसॊगत औय साम्मऩ णय ढॊग से ननऩटाने के मरए आवश्मक सभझे, अमबमुतत मा मशधथर कय सकती है।

ऩरयमशशष्ट 'क'

[ननमभ 4(2)]

से्ा की सदस्म सॊख्मा

श्रेणी	सदस्म सॊख्मा	अभ्मुजतत
1- भुख्म यजजस्ट्रककयण मरवऩक	1- स्थाई-47	मेक जजरे भें एक ऩद
	2-अस्थामी-10	
2- यजजस्ट्रककयण मरवऩक	1- स्थाई-978	भहाननयक क द्वाया कामायरम वाय सदसम सखमा अवधारयतकी जाएगी
	2-अस्थामी-194	
20.03.1991 की अधधस चना से सॊशोधधत		

आा से,

एभ

सुब्राभनमभ

सॊस्थागत

वित्त

सधचि।

ऩरयमशशष्ट-दस

कामाारम, ननफॊधन भहाननयी्क, उत्तय प्रदेश इराहाफाद

अधधसूचना

21 अतट फय,

989 ई0सॊ0 7726/एक-236-यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 अधधननमभ सॊख्मा 6, सन् 1908) की धाया 69 के अधीन शजतत का ्रतमोग कयके, यजजस्ट्रककयण भहाननयकक, उ्तय ्रतदेश, याज्म सयकाय के अनुभोदन से, पोटोस्टेट ्रतनतमों के साथ दस्तावेज के यजजस्ट्रककयण को ववननमममभत कयने वारक ननम्नमरर्खत ननमभावरक फनाते हैं-

उत्तय प्रदेश (पोटोस्ट्टेट प्रनतमों के साथ दस्ताि्ेजों का यजजस्ट्रीकयण)

ननमभाि्री, 1989

1.सोंक्षिप्त नाभ विस्ताय औय प्रायोब- (1) मह ननमभावरक उतय ्रत देश (पोटो स्टेट ्रत नतमों के साथ दस्तावेजों का यजजस्ट्रककयण) ननमभावरक, 989 कहक जाएगी।

(2) मह ऐसे ें त्रों नय ्रत वृत होगी जो याज्म सयकाय द्वाया यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 1908 की धाया 82-क के अधीन अधधस धचत ककमे जामे।

(3) मह 1 नवम्फय, 989 से ्रतवृत होगी।

2. दस्तोिज का उनस्थानन- (1) यजजस्ट्रककयण अधधकायक के सभ यजजस्ट्रककयण के मरए उनस्थावनत, भुटद्रत मा अवभुटद्रत दस्तावेजों के मसवाम, सबी दस्तोवेजों के साथ एक पोटोस्टेट ्रतनत होगी जजससे उनकी सहक औय मथाथय अन्तवयस्तुमे होंगी औय उससे स्टाम्न की बफक्री से सम्फजन्धत नृष्ठाोकन बी होगा।

(2) पोटोस्टेट ्रतनत के ्रत्

मेक नृष्ठ नय हस्तां्य ककमा जामेगा औय दस्तावेज के ्रतथभ नृष्ठ बाग नय, स्टाम्न की बफक्री से सम्फजन्धत नृष्ठाोकन के ठीक नीचे, ननष्नादक मा उनस्थानक ननजम्नरर्खत रून भें घोषणा कयेगा।

भैं/हभ एतद्द्वाया घोषणा कयता ह ॉ/कयते हैं कक मह पोटोस्टेट ्रतनत भ र दस्तावेज की सहक औय मथाथय ्रतनतमरवन है।

टदनाोक……………………………..ननष्नादक/उनस्थानक

(3) जफ यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 के उनफन्धों के अधीन ककसी दस्तावेज को यजजस्ट्रककयण के मरए उनस्थावनत औय गृहकत ककमा जामे तो यजजस्ट्रककयण अधधकायक, उसके द्वाया इस ननमभ्त ननदेमशत यजजस्ट्रककयण मरवनकों द्वाया दस्तावेज की पोटोस्टेट ्रतनत को भ र दस्तावेज से मभरान औय नुजष्ट कयामेगा जो ्रत् मेक नृष्ठ नय औय ्रत् मेक ऐसी ्रतनत के अन्त भें ्रतनत का नढ़ने औय उसका मभरान कयने से ्रतभाण भें अनना स्नष्ट हस्तां्य कयेगा। यजजस्ट्रककयण अधधकायक बी अनना हस्तां्य कयेगा।

(4) दस्तावेज के साथ उनस्थावनत पोटोस्टेट ्रतनत को मह सुननजश्चत कयने के मरए कक मह इस ननमभावरक की अनें ा को न या कयती है, यजजस्ट्रककयण अधधकायक द्वाया नय नयकंण ककमा जामेगा। मटद पोटोस्टेट ्रतनत इस ननमभावरक की अनें ाओों को न या नहकों कयती है, तो यजजस्ट्रककयण अधधकायक उसे भ र ्रतनत के साथ उनस्थानक को उसकी कमभमाों द य कयने के नश्चात् उनस्थावनत कयने के मरए वानस कय देगा।

(5) पोटोस्टेट ्रतनत स्वच्छ औय सुनाठ्म होगी औय उसे 21 से0भी0 x 32 से0भी0 आकाय के भैन रकथों कागज नय इरेतरोस्टेट पोटो टाइवनोग भशीन द्वाया तैमाय कयामा जाएगा। पोटो स्टेट ्रत नत ्रत्

मेक कागज के फामी ओय 6.5 से0भी0 औय दामी ओय 1.5 से0भी0 का स्थान(नाश् वय) छोड़कय तैमाय की जाएगी औय नाश् वय हस्तां्य मा अन्म कोई मरखाई फामें छोड़े गए स्थान नय नहकों की जाएगी।

3. दस्तािेजों का अनुिाद- जहाों यजजस्ट्रककयण भैनुअर, बाग-दो, के ननमभ 202 के साथ नटठत यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया 19 के अधीन दस्तावेजों के अनुवाद को दार्खर
कयना अनेक्षत हो, वहाों ऐसे अनुवाद की पोटो स्टेट ्रत

नतमाॊ बी दार्खर की जाएगी औय
यजजस्ट्रककयण के मरए उऩस्स्थावऩत दस्तावेजों को पोटोस्टेट ्रतनतमों को दार्खर कयने से सॊफॊधधत ननमभावरक के उऩफॊध मथावश्मक ऩरयवतयनों सटहत ्रतवृत होंगे।

4. यजजस्ट्रीकयण का प्रभाण-ऩत्र- जफ कोई दस्तावेज उसकी पोटो स्टेट ्रत नत सटहत यजजस्ट्रककयण के मरए उऩस्स्थावऩत ककमा जाए, तफ यजजस्ट्रककयण अधधकायक द्वाया यजजस्ट्रककयण अधधननमभ, 908 की धाया , 8 औय 59 के उऩफॊधों के अधीन दस्तावेज ऩय ककए जाने के मरए अऩेक्षित सबी ऩृष्ठाॊकन पोटो ्रतनत ऩय बी ककए जाएॊगे औय धाया 60 के अधीन ्रतभाण-ऩत्र पोटोस्टेट ्रतनत ऩय औय भ र दस्तावेज ऩय बी ननम्नमरर्खत रुऩ भें अमबमरर्खत ककमा जाएगा। "आज टदनाॊक ……………….…….. की पोटो स्टेट
्रत नत ऩुस्तक सॊख्मा………………. खण्ड
के ऩृष्ठ ……………………………..….ऩय क्रभ सॊख्मा
ऩय यजजस्ट्रककृत ककमा गमा।

यजजस्ट्रककयण
अधधकायक का हस्ता ्य"

5. यजजस्ट्रीकयण की प्रक्रिमा- (1) यजजस्ट्रककयण के मरए गृहकत दस्तावेज की तफ सभुधचत यजजस्ट्य ऩुजस्तका भें पोटोस्टेट ्रतनत से नकर की जाएगी औय पोटोस्टेट ्रतनत के अ ॊत भें रार स्माहक से ऩाॊडुमरवऩ भें ऩृष्ठ, खॊड औय ऩुस्तक को, जजसभें दस्तावेज की नकर की गई है, सॊख्मा देते हुए टटप्ऩणी अ ॊककत की जाएगी। इस टटप्ऩणी ऩय यजजस्ट्रककयण अधधकायक द्वाया हस्ता ्य ककमा जाएगा।

(2) यजजस्ट्रककयण के मरए गृहकत दस्तावेज की पोटो स्टेट ्रतनत का ्रत् मेक कागज(शीट) उनके उऩस्स्थान के क्रभ भें क्रभानुसाय यखा जाएगा औय ्रत्
मेक ऩन्ने को दो ऩृष्ठ धगनते हुए ऩाॊडुमरवऩ भें रार स्माहक से फड़े अ ॊको भें शीषय बाग के फाहयक कोने ऩय ऩृष्ठ सॊख्मा डारक जाएगी औय ्रतनत 90 ऩृष्ठ के सेटों भे मसराई की जाएगी औय ऩुस्तक के रूऩ भें जजल्दफॊदक की जाएगी
जजसे सॊफजन्धत यजजस्ट्य ऩुस्तक की, मथाजस्थनत, पोटोस्टेट ऩुस्तक एक, तीन मा चाय कहा जाएगा। मटद अ ॊनतभ दस्तावेज की पोटोस्टेट ्रतनत यखने से 400 से अधधक ऩृष्ठों का सेट हो जाए तो उसे उसी खॊड भें यख मरमा जाएगा औय यजजस्ट्रककयण भैनुअर, बाग-दो के ननमभ 224 के अधीन यजजस्ट्रककयण अधधकायक द्वाया ककस रूऩ भें क्रभार्णत ककमा जाएगा। ककसी बी जस्थनत भें ककसी दस्तावेज की पोटोस्टेट ्रत नत को आॊमशक रुऩ से पोटोस्टेट ऩुस्तक के एक खॊड भें औय आॊमशक रूऩ से अन्म खॊडों भें नहकॊ यखा जाएगा।

……………
……………
……………
……………
……….
………